

अनुभाग - 1

निदेशक महोदय की कलम से.....

मुझे संस्थान के 29 वें वार्षिक प्रतिवेदन, 2015-16 को आपको समर्पित करने का गौरव प्राप्त हुआ है, जिसमें संस्थान के पिछले वर्ष की विविध गतिविधियों का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्ष के दौरान हम सभी ने संस्थान के संसाधनों में बढ़ोतरी करने तथा स्वच्छ प्रशासन प्रदान करने का गहन प्रयास किया।

यह संस्थान नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष श्रीमान जे. पी. राजखोवा, भा.प्र.से.(से.नि.), अरुणाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल के प्रति उनसे दिनांक 29.5.2013 से प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता है। प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष माननीय प्रणब कुमार बरबोरा, एअर मार्शल (से.नि.), प.वि.से.प., वि.से.प. दिनांक 13 दिसम्बर, 2013 से संस्थान के लिए निरन्तर प्रेरणा एवं मार्ग दर्शन के स्रोत रहे हैं, संस्थान उनका भी आभारी है। इस संदर्भ में, यह संस्थान तकनीकी ब्यूरो, आई.एफ.डी. तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारियों को भी उनसे समय समय पर मिलने वाले समर्थन एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त करता है।

वर्ष 2015-16 के दौरान संस्थान में सभी से प्राप्त व्यापक सहयोग के साथ नए शैक्षणिक पहल एवं आधारभूत ढांचों के विकास कार्य किए गए। विश्व बैंक के वित्तीय सहयोग से टीईक्यूआईपी गतिविधियों का संचालन पूर्ण प्रशासनिक पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। तथापि अभी भी बहुत कुछ किया जाना है और अधिक उच्च मानक स्थापित करने तथा संस्थान अपनी अपेक्षाओं में खरा उतरने और उससे भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार कठिन परिश्रम करता रहेगा।

संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त, अभिप्रेरित एवं अपेक्षित रूप से युवा संकाय सदस्य तथा गैर शिक्षण वर्ग के लगनशील कर्मचारी निष्ठा पूर्वक अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के छात्र अनुशासित, अभिप्रेरित तथा निष्ठावान हैं, तथा देश के प्रसिद्ध संस्थानों के विद्यार्थियों के साथ विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में अपने क्षेत्र में सफलता पाने में सक्षम हुए हैं। संस्थान के छात्रों ने अपने तथा संस्थान के लिए देश तथा विदेश में ख्याति अर्जित की है। संस्थान में कई प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं सफलता पूर्वक पूरी हुई हैं, जिनका वित्त पोषण बाह्य फंडिंग एजेंसियों द्वारा किया गया है।

संस्थान में नियोजन आंकड़ों की स्थिति संतोषजनक है, परन्तु इसमें और सुधार लाए जाने की आवश्यकता है। संस्थान के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ का वर्तमान दल हमारे विद्यार्थियों के नियोजन हेतु साक्षात्कार आयोजन करने के लिए देश के विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी/ सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों को आमंत्रित करने के लिए यथा संभव प्रयास कर रहा है।

निदेशक

अनुभाग - 2 संस्थान का परिचय

2.1 संस्थान

अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण, सूर्योदय की भूमि अरुणाचल प्रदेश में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) की स्थापना भारत सरकार द्वारा आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की प्रायोगिक परियोजना के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का उद्देश्य इस क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु तकनीकी मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करना था। संस्थान का परिसर अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र ईटानगर में निर्जुली में स्थित है, तथा यह गुवाहाटी से सड़क, हवाई तथा रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है।

यह संस्थान दिनांक 1 अप्रैल, 1994 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण में कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत, एमएचआरडी द्वारा संस्थान को 31 मई, 2005 को "मानक विश्वविद्यालय" का स्तर प्रदान किया गया था।

यह संस्थान प्रवेश और निकास की बहुविध प्रणालियों के साथ शिक्षा की माँड्यूलर पद्धति का अनुकरण करता है, और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के विभिन्न स्तरों पर कुशल श्रम शक्ति तैयार कर रहा रहा है। नेरिस्ट में अपनाई जा रही विशिष्ट शिक्षा पद्धति का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम तथा त्रिपुरा को तकनीकी स्तर पर अन्य राज्यों के समकक्ष सबल बनाते हुए प्रौद्योगिकी अन्तर को समाप्त करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देना है। सिक्किम राज्य को इसका लाभ प्राप्त करने वाले राज्य के रूप में वर्ष 2006 में शामिल किया गया।

यह संस्थान शिक्षा की माँड्यूलर पद्धति का सफलता पूर्वक संचालन कर रहा है, जिसके माध्यम से संस्थान विभिन्न विभागों कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, वानिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, मानव विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान तथा अन्य सहायक विभागों के सहयोग से नौ प्रमाण पत्र कार्यक्रमों, छह डिप्लोमा कार्यक्रमों तथा सात डिग्री कार्यक्रमों का अध्यापन कार्य कर रहा है। हालांकि यह संस्थान छात्रों को कम उम्र (कक्षा 10 के पश्चात) में प्रवेश प्रदान करता है, तथापि इसके प्रभावशाली शैक्षिक तथा प्रशासनिक ढांचे ने शिक्षा का उच्च स्तर एवं व्यक्तित्व विकास के उच्च मूल्यों को बनाये रखने में सफलता प्राप्त की है।

संस्थान में वर्ष 1996-97 से दो स्नातकोत्तर कार्यक्रमों यथा: सूचना प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से किया गया था। संस्थान को 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त होने के पश्चात सभी अभियांत्रिकी विभागों में अंशकालिक और नियमित आधार पर पीजी और पीएचडी कार्यक्रम, वर्ष 2007-08 से वानिकी में एमएससी, वर्ष 2009-10 से भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में

एमएससी आरंभ किए गए। एमबीए सहित संस्थान के सभी ग्यारह विभागों में वर्ष 2006 से पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किए गए। अरुणाचल प्रदेश राज्य में एम.टेक. तथा एम.बी.ए. कार्यक्रमों की शिक्षा सर्वप्रथम आरम्भ करने का गौरव संस्थान को प्राप्त है।

संस्थान का दृष्टिकोण

वैश्विक आवश्यकताओं और बहु-सांस्कृतिक परिवेशगत मानकों को पूरा करते हुए समाज को विशेष सेवा प्रदान करने हेतु नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वबोध के साथ विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा, शोध और उद्यमिता में श्रेष्ठता प्राप्त करने की योग्यता युक्त श्रमशक्ति का निष्पादन करना ।

संस्थान का उद्देश्य

1. मौलिक मॉड्यूलर प्रणाली के माध्यम से विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में एक मानक निर्मित करना।
2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में उच्च नैतिक मूल्यों के साथ विभिन्न विषयों में वैश्विक स्तर पर सक्षम तकनीकी तथा वैज्ञानिक श्रमशक्ति तैयार करना।
3. अभियंताओं/प्रौद्योगिकीविदों/प्रशिक्षुओं को श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए हितधारकों, जवाबदेही, पर्यावरण और समाज को ध्यान में रखते हुए सृजनात्मकता के लिए प्रेरित करना।
4. शिक्षण, शोध एवं परामर्शी कार्यों में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए भारत तथा विदेशों के विश्व स्तर के शोध एवं विकास संस्थान, उद्योग और शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोगिता विकसित करना।

2.2 प्रशासनिक ढांचा

यह संस्थान समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक पंजीकृत समिति है। वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल नेरिस्ट समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। श्री प्रणब कुमार बरबोरा, एअर मार्शल (से.नि.), प.वि.से.प., वि.से.प संस्थान के प्रबन्धन मण्डल के अध्यक्ष हैं।

2.3 प्रमुख विशेषताएँ

- मॉड्यूलर प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रणाली
- विविध स्तरीय प्रवेश एवं निकास प्रणाली
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए तकनीकी श्रमशक्ति के सृजन के लिए गैर-परम्परागत एवं विशिष्ट कार्यक्रमों का संचालन
- ज्ञान, कौशल एवं उच्च गुणवत्ता विकास के लिए मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली
- उच्च शिक्षित संकाय सदस्य तथा समर्पित कर्मचारी
- स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम
- उपकरणों से सज्जित प्रयोगशालाएं एवं कार्यशालाएं
- पूर्ण आवासीय संस्थान
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित संस्थान

अनुभाग - 3 शैक्षिक कार्यक्रम

3.1 परिचय

किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान का शैक्षिक विभाग उसका सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। सुचारु और सफल संचालन के लिए वर्तमान शैक्षिक विभाग को तीन अनुभागों, क्रमशः स्नातक शिक्षा अनुभाग, स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग तथा अनुसंधान शिक्षा (पीएच.डी.) अनुभाग में विभाजित किया गया है। स्नातक शिक्षा अनुभाग प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति/आधार के अन्य शैक्षणिक मामले, डिप्लोमा और डिग्री मॉड्यूल आदि के मामले देखता है; स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग एम.टेक., एम.बी.ए., एवं एम.एससी. कार्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया एवं सम्बद्ध गतिविधियों का संचालन करता है। अनुसंधान शिक्षा अनुभाग विभागीय अनुसंधान समिति बैठकों के आयोजन, पीएच.डी. छात्रों को प्रवेश सम्बन्धी पत्राचार, परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनको डिग्री एवं छात्रवृत्ति आदि के आबंटन के कार्य का निष्पादन करता है। दीक्षांत समारोह, शैक्षिक समिति बैठक, सूचना के अधिकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार तथा अन्य विविध शैक्षिक संबन्धित मामलों को भी देखता है। इस शाखा के प्रभारी सहायक कुल सचिव (शैक्षणिक) हैं। जुलाई-दिसंबर, 2015-16 को संस्थान में 1291 स्नातक विद्यार्थी, 270 स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा 217 पंजीकृत पीएच.डी. छात्र थे। संस्थान में वर्तमान विद्यार्थी संख्या 1745 है, जो यह दिखाता है, कि पिछले वर्षों की तुलना में संस्थान में विद्यार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

3.2 गतिविधियों का विवरण

संस्थान के पाठ्यक्रम के मॉड्यूलर संरचना में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी शाखा में तीन स्वतंत्र मॉड्यूल और वानिकी में एक स्वतंत्र मॉड्यूल है, जो निम्नवत हैं :

क) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा

1. प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. डिप्लोमा कार्यक्रम
3. उपाधि कार्यक्रम

ख) वानिकी शाखा

1. उपाधि कार्यक्रम

यह संस्थान अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा में तीन कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र (कक्षा 10 के पश्चात दाखिला), डिप्लोमा (कक्षा 10+2 / या नेरिस्ट प्रमाण पत्र के पश्चात दाखिला) तथा डिग्री कार्यक्रम (आवश्यक सी.जी.पी.ए. के साथ डिप्लोमा/प्रथम श्रेणी में पोलेटेक्नीक डिप्लोमा के पश्चात दाखिला) का संचालन कर रहा है।

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III के माध्यम से दाखिला वाले डिग्री कार्यक्रम के सेतु पाठ्यक्रमों, जिसकी अवधि तीन वर्ष है के अलावा अन्य सभी कार्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है।

3.3 पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के तहत चलाए जा रहे पाठ्यक्रम

वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित पूर्व स्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया –

प्रमाण पत्र कार्यक्रम

क्रम संख्या	प्रमाणपत्र कार्यक्रम	व्ययवसाय
1.	कृषि अभियांत्रिकी	ट्रेक्टर मेकानिक एवं खाद्य प्रसंस्करण तकनीशियन
2.	निर्माण प्रौद्योगिकी	नक्सानविस और सर्वेक्षक
3.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (विद्युत)	विद्युतकार
4.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिकी)	इलेक्ट्रॉनिक तकनीशियन
5.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (यांत्रिक)	यांत्रिक शिल्पकार, शीतलन एवं वातानुकूलन तकनीशियन

डिप्लोमा कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ड. इलेक्ट्रॉनिकी एवं विद्युत संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ड. इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (वानिकी में चार वर्षीय उपाधि कार्यक्रम)

3.4 स्नातकोत्तर कार्यक्रम में चलाए जा रहे पाठ्यक्रम

संस्थान ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरम्भ कर दिया है और वर्तमान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है -

एम.टेक. (अंशकालिक एवं पूर्णकालिक)

- (क) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी में एम टेक
- (ख) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम टेक

- (ग) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम टेक
- (घ) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत भू-तकनीक अभियांत्रिकी में एम टेक
- (ङ) विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम टेक
- (च) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन में एम टेक
- (छ) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उष्मा-द्रव अभियांत्रिकी में एम टेक
- (ज) इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत वीएलएसआई में एम टेक
- (झ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कृषि यंत्र एवं ऊर्जा में एम टेक

एम.एससी.

- (क) वानिकी विभाग के अंतर्गत वानिकी में एम.एससी.
- (ख) भौतिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत भौतिकी में एम.एससी.
- (ग) रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत रसायन विज्ञान में एम.एससी.
- (घ) गणित विभाग के अंतर्गत गणित में एम.एससी.

एम बी ए

प्रबंधन अध्ययन केंद्र के अंतर्गत वाणिज्य प्रशासन में स्नातकोत्तर

पीएच.डी. (अंशकालिक) एवं पीएच.डी. (पूर्णकालिक)

अभियांत्रिकी शाखाएं

- कृषि अभियांत्रिकी
- भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी

विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन शाखाएं

- वानिकी
- भौतिकी
- रसायन विज्ञान
- गणित
- मानविकी एवं समाज विज्ञान

3.5 अन्य कोई संगत सूचना/आंकड़ा

जुलाई-दिसम्बर, 2015-16 सत्र के दौरान पंजीकृत छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

(क) पूर्व स्नातक कार्यक्रम

तालिका - 1 प्रथम वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	33	21	26
सिविल अभियांत्रिकी	39	43	49
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-	11	13
विद्युत अभियांत्रिकी	39	27	38
इलेक्ट्रॉनिकी एव संचार अभियांत्रिकी	22	41	40
यांत्रिक अभियांत्रिकी	38	38	43
कुल संख्या	171	181	209

तालिका - 2 द्वितीय वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (माँड्यूल वार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	26	33	13
सिविल अभियांत्रिकी	38	43	36
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-	07	20
विद्युत अभियांत्रिकी	40	45	42
इलेक्ट्रॉनिकी एव संचार अभियांत्रिकी	25	38	36
यांत्रिक अभियांत्रिकी	41	46	48
कुल संख्या	170	212	195

तालिका - 3 उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

वर्ष	छात्रों की संख्या
प्रथम वर्ष	14
द्वितीय वर्ष	13
तृतीय वर्ष	12
चतुर्थ वर्ष	19
कुल संख्या	58

तालिका - 4 उपाधि सेतु वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	-
सिविल अभियांत्रिकी	11
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	12
विद्युत अभियांत्रिकी	11
इलेक्ट्रॉनिकी एव संचार अभियांत्रिकी	12
यांत्रिक अभियांत्रिकी	07
कुल संख्या	53

तालिका - 5 : पुनरावृत्ति पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	05	04	01
सिविल अभियांत्रिकी	--	05	02
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	--	--	--
विद्युत अभियांत्रिकी	05	05	03
इलेक्ट्रॉनिकी एव संचार अभियांत्रिकी	03	04	01
यांत्रिक अभियांत्रिकी	04	03	03
वानिकी	-	-	03
कुल संख्या	17	21	13

तालिका - 6 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभि.	28	05	14	07	04	01	59
सिविल अभि.	27	12	28	10	--	--	77
विद्युत अभि.	30	09	31	04	04	01	79
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	15	07	19	03	02	01	47
यांत्रिक अभि.	32	06	34	03	04	--	79
कुल	132	39	126	27	14	03	341

तालिका - 7 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (डिप्लोमा कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभि.	08	13	19	10	04	-	54
सिविल अभि.	27	16	29	09	04	01	86
कम्प्यूटर अभि.	08	03	06	01	--	-	18
विद्युत अभि.	36	05	32	08	05	-	86
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	21	06	23	11	04	-	65
यांत्रिक अभि.	35	03	42	01	03	-	84
कुल	135	46	151	40	20	01	393

तालिका - 8 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		सेतु वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभि.	17	09	07	05	-	-	01	--	39
सिविल अभि.	40	09	28	06	08	03	02	--	96
कम्प्यूटर अभि.	09	04	12	08	08	04	--	--	45
विद्युत अभि.	28	10	27	12	11	--	03	--	91
इलेक्ट्रानिकी अभि.	32	08	27	08	09	03	01	--	88
यांत्रिक अभि.	40	03	41	04	07	--	03	--	98
कुल	166	43	142	43	43	10	10	--	457

तालिका - 9 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि)

शाखा	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		चतुर्थ वर्ष एवं पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
वानिकी	06	08	07	06	06	06	12	07	58

तालिका - 10 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	विकलांग	कुल संख्या
कृषि अभि.	09	02	01	47	-	59
सिविल अभि.	18	13	06	37	03	77
विद्युत अभि.	23	10	02	41	03	79
इलेक्ट्रानिकी अभि.	18	04	02	21	02	47
यांत्रिक अभि.	34	13	06	25	01	79
कुल	102	42	17	171	09	341

तालिका - 11 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	विकलांग	कुल संख्या
कृषि अभि.	05	05	01	43	-	54
सिविल अभि.	20	08	05	49	04	86
कम्प्यूटर अभि.	04	05	-	07	02	18
विद्युत अभि.	28	12	04	41	01	86
इलेक्ट्रानिकी अभि.	35	05	02	21	02	65
यांत्रिक अभि.	40	11	07	25	01	84
कुल	132	46	19	186	10	393

तालिका - 12 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (उपाधि माँड्यूल)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	विकलांग	कुल संख्या
कृषि अभि.	10	02	03	24	--	39
सिविल अभि.	33	11	06	44	02	96
कम्प्युटर अभि.	09	06	04	25	01	45
विद्युत अभि.	21	15	04	48	03	91
इलेक्ट्रानिकी अभि.	47	13	06	20	02	88
यांत्रिक अभि.	41	18	06	33	--	98
वानिकी	13	09	04	29	03	58
कुल	174	74	33	223	11	515

तालिका - 13 छात्रों का राज्य-वार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	05	22	04	05	04	05	10	03	01	59
सिविल अभि.	04	19	08	07	07	08	08	07	09	77
विद्युत अभि.	05	22	09	08	08	03	08	09	07	79
इलेक्ट्रानिकी अभि.	06	05	08	09	08	02	02	--	07	47
यांत्रिक अभि.	05	20	11	10	09	03	05	05	11	79
कुल	25	88	40	39	36	21	33	24	35	341

तालिका - 14 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	04	24	03	04	04	04	07	02	02	54
सिविल अभि.	08	17	10	08	09	07	11	07	09	86
कम्प्युटर अभि.	05	02	01	02	04	01	02	01	-	18
विद्युत अभि.	09	15	08	09	11	05	10	07	12	86
इलेक्ट्रानिकी अभि.	09	17	09	03	06	05	10	02	04	65
यांत्रिक अभि.	09	13	14	06	11	06	07	08	10	84
कुल	44	88	45	32	45	28	47	27	37	393

तालिका - 15 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	05	12	02	04	04	--	08	02	02	39
सिविल अभि.	11	22	14	04	11	06	06	05	17	96
कम्प्युटर अभि.	04	08	07	05	06	05	05	01	04	45
विद्युत अभि.	12	22	13	10	09	01	08	04	12	91
इलेक्ट्रानिकी अभि.	13	11	12	06	14	08	06	08	10	88
यांत्रिक अभि.	12	15	18	10	10	02	09	06	16	98
वानिकी	02	11	06	09	07	05	04	09	05	58
कुल	59	101	72	48	61	27	46	35	66	515

(ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

तालिका - 16 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्र			कुल
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	पुनरावृत्ति	
1	कृषि अभि.	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	07	04	-	11
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	04	04	-	08
2	सिविल अभि.	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	10	11	03	24
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	10	09	02	21
3	कम्प्युटर अभि.	कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	06	06	01	13
		सूचना प्रौद्योगिकी	04	04	--	08
4	विद्युत अभि.	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	18	06	03	27
5	इलेक्ट्रानिकी अभि.	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	-	-	--	--
		अति वृहद एकीकृत	15	07	--	22
6	यांत्रिक अभि.	कम्प्युटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	09	10	-	19
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	08	07	-	15
कुल			91	68	09	168

तालिका - 17 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या			कुल
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	12	07	01	20
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	10	06	--	16
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	09	03	01	13
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	08	12	01	21
कुल			39	28	03	70

तालिका - 18 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	केंद्र	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या			कुल
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	पुनरावृत्ति	
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	20	14	07	41

तालिका - 20 पीएच.डी. (अंशकालिक व पूर्णकालिक) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

अभियांत्रिकी शाखा (क)				
क्र.सं.	विभाग का नाम	छात्रों की संख्या		कुल
		सामायिक	पूर्ण कालिक	
1	कृषि अभियांत्रिकी	02	17	19
2	सिविल अभियांत्रिकी	12	05	17
3	कम्प्युटर अभियांत्रिकी	01	04	05
4	विद्युत अभियांत्रिकी	18	17	35
5	इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	06	13	19
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	10	13	23
कुल (क)		49	69	118
विज्ञान, मानविकि एवं प्रबंधन अध्ययन शाखा (ख)				
7	भौतिक विज्ञान	07	08	15
8	रसायन विज्ञान	02	02	04
9	गणित	05	10	15
10	वानिकी	08	26	34
11	मानविकि एवं समाज विज्ञान	13	09	22
12	प्रबंधन अध्ययन	07	02	09
कुल (ख)		42	57	99
कुल (क) + (ख)		91	126	217

3.6 विविध सूचना

संस्थान में 5वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन 8 मार्च, 2016 को किया गया था। समारोह की अध्यक्षता एअर मार्शल (से नि) पी के बारबरा, अध्यक्ष, नेरिस्ट प्रबन्धन मंडल ने की थी। समारोह के मुख्य अतिथि पदम भुषण आचार्य मिनाल मिरी, राज्य सभा के नामित सदस्य तथा उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति थे। आपने मुख्य अतिथि अभिभाषण प्रस्तुत किया था।

अनुलग्नक - IV

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण (31.03.2016 को)

1. आचार्य पी. के. दास, निदेशक, नेरिस्ट	-अध्यक्ष
2. आचार्य पी. के. त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	-सदस्य
3. आचार्य मो. अनवर हुसैन, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास)	-सदस्य
4. आचार्य बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	-सदस्य
5. आचार्य एम. एफ. हुसैन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	-सदस्य
6. आचार्य एन.एस. रघुवंशी, कृषि विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर	-सदस्य
7. आचार्य एस.सी.डेका, खाद्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, तेजपुर विश्वविद्यालय	-सदस्य
8. आचार्य डी. एन. दास, संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	-सदस्य
9. आचार्य डी. दास, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय असम	-सदस्य
10. आचार्य टोमो रिबा, संकायाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	-सदस्य
11. आचार्य अंजन दत्त, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी	-सदस्य
12. इंजि. टालो पोटोम	-सदस्य
13. आचार्य जे. चौबे, गणित विभाग	-सदस्य
14. आचार्य एस. के. सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
15. आचार्य मुबारक हुसैन, रसायन विज्ञान विभाग	-सदस्य
16. आचार्य एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग	-सदस्य
17. आचार्य एम. मुरलीधरण, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
18. आचार्य एस. के. पांडे, गणित विभाग	-सदस्य
19. आचार्य (श्रीमती) पी रेथी, वानिकी विभाग	-सदस्य
20. आचार्य पी. आर. अलापति, भौतिकी विभाग	-सदस्य
21. आचार्य पी. पी. दबराल, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
22. आचार्य एल. के. अरोरा, गणित विभाग	-सदस्य
23. आचार्य के डी राम, रसायन विभाग	-सदस्य
24. आचार्य के. एन. देवांगन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य

25. आचार्य शैबाल चटर्जी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
26. आचार्य बी. डी. नायक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	-सदस्य
27. आचार्य सी. एल. शर्मा, वानिकी विभाग	-सदस्य
28. आचार्य ए. एस. राय, गणित विभाग	-सदस्य
29. आचार्य एन देव, रसायन विभाग	-सदस्य
30. विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी	-सदस्य
31. विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी	-सदस्य
32. विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	-सदस्य
33. विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी	-सदस्य
34. विभागाध्यक्ष, ईलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना अभियांत्रिकी	-सदस्य
35. विभागाध्यक्ष, मेकनिकल अभियांत्रिकी	-सदस्य
36. विभागाध्यक्ष, भौतिकी	-सदस्य
37. विभागाध्यक्ष, रसायन	-सदस्य
38. विभागाध्यक्ष, गणित	-सदस्य
39. विभागाध्यक्ष, वानिकी	-सदस्य
40. विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं समाज विद्यापीठ	-सदस्य
41. केंद्र अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन केंद्र	-सदस्य
42. केंद्र अध्यक्ष, सी.ए.टी.ए.आर.डी	-सदस्य
43. डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
44. श्री डी. के. श्यामल, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
45. डॉ. आर. के. मेहरा, सह आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
46. डॉ. एम. पी. थेड्युस, सहायक आचार्य, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
47. श्री टी. वी. पी. सिंह, सहायक आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
48. श्री के. लेगोह, सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
49. परीक्षा नियंत्रक	-सदस्य
50. डॉ. आर पी भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट	-असदस्य सचिव

अनुभाग - 4

विभाग

4.1 वानिकी विभाग

संस्थान के उद्गम के साथ ही वानिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1986 में पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के विद्यार्थियों को वानिकी की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह विभाग इस समय चार वर्ष के वानिकी में उपाधि, दो वर्ष की एम.एससी. तथा पी.एच. डी कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग को इस तरह सुविधायुक्त बनाया गया है कि वानिकी के क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों की सामना करने के लिए योग्य पेशेवर यहाँ से निकल सकें जो प्रबंधन में भी दक्षता रखते हों। वानिकी के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का निर्धारण राष्ट्रीय वन नीति, 1986 के अनुरूप की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में वनों का संरक्षण करना है। हमारे देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र सघन वनों से अच्छादित है, जिनके संरक्षण एवं समुचित प्रबंधन के लिए बौद्धिक मानव संसाधन की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है जो न केवल जैव विविधता का धनी है बल्कि यहाँ कई दुर्लभ, लूप्तप्राय प्रजाति के मूल्यवान प्रजाति के पेड़ पौधे पाए जाते हैं। अगर मानव का उचित साथ और संरक्षण नहीं मिला तो इनमें से कुछ प्रजातियों के निकट भविष्य में लुप्त होने का भी खतरा है। यहां के छात्र अपने उच्च कोटि के अध्ययन के बल पर वनों के संरक्षण, उनके उपयोग में तालमेल एवं उनके निरन्तर विकास के कार्य को निष्पादन करने में सफल होंगे। विभाग के छात्रों को ग्रीष्मकालिन परियोजनाओं एवं प्रायोगिक अध्ययन द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से वानिकी की विभिन्न विधाओं से अवगत कराया जा रहा है।

विभाग के शैक्षिक कार्यों के सफल निष्पादन का पूर्ण श्रेय संकाय सदस्यों को जाता है, जिन्हें वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे वन वातावरण, काष्ठ विज्ञान, वन भू-सूचना, काष्ठ विज्ञान व प्रौद्योगिकी, उद्यान कला, पौध संरक्षण, नैतिक पौध विकास, वन वर्धन, जैव विविधता संरक्षण, वन्य जीव प्रबन्धन, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, वन संरचना, वन्य अर्थनीति एवं प्रबन्धन में विशेषज्ञता प्राप्त है। अध्यापन कार्य के अलावा, संकाय सदस्य अनुसंधान कार्यों में भी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, तथा अपने क्षेत्र विशेष में पीएच. डी. छात्रों का मार्ग दर्शन कर रहे हैं। इस विभाग ने पीएच. डी. उपाधि के 41 शोध ग्रन्थों को पूरा कर लिया है।

संकाय सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता
1.	डॉ. (श्रीमती) पी. रथी	आचार्य	जैव प्रणाली एवं परम्परागत उद्यान कला
2.	डॉ. बी सिंह	आचार्य	उद्यान कला एवं कृषि वानिकी
3.	डॉ. सी.एल. शर्मा	आचार्य	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

4.	डॉ. (श्रीमती) एम शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	काष्ठ विज्ञान एवं वन्य उत्पाद
5.	डॉ.(श्रीमती) के श्रीवास्तव	आचार्य	सूक्ष्म जीव आणविक जीव विज्ञान
6.	डॉ. पी.आर. गुजराल	सह आचार्य	परम्परागत उद्यान पौध विज्ञान एवं औषधी पौधे
7.	डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव वातावरण एवं जैव सूचना प्रणाली
8.	डॉ. ए. कुमार	सह आचार्य	वन्य प्राणी प्रबन्धन
9.	डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी	सहायक आचार्य	वन्य वातावरण जैव विविधता संरक्षण एवं दूर संवेदी
10.	डॉ. एल.बी. सिंघा	सहायक आचार्य	वन्य वातावरण जैव रसायन एवं तनाव प्रबन्धन
11.	श्री जी. पांगिंग	सहायक आचार्य	वन अर्थ शास्त्र एवं प्रबन्ध

4.1.2 शैक्षणिक गतिविधियां

यह संस्थान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में स्थित है, जो कि जैव विविधता का एक प्रमुख स्थान है। प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता को तथा उसपर मंडराते विविध खतरों को देखते हुए संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा इस विश्व जैव विविधता क्षेत्र के संरक्षण में बहुमूल्य है। इस तरह हमारे द्वारा चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों से निष्पादित जनशक्ति वन्य उपयोग, प्रबन्ध, नीति निर्धारण, उत्पादन-सह-उपयोग करने में तथा राष्ट्र का सामाजिक आर्थिक विकास करने में सक्षम है। विभाग का मुख्य उद्देश्य वानिकी एवं इससे संबन्धित विषयों में शिक्षा प्रदान करना तथा अनुसंधान करना है। विभाग द्वारा वानिकी में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि
1	बी.एस सी. (वानिकी) - चार वर्ष	04 वर्ष
2	एम. एससी. - 2 वर्ष	02 वर्ष
3	पी एच. डी. (न्यूनतम 3 वर्ष)	न्यूनतम 03 वर्ष सह 01 वर्ष पठन कार्य

वानिकी की समस्त प्रमुख विधाओं जैसे वन प्रबन्धन, संरक्षण, रक्षा एवं उपयोगिता, वन नीति एवं योजना, वन्य जीवविज्ञान, वन्य जीव प्रबंधन, वन वर्धन, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दूर संवेदी उपयोग से भू-सर्वेक्षण, मृदा जीव विज्ञान एवं प्रबन्धन, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा अन्य संबन्धित विषयों जैसे जैव रसायन, जैव सांख्यिकी, सर्वेक्षण, वाणिज्य आदि की शिक्षा बी.एससी के छात्रों को प्रदान की जा रही है। विभाग में वानिकी की उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने का सामर्थ्य है। बी.एससी. के पाठ्यक्रम में छात्रों को गहन ग्रीष्मकालिन प्रशिक्षण का प्रावधान है, जिनके लिए इनको विविध उद्यानों, अनुसंधान संस्थाओं, गैरशासकीय संगठनों जैसे एम.एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, विमको, प्रदान आदि में भेजा जाता है। प्रशिक्षण में विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, वन्य जीव प्रबन्धन, चाय उत्पादन सह प्रबन्धन, ग्रामीण प्रबन्धन, दूर संवेदी एवं वन्य वातावरण विषयों पर कार्य किया जाता है।

विभाग ने अब तक 55 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य पूरा कर लिया है, तथा 08 पर कार्य प्रगति पर है। परियोजनाओं में कार्य करने वाले छात्रों को पीएच.डी. उपाधि के लिए पंजीकरण करवाया जाता है, जिससे अब तक विभाग ने 50 छात्रों को पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान की है। संकाय सदस्यों का इन कार्यों में विशेष योगदान रहा है, तथा विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध लेखों का प्रकाशन कर रहे हैं। यह विभाग राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विविध संगठनों के साथ आपसी सहयोग से कार्य कर रहा है।

4.1.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

विभाग में प्रायोगिक कक्षाओं, अनुसंधान एवं विकास के लिए सात प्रयोगशालायें तथा तीन क्षेत्र प्रयोगशालायें कार्य कर रही हैं। विभाग की प्रयोगशालायें उपकरणों से सुसज्जित है जो शोध कार्यों के लिए आवश्यक मांगों को पूरा करती है। विभाग की अनुसंधान प्रयोगशाला शोध कार्य करने के लिए उपयुक्त है। अब तक विभाग ने प्रायोजित संगठनों मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, युनिस्को, जी. बी. पन्त संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आइसीफेरे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इसरो, एफ एन डी पी के 65 से अधिक परियोजनाओं पर कार्य निष्पादन किया है, जिनमें कुछ पूरे हो गए हैं, तथा कुछ पर कार्य प्रगति पर है। विभाग की प्रयोगशालाओं में परम्परागत उपकरणों के अलावा, विशिष्ट उपकरण जैसे बीज अंकुरण यंत्र, आक्सीकरण यंत्र, पत्ती क्षेत्रफल मापी यंत्र, परत-सह-परत हवा वहन मापी यंत्र, रोटरी मिश्रक, शितलक एकाग्र यंत्र फ्रिज, गर्म हवा भट्टी, स्पेक्ट्रम मापी, चिंगारी प्रकाश मापी, इलेक्ट्रॉनिक तुला, गोलाकार छिलन यंत्र, शूक्ष्मदर्शी, काष्ठ गुणवत्ता यंत्र, स्वचालित मौसम यंत्र, पी सी आर प्रणाली, गैस यंत्र एवं कैल्पलस यंत्र आदि विभिन्न प्रायोगिक अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। विभाग में एक उन्नत कम्प्यूटर केन्द्र तथा पुस्तकालय है। विभाग में अनेक कम्प्यूटरों पर स्थानीय नेटवर्क सहित इन्टरनेट और प्रिंटिंग की सुविधा उपलब्ध है।

मौजूदा प्रयोगशालाएं:

प्रयोगशाला संख्या	प्रयोगशाला का नाम और सुविधाएं	प्रभारी
1	काष्ठ विज्ञान एवं वन उत्पाद	डॉ. एम. शर्मा
2	पौध सुक्ष्म जैव विचरण एवं सुक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. के. श्रीवास्तव
3	वन्य प्रणाली पौध विज्ञान एवं उधान कला	डॉ. पी. आर. गुजरेल
4	पर्यावरण एवं वातावरण एवं विविधता	श्री जी. पेंगिंग
5	पौधशाला वन्य वातावरण एवं जैव विविधता	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी
6	वन्य प्राणी संरक्षण	डॉ. ए कुमार
7	दूर संवेदी तथा भू-सूचना प्रणाली	डॉ. ओ पी त्रिपाठी
सुविधाएं 1	कम्प्यूटर सूविधा	डॉ. ए कुमार
सुविधाएं 2	विभागीय पुस्तकालय	डॉ. ए कुमार
सुविधाएं 3	वन संग्रहालय	डॉ. पी आर गुजरेल
सुविधाएं 4	वानिकी वनस्पति संग्रहालय	डॉ. पी आर गुजरेल
सुविधाएं 5	जैव सूचना प्रणाली केन्द्र	डॉ. एस एस सिंह

4.1.4 स्नातकोत्तर/पीएच.डी. छात्रों द्वारा प्रस्तुत परियोजनायें/ शोध ग्रन्थ

(i) पीएच.डी. शोध ग्रन्थ (उपाधियाँ प्रदान की गईं)

नाम/ पंजीकरण संख्या	पर्यवेक्षक	पीएच.डी. शोध ग्रन्थ का विषय
कु. बामिन याकांग पीएच.डी. (पी)/07/वा/01	डा. पी.आर. गुजरेल	अरुणाचल प्रदेश की आपातानी जनजाति के गैर इमारती काष्ठ उत्पादों व स्थानिय कौशल प्रणाली का अध्ययन।
श्री कुलदीप शर्मा पीएच.डी. (एफटी)/10/वा/07	डा. ए. कुमार	भारत के अरुणाचल प्रदेश में पाये जाने वाले पूर्वी होलाक लंगूर की निवास परिस्थितियों का अध्ययन।
श्री हेमन हजारिका पीएच.डी. (पी)/07/वा/10	डा. पी.आर. गुजरेल	नलिका युक्त बेटलियोडी का वितरण, घनत्व संरचना एवं विज्ञान
श्री च. सदानन्द सिंह पीएच.डी. (पी)/08/वा/04	डा. एल.बी. सिंह डा. ओ.पी. त्रिपाठी	बम्बू टहनी के पोषक तत्वों व ऑक्सीकरण शोध्य गुण तथा अरुणाचल प्रदेश में उपलब्ध इसमें उत्पाद।
श्री अमल बावरी पीएच.डी. (एफटी)/11/वा/01	डा. पी.आर. गुजरेल	अरुणाचल प्रदेश में प्रमिला की कुछ चयनित प्रजातियाँ एव उनका उपलब्धता आकलन।
कु. नमराम शोभारानी देवी पीएच.डी. (पी)/08/वा/05	डा. एल.बी. सिंह	लियसिनोडलस आरबोनिल का जीव विज्ञान तथा बैंगन कृषि के वातावरण प्रबन्ध्य एव कीट नाशक के रूप में इसका उपयोग।
कु. चुमी खनीकर पीएच.डी. (एफटी)/ वा/ 09/1 /01	डा. एस.एस. सिंह	पूर्वतर भारत के महत्वपूर्ण औषध्य पौद्यो की जड़ों में पाये जाने वाले शुष्म कवक विविध्यता का आणविक प्रविद्य से अध्ययन।
सी. मुरली कृष्णा पीएच.डी. (एफटी)/11/वा/05	डा. ए. कुमार	अरुणाचल प्रदेश भारत में पाये जाने वाली गौरया की जैव विविध्यता सह- वातवरण का उड़ने वाली लाल चिड़िया के विशेष संदर्भ में अध्ययन। शोध्य ग्रन्थ प्रस्तुत उपाद्यि अभी तक प्रदान नही की गई।

(ii) स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

छात्र का नाम व रोल क्रमांक	विवरण	पर्यवेक्षक
श्री यामनम रोमियो सिंह एम.एस./13/वा/01	लानगोल वन आरक्षी क्षेत्र, मणिपुर की पौद्य विविध्यता सामाजिक विशिष्टतायें तथा सतह पर जैव पदार्थ एवं कार्बन भण्डार	डा. ओ.पी. त्रिपाठी
कु. पापोरी खाटनोयर एम.एस./13/वा/02	आसाम भारत के पटाई वन्य जीव आरक्षी क्षेत्र के जैपोर आरक्षी वनों में मालयान वृहद गौरया (रातु फेबीकलर) की जीवन शैली एवं रहन-सहन विसिष्टतायें	डा. ए. कुमार
श्री संगे डोन्डू थुंगन एम.एस./13/वा/04	अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कमिंग जिला के शैरगांव में इंद्यन काष्ठ का उपयोग व बहुतायान इंद्यन के रूप में प्रयुक्त क्युटस सैरटा की सघनता जमीन के ऊपरी सतह पर जैव पदार्थ।	डा. एल.बी. सिंह

श्री चैनाबू सैब एम.एस./13/वा/05	नागालैंड की जेलींग प्रजाति का परम्परागत प्राकृतिक संसादन प्रबन्धन: मबूला वन आरक्षी क्षेत्र के गावों पर एक अध्ययन।	श्री जी. पाँगिग
कु. दोरजी देमा लेमा एम.एस./13/वा/06	अरुणाचल प्रदेश में कागज व लुग्दी सम्बन्धी गैर-इमारती काष्ठ पौद्यों की रसा विशिष्टताओं का अध्ययन।	डा. एम. शर्मा डा. सी.एल. शर्मा
श्री थधुलुंग पामई एम.एस./13/वा/07	मणिपुर के तामियालाँग जिला में प्रस्तावित जिलेंड वन आरक्षी क्षेत्र में पुष्प विविधता एवं उपयोग का विवरण	डा. पी.आर. गुजरेल
श्री नूजो एम.एस./13/वा/08	भारत क नागालैंड राज्य के फैक एवं कोटिला में नेपाल पिली राख (जेन्थोहोलेम आक्सीफेलुम) क स्थिति।	आचार्य बी. सिंह
श्री संगनो तवे एम.एस./13/वा/09	भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के पूर्वी किमिंग जिला के पाकोटी तथा पापू घाटी के कृषि वानिकी प्रणाली, परम्परागत वन प्रबन्धन तथ निशि जनजाति के सामाजिक-आर्थिक स्तर का अध्ययन	आचार्य पी.रेथ

4.1.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

डा. एम. शर्मा तथा ओ.पी. त्रिपाठी ने दिनांक 13.3.15 से 24.3.15 तक उपायुक्त कार्यालय, बोमडिला में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय एवं भारतीय वन प्रबन्धन, संस्थान, भोपल के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम सामाजिक संगठनों के माध्यम से जिवनोपार्जन एवं जैव विविधता संवर्धन का आयोजन किया था।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह ने दिनांक 22-23 अगस्त, 2015 को वानिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग व केन्द्रीय पुस्तकालय के सौजन्य से साइन्स डायरेक्ट व स्कोपस जागृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया था।

आचार्य बी. सिंह तथा डा. पी.आर. गुजरेल ने दिनांक 14-15 दिसम्बर, 2015 को उत्तर पूर्वी परिषद के सहयोग से भायो, चांगलांग में कृषको के लिए औषध्यिय पौद्यों की कृषि व प्रबन्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था।

4.1.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

डा. मधुबाला शर्मा, डा. करुणा श्रीवास्तव, डा एल.बी. सिंह तथा डा. जी. पाँगिग न नेरिस्ट, निर्जुली में 22, 23 अगस्त 2015 एवं 31.10.2015 को आयोजित अभातशिप - इण्डेस्ट उपभोक्ता जागृति कार्यक्रम में भाग लिया था।

डा. करुणा श्रीवास्तव ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में टिक्यूप के सहयोग से 7,11 दिसम्बर, 2015 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम मृत्वा स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा में भाग लिया था।

डा. करुणा श्रीवास्तव ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित जैव प्रौद्योगिकी/जैव सूचना प्रशिक्षण केन्द्र, मुम्बई द्वारा 29 जून- 10 जुलाई, 2015 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम जीन प्रतिबिम्बन, प्रौटीन जैव रसायन, ढाचा जीव विज्ञान एवं सूचना प्रणाली में भाग लिया था।

डा. करुणा श्रीवास्तव ने एशिया जीवाणु विज्ञान महासभा तथा भारतीय जीवाणु विज्ञान समिति के सौजन्य से 7-10 अक्टूबर 2015 को गोवा विश्वविद्यालय में आयोजित एशिया जीवाणु विज्ञान काँग्रेस-2015 में भाग लिया था, तथा अपना आलेख प्रस्तुत किया था।

डा. करुणा श्रीवास्तव डा. पी.आर. गुजरेल ने भारतीय अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा भारत सरकार के सौजन्य से राजीव गाँधी विश्वविद्यालय में 23-24 नवम्बर, 2015 को आयोजित 2वें राष्ट्रीय विचारगोष्ठी में भाग लिया था, तथा अपना आलेख प्रस्तुत किया था।

डा. पी.आर. गुजरेल ने जून, 2015 में दक्षिणी अफ्रीका में आर्थिक वनस्पति विज्ञान समिति, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया था, तथा अपना आलेख प्रस्तुत किया था।

डा. पी.आर. गुजरेल ने अगस्त 2015 पश्चिमी हिममाय स्प्राटोफेटया टेक्सामनी समिति द्वारा आसाम विश्वविद्यालय, सिल्चर में आयोजित वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया था, एवं व्याख्यान प्रस्तुति पुरूष्कार प्राप्त किया था।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह ने सेट जुलियन बे काल्टा यूरोप की अन्तरराष्ट्रीय खादय आक्सीकरण रोदी समिति, फ्रान्स के सौजन्य से 3-5 जून, 2015 को आयोजित 9वे अन्तरराष्ट्रीय पॉलिफिनोल उपयोग काँग्रेस में भाग लिया था।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह ने दिनांक, 5-6 परवरी, 2016 को विज्ञान भवन में जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला समाज सेवा में जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान के तीस वर्ष में भाग लिया था।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह ने कुमाऊ विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड में 3-4 मार्च, 2016 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सौजन्य से आयोजित 28वीं बी.आई.एफ./बी.आई.सी./एस.डी.आई.सी. संयोजक महासभा में भाग लिया था।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह ने त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला पूर्वोत्तर के जैव सूचना प्रणाली केन्द्रों के संयोजकों की 8वीं महासभा में भाग लिया था।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह ने एन.आर.सी.एम, दिमापुर, नागालैण्ड में 8-9 जुलाई, 2015 को आयोजित जैव प्रौद्योगिकी विभाग पूर्वोत्तर जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र संयोजकों की 5वीं सभा में भाग लिया था।

डा. ओ.पी. त्रिपाठी ने जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय, नी दिल्ली द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित परियोजना विवेचना सभा में भाग लिया था। आपने इसरो केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा आयोजित परियोजना विवेचना सभा में भाग लिया था।

डा. एल. बी. सिंघा ने वनस्पति विज्ञान विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, केरल द्वारा 19-21 नवम्बर, 2015 को भारतीय पुष्प वर्गीकरण महासभा द्वारा आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन एगियोसिप्रम प्रणाली संरक्षण में भाग लिया था।

4.1.7 संकाय सदस्यों को पुरस्कार/सम्मान व सदस्यता

डा. एम.बी. शर्मा

- अन्तरराष्ट्रीय काष्ठ गुणवत्ता महासभा, निदरलैण्ड की जीवन पर्यन्त सदस्यता

डा. पी.आर. गुजरेल

- राष्ट्रीय उद्यान बोर्ड, सिंगापुर द्वारा वनस्पति उद्यान अनुसंधान वृत्ति प्राप्त (जनवरी, 2015 में सिंगापुर वनस्पति उद्यान में अनुसंधान का कार्यक्रम)
- पश्चिमी हिमालय टेक्सनामी समिति द्वारा बादल दत्ता पुरस्कार, 2014 में सम्मानित
- कोलापुर विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सैप कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित।

डा. एल.बी.सिंघा

- भारतीय विज्ञान काँग्रेस महासभा के जीवन पर्यन्त सदस्य।
- भारतीय पुष्प वर्गीकरण महासभा, कोलकता, भारत के जीवन पर्यन्त सदस्य।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह

- जैव प्रौद्योगिकी संवर्द्धता पुरस्कार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2015
- भारतीय शूक्ष्म जीव विज्ञान महासभा के जीवन पर्यन्त सदस्य।

4.8 बाह्य निकायो. द्वारा प्रदान अनुसंधान परियोजनायें

प्रदान अनुसंधान कर्ता	परियोजना	वित्त निकाय	अवधी	धनराशि (लाख)
डा.एम. शर्मा	पूर्वोत्तर भारत वन्य प्रणियों व जैव विविधता संरक्षण में कृषि वानिकी प्रणाली के योगदान का धययन	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद	3 वर्ष (2013-16)	28.10721
डा. बी. सिंह	भू-सूचना प्रणालीव आणविक तकनीकी से अरुणाचल प्रदेश के औषद्यि पौद्यो का प्रबन्ध्य व विश्लेषण	उत्तर-पूर्वी परिषद	4 वर्ष (2013-16)	212.00
श्री पी.आर. गुजरेल	जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग से संकटग्रस्त औषद्यि पौद्यो का संरक्षण एवं रख-रखाव	जैव प्रौद्योगिकी विभाग नई (दिल्ली)	5 वर्ष (2012-17)	8.41
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	अरुणाचल प्रदेश के टिमाढ़ी चिढ़ के वन	इसरो-साँक अहमदबाद	4 वर्ष (2013-16)	24.00
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के वहनिय विकास एवं भूमि प्रबन्ध्य के लिए वातावरण एवं परम्परागत कृषि वानिकी का विश्लेषण।	विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग, नई (दिल्ली)	2 वर्ष (2014-16)	18.702
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	अरुणाचल प्रदेश के वृहद भू-उपयोग क्षेत्रों मं कार्बन भण्डार तथा कार्बन चक्र का आकलन	विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग, नई (दिल्ली)	3 वर्ष (2015-18)	84.62
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	भारत में जैव पदार्थ एवं कार्बन आकलन-भाग-II	इसरो	3 वर्ष (2015-18)	14.00

डा. एस.एस. सिंह	संस्थान में जैव प्रौद्योगिकी हब की स्थापना	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	3 वर्ष	39.5
डा. एस.एस. सिंह	प्राकृतिक वनस्पतियों एवं सूक्ष्म जैव पदार्थ से कपड़ों के लिए उपयोगी रंगों का विकास	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	18 महीने अगस्त, 2015 से फरवरी 17	25.00
डा. एस.एस. सिंह	जैव सूचना ढांचागत सुविधाओं के विकास के लिए परियोजना (संयोजक)	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	8 वर्ष (2008-17)	30.5
डा. एस.एस. सिंह	नेरिस्ट में जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक जनरल का सम्पादन (नोडल अधिकारी)	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	6 वर्ष (2009-15)	-

4.1.9 आलेखों का प्रकाशन

(क) संदर्भ पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

मुरली सी.कृष्णा, कुलदीप शर्मा तथा अवधेश कुमार (2015), भारत के हिमालय क्षेत्र के चार पक्षियों के रहन सहन गतिवदियों का शुष्म- सह- बजट। टेपरोबानिया, 07(4): 247-249.

विद्युत शहरिया, आशालता देवी तथा अवधेश कुमार (2015), भारत के पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के उत्तर-पूर्व में सिकुटीजिरी सिनेसिस फी, 1977 का अभिलेख। करन्ट साइन्स, 109(3): 414-413

कुलदीप शर्मा तथा अवधेश कुमार, मुरली सी.कृष्णा तथा ओ.पी.त्रिपाठी (2015), भारत में मेक्सिट प्रारूप पर संकटग्रस्त पश्चिमी लंगूर के रहने की सुव्यवस्थित व्यवस्था। कोलमा प्रिमाटोलोजिमा, 86 (4); 387-397.

प्रिमल चन्द्र, राय, अवधेश कुमार, आशालता देवी, मुरली सी.कृष्णा, एम.एल. खान ब्रोकलमेन डब्लू (2015), भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के नामदफा राष्ट्रीय उद्यान में पश्चिमी लंगूर की रहन सहन आदतों व संख्या बहुल्यता का अध्ययन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ प्राइमेटोलोजी, 36(3), 445-459.

शर्मा एम., शर्मा सी.एल., तथा लामा डी.डी. (2015), कागज एवं लुग्दी के प्रतिपादन के लिए कुछ कृषि उपशिष्टों का संरचनात्मक एवं रेसादयारिता अध्ययन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एग्रीकल्चर साइन्स। अंक-5 (6), 155-162..

शर्मा सी.एल., शर्मा एम., सिंह एल., गोगोई बी.आर. तथा कौर एम.जे. (2015), पूर्वोत्तर एवं उत्तर- पश्चिमी हिमालय में पाये जाने वाले टक्सस वालीचिना जुक क पतियों की गुणवत्ता। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ करन्ट रिसर्च, अंक-7, संख्या 12, पृष्ठ 24624-24627

सिंह एम.के., शर्मा एम. तथा शर्मा सी.एल. (2015), लाउराकेश परिवार के कुथ वृक्षों को काष्ठ विशिष्टता- पहचान के विशिष्ट संदर्भ में। जनरल इण्डियन एकेडमी वुड साइन्स, 12(2). 137-144.

कुमार वाई.बी., शर्मा एम. तथा शर्मा सी.एल. (2015), बम्बू मिजोरामेनिया नैथानी की भौतिक विशिष्टतायें। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एडवान्स रिसर्च, अंक 3(4). 479-485.

पागिंग जी तथा सिंह एस.एल.(2015). पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में परम्परगत कृषि वानिकी. अरुणाचल प्रदेश के दोईमुख वन क्षेत्र के फ्रेज गान का अध्ययन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ इन बायो साइन्सेस एण्ड प्लान्ट बायोलोजी। 2(10). 23- 28 आई एस एस एन 2349. 8080.

पागिंग जी तथा पोन्गन एम.(2015). पश्चिमी हिमालय में सौन्दर्य वृक्षारोपण नेरिस्ट परिसर निर्जुली अरुणाचल प्रदेश के वृक्षारोपण का एक अध्ययन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ प्लान्ट, एनीमल एण्ड इन्वायरमेंटल साइन्स, 5(4). 73-75 आई एस एन 2231 4490.

पागिंग जी एउनो ए. तथा दास ए.के.(2015). भारत के नागालैण्ड राज्य में स्थित सिंहफन वन्य आरक्षी क्षेत्र के कुछ संकट स्थलों वृक्ष विविद्यता, सामाजिक विशिष्टतायें। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ करन्ट रिसर्च, 7(11). 22955-22958, आई एस एन एन 0975 833 एक्स.

पागिंग जी तथा पासाह एस.(2015). बन्दरदेवा वन क्षेत्र एवं सामाजिक वनों की वृक्ष विविद्यता का तुलनात्मक अध्ययन। पश्चिमी हिमालय अरुणाचल प्रदेश पर एक अध्ययन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ साइन्स इन्वेन्सन्स टूडे, 4(6). 622-628 आई एस एन 2319-5436.

पागिंग जी, अरुणाचलम ए. तथा दास ए.के.(2015). पश्चिमी हिमालय के जन-समूह का प्रबन्ध्य. अरुणाचल प्रदेश पर एक अध्ययन। जनरल ऑफ इन्वायरमेंटल एण्ड बायो साइन्स, 29(2). 353-356,

आई एस एन एन 0973-6913.

मैत्री सैकिया तथा करुणा श्रीवास्तव (2015). एक्युलीरिया मालासिनेसिस लाम की पत्तियों से सीद्ये अरक की विशिष्टतायें। इण्डियन जनरल ऑफ रिसर्च इन फार्मसी एण्ड बायोटेक्नाजी 3(2).164-170 आई एस एन एन 2321-5671 मुद्रण 2320-3471 ऑन लाईन।

मैत्री सैकिया तथा करुणा श्रीवास्तव (2015). पूर्वोत्तर भारत के आर्थिक महत्व के वृक्ष एक्युलीरिया मालासिनेसिस को क्षति पहुंचाने वाले सर्वाधिक जीवाणु हिरोटिया विसोडिस मौर का जैविक नियंत्रण। एनल्स ऑफ बायोलोजिकल रिसर्च, 6(5). 26-32, आई एस एन एन 0976-1233

सिंह सी.पी. खोरू ए.ए. नोटियाल ए.सी. नायडू एस. जोशी ए. मेहता पी. शर्मा एस. अली एस. पाण्डे पी.के. त्रिपाठी ओ.पी. पहापात्र जे.(2015). हिमालय एलपाईन का दीर्घकालीन संरक्षण। ई एन वी आई एस न्यूजलेटर, 12(2), 1-10.

डेका जे. यामनम जे.वाई. मेहता पी तथा त्रिपाठी ओ.पी. (2015). लैड सेट टी-एम आंकड़ा के दशमलव गणना के उपयोग से एलबिजिया लैबबैंक जैव पदार्थ के भूमि सतह के ऊपरी भाग के अनुमान में वृद्धि। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ प्लान्ट एण्ड इन्वायरमेंट। डी ओ आई 10. 18811/आई जे पी ई एन 7118.

याम जी तथा त्रिपाठी ओ.पी. (2015). अरुणाचल प्रदेश की जीरो घाटी की वृक्ष विविद्यता, सामाजिक विशिष्टतायें तथा ऊपरी भू-सतह पर जैव पदार्थ धनत्व. इण्डियन फॉरेस्टर, 141(12). 1269-1277.

अली एस. त्रिपुरा ए. खिखी एस. थोगल एस.टी. डेका जे. तथा त्रिपाठी ओ.पी. (2015). त्रिपुरा की सेफाई नाला वन्य प्राणी आरक्षी क्षेत्र में पौद्य विविद्यता तथा व्यवद्यान युक्त एवं व्यवद्यान मुक्त वन क्षेत्र में सामाजिक विशिष्टतायें सह जनसंख्या ढाचा। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ करन्ट रिसर्च, 7(4). 15342-15349.

राय पी.एस. बेहरा एम.डी. त्रिपाठी ओ.पी. तथा रामाचन्द्रन आर.(2015). उपग्रह दूर संवेदी के उपयोग से भारत का नया शाकाहारी मानचित्र तथा विश्व शाकाहारी मानचित्र से इसकी तुलना। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एप्लाइड अर्द्य ऑवरवेशन एण्ड जियो इन्फ्रोमेशन, 39.142-159.

याम जी तथा त्रिपाठी ओ.पी. (2015). भारतीय पश्चिमी हिमलय क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश की वृक्ष विविध्यता तथा सामाजिक विशिष्टतायें। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ एशिया पेसीफिक बायो डाइवर सिटी (मुद्रण की प्रक्रिया में)

मुरली के.सी. कुमार ए. त्रिपाठी ओ.पी. तथा कोपरोवास्की जे.(2015). भारतीय पश्चिमी हिमलय क्षेत्र के आरक्षी तथा अनारक्षी क्षेत्र में गिलरी की विविध्यतायें। सह वहुल्यता। मामाल्यान बायोलोजी (आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस)

बेहरा एम.डी. त्रिपाठी पी. दास पी. बेहरा पी.आर कुमार जोशी सी. बंसल एस.कृष्णा मूर्ती वाई.वी. एन. श्रीवास्तव वी.के. श्रीवास्तव एस.के. राय पी.एस. खान एम.एल. त्रिपाठी ओ.पी. डेका जे.(2015). दूर संवेदी तथा प्रतिमान के उपयोग से वर्ष 1985 तथा 2025 के दौरान दो भारतीय नदियों के घाट का नजदीक तथा दूरी से चित्रण। रिजनल इन्वायरनमेंटल चेंज (भेजा गया)

मुरली के.सी. कुमार ए. त्रिपाठी ओ.पी..(2015). भारत के नामदफा राष्ट्रीय उद्यान में वृहद लाल गिलहरी की वृक्षों के प्रति व्यवहारिक विशिष्टतायें। मामाल्यान बायोलोजी (भेजा गया)

एम. राय, एस. राय, के. सुरजीत सिंह, जे.कालिता, एस. सुरेश कुमार सिंह (2015). एमिनो बेनजाइक अम्ल तथा रेसिओ सिनाल के अरक से प्राप्त ट्राइआरगेनाथिन (4) एजो-कार्बोआक्सीलेट का संश्लेषण विशिष्टतायें तथा विषाणु रोद्वी गुण. 48 सदस्य मेक्रोसाइ क्लीम ट्रेटामेटिक ट्राइमेथिलिन (4) मिश्रण का संरचनात्मक अध्ययन। इन आरगेनिका चिमीका एक्टा. 439:164-172, आई एस एस एन 0020-1693.

सी. खुनीकर तथा एस. सुरेश कुमार सिंह (2015). पूर्वोत्तर भारत की अति परम्परागत महत्वपूर्ण औषदिय पौद्यों की जड़ों के जैव पदार्थ में मौसमी बदलाव। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ साइन्टीफिक रिसर्च 4(6):366-369, आई एस एस एन 2277-8179.

बावरी ए. गुजरेल पी.आर. तथा खान एम.एल.(2015). प्रमिला पोलोनेशिश की नयी प्रजाती। क्यू बुलेटिन, 70 :56, ऑनलाइन प्रकाशन डी ओ आई 101007/एस 12225-015-9605-6.

प्रेम कुमार एन. गुजरेल पी.आर. पेनिमी आर. तथा रेथी पी.(2015). भारत के नागालैण्ड प्रान्त की कुछ जनजातियों द्वारा पीलिया के उपचार के लिए उपयोग में लाये जाने वाली परम्परागत औषदियियाँ। प्लीयॉन, 9(1): 40-48.

तुमले सी. हजारिका एम. बोरा जे. बोरदोलई एम. बोरा एम.पी. तथा गुजरेल पी.आर.(2015). भारत के भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में पायी जाने वाली तीन नलिका युक्त पौद्यों के आँक्सीकरण रोद्वी गुणो. का अध्ययन। जनरल ऑफ फूड साइन्स एण्ड टेक्नालॉजी, 52(1), 117-128.

प्रेम कुमार एन. गुजरेल पी.आर. तथा रेथी पी.(2015). नागालैण्ड की जीलिंग जनजाति द्वारा खाद्य उपयोग में लाये जाने वाली परम्परागत औषदिय गुणो. के पौद्यों। इण्डियन जनरल ऑफ ट्रेडीशनल नालेज, 14(2): 298-308.

गुजरेल पी.आर. तथा बामिन वाई.(2015). पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य की आपातानी जनजाति द्वारा उत्सवों, त्यौहारो व परम्पराओं में प्रयुक्त होने वाले पौद्यों व उनका संरक्षण। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ कन्जरवेशन साइन्स, 6(2). 189-200.

पाल ए. गुजरेल पी.आर तथा दास ए.के.(2015). भारतीय हिमलय क्षेत्र में बहुतायत में उपयोग में लाया जाने वाला तथा संकटग्रस्त पेरीश पोलीफिला पौद्ये का संरक्षण। बायोबाइबरसिटाज, 16(2). 295-302.

गुजरेल पी.आर. रोनाल्ड के.एच. बारगोहाई आर. तथा रेथी पी.(2015). भारतीय पूर्वी हिमलय के उच्च औषद्यि गुण सम्पन्न पौद्यो की विविद्यता, संख्या तथा रोग निवारक गुणों का संरक्षण हेतु अध्ययन।

जनरल ऑफ थ्रेटेड टेक्सा, 7(6). 7243-7252.

बावरी ए. गुजरेल पी.आर. पाल ए तथा खान एम.एल.(2015), भारतीय पूर्वी हिमालय क्षेत्र के पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश में प्रमिला पौद्यों की प्रजातियाँ, संरक्षण तथा सघनता। जनरल ऑफ थ्रेटेड टेक्सा, 7(1). 6788-6795.

दत्ता जे. बाला सुबरमन्यम डी. अरुणाचलम ए. तथा सिंह एस.एस.(2016). पूर्वी हिमलय पर्वतमाला में चावल-सह- मछली कृषि प्रणाली की उच्च आद्रता भूमि से मैथेन का रिसाब। क्लाइमेट चेंज एण्ड इन्वायरनमेंटल सस्टेनबिलिटी, 4(1). 68-75 आई एस एस एन 2320-642 एक्स

एम. राय, एस. राय, के.सुरजीत सिंह, जे कालिता तथा एस. सुरेश कुमार सिंह .(2016). एमिनो बेजिक अम्ल तथा रेसोरनिल से प्राप्त ट्राइआरगेनिथिन (IV) का संश्लेषण एवं मद्युमेह रोग में इसकी उपयोगिता. 48 सदस्य माइक्रोसाइक्लिक- टेट्रा मिथिलिन (IV) का आणविक ढांचा तथा वातावरणिय अध्ययन। न्यू जनरल ऑफ केमेस्ट्री, 439. 164-172 आई एस एस एन 1144-0546.

देवी डब्लू डी. गुजरेल पी.आर. तथा रेथी पी.(2016). खाद्य नर पौद्यो में द्वि-लिंग गुण. नलिका युक्त पौद्यो में एक असामान्य लिंग आक्रषण। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ प्लान्ट रिप्रोडक्लीन बायोलोजी, 8(1). 82-6.

सिंह एल.बी. (2016), भारतीय पूर्वी हिमालय अरुणाचल प्रदेश उच्च समुद्र तल पर वन तथा पिनस मेरकुशी जुंग का संरचनात्मक तथा पौद्य विविद्यता। ट्रोपीकल इकोलोजी (स्वीकृत)

सिंह एल.बी. (2016), अपने जीवन चक्र में डेन्ड्रोक्लामस हेमलटोनी निस तथा मेलोकाना बासीफेरा के पौद्यो में नाइट्रोजन, पोटेशियम तथा कैल्सियम मात्रा में बदलाव। करन्ट साइन्स (स्वीकृति की प्रक्रिया में)

सिंह एल.बी. (2016), भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य की जनजाति द्वारा खाद्य पदार्थ के रूप में प्रयोग में किये जाने वाले छः जनजातियों के पोषण तत्वों का अध्ययन। प्लान्ट फूड्स फोर मन न्यूट्रीशन जनरल (प्रकाशन की प्रक्रिया में)

सिंह एल.बी. (2016), भारतीय पूर्वी हिमालय क्षेत्र के संकटग्रस्त पौद्यो पिनस मेरकुशी तथा डी वेरसे की गणना एवं स्थिति की अध्ययन। प्लान्ट इकोलोजी एण्ड डाइवरसिटी (प्रकाशन की प्रक्रिया में)

(ख) पुस्तकों में प्रकाशित शोध आलेख

मुरली सी. कृष्णा तथा अवद्येश कुमार (2015), भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य में सफेद मूंह वाली गिलहरी पिटाउरीष्ठा केनिशेप की उपलब्धता- इसके विविद्य रूपों पर टिप्पणी सहित। वन्य प्राणी समिति के प्रतिवेदन में प्रकाशित। डीओ आई 10.1007/एस 125 95- 015- 0158-3

करुणा श्रीवास्तव, गिष्मा ए.जी. तथा ब्रिजेश श्रीवास्तव (2015), पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य में प्रतिपादित चावल- सह- मक्का से निर्मित पेय ओर इसका वैज्ञानिक महत्व।

अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन रसायन, पर्यावरण तथा जीव विज्ञान की प्रक्रिया में प्रकाशित। सम्पादक-रहीम अहमदी तथा मरयम गैड मास्लवी, पृष्ठ 158-164, आई एस बी एन 978-93-84422-11-0.

सिंह एल.बी. (2015), पूर्वोत्तर भारत के बम्बू की भौतिक विशिष्टताये, विविद्यताये तथा आनुवांशिकी स्वरूप। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन आनुवांशिकी प्रणाली ततथा संरक्षण की प्रक्रिया में प्रकाशित। भारतीय आनुवांशिकी प्रजाति महासभा, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, केरला, 19-21 नवम्बर, 2015

सिंह एस.एस., सी. खेनीकर, एन.सी. तालुकदार, जी.के. सेनी, एम.एल खान, के. श्रीवास्तव तथा जे.सी. बोरा (2015), टालामाइसिस परपोनिस के आदर्श द्रव से लाल पिगमेंट में घुलने योग्य माइकोटोन रहित जल का उत्पादन। 9वीं विश्व पॉलीफिनोल अनुपयोग काँग्रेस की प्रक्रिया में प्रकाशित। फ्रांस, 3-5, जून, 2015.

मुरली सी. कृष्णा, अवद्येश कुमार तथा त्रिपाठी ओ.पी.(2016), भारतीय पूर्वी हिमालय में वृहद लाल गिलहरी पिटाउरीष्टा के संरक्षण हेतु उसके रहन-सहन व्यवहार का अध्ययन। बाइल्डलाइफ बायोलजी, 12(1).7-12.

कुलदीप शर्मा तथा अवद्येश कुमार (2016), भारतीय पूर्वी हिमालय अरुणाचल प्रदेश के लंगूर होलक लुकोनिडीस का दैनिक विचरण पथ तथा निवास सम्बन्धी अध्ययन। मुद्रण की प्रक्रिया में।

4.1.10 विभाग के संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

वानिकी विभाग के संकाय सदस्यों का निम्नलिखित बाह्य निकायों से शैक्षिक व विकास कार्यों के लिए के लिए सम्पर्क रहता है।

- भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकता, शिलांग एवं ईटानगर
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- रसायन विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला के साथ जीव विज्ञान गतिविधियों व मिश्रणों के विश्लेषण हेतु।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
- भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून
- स्थानिय स्वास्थ्य परम्परायें संगठन, बैंगलूर
- भारतीय दूर संवेदी संस्थान, देहरादून
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अहमदाबाद
- उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग
- बहु-कौशल अनुसंधान ईकाई, भारतीय औषद्य अनुसंधान परिषद, नाहारलागुन अरुणाचल प्रदेश शासन।
- उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय।परियोजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं व प्रायोगिक परीक्षाओं में विशेषज्ञ सेंवार्यें

4.1.11 सलाहकार परियोजनायें

- नही -

4.1.12 छात्रों द्वारा प्राप्त सफलतायें

- कुमारी बानू रीवा, एम.एससी (वानिकी) का चयन अरुणाचल प्रदेश शासन में सहायक मृदा संरक्षक के पद पर हुआ था।
- श्री सुनयान मेत्रा का नियोजन आसाम चाय बागान में सहायक प्रबन्धक के पद पर हुआ था।

4.1.13 अन्य सूचनार्यें

निम्नलिखित महत्वपूर्ण गतिविधियों का निस्पादन किया गया था -

विकास कार्य - वानिकी पौधशाला का विविध पौधों लगाकर विकास किया गया था।

प्रयोगशालाओं के नये उपकरणों की खरीद।

क्र.सं.	उपकरण	प्रयोगशाला संख्या
1.	ध्वनी मापी यंत्र	4
2.	मिश्रीत ऑक्सीजन मापी यंत्र	4
3.	स्पेनिक्स बहु- परत द्यारक यंत्र	2
4.	स्पीनविन शूक्ष्म विकेन्द्री यंत्र	2
5.	विद्युत शक्ति उपकरण	2
6.	अकीय छायांकन सह लघु- अनुयापन यंत्र	2
7.	चक्रीय वाष्पीकारक	3
8.	जल शोदयक प्रणाली	3
9.	जल दस्तावेजीकरण	3
10.	सघन शितलन उपकरण	3
11.	पी सी आर (इपिनड्रोप)	3

4.2 कृषि अभियांत्रिकी विभाग

4.2.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कृषि अभियांत्रिकी मूलतः कृषि में अभियांत्रिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। कृषि अभियांत्रिकी कृषि उपभोक्ता शृंखला के साथ साथ फसल उत्पादन, फसल के रखरखाव और प्रसंस्करण समस्याओं के लिए उचित समाधान प्रस्तुत करता है। यह विभाग राष्ट्र निर्माण एवं किसानों के कल्याण के लिए सुरक्षित वातावरण में बहु-आयामी गतिविधियों का भी संचालन करता है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने बी. टेक. कार्यक्रम का शुभारम्भ वर्ष 1986 में किया था। यह विभाग डिग्री स्तर की शिक्षा माँड्यूलर पद्धति द्वारा प्रदान कर रहा है। जिसमें तीन मोड्यूल्स हैं : प्रमाण पत्र (i) खाद्य प्रसंस्करण और ii) ट्रेक्टर मेकानिक के दो पृथक व्यवसाय), डिप्लोमा और उपाधि। तदनुसार प्रत्येक कार्यक्रम प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा एवं उपाधि में शिक्षा समाप्ति एवं उच्च माँड्यूल में प्रौन्नति का प्रावधान है। बी.टेक. डिग्री के पश्चात छात्र एम. टेक. कार्यक्रमों में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं तथा पीएच.डी. भी कर सकते हैं। इस समय एम. टेक. कार्यक्रम कृषि यंत्र तथा

शक्ति में 07 छात्र; एम.टेक. कार्यक्रम मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी में 12 छात्र तथा पीएच.डी. कार्यक्रम में 10 छात्र पंजीकृत है।

विभाग में इस समय 14 संकाय सदस्य अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। यह विभाग कृषि अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्रों में 5 प्रायोजित शोध परियोजनाओं (एस.ए.सी., आई.एस.आर.ओ, एम.ओ.ई.एफ., सी.एस.आई.आर.) का संचालन कर रहा है। वर्तमान विभाग में मानव अभियांत्रिकी में ए.आई.सी.आर.पी. और कृषि में सुरक्षा पर समन्वयक शोध परियोजना पर काम चल रहा है जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

4.2.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) वर्तमान पाठ्यक्रमों में संशोधन	: नहीं
(ख) नये वैकल्पिक विषयों का समावेश	: नहीं
(ग) प्रयोगशाला वर्क शीट डिजाइन	: नहीं
(घ) पाठ्यक्रम में ढाचागत परिवर्तन	: नहीं

4.2.3 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें (मई, 2015)

(क) एम.टेक. (मृदा व जल संरक्षण अभियांत्रिकी/ कृषि यंत्र व शक्ति) द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना	परामर्शदाता	छात्र का नाम
1.	राजस्थान के बीकानेर क्षेत्र में प्रतिमाह संदर्भ वाष्पीकरण एवं समय क्रमबद्धता का अनुमान	डा.पी.पी.डबराल डा. दीपक झाझड़ीया	कु. निजिवोनोमर
2.	गोदावरी नदी के मासिक संदर्भ वाष्पीकरण एवं समयबद्धता का अनुमान	डा.पी.पी.डबराल डा. दीपक झाझड़ीया	कु.हेतनेकीम थोमसन
3.	पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के वर्ष के पानी का प्रतिमान	डा. ए. भद्र डा. ए. बन्दोपाध्याय	कु.ग्रेस नेनजजोयुम
4.	वैश्विक तापमान वृद्धि तथा मौसम परिवर्तन का वाष्पीकरण के संदर्भ में अध्ययन	डा. डी. झाझड़ीया डा.पी.पी.डबराल	कु. सुबु मोनिया
5.	बर्षा तथा तापमान के आपसी सम्बन्ध एवं स्वायत्तता का विश्लेषण	श्री पी.के पाण्डे डा. डी. झाझड़ीया	श्री लख्याजीत दास
6.	मूडीज एम डी वी आई परियोजना के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों अध्ययन	डा. ए. बन्दोपाध्याय डा. ए. भद्र	कु. लिजा जी कीबा
7.	भारत के मुख्य नदी घाटों का मानसून पूर्व तथा मानसून बर्षा के बाद जल संचरण का अध्ययन	डा. एस.के. श्रीवास्तव	कु. अनु तागू
8.	पूर्वोत्तर भारत के मजदूरों की पकड़. दक्षता का आकलन	डा. के.एन. दीवानगन	श्री स्पेन्डन चेलिंग
9.	आसाम के चाय बागानों के उपशिष्ट पदार्थों की उर्जा दक्षता	डा. पी.के. प्रणव	श्री सोनु कुमार

(ख) उपाधि परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना	परामर्शदाता	छात्र का नाम
1.	दोईमुख अरुणाचल प्रदेश पूर्वषट आद्रता स्थिति का अध्ययन	डा. पी.पी.डबराल	संजना देब वर्मा केयाश्री चौधरी
2.	पूर्वोत्तर भारत के युवाओं की द्यकेलने- खेचने की क्षमता का अध्ययन	आचार्य के.एन. दीवानगन	ब्रिजकिशोर ठाकुर
3.	शिलाँग क् वाष्पीकरण प्रतिमान	आचार्य के.एन. दीवानगन	रिचो साले टूकू राजी
4.	गोदावरी नदी के उप-घाट के संचरण का आकलन	डा. डी. झाझड़ीया	कोविकोलू खोश निमितिकीम हमसंग
5.	तवांग नदी घाटी में तापमान बदलाव एवं बर्फ की स्थिति	डा.अदिती भद्रा	करम चन्द्र किशु संतोष कुमार
6.	बर्षा आवश्यकता सटिक गणना के लिए भू-सूचना प्रणाली का उपयोग	डा. ए. बन्दोपाध्याय	मिनतोषिंग माजा मोमचा लगोजम
7.	अरुणाचल प्रदेश की विविद्य जनजातियों अद्यिकतम वातापेक्षी क्षमता	डा. पी.के. प्रणव	सपुनी सेबाशतन वनतालरीमरूआत पुई

(ग) डिप्लोमा परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना	परामर्शदाता	छात्रों के नाम
1.	पूर्वोत्तर भारत के युवा लड़कों की शक्ति का परीक्षण	आचार्य के.एन. दीवानगन	कु. एल.एम. गुरांग श्री जी.लालरम चगुआ श्री एस देब वर्मा
2.	कृषि एवं सम्बन्ध्य उद्योग में हाथों से सामाग्री संचरण का अध्ययन	आचार्य के.एन. दीवानगन	श्री आर. सिंह श्री के.मंगलम
3.	उन्नत फ्रन्टीयर सूची बद्दता के उपयोग से उत्तर- पूर्वी भारत में वृषा का अध्ययन	आचार्य एस.के. श्रीवास्तव	श्री डी. बैगेड श्री जी.दुबी कु.के. मीना
4.	कीडनी बिन तथा बंगाल ग्राम की भौतिक विशिष्टताओं पर नमी का प्रभाव	श्री डी.के. श्यामल	श्री वी.सिंह श्री सी. तजुदीन श्री ई. लुसांग
5.	सूखा- राजस्थान पर एक अध्ययन	डा. डी. झाझड़ीया	कु. टी. लिवी कु.गोऊ खसिंग कु. एक्सवीरा कु. एन. संगमा
6.	थाइसैन पाँलीगान विद्यि से अरुणाचल प्रदेश में औसत क्षेत्रफल का वार्षिक जल संग्रहण का आकलन	डा. ए. भद्रा	श्री के. माइकले श्री एन.के.मंडल श्री टी. मैथ्यू श्री वी. खाटसू
7.	सगनता प्रतिफल के उपयोग से अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ की सम्भावना एवं प्रारूप का आकलन	डा. ए. बन्दोपाध्याय	श्री आर.एन. मारक श्री एम. नगासेपम कु. ए.एम. संगमा

8.	गहरे ड्रफ्ट गेसीफायर से चार स्थानिय चारा प्रारूपों का गैस आद्यारित तुलनात्मक अध्ययन	डा. पी.के. प्रणव	श्री एस. थोकचुम कु. एस.कुमारी श्री जे. मारक
9.	जोरहाट, आसाम की वातावरण स्थिति में फसल वाष्पीकरण का काँफिसियन्ट समीकरण से आकलन	श्री पी.के पाण्डे आचार्य पी.पी. डबराल	श्री एन. सिंह श्री के तिवारी श्री के,पी. नारायण
10.	छोटे परिवार के लिए ऊष्मा सौर हीटर का विकास	श्री उकील सिंह	श्री टी. बाबिंग श्री एच. टेकर श्री जी. ब्युची

4.2.4 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

-नही-

4.2.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

के.एन. दीवानगन, डी.के. श्यामल, टी. पटेल तथा ए.के. चौदयरी ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा 4.8. नवम्बर, 2015 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्युत मशीनों का वर्तमान आयाम एवं इनका औद्योगिकी उपयोग में भाग लिया था।

के.एन. दीवानगन, तथा पी.के. प्रणव ने अन्तराष्ट्रीय श्रम दक्षता महासभा, मेलबर्न, आस्ट्रेलिया में 9-14 अगस्त, 2015 को आयोजित 19वीं त्रैवार्षिक काँग्रेस में भाग लिया था।

के.एन. दीवानगन ने बीजिंग चीन में 12-16 अक्टूबर 2015 को आयोजित 13वीं अन्तराष्ट्रीय हाथ-बांह कम्पन में भाग लिया था।

ए. भद्रा तथा ए. बन्दोपाध्याय ने गोवा में 13-17 जुलाई, 2015 को आयोजित 12वीं अन्तराष्ट्रीय अंटार्कटिक भू-विज्ञान सम्मेलन में भाग लिया था।

टी. पटेल ने एम ए ए आर एम हैदराबाद द्वारा 11 दिसम्बर, 2015 से 7 जनवरी, 2016 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम शूक्ष्म शिक्षण कार्य प्रणाली से क्षमता संवर्धन

टी. पटेल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी,, द्वारा 2-6 फरवरी, 2015 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन शिक्षा अनुसंधान तथा नवाचार में भाग लिया था।

ए.के. चौदयरी तथा अनुभव पाल ने नेरिस्ट में राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान, कोलकता द्वारा 11-20 सितम्बर, 2015 को आयोजित प्रेरणा कार्यक्रम में भाग लिया था। आपने नेरिस्ट में 22-23 अगस्त, 2015 तथा 31 अक्टूबर 2015 को आयोजित अभातशिप- इण्डेस्ट उपभोक्ता जाग्रति कार्यक्रम में भी भाग लिया था।

4.2.6 नयी उपाधियां/व्यवसायिक ख्याति का अर्जन

-नही-

4.2.7 संकाय सदस्यों को पुरस्कार

-नही-

4.2.8 बाह्य वित्त निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनायें

ए. बन्दोपाध्याय (प्रद्यान अनुसंधानकर्ता) तथा ए. भद्रा (सह-अनुसंधानकर्ता) उन्नत जल उपयोग दक्षता अनुमापन से प्रबन्ध्य एवं प्रायोगिक संवेदी की साहयता सेकृषि उत्पादन वृद्धि। सूचना प्रौद्योगिकी अनुसंधान अकादमी, मिडिया प्रयोगशाला एशिया, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी

विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, (अक्टूबर 2015 से अक्टूबर 2017), वित्त- 23,66,000/-

ए. भद्रा (प्रद्यान-अनुसंधानकर्ता) तथा ए. बन्दोपाध्याय (सह-अनुसंधानकर्ता) उत्तर पूर्वी भारत में जलवायु भेददयता –सह- बाढ़ तथा सूखे का जल विज्ञान। आई एन सी एस डब्लू, जल संसाधन मंत्रालय, नयी दिल्ली, वित्त- 30,71,880/*

ए. भद्रा (प्रद्यान-अनुसंधानकर्ता) तथा ए. बन्दोपाध्याय (सह-अनुसंधानकर्ता) हिमालय क्षेत्र में वर्ष पिघलने के प्रतिमान के लिए जल विज्ञान माड्युल का विकास, प्रकृति-II, जल विज्ञान परियोजना, भा.अ.अ.सं., अंतरिक्ष मंत्रालय, दिसम्बर, 2013 से मार्च, 2017, वित्त- 20,60,000/-

ओ. पी. त्रिपाठी (प्रद्यान-अनुसंधानकर्ता) तथा पी.के. पाण्डे (सह-अनुसंधानकर्ता) भारतीय हिमालय क्षेत्र अरुणाचल प्रदेश की ऊर्जा पर्वमालाओं की वातावरण गतिकी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, भारत सरकार, (2013-2016), वित्त- 23,10,000/-

ओ. पी. त्रिपाठी (प्रद्यान-अनुसंधानकर्ता) तथा पी.के. पाण्डे (सह-अनुसंधानकर्ता) अरुणाचल प्रदेश की पर परिस्थिति की तंत्र सेवा आकलन। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नयी दिल्ली, (2013-2016), वित्त- 34,28,800/-

पी. के. प्रणव (प्रद्यान-अनुसंधानकर्ता) तथा टी. पटेल (सह-अनुसंधानकर्ता), कृषि में श्रमदक्षता तथा सुरक्षा सम्बन्धी अनुसंधान परियोजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली।

पी.के. प्रणव (प्रद्यान-अनुसंधानकर्ता) तथा अनुभव पाल (सह-अनुसंधानकर्ता), द्वि-पहिया ट्रेक्टर के के लिए सामने तथा पीछे के लिए स्वचालित वजन विवरण प्रणाली का विकास। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली।

4.2.9 प्रकाशन

(क) संदर्भ पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

पाण्डे पी.के., डबराल.पी.पी., पाण्डे वी. (2016), पूर्वोत्तर भारत के लिए संदर्भ वाष्पीकरण प्रविद्युति का आकलन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ सोयल एण्ड वाटर कन्जरवेशन रिसर्च, 4: 56-67

डबराल.पी.पी. सरसिंग टी. तथा झाझड़िया डी. (2016), भारत के आसाम राज्य के जोरहाट क्षेत्र के मौसम परिवर्तन अध्ययन हेतु प्रतिमाह वर्षा तथा तापमान पर आद्यारित मॉडल। ग्लोबल नेस्ट, जनरल, 18(3): 494-507

डबराल.पी.पी., पाण्डे वी. (2016), मृदा जल ग्रहण क्षमता तथा अत्यधिकतम जल संचरण सीमा के आकलन हेतु मॉडल। जनरल ऑफ इण्डियन वाटर रिसोर्स सोसाइटी, 36(1): 50-55

झाझड़िया डी., पाण्डे के., डबराल.पी.पी., कुमार आर., चौधरी. आर. (2015), भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के पश्चिमी सियांग जिला के तापमान अस्थिरता तथा वाष्पीकरण का आकलन। जनरल ऑफ इण्डियन जियोलोजिकल काँग्रेस 7(2): 37-43.

चौधरी. पी., डबराल.पी.पी., तथा सिंह. आर.के. (2015), विविद्युत भू-उपयोग के लिए विभिन्न पर्वतीय शूक्ष्म जल संग्रहण क्षेत्रों के लिए जल द्यारण दक्षमताओं का आकलन। जनरल ऑफ इण्डियन वाटर रिसोर्स सोसाइटी, 35(1): 34-40

दिवांनगन के.एन., पाटिल एम.आर. (2015), पूर्वोत्तर भारत के औद्योगिक कामगारों का द्यूल आच्छादान का मूल्यांकन। एनल्स ऑफ आक्यूपेशनल हाईजिन, 59(9): 1091-1105.

कालरा एम., खहेजा एस., मेकरोटे पी., दिवांगन के.एन., एदेवेशी एस. (2015), हाथ से चलाये जाने वाली कृषि प्रणाली के चालन बिन्दु पर हाथ के यांत्रिक दबाव को नापने के लिए कम कीमत के यंत्र के प्रतिपादन की सम्भावनाये। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ इंडस्ट्रीयल इरजोनोमिक्स, 49: 44-52

दिवांगन के.एन., खहेजा एस., मेकरोटे पी., सशमीर ए.(2015), सीट पर बैठे हुये संचालक के लम्बवत सम्पूर्ण शरीर कम्पन पर लचीली सीट का प्रभाव। इरजोनोमिक्स, 58: 1175-90.

सेन्जेवा के.टी., भद्रा ए., बन्दोपाध्याय ए. (2015), पश्चिमी हिमालय के दुर्गम न्युराग क्षेत्र वर्फ पिघलने के दुर्लभ आंकड़ों का विश्लेषण : दूर संवेदी प्रणाली का एक उपयोग। सोसाइटी एण्ड इन्वायरनमेंट, 2015: 20-35.

भद्रा ए., बन्दोपाध्याय ए., सिंह. आर., रघुवंशी एन.एस. (2015), जल भराव क्षेत्र के विकास एवं उपयोग का प्रतिमान। लेक्स एण्ड रिजरवर्स : रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट, 20: 216-228.

बन्दोपाध्याय ए., भद्रा ए. (2015), चिपांग एन., सेन्जेवा के.टी., (2015), पश्चिमी हिमालय में वर्फ पिघलने एवं जलवायु परिवर्तन का संवेदी द्वारा आकलन। जनरल ऑफ इण्डियन जियोलोजिकल युनियन, 19(3) : 312-321.

सेन्जेवा के.टी., राजकुमारी एस., भद्रा ए., बन्दोपाध्याय ए. (2015), पश्चिमी हिमालय में जलवायु परिवर्तन का झरनों पर प्रभाव। जनरल ऑफ अर्थ सिस्टम साइन्स, 125(3) : (443-457.

मिश्रा पी, जेफू वी-वी., मोनिका एन. भद्रा ए., बन्दोपाध्याय ए. (2015), पश्चिमी हिमालय वर्फ आच्छादान का मुडीज द्वारा शूक्ष्म अध्ययन। जनरल ऑफ इण्डियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेन्सिंग, डी ओ आई : 10.1007/एस- 12524-016-0548-7

प्रणव पी.के. तपांग टी. पाल ए., देव एस.के. (2015), दो पहिया ट्रेक्टर में स्वचालित अस्थिर पकड़ बिन्दु का प्रभाव। एक सैद्धान्तिक विश्लेषण। इन्जीनियरिंग इन एग्रीकल्चर इन्वायरनमेंट एण्ड फूड, 8 : 298-306.

प्रणव पी. के. पाण्डे के.पी., तिवारी वी.के.(2015), ट्रेक्टर के लिए इलेक्ट्रॉनिक सतह गति संवेदी का विकास। जनरल ऑफ एग्रीकल्चरल इन्जीनियरिंग, 52(3), 46-50.

प्रणव पी.के. बिस्वास एम. (2016), परम्परागत चावल मील में द्यूल को कम करने के लिए यांत्रिक उपस्कर। इन्डस्ट्रीयल हेल्थ। डी ओ आई : 10 2486/इन्ड हेल्थ, 2015-0180.

प्रणव पी.के. पटेल टी. (2015) भारत के पर्वतीय क्षेत्र में सन्तरा प्रतिपादन पर श्रमदक्षता हस्तक्षेप का गहत्व। वर्क : ए जनरल ऑफ प्रिवेन्सन एसेसमेंट एण्ड रिहबिलिटेशन (स्वीकृत)

प्रणव पी.के. पटेल टी. सिंह पी.के. (2015), जैव-डीजल के उपयोग से इन्जिन की कार्यदक्षता की गणितीय गणना का आंकड़ा निस्पादन। जनरल ऑफ एग्रीकल्चरल एण्ड बायोलोजिकल इन्जीनियरिंग (स्वीकृत)

प्रणव पी.के. फूकन वाई, साहा बी.(2016), कृषि यंत्र के मूल्य का आकलन। वैज्ञानिक पत्रिका- एग्रीकल्चरल इन्जीनियरिंग, (स्वीकृत)

यादव एस. देब पी. कुमार एस. पाण्डे बी. पाण्डे पी.के. (2016), भारत के पूर्वी सिक्किम के मध्य हिमालय क्षेत्र में संदर्भ वाष्पीकरण पर वृहद एवं लघु स्तर पर मौसम का प्रभाव। जनरल ऑफ माउन्टेन साइन्स, 13(2) : 302-315.

सिंह सी. पी. शर्मा एस. पाण्डे पी.के. (2016), अरुणाचल प्रदेश का हिमाद्री स्थल। संवाद-पत्र हिमालयन इकोलोजी, 12 (2):8.

कुमार पी. चक्रवर्ती डी. पटेल टी. चौधरी ए. (2016), पूर्वोत्तर भारत के लघु फल प्रसंस्करण इकाई में कामगारों के अनानास चुनने की प्रक्रिया में शाररिक कष्ट। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ इन्डिस्ट्रीयल इरजिनोमिक्स, 53,124-129.

पटेल टी. संजोग जे. तथा कर्मकार एस.(2016), कृषि अनुसंधान में श्रमदक्षता : कम्प्यूटर आदयारित डिजाइन तथा अंकीय मानव प्रतिमान प्रौद्योगिक का उपयोग करते हुये उपभोक्त केन्द्रित प्रविद्ये। जनरल ऑफ दी इन्जीनियर्स (भारत): श्रेणी- क-, 1-10.

पटेल टी. संजोग जे. तथा कर्मकार एस.(2016), पूर्वोत्तर भारत के कृषि कामगारों की समितिय हस्थ पकड़ का अध्ययन। एग्रीकल्चरल इन्जीनियरिंग इन्टरनेशनल, 17(1): 130-140.

पटेल टी. संजोग जे. चटर्जी ए. तथा कर्मकार एस.(2016), पूर्वोत्तर भारत के कृषि कामगारों के मानव शास्त्रीय आंकड़ो की सांख्यिकी आंकड़ा तथा इसकी राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय आंकड़ो से तुलना। आई आई ई ट्राजेक्शन्स ओन आक्युपेशनल टूरजोनिक्स एण्ड हुमन फेक्टर्स, 4(4), 197-210.

संजोग जे. पटेल टी. चौधरी ए. तथा कर्मकार एस.(2015), भारतीय इंजेक्षण प्लास्टिक साज-सज्जा सामाग्री निर्माण स्थल का पिंजर प्रणाली व्यवस्था : कार्य के दौरान उपचार। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ इन्डिस्ट्रीयल इरजिनोमिक्स, 48, 89-98.

संजोग जे. कर्मकार एस. पटेल टी. तथा चौधरी ए. (2015), आभासी श्रमदक्षता की ओर : विमान एवं विमानपलन। अन्तरराष्ट्रीय संदर्भ पत्रिका- एअरक्राफ्ट इन्जीनियरिंग एण्ड एरोस्पेस टेक्नालॉजी, 87(3) : 266-273.

संजोग जे. पटनायक बी. पटेल टी. तथा कर्मकार एस.(2015), सम्मिश्रित कार्यस्थल पर संदर्भ विशिष्ट हस्तक्षेप : श्रमदक्षता परिप्रेक्ष्य। जनरल ऑफ इन्डिस्ट्रीयल एण्ड प्रोडक्शन इन्जीनियरिंग, 1-19.

चौधरी ए.के. गर्ग एस.के. भावनकर एम.के. चौहान ए.एन. सिंह एम. (2015), एकल तथा दो-स्तरीय कूटकर पिसाई व द्वारा तैयार हल्दी पाउडर की गुणवत्ता पर प्रभाव। जनरल ऑफ एग्रीकल्चरल इन्जीनियरिंग, 52(3) : 9-15.

बरनवाल पी. सिंह के.के. शर्मा ए. चौधरी ए.के. सक्सेना एस.एन..(2015), द्यनिया पाउडर की पिसाई विशिष्टताओं पर पिन तथा कूटने वाली प्रणाली की तापिय तथा आक्सीकरण रोद्यी गुणों पर प्रभाव। जनरल ऑफ एग्रीकल्चरल इन्जीनियरिंग, 52(3) : 9-15.

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

रखेजा एस. मारकोटे पी. दिवांगन के. तथा कालरा एम. (2015), कम्पन्न युक्त हैंडल के हाथ पर दबाव को नापने के लिए निम्न मूल्य संवेदी का मूल्यांकन। हाथ- भुजा कम्पन्न पर 13वां अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, बीजिंग, चीन, 47-48.

दिवांगन के.एन. तथा सोरा के..(2015), भारत की महिला बुनकरों के मासपेशियों की वेदना तथा मानव- यंत्र की कार्यनुसार विशिष्टतायें। अन्तरराष्ट्रीय श्रमदक्षता महासभा की 19वां त्रैवार्षिक सम्मेलन, मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया, आलेख संख्या- 1703, पृष्ठ 1-8.

प्रणव पी.के. चेलिंग एस. दास एल. (2015), अरुणाचल प्रदेश की महिला कामगारों द्वारा शेरपा के रूप में कार्य के लिए मान्य कार्य घण्टे। यह आलेख 19वीं त्रैवार्षिक सम्मेलन, अन्तरराष्ट्रीय श्रमदक्षता महासभा मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया, में प्रस्तुत किया गया था।

प्रणव पी.के. कुमार एस.(2016), नीचे की ओर बहाव गैसीफायर से चाय अपशिष्टों की सिनगैस क्षमता का आकलन। यह आलेख 50वें भारतीय कृषि अभियन्ता सम्मेलन, भूवनेश्वर में प्रस्तुत किया गया था।

संजोग जे. दास टी. पटेल टी. कर्मकार एस.(2015), लघु इन्जेक्शन.ढलाई प्लास्टिक साज-सज्जा सामाग्री निर्माण स्थल का डिजाइन-भौतिक एवं पर्यवरण श्रमदक्षता संदर्भ। यह आलेख 8वीं अन्तरराष्ट्रीय संगोषठी योजना एवं डिजाइन, 25-28 मई, 2015 की प्रक्रिया में प्रकाशित किया गया था, राष्ट्रीय चिंग कुंग विश्वविद्यालय, ताइनान।

खेयर एस.एम. पटेल टी .(2016), पांच संचालित द्यान थ्रेसर के सरलीकरण के लिए मानव सुगम प्रारूप मानव केन्द्रित उत्पाद डिजाइन। यह आलेख 50वें भारतीय कृषि अभियन्ता समिति सम्मेलन, भूवनेश्वर में प्रकाशित किया गया था। पृष्ठ- 157.

पटेल टी. वैधु के.पी. कुमार ए. सिंह डब्लु ए.(2016), कमर एवं कंद्ये उपयोग से शेरपा वदयि से भार ढोहने के शारीरिक एवं अवद्यारणात्मक प्रभाव। 7वीं अन्तरराष्ट्रीय खादय कृषि अभियांत्रिकी सम्मेलन, 17-18 मार्च, 2016, आबू द्याबी यू .ए. ई. पृष्ठ- 75.

4.2.10 संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

के.एन. दिवांगन ने अनुसंद्यान केन्द्र, कोन कोरडिया विश्वविद्यालय, माट्रीयल म 1.6,2015 से 18.7.2015 तक आचार्य एस. खरेजा के साथ कार्य किया था।

4.2.11 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य

-नहीं-

4.2.12 छात्रों की उपलब्धियाँ

- मिटाशिंग मैजा (डीई/13/एई/07) तथा सपुनी सेवास्तीन (डीई/13/एई/03) ने गेट-2015 में सफलता प्राप्त की थी।
- सपुनी सेवास्तीन (डीई/13/एई/03) भारतीय कृषि अनुसंद्यान परिषद की कनिष् अनुसंद्यान फेलों परीक्षा 2015 में सफलता प्राप्त की थी

4.3 भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग

4.3.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग का उदगम वर्ष 1985 में संस्थान की स्थापना के साथ ही हुआ था। समय के साथ-साथ यह विभाग विकास करता रहा तथा इसे उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अभियांत्रिकी विभाग होने का गौरव प्राप्त हुआ। विभाग का मुख्य उद्देश्य उच्च कौशल तकनीकी श्रमशक्ति का निष्पादन अपने प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा उपाधि कार्यक्रमों के माध्यम से करना है। इस तकनीकी श्रमशक्ति का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करना

है। संस्थान के मानक विश्वविद्यालय के स्तर को प्राप्त कर लेने के पश्चात विभाग ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम तथा पीएच. डी. कार्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करना भी आरम्भ कर दिया है।

विभाग की प्रयोगशालायें स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। यह विभाग ढाचा अभियांत्रिकी, भू-प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी, ढाचा गतिकी, भू-कंप अभियांत्रिकी, भवन निर्माण में कम्प्यूटर प्रविधियाँ, उच्च ठोस यांत्रिकी, जल शक्ति तथा जल संसाधन अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी, पर्यावरण विज्ञान, यातायात अभियांत्रिकी, सर्वेक्षण अभियांत्रिकी, भवन विज्ञान, नगर योजना, मूल्य गणना आदि विषयों की शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग में डिप्लोमा तथा डिग्री छात्रों को शैक्षिक उत्कृष्टता तथा उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार परियोजना कार्य करवाया जा रहा है। विभाग में उच्च कोटि की सलाहकार सेवाओं तथा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने की क्षमता है। यह विभाग तकनीकी ज्ञान के विस्तार के लिए कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश शासन के अधिकारियों, अध्यापकों, गैर सरकारी संगठनों एवं ग्रामीण लोगों के लिए आयोजित करता है।

4.3.2 विभाग की प्रयोगशालायें

1. कम्प्यूटर प्रयोगशाला
2. चित्रण अनुभाग सह कम्प्यूटर आद्यारित डिजाइन सुविद्या
3. भू- अभियांत्रिक प्रयोगशाला
4. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -I
5. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -II
6. क्षेत्र अभियांत्रिक प्रयोगशाला
7. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -I
8. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -II
9. राजमार्ग अभियांत्रिक प्रयोगशाला
10. सामाग्री परीक्षण प्रयोगशाला
11. ढाचा प्रयोगशाला
12. सर्वेक्षण प्रयोगशाला
13. जल संसादन अभियांत्रिक प्रयोगशाला

इसके अतिरिक्त विभाग में सभी सुविद्याओं से सम्पन्न एक सभागार है। विभाग की सभी प्रयोगशालायें आद्युनिक उपकरणों से सुसज्जित तथा सलाहकार सेवाओं व प्रयोगों के लिए उपयुक्त है।

4.3.3 नये संकाय सदस्यों द्वारा पदभार ग्रहण -नहीं-

4.3.4 शैक्षिक कार्यकलाप

- | | |
|-------------------------------------|--------|
| (क) वर्तमान पाठ्यक्रम में संशोधन | -नहीं- |
| (ख) नये चयनित पाठ्यक्रमों का संशोदन | -नहीं- |
| (ग) प्रयोगशाला/ कार्यशाला का डिजाइन | -नहीं- |
| (घ) नये कार्यक्रमों का समावेश | -नहीं- |

4.3.5 प्रयोगशाला विकास

नयन उपकरणों की खरीद

-नहीं-

4.3.6 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें (मई, 2015)

(क) बी.टेक. परियोजनायें

-नहीं-

(ख) डिप्लोमा परियोजनायें

एक समूह

(ग) एम.टेक. परियोजनायें (मई, 2015)

क्र.सं.	विषय	परामर्शदाता
1.	खराब रबड़ टायर चिप का सीमेंट के साथ मिश्रण से मृदा स्थिरीकरण	डा.(श्रीमती) अजन्ता कालिता
2.	चावल अपशिष्ट तथा राख सह सीमेन्ट मिश्रण का शक्ति व्यवहार	डा.(श्रीमती) अजन्ता कालिता
3.	बम्बू रेसे में अच्छादित मृदा की शक्ति व सखती का आकलन	डा.(श्रीमती) अजन्ता कालिता

(घ) पीएच.डी. शोध ग्रन्थ एवं मार्गदर्शन

क्र.सं.	विषय	मार्गदर्शक	शोध्यकर्ता	स्थिति	पंजीकरण वर्ष
1.	अरुणाचल प्रदेश के द्यूद्य प्रभावी क्षेत्र में चिपकाने वाले पदार्थ के साथ मृदा के मिश्रण से पैदल मार्ग का सुद्वार एवं मूल्यांकन	आचार्य एस.के.सिंह	यामन तामूत	संगोष्ठी परिपूर्ण, अनुसंधान जारी है।	2013
2.	ग्लास रेशा तथा प्राकृतिक रेशे से अच्छादित राख व सीमेन्ट मिश्रण की शक्ति का प्रतिमान एवं उपयोग	आचार्य एस.के.सिंह	याचुंग ओमो	संगोष्ठी संपन्न अनुसंधान कार्य निरन्तर	2013

4.3.7 विभाग द्वारा लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

-नहीं-

4.3.8 लघु अवधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

विभाग के संकाय सदस्यों ने नेरिस्ट में दिनांक 11-20 सितम्बर 2015 को आयोजित भवन निर्माण प्रौद्योगिकी पर आयोजित प्रोत्साहन कार्यक्रम में भाग लिया था।

(क) संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित नई उपाधियाँ

-नहीं-

(ख) संकाय सदस्यों को सम्मान व पुरस्कार

-नहीं-

(ग) विभाग को बाह्य निकायों द्वारा प्राप्त परियोजनायें

-नहीं-

4.3.9 आलेखों का प्रकाशन

सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित आलेख

बी. एन. पटेल, ए. कालिता, ए. छेत्री तथा के. टाटे (2015) लाल मृदा को चूना व राख के साथ तैयार मिश्रण की शक्ति एवं स्थिरता सम्बन्धी विशिष्टताओं का आकलन। यह आलेख भवन निर्माण अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम विषय पर आयोजित सम्मेलन की प्रक्रिया में प्रकाशित किया गया था। पृष्ठ 114-119.

4.3.10 विभाग के संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क -नहीं-

4.3.11 विभाग द्वारा प्रदान की गई सलाहकार सेवाये

क्र.स.	संगठन का नाम	धनराशि	कार्य का विवरण	संकाय सदस्य एवं तकनीकी सहायक
1.	विवेवाननद केन्द्रीय विद्यालय, ईटानगर	रु. 78,853/-	विवेवाननद केन्द्रीय विद्यालय भवन परिसर की मृदा का परीक्षण	डा. अजन्ता कालिता श्री यामन तामूत श्री आर. बोरा श्री एम.सी. बोरा
2.	स्टार सीमेंट	रु. 6212/-	जी जी यू सयंत्र हेतु स्टार सीमेंट का परीक्षण	डा. अजन्ता कालिता श्री ए.एस.आर. प्रशाद श्री एम.सी. बोरा
3.	एस.पी. कस्ट्रक्शन	रु. 3,378/-	मिट्टी का परीक्षण	डा. अजन्ता कालिता श्री ए.एस.आर. प्रशाद श्री एम.सी. बोरा
4.	एस.के. राय एण्ड ब्रदर्स प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	रु. 44,799/- तथा रु. 9,017/-	भारतीय तेल निगम भण्डार दोईमुख के लिए मृदा परीक्षण	डा. अजन्ता कालिता श्री आर. बोरा श्री एम.सी. बोरा
5.	योवन्टस सोलुशन प्राइवेट लिमिटेड	रु. 78,776/-	मृदा का परीक्षण	डा. अजन्ता कालिता श्री आर. बोरा श्री एम.सी. बोरा

4.3.12 अन्य सूचनायें

संकाय के संकाय सदस्य निम्नलिखित प्रशासनिक दायित्वों का निर्वाहन कर रहे हैं।

1. निक्यूप के सदस्य, सन, 2014 से।
2. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अद्यिकारी, सन, 2011 से।
3. सुबानसिरी छात्रावास के अद्यीक्षक, सितम्बर, 2014 से अगस्त, 2015 तक
4. दीक्षान्त समारोह समिति के सदस्य, 2015

4.4 कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

4.4.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग का उद्गम संस्थान के अस्तित्व में आने के साथ ही वर्ष 1986 में हुआ था। यह विभाग अपने छात्रों को पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं के माध्यम से

कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह विभाग मॉड्यूलर पद्धति से कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में डिप्लोमा व बी. टेक., एम. टेक. व पीएच.डी. उपाधि कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। यह विभाग कम्प्यूटर संगठन, अनुपयोग सॉफ्टवेयर, प्रचालन प्रणाली, गणित, अंकीय इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोप्रोसेसर, डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली, कंपाइलर डिजाइन, आंकड़ा संचार, कम्प्यूटर नेटवर्क, एल्गोरिदम का डिजाइन एवं विश्लेषण आदि पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इन नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कुछ विशिष्ट विषयों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वीएलएसआई डिजाइन, इमेज प्रोसेसिंग, ऋटि वहनिय कम्प्युटरीकरण, सूचना सिद्धान्त, आदि की भी शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है।

विभाग के संकाय सदस्य औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उत्तर पूर्वी परिषद, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग जैसे एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न अन्तर विष -यी अनुसंधान परियोजनाओं में कार्य कर रहे हैं।

विभाग में अत्याधुनिक मशीनों के साथ लेन के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई प्रणाली है, जिनमें सिस्टम प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, शूक्ष्म अन्वेषी प्रयोगशाला, हार्डवेयर प्रयोगशाला, नेटवर्क आदि शामिल हैं। विभाग में लिज्ड लाइन इन्टरनेट कनेक्टिविटी है।

हमारे यहाँ से उत्तीर्ण स्नातक इसफोसिस, एस-डॉट, सीमेन्स, टाटा टेलिकॉम, ब्रिटिश महिंद्रा टेलिकॉम, डीआरडीओ, एनआईसीएनईटी, इसरो, ऑयल, सीएसआईआर, टेलिकॉम, सीएमसी, पीसीएल, एचसीएल, आईओसी, सेल, टेलको, टिस्को, एस्कोर्ट्स जैसे संस्थानों में नियोजन पा रहे हैं।

4.4.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

यह विभाग डिप्लोमा, डिग्री तथा एम टेककार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग के छात्र नियमित अध्ययन के अलावा द्वितीय वर्ष में परियोजनाओं पर भी कार्य करते हैं। डिग्री कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्र 50 दिनों का औद्योगिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण के पश्चात छात्रों को संगोष्ठी में प्रशिक्षण सम्बन्धी विवरण भी प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

4.4.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

(क) कम्प्यूटर प्रयोगशाला ।

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार मॉड्यूल और डिप्लोमा मॉड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कंप्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला पेन्टीयम-III कम्प्यूटरों (866 मेगाहर्ज, 64 एम बी आरईएम, 20 जीबी हार्ड डिस्क सीडी रोम ड्राइव), सेलारॉन कम्प्यूटरों (300 मेगाहर्ज, 32 एमबी रेम, 4.1 जीबी हार्ड डिस्क), ए डी एम- 6 पीसी, डिजिटल केमरा, लेजरजेट प्रिन्टर, डेस्कजेट प्रिन्टर, डॉट मेट्रिक्स प्रिन्टरों से सुसज्जित है।

प्रणाली प्रयोगशाला - ।

प्रणाली प्रयोगशाला - । में सर्वरों तथा लिनक्स, युनिक्स एवं विण्डो वातावरण में कार्य करने की क्षमता सम्पन्न कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में डिप्लोमा एवं डिग्री छात्रों के

लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे सी, सी++, फोर्टन आदि तथा आरडीबीएमएस सॉफ्टवेयर जैसे ओरेकल व एसक्यूएल सर्वर, विजुएल, नेट आदि की सुविधा इस प्रयोगशाला में उपलब्ध है। इस प्रयोगशाला में एच सी एल इन्फ़िनिटि ग्लोबल लाइन सर्वर, एचपी प्रिन्टर, डेस्कजेट-840 प्रिन्टर, लाइन मेट्रिक्स प्रिन्टर, डॉट मेट्रिक्स प्रिन्टर, एएस/ ए4 मल्टीपेन प्लोटर4100, स्केनर आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। इन सभी कम्प्यूटरों को नेरिस्ट स्थानीय नेटवर्क द्वारा जोड़ा गया है, तथा सभी में इन्टरनेट की सुविधा है। विद्यार्थियों को यहाँ नेटवर्क संबंधी परियोजनाओं को करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रणाली प्रयोगशाला - II

प्रणाली प्रयोगशाला - II में एच सी एल सर्वर की स्थापना की गई है, जो कि रेड हट लिनेक्स 4.0 स्वचालन प्रणाली के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त खासकर यूनिक्स/लिनक्स वातावरण में काम करने के लिए एक एक सन् एल्ट्रा स्पार्क - 10 एस तथा कई एचपी थिन क्लाइंट्स उपलब्ध हैं। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

माइक्रोप्रोसेसर तथा डिजिटल प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर के अध्ययन के लिए की गई है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर, अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की स्थापना की गई है, जो कि कम्प्यूटर यंत्र कार्य प्रणाली उपकरणों के अध्ययन के लिए आवश्यक है। इस प्रयोगशाला में विभाग के डिप्लोमा तथा डिग्री कार्यक्रमों के विद्यार्थी प्रायोगिक कार्य करते हैं। इस प्रयोगशाला में आवर्ती गणना यंत्र, मल्टी मीटर, शक्ति उपकरणों, डिजिटल परिपथ परीक्षण उपकरणों, बहु आवर्ती यंत्रों, ध्वनि उत्सर्जन यंत्रों, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट स्टार-85, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -68 के, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -6802, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट- डीवाईएनए86, माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर डीवाईएनए51, कम्प्यूटरों के लिए एसटीडी आधारित कार्ड, सर्वो नियंत्रित वोल्टेज स्टेबिलाइजर, आइसोलेशन ट्रांसफार्मर, ब्रेड बोर्ड, 85 किट के लिए बुश मॉनिटर रंगीन टेलीविज़न आदि की स्थापना छात्रों के अध्ययन के लिए की गई है।

हार्डवेयर प्रयोगशाला

कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग के हार्डवेयर प्रयोगशाला की स्थापना कम्प्यूटर उपकरणों, कम्प्यूटरों को जोड़ने, त्रुटि निवारण आदि तथा संबन्धित अन्य विषयों के अध्ययन के लिए की गई है। इन कक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए इस प्रयोगशाला में पेन्टीयम कम्प्यूटर (100 मेगाहर्ज, 16 एम बी रेम, 2.1 जीबी हार्डडिस्क), पीसी ओआरजी सिस्टम एक्सटी पीसी जैसे विभिन्न 386 मशीन, पीसी ओरबिट एक्सटी, पीसीएल पीसी एटी 386, विप्रो जीनियस 386, ईएसपीएल सुपरहिट एक्सटी, ईएसपीएल सुपरहिट एटी, पीसीएल हॉल मार्क-II, तथा जेब्स कलर मॉनिटर, डीओएसएल/50, मोनो मॉनिटर, एचसीएल जीआर-86 वीडियो, वेबेल मॉनिटर जैसे विभिन्न प्रकार के मोनीटर, एक रंगीन टेलीविज़न, टीवीएसई, एल एंड टी और इंकजेट प्रिन्टर, 1 केवी यूपीएस तथा आईएसए पोस्टकार्ड जैसे टूलकित (हार्डवेयर परिचायक कार्ड) एड्वान्स्ड हार्डवेयर डिबगर कार्ड पीसी प्रशिक्षक सह प्रदर्शनकारी आदि उपलब्ध हैं।

अनुसंधान एवं विकास कक्ष

इस कक्ष की स्थापना विद्यार्थी परियोजनाओं और संकायों के शोध आदि के माध्यम से विभिन्न बाह्य निकायों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान कार्य के प्रबंधन के लिए की गई है। इस समय विभाग में तीन अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इस कक्ष में एच पी प्रोलियन्ट एम एल - 150 सर्वर, एच पी लेजर जेट 3015 मल्टीफंक्शन मशीन, पेन्टीयम- IV कम्प्यूटर (2.5 गिगाहर्ज, 256 डीडीआर एसडी रेम, 40 जीबी हार्डडिस्क, 17' रंगीन मोनीटर), एक पेन्टीयम- IV कम्प्यूटर (1.5 गिगाहर्ज, 256 एसडी रेम, 20 जीबी हार्डडिस्क, 17' रंगीन मोनीटर), एक पेन्टीयम-III कम्प्यूटर (800 मेगाहर्ज, 256 एसडी रेम, 20.4 जीबी हार्डडिस्क) आदि की स्थापना की गई है। यहाँ एचपी रंगीन लेजर जेट (4550 एन नेटवर्किंग प्रिन्टर), बहु-उद्देश्यीय ऑफिस जेट (जी55, स्केनर, कपियर सह प्रिन्टर) भी उपलब्ध है।

अंतःस्थापित प्रणाली प्रयोगशाला

विभाग में माइक्रो कंट्रोलर स्टूडेंट लर्निंग किट, कोड वारियर डेव्लोपर स्टूडियो एचसीओ8 एकाड संस्करण, कोड वारियर डेव्लोपर स्टूडियो एचसीएस12(एक्स) एकाड संस्करण, 16 बिट एचसीएस12 स्टूडेंट लर्निंग किट, 16 बिट एचसीएस 12सी32 स्टूडेंट लर्निंग किट, लिनक्स अंतःस्थापन के लिए प्लेटफॉर्म सृजन सूट, एलसीडी सहित एआरएम प्रोसेसर आधारित 1एमएक्सएल एडीएस आदि सहित अंतःस्थापित प्रणाली प्रयोगशाला स्थापित की गई है।

नेटवर्क प्रयोगशाला

विभाग ने नेटवर्क प्रयोगशाला स्थापित की गई है जिसमें एलएनटी-एनआईयू एलएनटी सॉफ्टवेयर सहित लैन टी, लैन टी पीएस जैसे उपकरणों से सुसज्जित है। यहाँ इसेक्यूरिट - एक नेटवर्क तथा डाटा सुरक्षा प्रशिक्षण प्रणाली भी स्थापित है।

स्थापित नया प्रयोगशाला

कंप्यूटर प्रयोगशाला 2 : विद्यार्थियों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कंप्यूटर प्रयोगशाला 1 को विस्तारित करते हुए कंप्यूटर प्रयोगशाला 2 स्थापित किया गया है। यह नया प्रयोगशाला अत्याधुनिक इंटेल कंप्यूटर आई-7 एवं सर्वरों से युक्त है।

4.4.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

(क) एम.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान) के छात्रों की परियोजनायें

क्र.स.	परियोजना	परामर्शदाता
1.	श्रेणीबंद्य विविद्य स्तर तकनीकी क उपयोग से प्रतिबिम्ब संवेदी आंकड़ों को क्षति पहुंचाने वाले कारकों का अध्ययन।	डा.(श्रीमती) एन. मारचांग
2.	शेषफल अंक प्रणाली की प्रभावी गणितीय ईकाई-सह-अण्डाकार वृत्त कुटलेखन के प्रभाव के एफ पी जी ए प्रत्यक्षीकरण का सैद्धान्तिक अध्ययन।	श्री मंजुल सैकिया
3.	सघन रेडियो नेटवर्क पर एस एस डी एफ आक्रमण के पता लगाने की प्रभावी नीति।	श्री अमर तागू

(ख) एम.टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी) छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.स.	परियोजना	परामर्शदाता
1.	विशुद्ध हार वैवलेट प्रतिरूपण के उपयोग से तालिका प्रदर्शित गुप्त छवि ग्राही योजना	डा.(श्रीमती) टी. थूथिंग
2.	सघन रेडियो नेटवर्क पर ठोस सतहीकरण तकनीकी के उपयोग से प्रतिबिम्ब संवेदी आंकड़ा ऋटी का पता लगाना	डा.(श्रीमती) एन. मारचांग
3.	जैव सूचना तंत्र पर आक्रमण एवं उसके उपाय: एक जैव कुटलेखन विद्ये	श्रीमती एम. काथिंग
4.	शेषफल अंक प्रणाली की प्रभावी गणितीय ईकाई-सह-अण्डाकार वृत्त कुटलेखन के प्रभाव के एफ पी जी ए प्रत्यक्षीकरण का सैद्धान्तिक अध्ययन।	श्री मंजुल सैकिया

(ग) उपाधि छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.स.	परियोजना	परामर्शदाता
1.	छवि विभाजन तकनिक के उपयोग से क्षेत्र का विभाजन	डा.(श्रीमती) टी. थूथिंग
2.	सघन रेडियो नेटवर्क में समग्र वर्णकर्म संवेदी डाटा माइनिंग प्रणाली के उपयोग से मिश्रीत आक्रमणों की पहचान की विद्ये	डा.(श्रीमती) एन. मारचांग
3.	अग्रिम प्रयास न्यूरल नेटवर्क के इपयोग से स्वनिम पहचान	श्री कपांग लिंगो
4.	चेहरे की पहचान के उपयोग से जैव सूचना प्रणाली की सत्यता परकता	श्रीमती एम. काथिंग
5.	ब्लेक होल आक्रमण की परिस्थिति में मानेट कार्य प्रणाली दक्षता	श्री एम. मरजीत सिंह .
6.	क्लाइड कम्पयटरीकरण के उपयोग हेतु स्वरूप कुटलेखन योजना का डिजाइन एवं वास्वीकरण	श्री मंजुल सैकिया
7.	संज्ञात्मक रेडियो नेटवर्क में एस एस डी एफ आक्रमण के संज्ञान हेतु विलय केन्द्री आद्यारित व्यवस्था।	श्री अमर तागू

4.4.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमो का आयोजन

विभाग ने अभातशिप तथा न्यूक्युप के सहयोग से 2-3 मई, 2015 को राष्ट्रीय सम्मेलन कम्पयूटरीकरण, सचार एवं सूचना प्रशसरण का आयोजन किया था।

विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर के सौजन्य से नेरिस्ट में 25-30 मई, 2015 को मानव संसाद्यन विकास मंत्रालय, द्वारा आयोजित लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम ,कलन विद्ये के डिजाइन का परिपथ, का आयोजन किया था।

4.4.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमो संकाय सदस्यों की सहभागिता

डा.(श्रीमती) एन. मारचांग, श्रीमती एम. काथिंग, श्री मंजुल सैकिया तथा श्री अमर तागू ने अभातशिप तथा न्यूक्युप के के सौजन्य से नेरिस्ट में 2-3 मई, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन कम्पयूटरीकरण, सचार तथा सूचना प्रशसरण में भाग लिया था।

डा.(श्रीमती) एन. मारचांग, श्रीमती एम. काथिंग, श्री मंजुल सैकिया तथा श्री अमर तागू ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर के सौजन्य से नेरिस्ट में 25-30 मई, 2015 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा प्रायोजित लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम ,कलन विद्ये के डिजाइन का परिपथ, में भाग लिया था।

श्री मंजुल सैकिया ने अभातशिप-इण्डेस्ट उपभोक्ता समिति, नेरिस्ट द्वारा 22-23 अगस्त, 2015 तथा 31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित ई. जनल उपभोक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया था। आपने गणित विभाग नेरिस्ट द्वारा 21-22 नवम्बर, 2015 को टिक्युप के सहयोग से आयोजित कार्यशाला गणित अध्यापन कार्य प्रणाली में भाग लिया था।

श्री अमर तागू ने टिक्युप के सहयोग से राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकता द्वारा 11-20 सितम्बर.2015 नेरिस्ट में आयोजित लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्यापन विज्ञान में भाग लिया था।

श्री अमर तागू ने 11 वीं अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन तार रहित तथा मोबाइल कम्प्यूटरीकरण, नेटवर्किंग तथा संचार में 19-21 अक्टूबर, 2015 को आबू द्याबी में भाग लिया था।

4.4.7 नयी उपाधियों एवं व्यवसायिक सदस्यता

डा.(श्रीमती) टी. थूथिंग	- आचार्य
श्री एस.जे बोरा	- सह आचार्य
श्री के. लिगो	- सह आचार्य
श्रीमती मारगरेट काथिंग	- सह आचार्य

4.4.8 संकाय सदस्यों को सम्मान व पुरस्कार

श्री एम. मरजीत सिंह को आई ई आई युवा वैज्ञानिक पुरस्कार. 2014-15 से इस्ट्रीट्यूशन ऑफ इन्जीनियर्स द्वारा सम्मानित किया गया था।

4.4.9 बाह्य निकायों द्वारा प्रदान परियोजनायें

परियोजना- संज्ञात्मक रेडियो नेटवर्क हेतु मोबाइल ब्रोडबैंड सेवा सहायता।

प्रदान अनुसंधानकर्ता	- डा.(श्रीमती) एन. मारचांग
सह अनुसंधानकर्ता	- श्री अमर तागू
वित्त संस्थान	- आई टी आर ए मीडिया लैब एशिया, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार विभाग, भारत सरकार
दिनांक	- 23 जुलाई, 2015
धनराशि	- रू. 35.94 लाख

4.4.10 आलेखों का प्रकाश

(क) संदर्भ पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

अनिल चौदयरी, डा. ओ.पी. राय तथा डा. टी. थूथिंग (2015), मोबाइल तदर्थ नेटवर्क विश्वसनियता। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ फ्यूचर जनरेशन कोम्नीकेशन एण्ड नेटवर्किंग। अंक-8, संख्या- 5, पृष्ठ, 207-220, आई एस एस एन : 2233-7857.

अनिल चौदरी, डा. ओ.पी. राय तथा डा. टी. थूथिंग (2015), नोड ऋटी की स्थिति में मोबाइल तदर्थ नेटवर्क की विश्वसनियता। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ कोम्नीकेशन सिस्टम एण्ड नेटवर्क अंक-3, संख्या- 1, पृष्ठ, 23-32 आई एस एस एन : 2053-6283

अनिल चौदरी, डा. ओ.पी. राय तथा डा. टी. थूथिंग (2015), समूह आद्यारित विवरण मोबाइल तदर्थ नेटवर्क विश्वसनियता प्रतिमान। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ कोम्नीकेशन एण्ड डिजिटल सिस्टम आई एस एस एन : 2210-142 एक्स, बहरीन विश्वविद्यालय वैज्ञानिक वैज्ञानिक प्रकाशन केन्द्र, अप्रैल, 2015.

बी.पुष्पा देवी, सुदिप्ता राय, वाई जिना चानू, के.मंगलम सिंह तथा टी. थूथिंग (2015), अंकीय छवि आद्यारित छायांकन कुटलेखन के लिए जल अंकन। कान्टपरेरी इन्जीनियरिंग साइन्स, अंक-8, संख्या- 32, 15-17-1528, हिकारी लिमिटेड.

सिंह एम.एम., सिंह ए., मण्डल जे.के. (.2015), मा-नेट में ब्लेक होल आक्रमण का एक लक्ष्य चित्र। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन, न्यूयार्क, सं.रा.अ. संख्या-16, अंक-14,

पाल एम., मण्डल जे.के., सिंह एम.एम. (.2015), अस्थिर सिफर ब्लाक क्रमबद्धता प्रारूप पर संशोद्धित पी.सी.टी.। स्प्रियर, ए आई एस सी- 340, डी ओ आई 10.1007/-978-81-322-2247-7-49, पृष्ठ, 457-465.

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

हिमनका कालिता, एम.एम. सिंह, डा. टी. थूथिंग (.2015), असतत हार को परिवर्तित करने वाली तरंगिका के उपयोग से मैट्रिक्स प्रक्षेपण में एक प्रतिवर्ती गुप्त छवि सहभाजन योजना। राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण, संचार एवं सूचना प्रशसरण। ईटानगर 2-3 मई, 2015 आई एस बी एन 978-93-84935- 27-6, पृष्ठ, 105-110.

तागू ए., चुनका सी., तथा मारचांग ए, (.2015), संज्ञात्मक रेडियों नेटवर्क में एस एस डी एफ आक्रमण का पता लगाने के लिए सहयोगात्मक रणनीति। 3वां अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण एवं सूचना क्षेत्र में महिलार्ये। ए सी एम अंकीय पुस्तकालय, आई एस बी एन 978-1-453-3361-0, कोच्ची, केरल, भारत, 10-13, अगस्त, 2015

राजकुमारी आर. तथा मारचांग ए, (.2015), कम संसाध्यनों वाले संज्ञात्मक रेडियों नेटवर्क में वितरित अंकीय निर्माण आद्यारित सहयोगात्मक कार्यक्रम। 3वां अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण एवं सूचना क्षेत्र में महिलार्ये। ए सी एम अंकीय पुस्तकालय, आई एस बी एन 978-1-453-3361-0, कोच्ची, केरल, भारत, 10-13, अगस्त, 2015

नाथ एस. मारचांग ए, तथा तागू ए.(.2015), संज्ञात्मक रेडियों नेटवर्क में के- मेडोइड के उपयोग से एस एस डी एफ समूह आक्रमण का न्यूकरण। यह आलेख वाइयब - 2015 की प्रक्रिया में प्रकाशित किया गया थ। आबू द्याबी, अक्टूबर, 19-21, 2015

भट्टाचार्यी एस. तथा मारचांग ए, (.2015), संज्ञात्मक रेडियों नेटवर्क में वर्णक्रम पहचान के लिए आक्रमण रोद्यी भरोसेमंद प्रभावशाली बहुसंख्या खेल नियम। 11वां अन्तराष्ट्रीय सूचना प्रणाली सुरक्षा सम्मेलन, जादवपर विश्वविद्यालय, कोलकता, भारत 16-20 दिसम्बर, 2015 डी ओ आई 10.1007/-978-3-319-26961-0-26.

सुचस्मीथा भट्टाचारजी राइपिंग केटनगनोवा तथा निगरीला मारचांग (.2016), संज्ञात्मक रेडियों नेटवर्क में मिले जुले आक्रमण का पता लगाने के लिए समायोजित नियम निष्पादन। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटर एवं सूचना तंत्र जनवरी, 7-9, 2016, कोयम्बटूर, भारत।

निशी कुमार, टी.एम. सिंह, निगरीला मारचांग तथा सरतचन्द्र एच शर्मा (.2016), तार रहित संवेदी नेटवर्क में स्थान गोपीनियता स्रोत के लिए सीमा सभाव्य कलन विद्युति। एन सी आई टी-2015, 18-22 जनवरी, 2016, राजीव गाँदयी विश्वविद्यालय।

रिमा रानी चुतिया, मारग्रेट काथिंग (.2016), पी सी ए तथा प्रबावी खोज विद्युति से व्यक्तिगत पहचान। एन सी आई टी- 2015, 18-22 जनवरी, 2015, राजीव गाँदयी विश्वविद्यालय।

सिंह एम.एम. मण्डल जे.के., (.2015), तदर्थ मोबाइल नेटवर्क की विश्वसनियता। 7वीं आई ई ई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण बुद्धीमत्ता संचार नेटवर्क। 12-14 दिसम्बर, 2015, जबलपुर, भारत।

सिंह एम.एम. मण्डल जे.के., (.2015), तार रहित कम्प्यूटर नेटवर्क की विश्वसनियता गणना विद्युति। यह आलेख राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण संचार तथा सूचना प्रशसरण की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। 2-3 मई, 2015 आई एस बी एन 978-93-84935- 27-6, पृष्ठ, 206-213.

सैकिया मंजुल तथा बोहरा विकास (.2016), स्थानिय प्रभावी क्षेत्र में अव्यवस्थात्मक मानचित्र आदयारित छवि कुटलेखन : एक संक्षिप्त सर्वेक्षण। अभियाँत्रिकी प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्द्य संकाय , कल्याणी- विश्वविद्यालय, कल्याणी- 741235, पश्चिमी बंगाल, भारत, 18-19 फरवरी, 2016.

सैकिया मंजुल हुसैन अनवर (.2015), तार रहित संवेदी नेटवर्क कुजी पूर्व- विवरण हेतु संयुक्त समूह आदयारित विद्युति। 4वां अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण संचार तथा संवेदी नेटवर्क, , कोलकता, भारत, 24-25 दिसम्बर, 2015. अन्तराष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्द्य महासभा, भारत. पृष्ठ, 19-25, आई एस बी एन 81-85824-46-0

सैकिया मंजुल, अचारजामयाम इरानी तथा हुसैन अनवर (.2015), तार रहित संवेदी नेटवर्क में उत्तम पूर्व कुजी विवरण योजना के लिए आवश्यक उपायों की विवेचना। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन हरित कम्प्यूटरीकरण- सह- इन्टरनेट। पृष्ठ, 129-134,, 8-10 अक्टूबर, 2015.

अयुब हुसैन मडल, मनीष रंजन तथा मंजुल सैकिया (.2015), समाकृति कुटलेखन एवं इनका उपयोग। राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम- 2015, 15-16 सितम्बर, 2015, राजीव गाँदयी विश्वविद्यालय, रोना हिल्स, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश।

मारचांग ए, राजकुमारी आर. बसुमतारी एस.बी. तथा तागू ए. (.2015), संज्ञात्मक रेडियों नेटवर्क में सहकारी वर्णक्रम के लिए गत्यात्मक निर्णय नियम। आई ई ई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत कम्प्यूटर तथा संचार प्रौद्योगिकी। आई एस बी एन 978-1-4799-6084-2

ए.के. पात्रा (.2016), सम्बद्धता नियम निष्पादन के लिए बहु आयामी विकासवादी कलन विद्युति। आई सी ए आर ओ बी- 2016, गिनोवन, ओकिनवा, जापान।

(ग) पुस्तको मं अध्यय

चौधरी हुसैन अहमद तथा मंजुल सैकिया गति अनुमान के लिए खण्ड मिलान कलन विद्युति। एक कार्यदक्षता आदयारित अध्यापन। पुस्तक- एडवान्सेज इन कोम्नीकेशन एण्ड कम्प्युटींग, 3 47 व्याख्यान स्पीगर विद्युत अभियाँत्रिकी। सम्पादक- प्रवीण कुमार बोरा, एस.आर. महादेव प्रशन्ना,

कद्राप कुमार शर्मा, नवजीत सैकिया। डी ओ आई- 10.1007/-978-81-322-2461-8-12 पृष्ठ, 149-160.

4.4.11 छात्रों की सफलतायें

नियोजन-

कुमारी सर्वनी कचारी	,	सेप्टम, डी आर ी ओ
कुमारी प्रियंका दास	-	बिप्रो
श्री संदीपन राय	-	बिप्रो, सेप
श्री राइपिंग के.टी.	-	टी.सी.एल. इण्डिया

गेट परीक्षा में सफलता

जोसेफ पांचू

स्वमितय बसुमतारी

4.5 इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

4.5.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1985 में हुई। विभाग में प्रथम बैच वर्ष 1986 में आए। विभाग तीन मोड्युल्स में कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है, यथा : आधार, डिप्लोमा तथा डिग्री और डिग्री माँड्यूल सफलता पूर्वक उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को बी.टेक. डिग्री तथा और वीएलएसआई में एम. टेक डिग्री प्रदान कर रहा है। इन कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम, आधारभूत ज्ञान, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार के क्षेत्र में अपेक्षित जनशक्ति तथा राष्ट्र निर्माण के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। विभाग में वर्ष 2012 से स्नातकोत्तर कार्यक्रम (वी एल एस आई में एम टेक) चलाया जा रहा है। विभाग में इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में तथा वीएलएसआई और सूचना प्रौद्योगिकी में पी एचडी कार्यक्रम (अंश कालिक और पूर्ण कालिक) भी चलाया जा रहा है। विभाग में कुल 10 संकाय सदस्य हैं जिनमें से दो क्यूआईपी छुट्टी पर क्रमशः जादबपुर विश्वविद्यालय और एमएनआईटी इलाहाबाद में पीएचडी कर रहे हैं ।

4.5.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ

यह विभाग नेरिस्ट की माँड्यूलर पद्धति के अनुसार शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमें अनुरक्षण अभियांत्रिकी में प्रमाण-पत्र, तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में डिप्लोमा तथा डिग्री की शिक्षा प्रदान की जा रही है। विभाग के एम टेक और पीएचडी छात्रों को देश भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने पत्र प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के अंतर्गत नेरिस्ट एलेक्ट्रॉनिक सोसाइटी (एनईएस) एक महत्वपूर्ण निकाय है जो छात्रों के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग ने अन्य विश्व विद्यालयों के संकाय सदस्यों/विशेषज्ञों की तकनीकी सहयोगिता में कई संगोष्ठियों एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

4.5.3 प्रयोगशाला व प्रयोगशाला विकास

विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए विभाग में 13 प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। विभाग ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता से डीएसपी प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किया। विभाग वीएलएसआई और कम्प्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला को और अधिक विकसित कर रहा है। विभाग ने एम टेक (वीएलएसआई) पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशालाओं को उन्नत करने का कार्य आरंभ कर दिया है जिसके लिए ओआरसीएडी तथा माइक्रोविंड डिजाइण्ड सॉफ्ट वेयर व केडेंस के साथ साथ वी एच डी एल आधारित किट के साथ जिलिंक्स, टी आई 6713 सीरीज डीएसपी किट आदि का क्रय कर लिया गया है। डी एस पी और कम्प्यूटर प्रयोगशाला में बिना बाधा के नियमित विद्युत आपूर्ति के लिए यूपीएस और बैटरी ऑनलाइन क्रय की गई है।

4.5.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

(क) स्नातक छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.सं.	छात्रों के नाम	परामर्शदाता	परियोजना
1.	एच. डोनाल्ड सिंह संजीता साहू मनिदिप्ता साहा कलोल एस. कश्यप	डा. जायत्री बोरा श्री मधुसुदन मिश्रा	बाहन संचालन नियंत्रण एवं सुरक्षा प्रणाली
2.	टी. चगहेनगान्बा विक्की शर्मा मिरनमय नाथ एल.बोमसिन सिंघा	डा. ए. दिनामनी सिंह	परक्लोस विश्लेषण से वाहन चालक के परिश्रम का आकलन
3.	रंजन कुमार पावलामी राय अर्चना कुमारी	श्री अनिल कुमार गौतम	एस-रेम मेमोरी सेल की कार्यदक्षता का विश्लेषण
4.	आरती कुमारी निकीता नवोरेम अनुपमा शर्मा	अखो जोन रिचा	पी एल सी के उपयोग से रफीड आद्यारित सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली
5.	एस. वाटसन सिंह प्रेम बाबू	डा. स्वयंनिर्भर मजुमदार	बहु-स्त्रोत आकड़ों से हृदय गति का प्रभावशाली आकलन
6.	रोहित कुमार बबलु सिंह कौशिक साहा मिहीर दास लशकर	डा. मनीष कुमार	कम शक्ति व उच्च गति द्वि- सतह तुलना प्रणाली का विश्लेषण
7.	धिरतीमान दास डी.रुद्र शर्मा उत्तम रावत , प्रीती चौधरी	श्री रूसनी किमा मगांग	ओ एफ डी एम प्रणाली में पानी के भीतर आक्सीजन का आकलन
8.	एस.कुमार महतो महेश सुग्हो, डब्लू जोनी सिंह आशिष भंडारी,	श्री मधुसुदन मिश्रा	अंगुली के निशानों की तथ्य आद्यारित पुनः प्रतिस्थापना

9.	अब्दुल अहमद खान एच. हमर	आचार्य मो. अनवर हुसैन	हृदय जल मुद्रण
10.	सुर्यादीप डे सी. हिमंगधनसंगा	डा. स्वयनिर्भर मजुमदार	आँख से पहचान
11.	अपर्णा प्रकाश रंगनिक राय जी.बेनहर सिंगसन दंव दुलाल भौमिक	डा. अशोक कुमार रे	पेट्रब उच्च क्रम चालक विद्युत् से सौर सैल के अत्यधिकतम ऊर्जा बिन्दु का आकलन तथा इसके लिए उच्च द्यारा नमन स्तर संचालक एल ई डी नियंत्रक
12.	अंकीत कुमार पांडे अतिकुर रहमान	आचार्य अनवर हुसैन	रेखीय व अ- रेखीय प्रतिरूपण मॉडल

(ख) एम.टेक. छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.सं.	छात्रों के नाम	पर्यवेक्षक	परियोजना
1.	कुमारी श्रेयाश्री देबनाथ	ए.के. राय	संयुग्मित श्रेणी साल्वर का एफ पी जी ए कार्यान्वयन
2.	इनामुल हुसैन	मनीष कुमार	त्वरीत तथा जटिलता रहित वालेस ट्री मल्टीप्लायर का डिजाइन
3.	रोहित कुमार साह	मनीष कुमार	विविद्य रस-रेमा सैल संगठन का डिजाइन तथा प्रारूप
4.	मानषी तामुली	स्वयनिर्भर मजुमदार ए.के. राय	जैकव साल्वर का एफ पी जी ए प्रत्यक्षीकरण
5.	निनगोबम अजित कुमार	मनीष कुमार	पूर्व- एम्पलीफायरलैच तुलना यंत्र पर आद्यारित निम्न शक्ति लिरन्तर समय डेल्टा सिगमा मोड्युलेटर
6.	दिबाकर तमांग	अनवर हुसैन	निकटतम एवं उप- डेवढी में वृहद समाकलित अंकीय परिपथ पर भौतिक परिस्थितियों का प्रभाव
7.	गायती युबे	टी.वी.पी. सिंह	समय आद्यारित सी-मोस रेखीय से अंकीय परावर्तक

4.5.5 विभाग द्वारा आयोजित लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम

विभाग के 25.2.2016 को छात्रों के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया था।

4.5.6 लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

श्री मधुसुदन मिश्रा

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1.	संचार एवं संकेत प्रशारण के वर्तमान आयाम	12-16 जनवरी, 2015	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
2.	21 वां राष्ट्रीय सम्मेलन संचार एन सी सी- 2016	2-4 मार्च, 2016	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी

डा. पी. के. दत्ता

1.	विद्युत मशीन तथा औद्योगिक उपयोग के वर्तमान आयाम	4-8 नवम्बर, 2015	नेरिस्ट
----	---	------------------	---------

डा. जे. बोरा

1.	विद्युत मशीन तथा औद्योगिक उपयोग के वर्तमान आयाम	4-8 नवम्बर, 2015	नेरिस्ट
----	---	------------------	---------

डा. स्वयनिर्भर मजुमदार

1.	आई ई ई ई अन्तराष्ट्रीय अनुमापन प्रौद्योगिकी सम्मेलन	11-14 मई, 2015	आई ई ई ई उपकरण एवं अनुमापन समिति
2.	विद्युत मशीन तथा औद्योगिक उपयोग के वर्तमान आयाम	4-8 नवम्बर, 2015	नेरिस्ट

श्री ए. के. राय

1.	अति लघु प्रतिपादन का स्वयं हस्त प्रशिक्षण	18-22 अप्रैल, 2016	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
----	---	--------------------	-------------------------------------

डा. मनीष कुमार

1.	विद्युत मशीन तथा औद्योगिक उपयोग के वर्तमान आयाम	4-8 नवम्बर, 2016	नेरिस्ट
2.	शीतकालिन प्रशिक्षण कार्यक्रम अंकीय वृहद समाकलन	26-30 दिसम्बर, 2015	आई एस बी ई ई राँची

श्री आर. के. मांगाग

1.	विद्युत मशीन तथा औद्योगिक उपयोग के वर्तमान आयाम	4-8 नवम्बर, 2016	नेरिस्ट
----	---	------------------	---------

श्री अखो जोन रिचा

1.	इंसान विकास मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	49 दिन 30.5.15 से 17.7.15	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई
----	--	------------------------------	-------------------------------------

श्री अनिल कुमार गौतम

1.	शिक्षण प्रेरणा प्रशिक्षण	10-20 सितम्बर, 2015	रा.त.पी.प्र.अ. सस्थान कोलकता
2.	कम्प्यूटरीकरण संचार एवं सूचना प्रशिक्षण	2-3 मई, 2015	नेरिस्ट
3.	वैश्विक वाणिज्य हेतु तैयारी	7.22 फरवरी, 2015	नेरिस्ट

4.5.7 नयी उपाधियाँ एवं व्यवसायिक सदस्यता

1. डा. ए. दिनामनी सिंह ने ए.सी.एम. की जीवन पर्यन्त सदस्यता प्राप्त की थी।
2. श्री एहीबम सिंह, सहायक आचार्य ने दिनांक 1 जून, 1915 को नेरिस्ट से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की थी।
3. श्रीमती जायत्री बोरा, सहायक आचार्य ने दिनांक 2 जून, 2015 को नेरिस्ट से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की थी।
4. श्री स्वयनिर्भर मजुमदार सहायक आचार्य ने दिनांक 15 जुलाई 2015 को जादवपुर विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की थी।

4.5.8 बाह्य निकायों द्वारा प्रदान परियोजनाये

विभाग के छः छात्रों को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार विश्ववेश्वरीया पीएच. डी. छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी।

4.5.9 आलेखों का प्रकाशन

एस. मजुमदार तथा ए.हुसैन (2015), बिन्दु- सह- बिन्दु मांग पर श्रव्य दृश्य सेवा में आरम्भ एवं समाप्ती समय का प्रभाव। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ इन्नोवेटिव साइन्स, इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, अक-2, संख्या-7, आई एस एस एन- 7968, 2015.

सुदिप्ता मजुमदार तथा अनवर हुसैन (2015), बिन्दु- सह- बिन्दु मांग पर श्रव्य दृश्य सेवा में प्रथम डाउनलोड गतिरोदय के विवरण हेतु अपलोड आंकड़ा गति। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ रिसेन्ट ट्रेन्ड इन कम्प्यूटिंग एण्ड कोम्नीकेशन मई, 2015, अंक- 3, संख्य- 5, आई एस एस एन 2321-8169 पृष्ठ 2967- 2972.

सैकिया मंजुल, अचराजामयाम इरानी, हुसैन मो. अनवर (2015), तार रहित नेटवर्क उत्तम कुँजी वितरण हेतु उपायों की विवेचना। अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी विशिष्ट कम्प्यूटरीकरण एवं वस्तु आद्यारित इन्टरनेट। पृष्ठ-1 129-34, 8-10 अक्टूबर, 2015.

सैकिया मंजुल, हुसैन मो. अनवर (2015) , तार रहित नेटवर्क पूर्व कुँजी वितरण के लिए समूह आद्यारित उपाय। 4वीं अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण, सचार एवं संवेदी नेटवर्क, , कोलकता, 24-25 दिसम्बर, 2015. अन्तराष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्ध्य महासभा, भारत. पृष्ठ, 19-25, अंक-2. आई एस बी एन- 81-85824-46-0

सैकिया मंजुल तथा हुसैन मो. अनवर (2016), समायोजन के समूहकरण द्वारा संवेदी नेटवर्क में पूर्व कुँजी वितरण की प्रक्रिया में सुदयार। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण, सचार एवं स्वचालन, ग्रेटर नोयडा, उत्तर प्रदेश, 29-30 अप्रैल, 2016

जे. बोरा तथा हुसैन मो. अनवर (2016), विविद्य चैनलों के न्यूनीकरण की अवस्था में बहु- उपभोक्ता –सह- प्राप्ति दक्षता का आकलन। 2वीं अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत इलेक्ट्रानिकी, सचार एवं जैव सूचना प्रणाली के वर्तमान आयाम। प्रद्युशा प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्ध्य संस्थान, चैन्नई। आई ई ई ई, आई एस एस एन, 978-1-4673-9745-2

ए. बिश्वास तथा हुसैन मो. अनवर (2016), सजातिय फेट नेटवर्क में मार्गभिगमन- ऑन चिप प्रौद्योगिकी। आई ई ई ई ई, अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण, सचार एवं स्वचालन, अप्रैल, 27-30, 2016

ए. बिश्वास तथा हुसैन मो. अनवर (2016), नेटवर्क के लिए पूर्णतया समूह आद्यारित मिन् फेट ट्री सांस्थिति। आई ई ई ई ई, अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन उच्च सचार नियंत्रण एवं कम्प्यूटरीकरण प्रौद्योगिकी मई, 25-27, 2016.

कालिता के., रे ए., बिश्वास ए. तथा हुसैन मो. अनवर (2016), एक नेटवर्क सांस्थिति- चिप प्रौद्योगिकी। 5वीं आई ई ई ई ई, अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन सूचना सचार एवं अतः स्थापित प्रणाली। 25-26 फरवरी, 2016.

के., रे ए. कालिता ए.बिश्वास तथा मो. अनवर हुसैन (2016), एक बहुपथ नेटवर्क- ऑन चिप प्रौद्योगिकी। 5वीं आई ई ई ई ई, अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन सूचना सचार एवं अतः स्थापित प्रणाली। 25-26 फरवरी, 2016.

एच. जे. महन्ता, अभिजित .बिश्वास तथा मो. अनवर हुसैन (2015), एक वास्तुकला आद्वारित विजातिय फेट ट्री नेटवर्क- ऑन चिप प्रौद्योगिकी। 5वीं आई ई ई ई ई, अन्तराष्ट्रीय विचारगोष्ठी कम्प्यूटरीकरण एवं सचार 14-15 सितम्बर, 2015

टी. शरण तथा वी. बधुरिया (2015), उच्च सचालन दक्षता युक्त निम्न शक्ति वृहद- सचालन अग्रिम- पीछे मिश्रित प्रणाली। यह आलेख मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद में आयोजित आई ई ई ई उत्तर प्रदेश शाखा द्वारा 6-8 नवम्बर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था।

मधुसुदन मिश्रा (2016), स्वच्छ छवि की कलिय सूचना पर आद्वारित ग्लुकोमा का पता लगाने की प्रणाली। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ लेटेस्ट ट्रेन्डस इन इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, अंक-6, संख्या-4, मार्च, 2016 पृष्ठ, 444-449.

प्रनब किशोर दत्ता नवजीत बग्गा, कौशिक नाशकर सुबीर कुमार सरकार (2015), उत्तम दक्षता हेतु हाफनियम डाई आक्साइड के उपयोग से द्वि-द्व्यातु, द्वि-गेट माँस्फेट का विश्लेषण। माइकल फेराडे अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन- 2015, कोलकता, भारत, सितम्बर, 12-13, 2015.

सुदिप्ता मुखर्जी, दिपेन बन्दोपाध्याय, प्रनब किशोर दत्ता, सुबीर कुमार सरकार (2016), अचालक तथा फील्ड इफेक्ट ट्राँजिस्टर का क्वांटम विश्लेषण- सह- प्रतिमान : एक सघन अध्ययन। जनरल ऑफ थियोरीटीकल एण्ड एप्लाइड फिजिक्स, जनवरी, 2016.

दयानन्द राजकुमार प्रनब किशोर दत्ता, सुबीर कुमार सरकार (2016), सेट माँस वास्तु के उपयोग से 4- बीट संपदन जोड़ प्रणाली का डिजाइन एवं उपयोग। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम। बैंगलोर, भारत, मई, 20-21, 2016.

अहीबम दिनामनी सिंह तथा रूपबन सूबेदार (2016), टी. डब्लु डी.पी. विस्थापन चैनलों पर द्वि- ई.जी.सी. संकेतग्राही की कार्य दक्षता। टेली कॉम्निकेशन सिस्टमस अंक-61, संख्या-2, जनवरी, 2016.

अहीबम दिनामनी सिंह तथा रूपबन सूबेदार (2015), एम- एम आर सी संकेतग्राही तथा टी. डब्लु आच्छादान चैनल का तुलनात्मक अध्ययन। यह आलेख आसाम विश्वविद्यालय, सिल्चर द्वारा 11,14 व 15 सितम्बर,2015 को आयोजित आई ई ई ई सम्मेलन की प्रक्रिया में प्रकाशित किया गया था।

अहीबम दिनामनी सिंह तथा रूपबन सूबेदार (2016), अकीय समाकलित प्रणाली तथा टी. डब्लु- डी.पी. आच्छादान चैनल का तुलनात्मक अध्ययन। यह आलेख प्रत्युक्षा प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्ध्य संस्थान,चैन्नई में आयोजित द्वितीय अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत इलेक्ट्रॉनिक सूचना, संचार जैव सूचना प्रणाली की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। पृष्ठ 142-146, 27-28 फरवरी, 2016.

एस. कौशिक तथा जे. बोरा (2015), इगिनफेसेस के उपयोग से मुख की छवि का निस्पादन। एडवांस रिसर्च इन इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक इन्जीनियरिंग। संख्या- 2, अंक- 13, अक्टूबर- दिसम्बर, 2015 पृष्ठ 40-42. आई एस एस एन 2349-5804, इले. आई एस एस एन 2349-5812

जे. बोरा तथा मो. अनवर हुसैन (2016), चैनल क्षति माध्यम में बहु- उपभोक्ता विविद्यता तास- प्राप्ति विविद्यता प्रणाली की कार्यदक्षता का आकलन। यह आलेख द्वितीय अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत इलेक्ट्रॉनिक सूचना, संचार तथा जैव के सूचना वर्तमान आयाम की प्रक्रिया में

प्रकाशित किय गया था। प्रत्युषा प्रौद्योगिकी एवं प्रबन्ध्य संस्थान, चैन्नई, 27-28 फरवरी, 2016. पृष्ठ 142-146 आई एस एस एन : 978-1-4673-9745-2.

बदूर्थ जेड लसकर, आशुतोष पाण्डे तथा एस. मजुमदार (2015), वास्तविक विशिष्टताओं के उपयोग से आयु अनुमान के लिए जीन विश्लेषण हेतु कृत्रिम न्युरल नेटवर्क का उपयोग। किंग साउद विश्वविद्यालय अन्तराष्ट्रीय जनरल- कम्प्यूटर एण्ड इन्डफोरमेशन साइन्स, 10-1016/2014-06-017.

एम. सैकिया तथा एस. मजुमदार (2015), चोटिक प्रतिमानचित्र के उपयोग से एक संयुक्त एस वी डी आद्यारित जल प्रतिबिम्ब तथा कुटलेखन विद्युि। ट्राजेक्सन्स ऑन कम्प्यूटर इन्जीनियरिंग, कम्प्यूटर एण्ड इन्डफोरमेशन टेक्नालॉजी, पृष्ठ 101-105, संख्या-9, अंक-2, आई एस एस एन :2286-9131.

स्वयनिर्भर मजुमदार (2016), एस वी डी आद्यारित सघन जल प्रतिबिम्बन। पुस्तक, आई एस एस एन 13 : 978-3-659-85454-5, आई एस एस एन 10 : 3659854549. ई ए एन 9783659854545, लाम्बर्ट प्रकाशन, जर्मनी, 9 मार्च, 2016.

एस. मजुमदार तथा एस. पाल (2016), पुस्तक पाठ-9, ई सी जी विश्लेषण तथा रोग आकलन प्रक्रिया के आयाम। पुस्तक- हेण्डबुक ऑफ रिसर्च ऑन ट्रेन्डस इन डायगनोसिस एण्ड ट्रीटमेंट ऑफ क्रोनिक कण्डीसन्स। आई एस एस एन 13 : 9781 466688285, आई एस एस एन 10 : 1466688289 आई एस एस एन 13 : 9781466688292, डी ओ आई- 10. 4018/ 978-1-4666-8828-5, आई बी आई ग्लोबल पब्लीकेशन द्वारा मुद्रित।

एस. डे, सी. हमिंगथगसा, एस. डब्लु सिंह, पी. बाबू तथा एस. मजुमदार (2015), नेत्र पहचान तकनीकी : एक विश्लेषण। यह आलेख अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण तथा, संचार प्रणाली की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। 9-10 अप्रैल, 2015 पृष्ठ 56-60, अंक-1, आई एस एस एन 978-1- 4799-5857-01

यु माझी, एस. पाल तथा एस. मजुमदार (2015), अस्थिर मोड़ एकत्र तकनीकी की सहायता से एरीथिमीया कड़ी का अनुमान। यह आलेख आई ई ई ई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन उपकरण एवं अनुमापन की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। आई ई ई ई उपकरण एवं अनुमापन समिति, पीसा इटली, 11-14 मई, 2015, 10.1109/12 एम टी सी 2015.715 1365.

आर. दास, पी.बी. गोहीन, एस. मजुमदार (2015), एक आदर्श जीन प्रतिविम्बन आद्यारित ई सी जी जैव सूचना प्रणाली योजना। यह आलेख माइकल फैराडे अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। आई ई टी कोलकता, 11-13 सितम्बर, 2015 पृष्ठ- 56(6), आई एस एस एन 978-1-78561-186-5.

ए.के. साहू तथा एस. मजुमदार (2016), एम आर एस बी डी तथा बिन्दु-सह-बिन्दु छवि जल मुद्रण। यह आलेख द्वितीय अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन नियंत्रण, उपकरण ऊर्जा तथा, संचार की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था, 28-30 जनवरी, 2016, कोलकता, आई एस एस एन 978-1-5090-0035-9.

एस. तामुली, एस. देबनाथ, ए.के. राय तथा एस. मजुमदार (2016), एच डी एल के सरलीकरण के लिए जेक वाली समाद्यान प्रणाली का उपयोग। यह आलेख द्वितीय अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन नियंत्रण, उपकरण ऊर्जा तथा, संचार की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था, 28-30 जनवरी, 2016, कोलकता, आई एस एस एन 978-1-5090-0035-9.

अशोक राय, गौरव कुमार, मनदीप सिंह, पी. अग्रवाल तथा गौरव त्रिवेदी (2015), सिलीकॉन कार्बाइड: उच्च शक्ति उपकरणों के प्रतिपादन का एक उदयमान पदार्थ। यह आलेख 114वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण भौतिकी की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। गुवाहाटी।

मनशवी तामुली, श्रेसी देबनाथ, अशोक कुमार राय तथा स्वयनिर्भर मजुमदार (2016), यह आलेख द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन नियंत्रण, उपकरण ऊर्जा एवं संचार की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था, कोलकता विश्वविद्यालय।

एम. कुमार (2015), वस्तुओं के इन्टरनेट के लिए अति निम्न विभव परिपथों का डिजाइन। जनरल ऑफ इलेक्ट्रान डिवाइसेज, अंक- 21, पृष्ठ 1801-1805.

आर. के. साहा, आई. हुसैन तथा एम. कुमार (2015), 180 नैनो मीटर सी मोक्ष प्रौद्योगिकी मे 6टी एस राम सैल की कार्यदक्षता का विश्लेषण। जनरल ऑफ वी एल एस आई एण्ड सिग्नल प्रोसेसिंग, अंक-5, संख्या-2, पृष्ठ 20-22, 2015.

आई. हुसैन, आर.के. साहा तथा एम. कुमार (2015), परम्परागत वालेस गुणक तथा कम जटिलता युक्त गुणक की कार्यदक्षता का तुलनात्मक अध्ययन। जनरल ऑफ वी एल एस आई एण्ड सिग्नल प्रोसेसिंग, अंक-5, संख्या-2, पृष्ठ 23-27, 2015.

आर. के. साहा तथा एम. कुमार (2015), निम्न शक्ति 10टी राम सैल का डिजाइन। इन्टरनेशनल जनरल ऑफ इननोवेटिव रिसर्च इन साइन्स, इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, अंक-, संख्या-7, पृष्ठ 6334- 6336, 2015.

एस. हुसैन तथा एम. कुमार (2016), प्रकाशिय संचार ग्राही उपकरण के लिए प्रभावी 8 बीट रेखीय से अंकीय प्रारवर्तक का डिजाइन। यह आलेख आई ई ई ई सम्मेलन विद्युत इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। मार्च, 2016

ए. दत्ता, एस. गमीहर तथा एम. कुमार (2016), तीन बीट ई सी आर एल रेखीय से अंकीय प्रारवर्तक की परम्परागत लॉजिक विद्यु से तुलना यह आलेख आई ई ई ई सम्मेलन विद्युत इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार की प्रक्रिया में प्रकाशित किय गया था। मार्च, 2016

4.5.10 संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

डा. ए. दिनामनी सिंह को इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय में प्रायोगिक परीक्षा हेतु बुलाया गया था।

डा. स्वयनिर्भर मजुमदार आई ई ई ई अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण एवं संचार, 14-15 सितम्बर, 2015, आसाम विश्वविद्यालय शिल्चर की तकनिकी समिति के सदस्य थे। आप अरुणाचल प्रदेश में शितलन- चैन विकास की अरुणाचल प्रदेश राज्य स्तरीय समिति के भी सदस्य है। आप द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन नियंत्रण, उपकरण ऊर्जा तथा संचार, 28-30 जनवरी, 2016, अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, कलकता विश्वविद्यालय की तकनिकी समिति के भी सदस्य थे। आपको इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नार्थ लखीमपुर महाविद्यालय में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डा. पी.के. दत्ता को इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नार्थ लखीमपुर महाविद्यालय में अतिथि संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। आपको राजीव गाँधी विश्वविद्यालय में प्रायोगिक परीक्षा हेतु भी आमंत्रित किया गया था।

4.5.11 सलाहकार परियोजनाओं का कार्य - नही

4.5.12 छात्रों की उपलब्धियाँ

एक छात्र के एक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान में नियोजन प्राप्त हुआ था, तथा छात्रों ने गेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की थी।

4.5.13 अन्य सूचनार्यें

विभाग ने एम.टेक. (इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी) के पाठ्यक्रम में संशोध्यन किया था। मोईरंगाथम इडीसन सिंह ने वर्ष 2015 में संस्थान में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति प्राप्त की थी।

4.6 विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

4.6.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान की स्थापना समय से ही विद्युत अभियांत्रिकी विभाग उच्च शिक्षा संपन्न वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिक-विदों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग से प्रथम स्नातक का बैच वर्ष 1992 में निकला। विभाग अपने पूर्व स्नातक कार्यक्रमों यथा: आधार मॉड्यूल, डिप्लोमा मॉड्यूल और डिग्री मॉड्यूल के लिए संस्थान के दो वर्षीय मॉड्यूलर ढांचे का अनुसरण कर रहा है। प्रत्येक मॉड्यूल में विद्यार्थियों का दाखिला नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा क्रमशः एनईई-I, एनईई-II और एनईई-III के माध्यम से होता है। देश में तकनीकी रूप से कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता पूरा करने के उद्देश्य से विभाग ऊर्जा प्रणाली अभियांत्रिकी में विशेषता के साथ स्नातकोत्तर (एम टेक) कार्यक्रम और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में पी एचडी कार्यक्रम चला रहा है।

विभाग में उच्च अर्हता संपन्न योग्य संकाय सदस्य हैं जिन्होंने अपनी डिग्रियाँ देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से प्राप्त किया किया है। आवश्यक आधारभूत ढांचों और प्रयोगशाला में समय समय पर सुविधाओं को उन्नत किया जाता है ताकि विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सीखने और कुछ नया करने के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराए जा सकें। विभाग सरकार तथा उद्योग जगत से प्रायोजित विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी काम करता रहा है।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के उद्देश्य निम्नवत हैं:

- प्रमाण पत्र मॉड्यूल के विद्यार्थियों को विद्युत परिपथ और प्रणाली की समस्याओं को समझने, उसे ठीक करने और उसके रखरखाव का प्रशिक्षण देना।
- डिप्लोमा मॉड्यूल के विद्यार्थियों में पर्याप्त पर्यवेक्षण और निर्देशन कौशल विकसित करना
- डिग्री मॉड्यूल के विद्यार्थियों को उद्योग जगत और अन्य जगहों के में वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समस्याओं को विश्लेषित करने, डिजाइन करने नवोन्मेशी सोच विकसित करने के लिए पर्याप्त ज्ञान देना।

- स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास।

4.6.2 गतिविधियां

विभाग विभिन्न गतिविधियों में भाग लेता है। विभाग नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा विभिन्न संस्थानों के साथ परामर्शी कार्य तथा अन्य सहयोगात्मक कार्य कर रहा है। विभाग ने संस्थान-उद्योग के परस्पर शैक्षिक संबंध को बरकरार रखते हुए कई प्रायोजित शोध परियोजनाओं को पूरा कर लिया है एवं कुछ परियोजनाएं अभी चल रही हैं। विभाग विभिन्न विशेष क्षेत्रों में कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन आदि का आयोजन करता है जिसमें देश भर के उद्योग एवं शैक्षिक जगत के लोग भाग लेते हैं।

4.6.3 सुविधाएं

विभाग में विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में काम करने के सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए 12 से अधिक समुचित रूप से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा एक पृथक पुस्तकालय भी है। प्रयोगशालाओं में उच्च क्षमता संपन्न कंप्यूटर, सर्वर तथा कई आवश्यक सॉफ्टवेयर पेकेज उपलब्ध हैं जो एक स्थानीय नेटवर्क के जरिए जुड़ा हुआ है। इंटरनेट सेवा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

4.6.4 कार्यक्रम

विभाग निम्नलिखित कार्यक्रम चला रहा है:

क) स्नातक कार्यक्रम

- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- विद्युत अभियांत्रिकी में डिप्लोमा
- विद्युत अभियांत्रिकी में बी. टेक.

ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

- शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक

ग) पीएच डी पाठ्यक्रम

- विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में

4.6.5 शोध

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग तीन प्रमुख अनुसंधान समूहों के तहत काम कर रहे हैं, (1) विद्युत शक्ति और ऊर्जा प्रणाली, (2) नियंत्रण व उपकरण और (3) विद्युत मशीन, संचालन और शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स। विभाग के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- पाठ्यक्रम की तैयारी और समीक्षा
- संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना
- बी.टेक/ एम.टेक/ पीएच.डी. परियोजना/ शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण करना।
- परामर्शी सेवाएं प्रदान करना।

- संस्थान-उद्योग के साथ बातचीत की सुविधा।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/सम्मेलनों में प्रकाशन।

4.6.6 योग्यता और विशेषज्ञता के क्षेत्रों के साथ विभाग के संकाय सदस्यों की सूची -

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1.	डॉ. एस चटर्जी पीएच.डी (जादवपुर विश्वविद्यालय)	प्रोफेसर	हाई वोल्टेज, बिजली व्यवस्था
2.	डॉ. एस. के. भगत पीएच.डी (आईआईटी, बीएचयू, बनारस)	संबद्ध प्रोफेसर	कंट्रोल सिस्टम्स
3.	डॉ. आर. के. मेहता पीएच.डी (जादवपुर विश्वविद्यालय)	संबद्ध प्रोफेसर	कंट्रोल सिस्टम्स
4.	डॉ. ओ पी रय पीएच.डी (आईएसएस, धनबाद)	संबद्ध प्रोफेसर	माइक्रोप्रोसेसर आधारित कंट्रोल एवं इंस्ट्रुमेंटेशन, पावर सिस्टम की विश्वसनीयता
5.	डॉ. सरसिंग गाओ पीएच.डी (आईआईटी, दिल्ली)	संबद्ध प्रोफेसर	इलेक्ट्रिकल मशीन्स, एनर्जी एंड डिस्ट्रिब्यूटेड जेनरेशंस
6.	डॉ. ए के सिंह पीएच. डी (तेजपुर विश्वविद्यालय)	संबद्ध प्रोफेसर	पावर सिस्टम, इलेक्ट्रिकल मशींस एंड ड्राइव्स
7.	श्री रदक ब्लंजी एम टेक (नेरिस्ट, निर्जुली)	सहायक प्रोफेसर	नियंत्रण प्रणाली, ऊर्जा, विद्युत मशीनें एवं ड्राइव्स
8.	श्री टी वी पी सिंह एम.टेक (एमएनएनआईटी, एलाहबाद)	सहायक प्रोफेसर	कंट्रोल सिस्टम, वीएलएसआई डिजाइन
9.	श्री एम डी सिंह एम टेक (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक प्रोफेसर	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल सिस्टम्स
10.	श्री ए के परिदा एम टेक (एमआईटीएस, ग्वालियर)	सहायक प्रोफेसर	इंडॉस्ट्रियल ड्राइव, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एनर्जी ऑडिट
11.	श्री अनु के दास एम. टेक (एनआईटी, शिलचर)	सहायक प्रोफेसर	बिजली व्यवस्था स्थिरता, फेक्ट्स और नवीकरणीय ऊर्जा
12.	श्री एन एल मैतेई एम टेक (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक प्रोफेसर	ऊर्जा प्रबंधन
13.	सुश्री सोमिला हशुनाओ एम टेक (जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली)	सहायक प्रोफेसर	विद्युत शक्ति प्रणाली प्रबंधन
14.	श्री अखिलेश शर्मा एम टेक (एमएमएमईसी, गोरखपुर)	सहायक प्रोफेसर	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव
15.	सुश्री पियाली दास एम ई (जादवपुर विश्वविद्यालय)	सहायक प्रोफेसर	इलूमनैशन इंजीनियरिंग, कंट्रोल सिस्टम
16.	श्री पी देवचंद्र सिंह एम.टेक (नेरिस्ट, निर्जुली)	सहायक प्रोफेसर	शक्ति अभियांत्रिकी प्रणाली

4.6.7 प्रयोगशालाएं

विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग बुनियादी ढांचेके साथ-साथ विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला, हाई वोल्टेज इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, इलेक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला, डिजिटल और माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला, अनुरक्षण प्रयोगशाला, इलेक्ट्रिकल वर्कशॉप, सर्किट और मापन प्रयोगशाला, नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ पीसी प्रयोगशाला, ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशाला और परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला से सुजजित है। विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरण और सॉफ्टवेयर निम्नलिखित हैं:

(क) विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला

पावर सिस्टम और संरक्षण प्रयोगशाला में डिस्ट्रीब्यूशन लाइन सिम्युलेटर, पीसी कंट्रोल्ड पावर एनालाइजर, ऑयल टेस्ट सेट, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एंड स्टेतिक रिलेइस के विभिन्न प्रकार, डाईलेक्ट्रिक प्युरीफिकेशन प्लांट, एनालॉग ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, 3-फेज वेरिबल इंडक्टर, 1-फेज एंड 3-फेज लोडिंग ऋहस्ताट्स, डिजिटल क्लैप और पावर मीटर्स, एलसीआर-क्यू मीटर, 3-फेज कपैसिटर बैंक, केपेसिटन्स एंड तेन डेल्टा टेस्ट सेट, सर्किट ब्रेकर एनालाइजर, लिक्विड डाईलेक्ट्रिक प्युरीफिकेशन प्लांट के साथ सुसजित है।

(ख) उच्च विभव अभियंत्रिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में नवीनतम 100 केवी एसी/145 केवी डीसी डायलेक्टिक टेस्ट सेट एंड 300 केवी, 7.5 केजे, 1.2/50 माइक्रोसैकेण्ड इम्पल्स टेस्ट सेट, मीजरिंग स्फीयर गैप एमएफ-100, इलेक्ट्रॉनिक स्फीयर ईजेडके, 2-चैनल, 200 एमएचजेड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप के साथ ऑसिलोस्कोप से पीसी में डेटा का सीधा हस्तांतरण के लिए सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

(ग) विद्युत मशीन प्रयोगशाला

प्रयोगशाला में विस्तृत रूप में मोटर एवं जेनरेटर के साथ डीसी कंपाउंड मोटर, डीसी कंपाउंड जेनरेटर, 3 फेस इंडक्शन मोटर, बोथ स्किउरेल केज एंड स्लिप रिंग टाईप, डीसी शंट मोटर, डीसी सीरीज मोटर, यूनिवर्सल मोटर, एसी सिंक्रोनास जनरेटर, एसी सिंक्रोनास मोटर, स्कैन ड्राइव सिस्टम डीसी के लिए और एसी ड्राइव गति नियंत्रण, मोटर फोल्ट सिम्युलेटर, लॉजिक पल्स जनरेटर, फंक्शन जनरेटर, डिजिटल स्टोरेज अस्सिलोस्कोप, 3 फेज अस्थायी शक्ति विश्लेषक, 1 फेज इंडक्शन मोटर और थाइरिस्टर नियंत्रण कक्ष, डीजी सेट, स्टोपार मोटर प्रशिक्षण प्रणाली, पीडब्ल्यूएम आधारित इंडक्शन मोटर ड्राइव, वी/एफ कंट्रोल्ड एसी ड्राइव, डी-स्पेस रीयल टाइम सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर हैं।

(घ) शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में ईएमएमए माइक्रोकंप्यूटर, फॉस्ट एडी/डीए कांवरटर, डीडीसी मोटर मड्यूल, कोमांड पोर्टेबिलिटीमीटर, एलसीआर क्यू-टेस्टर, एससीआर फिरींग यूनिट, इंडॉस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेनर

के साथ ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (4 चैनल), एचपी कंप्यूटर(पेंटियम IV), मोशन कंट्रोल डेवलॉपमेंट किट, एमसीके240 डेवलॉपमेंट पैकेज के साथ किट, थ्यरिस्टर एंड मोटर कंट्रोल(मेक: फीडबैक, यूके) पावर स्कोप, ऑसिलोस्कोप (मेक-यूकोगवा), सीएसपीओसी सिमुलेशन सॉफ्टवेयर, बेडफोर्ड एवं परालेल इंवर्टर ट्रेनर किट, नियंत्रित करनेवाला ट्रेनर किट के लिए माइक्रो कंट्रोलर बेस्ड फिरिंग सर्किट, यूनिवर्सल मोटर के स्पीड नियंत्रण के लिए एससीआर ट्रेनर किट का प्रयोग, 1-फेज कंट्रोल्ड रेक्टफाइअर के साथ कोलिन फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, 1-फेज कंट्रोल्ड रेक्टफाइअर के साथ रांप कोम्परेटर फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, आईजीबीटी विशेषताओं ट्रेनर किट, 1-फेज साइकलो-कंवर्टर ट्रेनर किट, एसी मोटर के स्पीड कंट्रोल के लिए प्रयोग टीआरआईएसी ट्रेनर किट आदि हैं।

(ड) अंकीय इलेक्ट्रानिकी एवं शुद्धमअन्वेषक प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला माइक्रोप्रोसेसर प्रशिक्षण किट के जैसे डयना 8085, स्टॉर 85, वीपीएल 8086/8088, माइक्रो कंट्रोलर प्रशिक्षण किट जैसे वीएमसी-आईसीई31/51 एवं 80C196केसी, एडवांस हैंडी सिरियल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल एंड एनालोग आईसी टेस्टर, डाटा ऐक्विजिशन सॉफ्टवेयर, स्टॉडी कार्ड जैसे मेमोरी डिकोडर्स, यूसाट, प्रोग्रामर टाइमर, डीएमए, पीपीआई के साथ टाइमर एवं लैच कार्ड्स, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल टिचिंग सेट, रोबोटिक्स, थार्मोकॉपल, लोड सेल, एलवीडीटी एंड डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल, 485 प्रोटोकल बेस्ड डिस्ट्रिब्यूटड कंट्रोल सिस्टम, गैन मेशरिंग के साथ सुसज्जित हैं।

(च) विद्युत अनुरक्षण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जो बिजली के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर पर्याप्त ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। इसमें उपकरणों की संख्या जैसे डोमेस्टिक रेफ्रिजरेटर, एयर कांडिशनर्स, गिडर्स, हीट कन्वेक्टर्स, टेबल एंड सिलिंग फेंस, वैक्यूआम क्लीनर, यूएस सेट, वॉटर कोलार, हॉट प्लेट, इमर्शन हीटर, फिटिंग के साथ विभिन्न प्रकार के लैंप, ऑसिलस्कोप, ऑटोमोबाइल के बिजली के सर्किट के लिए मॉडल आदि हैं।

(छ) विद्युत कार्यशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जिनसे इलेक्ट्रिकल वेरिंग एवं इससे संबंधित गतिविधियों पर प्रशिक्षण एवं कुशलता की अपेक्षा की जाती है। यह प्रयोगशाला में मिनी लथे मशीन, विंडिंग मशीन, ड्रिलिंग मशीन, वेरिंग प्रेकटिस के लिए विभिन्न प्रकार के क्यूबिकल, आवश्यक उपकरणों, टूल्स डिसप्ले बोर्ड, -1फेज एंड -3फेज ऊर्जा मीटर्स, चार्ट आदि के साथ सुसज्जित हैं।

(ज) परिपथ व अनुमापन प्रयोगशाला

वेभ एनाल्यजर, डॉबल चैनल रिकॉर्डर, एनालोग ऑसिलस्कोप, डीसी पावर सप्लाई यूनिट (0-300वी), डीसी पावर सप्लाई (0-60वी) एवं स्टोरेज एडप्टर, हवीटस्टोन ब्रिज, केलविन डॉबल ब्रिज, वीटीवीएम, इन्स्ट्रुमेंटेशन टूटर, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (2-चैनल), एचपी कंप्यूटर (पेंटियम-III), एलसीआर-क्यू मीटर, मेगर आदि उपकरण इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

(झ) नियंत्रण व उपकरण प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में डीसी पोजिशन सर्वो ट्रेनर यूनिट, एसी सर्वो मोटर स्पीड/ टॉर्क कंट्रोस यूनिट, डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल यूनिट, मेग्नेटिक ऐम्प्लिफाइअर, सिन्क्रो ट्रांसमीटर एवं रिचिवर, एक्सपेरिमेंटल पीआईडी कंट्रोलर यूनिट, डिजिटल ऑन-ऑफ टेम्पेचर कंट्रोलर यूनिट, एनालोग एंड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (4-चैनल), ट्रेनिंग एवं डेवलॉपमेंट सिस्टम फॉर 8086, डाटा एक्ज्यूशन ऑफ कंट्रोस सिस्टम, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल ट्रेनिंग सिस्टम, आईबीएम कंप्यूटर(पेन्टियम-III), सीए-06 डिजिटल मोटर, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल, डिस्ट्रिब्यूट कंट्रोल सिस्टम डीसीएस-5000, पीसी45/एमएल प्रोग्रैमबल कंट्रोल टिचिंग सेट, डिजिटल ट्रांसड्यूसर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन ट्रेनर, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल सिस्टम(सीए-04), रोटारी सार्वो 9 प्लांट(सार्वो 2) हैं।

(ज) कम्प्यूटर प्रयोगशाला

विभाग में पूर्वस्नातक विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इंटरनेट सुविधाओं के साथ 40 से अधिक कंप्यूटर द्वारा अच्छी तरह से सुसज्जित पीसी प्रयोगशाला है। सभी कंप्यूटरों में मैटलॉब, मॉल्टीजिम, पीएससीएडी आदि सॉफ्टवेयर में स्थापित किए गए हैं।

(ट) ऊर्जा प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में पूर्वस्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा से संबंधित परीक्षणों को प्रदर्शित किया जाता है। इस प्रयोगशाला उन्नत प्रयोगात्मक सामग्रियों जैसे फोटो वोल्टैक टेस्ट रिंग, फोटो वोल्टैक इलेक्ट्रिक जेनरेटर, एनेमोमीटर्स, सोलरीमीटर, आदि से सुसज्जित हैं। इसमें पीवी मॉड्यूलस के प्लोट आई-वी कैरकटेरिस्टिक्स, डिटरमाइल एफिसिएंसी ऑफ पीवी ड्रिवन वॉटर पॉम्पिंग सिस्टम आदि पर परीक्षण हो रहे हैं।

(ठ) परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला

मुख्य रूप से स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं शोधार्थी मॉडलिंग और सिमुलेशन का काम इस प्रयोगशाला में कर रहे हैं। प्रयोगशाला में 4 जीबी रोम के साथ 20 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। अविरत इंटरनेट सुविधा उपलब्ध होने कारण विद्यार्थी विभिन्न पत्रिकाओं/सम्मेलन पेपरों के साथ संस्थागत सॉब्सक्राइब साइटों जैसे आईईई एक्सप्लोर, साइंस डिरेक्ट, ईल्सेविर आदि का लाभ उठा सकते हैं। इसमें प्रिंटर, एलसीडी प्रोजेक्टर एवं एक स्केनर हैं, जिससे सेमिनार प्रस्तुतीकरण की तैयारी में सुविधा होती है।

4.6.8 पूरे किये गये अनुसंधान एवं परियोजनायें

(क) पीएच.डी. सम्पूर्ण एवं शोध ग्रन्थ

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध्यग्रन्थ	पर्यवेक्षक	स्थिति
1.	श्री के.सी. राय	संचार प्रणाली में नाकागिमी तथा रिकीन विस्थापन चैनल हेतु आवर्ती बदलाव उपस्कर का डिजाइन, विकास एवं कार्यदक्षता मूल्यांकन	प्रोफेसर ओ.पी.राय.	सम्पूर्ण उपाधि प्रदान
2.	श्री राजन पुडुर	सेवोनेश रोटर से जल विद्युत प्रतिपादन	प्रोफेसर एस. गावो	प्रस्तुत

(ख) एम.टेक. परियोजना लेखों का निस्पादन

क्र.सं.	छात्र का नाम	विवरण	पर्यवेक्षक
1.	कु. पंचिता सैकिया	परम्परागत शक्ति उपस्करों के उपयोग से शक्ति गुणवत्ता में सुधार	प्रोफेसर एस. गावो

2.	कु. बंदिता नियोग	तीन कलिये प्रेरक मोटर की स्थिति का आकलन	प्रोफेसर एस. गावो
3.	कु. ओमिंग दासो	परीक्षण विभव से विद्युत केवल अचालक की विशिष्टता का आकलन	श्री ए.के दास प्रोफेसर एस.चटर्जी
4.	श्री अनुपम सैकिया	शक्ति प्रणाली स्थिति अनुमान एवं शक्ति विचरण विश्लेषण	प्रोफेसर आर.के.मेहता
5.	कु.निलाकसी कालिता	डी. स्टेटकाम के प्रयोग से प्रभावशाली विभव नियंत्रक का डिजाइन	प्रोफेसर एस.के. भगत

(ग) बी.टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना	छात्र पंजीकरण संख्या	संकाय सदस्य
1.	शुक्ष्म अन्वेषी शक्ति आवर्ती निगरानी प्रणाली	डीई/13/ईई/107/018	श्री एम.डी. सिंह
2.	निरन्तर दयारा उपस्कर के उपयोग से मोटर की गति का नियंत्रक सह विश्लेषण	डीई/13/ईई/107/010 डीई/13/ईई/107/017	डा. ए.के. सिंह
3.	तीन कलिये उत्प्रेरण मोटर का अध्ययन, विश्लेषण तथा सरलीकरण	डीई/13/ईई/107/019 डीई/13/ईई/107/028	डा. ए.के. सिंह
4.	प्रतिमान संदर्भ नियंत्रक प्रणाली के उपयोग स्थाई चुम्बक मोटर की गति का नियंत्रक	डीई/13/ईई/107/004 डीई/13/ईई/107/105	श्री ए. शर्मा
5.	बहु-स्तरीय इनवरटर का डिजाइन एवं विश्लेषण	डीई/14/ईई/014/012	डा. एस. गावो
6.	उत्प्रेरण मशीन की रोटर गति तथा स्थिति का स्टेटर फ्लक्स आद्यारित ऑनलाइन अन्वेषण	डीई/14/ईई/014/031 डीई/14/ईई/014/103	श्री ए.के. पात्रा
7.	मैटलेब प्रकार विभव मोड़ के उपयोग से स्थाई चुम्बक परावर्तक की कार्यक्षमता का विश्लेषण	डीई/14/ईई/014/104 डीई/14/ईई/014/106	श्री एन.एल.मैथेई
8.	अस्थिर समय अन्तराल प्रणाली के लिए आई एम सी आद्यारित पी आई/पी आई डी नियंत्रक	डीई/14/ईई/014/030 डीई/14/ईई/014/003	डा. एस.के. भगत
9.	अस्थिर समय अन्तराल -सह- समाकलित प्रणाली के लिए उच्च श्रेणी के नियंत्रक का डिजाइन	डीई/14/ईई/014/005 डीई/14/ईई/014/007	डा. एस.के. भगत
10.	द्वि- रोटर भीमोस प्रणाली के लिए विविद्य विद्यियों सं नियंत्रक का डिजाइन एवं विश्लेषण	डीई/14/ईई/014/101 डीई/14/ईई/014/102	श्रीमती पियाली दास
11.	भिन्नात्मक श्रेणी समयान्तराल प्रणाली के पी आई डी नियंत्रक का विकास एवं अध्ययन	डीई/14/ईई/014/022 डीई/14/ईई/014/020	श्रीमती पियाली दास
12.	अरदुईनों के प्रयोग से 12- संकेत विभव स्त्रोत परावर्तक का डिजाइन	डीई/14/ईई/014/024 डीई/14/ईई/014/009	श्रीमती एस.हसूनो
13.	लधु पन विद्युत सयंत्र के लिए फुजी नियंत्रक	डीई/14/ईई/014/029 डीई/14/ईई/014/023	श्री पी.डी. सिंह

14.	शुक्ष्म अन्वेषी आद्यारित अद्युिभार आवृति नियंत्रक का डिजाइन	डीई/14/ईई/014/002 डीई/14/ईई/014/003	डा. ओ.पी. राय
15.	जटिल प्रणाली विश्वनियता आकलन	डीई/14/ईई/014/008 डीई/14/ईई/014/016	डा. ओ.पी. राय
16.	पी एल सी आद्यारित प्रशसकरण नियंत्रण प्रणाली का अध्ययन	डीई/14/ईई/014/032 डीई/14/ईई/014/051	डा. ओ.पी. राय
17.	स्थाई द्यरातल पर मिशाईल स्वचालन के लिए अतरिक्ष स्थिति आद्यारित नियंत्रक	डीई/14/ईई/014/015 डीई/14/ईई/014/021 डीई/14/ईई/014/011	डा. आर.के.मेहता
18.	सिरोपरी विद्युत लाइन चालकों के चुम्बकीय क्षेत्र का समाकलन	डीई/14/ईई/014/006 डीई/14/ईई/014/025	श्री ए.के दास
19.	अतरिक्ष वेक्टर पी डब्लू एम इनवरटर का डिजाइन एवं विश्लेषण	डीई/14/ईई/014/026 डीई/14/ईई/014/013	श्री टी.वी.पी.सिंह
20	एसिन्क्रोनस बूथ बहु- गुणक का डिजाइन	डीई/14/ईई/014/033 डीई/14/ईई/014/00	श्री टी.वी.पी.सिंह

4.6.9 संकाय सदस्यों की लधु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थिति

प्रोफेसर एस. गावो, प्रोफेसर एस.के. भगत, श्री एम.डी. सिंह, ने पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली द्वारा फरवर, 2015 में आयोजित लधु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्ष्म अन्वेषी शुक्ष्म नियंत्रक के वर्तमान आयाम एवं उपयोग मे भाग लिया था।

प्रोफेसर एस. गावो, प्रोफेसर एस.के. भगत, श्री एम.डी. सिंह, श्री एन.एल. मैथेई, श्री ए.शर्मा तथा श्री पी.डी. सिंह ने नेरिस्ट निर्जुली में आयोजित लधु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्युत मशीनों क वर्तमान आयाम एवं उनका औद्योगिक उपयोग मे भाग लिया था।

प्रोफेसर एस.चटर्जी, ने भारतीय प्रबन्द्य संस्थान, लकनऊ (नोयडा परिसर) द्वारा जुलाई, 2015 में आयोजित लधु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशासकों के लिए प्रशासन दक्षता संवर्द्यन मे भाग लिया था।

प्रोफेसर एस.चटर्जी तथा श्री ए.के. दास ने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर द्वारा नवम्बर, 2015 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मोस कैपेसिटर तथा शुक्ष्म एवं अति शुक्ष्म चारित्रिक तकनिकी मे भाग लिया था।

प्रोफेसर ओ.पी. राय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा अंत स्थापित प्रणालियों पर ए आर एम कार्यशाला में जनवरी, 2015 मे भाग लिया था।

प्रोफेसर ओ.पी. राय श्री एन.एल. मैथेई तथा श्री पी.डी. सिंह ने नेरिस्ट द्वारा अक्तूबर, 2015 में आयोजित 4वें इन्डेस्ट उपभोक्ता जाग्रती कार्यक्रम ई-जनरल उपभोक्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लिया था।

श्री ए.के. दास ने नेरिस्ट द्वारा जनवरी, 2015 मे आयोजित लधु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम शक्ति, अचालता तथा ऊर्जा प्रबन्द्य मे भाग लिया था।

श्री ए.के. दास ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर द्वारा मई, 2015 में आयोजित लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन प्रविद्ये- एक परिचय में भाग लिया था।

श्री एन.एल. मैथेई तथा श्री पी.डी. सिंह ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा अप्रैल, 2015 में आयोजित लघु अवद्यी प्रशिक्षण कार्यक्रम 2वें उच्च मैटलेब अनुप्रयोग कार्यशाला में भाग लिया था।

श्री एन.एल. मैथेई नेरिस्ट द्वारा मई, 2015 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी कम्प्यूटरीकरण, संचार तथा सूचना प्रशसरण में भाग लिया था।

श्री ए.शर्मा तथा श्री पी. डी. सिंह ने राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकता द्वारा सितम्बर, में आयोजित प्रेरक कार्यक्रम में भाग लिया था।

4.6.10 विभाग द्वारा लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

डा. एस. चटर्जी, के संयोजन में जनवरी, 10 व 11, 2015 को प्रथम आई ई ई ई सम्मेलन शक्ति, अचालता तथा ऊर्जा प्रबन्ध्य का आयोजन किया गया था।

डा ओ. पी. राय के संयोजन में टिक्चुप के सौजन्य से 17-21 फरवरी, 2015 को संकाय विकास कार्यक्रम शुक्ष्म अन्वेषी शुक्ष्म नियंत्रक एवं इनका उपयोग का आयोजन किया गया था।

डा. ए. के. सिंह के संयोजन में टिक्चुप के सहयोग से 4-8 नवम्बर, 2015 को संकाय विकास कार्यक्रम विद्युत मशीनों के वर्तमान आयाम एवं इनका उद्योगों में प्रयोग का आयोजन किया गया था।

4.6.11 नयी उपाधियाँ / व्यवसायिक सदस्यता

प्रोफेसर एस. गावो तथा श्री एम.डी. सिंह ने अन्तरराष्ट्रीय अभियन्ता महासभा, हाँगकाँग की सदस्यता प्राप्त की थी।

4.6.12 अनुसंधान परियोजनायें

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन वित्त परियोजना। यह परियोजना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार क सौजन्य से संस्थान के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में स्नातकोत्तर शिक्षा के संवर्द्धन हेतु प्रदान की गई है। संयोजक- प्रोफेसर सैबल चटर्जी, द्यनराशि रु. 75.6 लाख।

4.6.12 आलेखों का प्रकाशन

(क) जरनलों में प्रकाशित आलेख

एम. देवेन सिंह, आर. के. मेहता, ए. के. सिंह (2016), समाकलित फ्यूजी नियंत्रित द्यारा स्रोत परावर्तक आद्यारित स्टेटकॉम। कोजेन्ट इन्जीनियरिंग, टेलोर एण्ड फ्रान्सीस, 2016, डी ओ आई 10,1080/ 233 11916. 2016. 1138921.

ए. चौद्यरी, टी. थूथिंग. ओ. पी. राय तथा डी. महाराज (2016), नोड असफलता की स्थिति में उन्नत विश्वनियता युक्त डी एस आर नियमन। इन्टरनेट टेक्नोलॉजी एण्ड एप्लीकेशन, 2015, वरीक्षहम, पृष्ठ 329-334.

कावेरी भुयॉन एवं सैबल चटर्जी (2015), चिंगारी प्रतिरोद्यी अचालक पर अद्यिक विभव का प्रभाव। इन्टरनेशनल ट्राजेक्शन ऑन इलेक्ट्रीकल एनर्जी सिस्टमस (विली), 149, डी ओ आई 10,1002/ ई टी ई पी. 2130.

कावेरी भुयॉन एवं सैबल चटर्जी, अनेवेशा यादव, सरिता बंसल तथा सनत कुमार पाल (2015),

शक्ति ट्रांसफार्मर में ऋटि का विश्लेषण एवं समाकलन। लेक्चर नोट ऑन इलेक्ट्रीकल इन्जीनियरिंग, संख्या- 349, पृष्ठ, 135-141 (स्प्रीगर) डी ओ आई 10,1007/978-3-662-47200-2-1.

अखिलेश शर्मा, नीरज कुमार तथा गुंजन गुप्ता (2015), रेखीय तथा अ-रेखीय भार के लिए खुला- परिपथ विभव नियंत्रक स्रोत परावर्तक। जनरल ऑफ इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रॉनिक इन्जीनियरिंग, 2015.

टी. विमल प्रकाश सिंह (2015), आन्तरिक प्रतिउत्पन्न सिगमा परिवर्तन से सॉर- रेखीय से अंकीय परावर्तक क प्रतिमान एवं सरलीकरण. जरनल000000000ल ऑफ वी एल एस आई एण्ड सिंगनल प्रोसेसिंग, जनवरी, 2015, डी ओ आई 10 9790/420-05 113641.

एम. देवेन सिंह, आर. के. मेहता, ए. के. सिंह (2015), विद्युत द्वारा स्रोत परावर्तक आदयारित डी-स्टेटकॉम- विभव परियोजना रोकथाम। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ सिमुलेशन मल्टी डेस ओप्टीमाईजेशन। अंक-6, आलेख संख्या ए- 5, डी ओ आई 10,1051 एस एम डी ओ/2015 005

पियाली दास, सोमिला हासमी, डा. सास्वती मजुमदार (2015), हस्त चलित बैटरी चार्जर का निर्माण। आई जी आर एस ई टी, अंक-4, डी ओ आई 10, 15680/आई जे आई आर सैट. 2015, 0412076.

एम. देवेन सिंह तथा एल. खुभानिमा चानू (2015), ऊर्जा गुणवत्ता सुदयार हेतु शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी। डी ओ आई 10, 15662/ आई जे ए आर ई ई आई ई. 2015, 0404031.

राजन पुडुर तथा सरसिंग गावो (2016), सेवेनेश रोटर आदयारित जल विद्युत सयंत्र। सस्टेनेबल एनर्जी, ग्रिड एण्ड नेटवर्क, इल्सवेयर, अंक- 5, पृष्ठ 148-155, 2016.

राजन पुडुर तथा सरसिंग गावो (2016), सेवेनेश रोटर आदयारित जल विद्युत सयंत्र की कार्यदक्षता का इलेक्ट्रॉनिकी अद्यिभार नियंत्रक से आकलन। जनरल ऑफ रिन्युयेबल एनर्जी, हिन्डोई, आलेख संख्या- 4127619, 7 पेज।

रिचिन डब्लू. मोसोबी, टोको चीची तथा सरसिंग गावो (2015), उच्च संयोजन युक्त नवीनीकरणीय ऊर्जा प्रणाली की ऊर्जा गुणवत्ता। कोजेन्ट इन्जीनियरिंग, टेलोर एण्ड फ्रान्सिस अंक- 2, संख्या- 2, पृष्ठ 1-15, 2015.

ख) सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित आलेख

राजन पुडुर तथा सरसिंग गावो (2015), जल विद्युत शक्ति उत्पादन में सेवेनेश रोटर की विभिन्न अनुपातों में कार्यदक्षता का आकलन। आई ई.ई ई आई सी पी डी ई एन. पृष्ठ 1-6.

ए. कुमार तथा एस.के. भगत (2015), लेपोनवो ऊर्जा कारक के उपयोग से विभव स्थिरता का विश्लेषण। आई सी पी डी ई एन, नेरिस्ट, पृष्ठ 1-6.

शान्तनु चटर्जी, सैबाल चटर्जी (2015), प्रकाश विद्युत उपयोग के लिए पी एल एल आदयारित ग्रिड से सम्बन्ध्य युक्त परावर्तक का समाकलन। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

कावेरी भुयॉन तथा सैबाल चटर्जी (2015), चिंगारी प्रतिरोद्यक के तड़ित विभव का मैटलेब-सिमुलिक से समायोजन। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

हिमाद्री दास, कमल ज्योति गोगई तथा सैबल चटर्जी (2015), हुमस में उच्च विभव सिरोपरी लाइन के विद्युत क्षेत्र पर प्रभाव का विश्लेषण। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

आर. के. मेहता लिखा जुली तथा लोड तपन (2015), राज्य अनुमान पर आद्यारित दो क्षेत्रों की आवर्ती का नियंत्रण। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

राजन पुडुर तथा सरसिंग गावो (2015), सेवेनेश रोटर आद्यारित जल विद्युत सयंत्र से दूरगामी क्षेत्रों में एक कलिय शक्ति प्रतिपादन। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

रिचिन डब्लू. मोसोबी, टोको चीची तथा सरसिंग गावो (2015), तीन कलिय अद्यिभार नवीनिकरण ऊर्जा स्रोत के समाकलन –सह प्रतिपादन। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

कमल ज्योति गोगई तथा सैबल चटर्जी (2015), पूर्वोत्तर क्षेत्र भारतीय ग्रिड की 400 कि.वो. तथा 220 कि.वो. बसों का ऋटि -स- विश्लेषण एवं प्रतिमान आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

रइक ब्लांग (2015), पेट्रब के उपयोग से सौर ऊर्जा सैल का विश्लेषण तथा सीदयी द्यारा से सीदयी द्यारा परावर्तक की कार्य पद्यति हेतु फ्युली लोजिक नियंत्रक। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

ए. के. परीदा (2015), जनरेटर सैट सैट को ग्रिड से प्रथक रखते हुए रोटर गति एवं स्थिति के उत्थान हेतु योजना। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

ए. के. परीदा (2015), सधन परिस्थितिकी सरलीकरण हेतु जनरेटर के लिए आदर्थ नियंत्रण योजना। आई ई.ई ई सम्मेलन आई सी पी डी ई एन. नेरिस्ट, 10-11 जनवरी, 2015

तोशिक मैयटी, कमल ज्योति गोगई तथा सैबल चटर्जी (2015), पी एस एस आर ई के उपयोग से भारतीय पश्चिमी ग्रिड का विश्लेषण एवं प्रतिमान। आई ई.ई ई इन्डीकॉन- 2015, दिसम्बर, 2015, दिल्ली।

कावेरी भुयॉन, मुडंग टारो तथा सैबल चटर्जी (2015), भू- सतह के नीचे स्थित केवल में तड़ीत विभव के प्रभाव का आकलन-सह-समाद्यान। आई ई.ई ई केटकॉन- 2015, दिसम्बर, 2015, केंद्रीय शक्ति अनुसंधान संस्थान, बैंगलूर।

कमल ज्योति गोगोई, तोशिक मैयटी सैबल चटर्जी तथा ब्रजगोपाल दत्ता (2016), पश्चिमी एवं पूर्वोत्तर भारतीय ग्रिड का अध्ययन एवं प्रतिमान। जनवरी 15-16,2016, एस के एफ जी आई, मनकुडू, पश्चिमी बंगाल- 712 139, भारत।

देवनाथ साहा, शान्तनू चटर्जी तथा सैबल चटर्जी (2016), भिन्नात्मक पी आई डी नियंत्रक का संचालन- एक विवेचना। जनवरी 15-16,2016, एस के एफ जी आई, मनकुडू, पश्चिमी बंगाल- 712 139, भारत।

ब्रजगोपाल दत्ता, सैबल चटर्जी तथा कमल ज्योति गोगोई (2015), उच्च विभव परावर्ती द्यारा एवं सीदयी द्यारा संचरण लाइनों में निकटता के कारण ऋटि की स्थिति- एक सर्वेक्षण। जनवरी 15-16,2016, एस के एफ जी आई, मनकुडू, पश्चिमी बंगाल- 712 139, भारत।

के. नाथ, ए. कुमार, ए. राय तथा ए. शर्मा (2015), न्युरल नेटवर्क आद्यारित ऊर्जा दक्षता निरन्तर द्यारा उपस्कर की गति का नियंत्रण। द्वितीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्युटरीकरण एवं संचार अभियाँत्रिकी, देहरादून, पृष्ठ 318-323.

एस.के. भगत, अवधेश कुमार तथा विनोद राय (2015), क्रशोवासकी विद्युि से लेपावनाऊ प्रक्रिया के उपयोग से विभव स्थायित्व विश्लेषण। आई ई ई ई अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन बैंगलूर, पृष्ठ 134-138.

ए. कुमार तथा एस.के. भगत (2016), लेपावनाऊ प्रविद्युि से ेक कलिय विद्युत मशीन वृहद बस प्रणाली का विभव स्थायित्व से व्यापक अध्ययन। आई ई ई ई अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर, भारत।

4.6.13 संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

प्रोफेसर एस. गावो

सदस्य, पाठ्यक्रम विकास, अ.प्र. ऊर्जा विकास निकाय
विश्लेषक, आई ई ई ई जरनल, टायलोर तथा फ्रान्सिस
सदस्य चयन समिति, रा.प्रौ.सं., अरूणाचल प्रदेश

प्रोफेसर एस. चटर्जी

सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, सी 2 ई 2, 2016 विश्लेषक,
आई ई ई टी जरनल, एल्वेयर तथा इमरलेड जरनल,
सदस्य चयन समिति, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

प्रोफेसर आर.के. मेहता

सदस्य चयन समिति, रा.प्रौ.सं., अरूणाचल प्रदेश

श्री ए.के. दास

संयोजक, दुरस्थ केन्द्र, एन एम ई आई सी टी, मा.स.वि.मं.

4.6.14 छात्रों की सफलतायें

विजेता, लेख प्रतियोगिता -2016	श्री तन्मय दत्ता श्री सददाम हुसैन
विजेता, विद्युत प्रश्नावली - 2016	श्री अजय उपाध्याय श्री पंकज खेनीवोडा
सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - 2016	कु एथोनो लाहुशा
स्वर्ण पदक - 200 मीटर दौड़, 2016	श्री अजय मंडल

4.6.15 अन्य सूचना

विभाग ने एक "स्मार्ट क्लासरूम" तैयार किया है।

4.7 यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

4.7.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग का संचालन कुछ अनुभवी तथा कुछ नये उच्च शिक्षित (आईआईएससी, आईआईटी, एनआईटी, जेयू, आईटी-बीएचयू, बीईएसयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से) तथा उत्साही संकाय सदस्यों तथा योग्य एवं कुशल तकनीकी कर्मचारियों के सहयोग से देश की बढ़ती औद्योगिक और शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर 200 से अधिक विद्यार्थियों (पूर्वोत्तर भारत एवं देश के अन्य राज्यों से) को शिक्षा प्रदान करने के लिए लिया जा रहा है। विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किए गए हैं कि विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र स्तर में सेवा की कला, अनुरक्षण कौशल और समस्या समाधान, डिप्लोमा स्तर पर पर्यवेक्षण कौशल तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर में विद्यार्थियों को यांत्रिक अभियांत्रिकी और इसके आनुषंगिक अन्य विषयों के सूक्ष्म विश्लेषण के लिए समुचित रूप से प्रशिक्षित किया जा सके।

विभाग तीन विशेष क्षेत्रों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चला रहा है: यथा- शीतलन, वातानुकूलन, शिल्पकार एवं मोटर वाहन अनुरक्षण। तदनुसार यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिप्लोमा, बी. टेक. डिग्री तथा एम. टेक.. डिग्री की शिक्षा प्रदान कर रहा है। एम. टेक. स्तर पर विशिष्ट विषय कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन तथा द्रव अभियांत्रिकी में विशिष्टता प्रदान की जा रही है तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इस समय विभाग के सभी मोड्युल्स में मिलाकर कुल 115 पाठ्यक्रम और 20 परियोजनाएं प्रत्येक वर्ष चल रही हैं। संकायो सदस्यों की उपलब्धता के आधार पर यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए विशेष और उभरते क्षेत्र में वाईकालपीर पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। विभाग द्वारा सेवारत पेशवारों के लिए विभिन्न स्तरीय अंशकालिक कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

विभाग के चौदह प्रयोगशालाएँ और छह कार्यशालाएँ अत्याधुनिक उपकरणों और मशीनों से सुसज्जित हैं। संबंधित प्रयोगशालाओं में उपलब्ध मुख्य उपकरणों की विस्तृत सूची परिशिष्ट 'क' में दी गई है। विभाग में अपना दृश्य-श्रव्य प्रयोगशाला (संगोष्ठी क्व इंटरनेट के साथ कंप्यूटेशनल सुविधा और एक उन्नत विभागीय पुस्तकालय है। संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों तथा विद्यार्थियों के बीच परस्पर सौहार्दपूर्ण संबंध है। विद्यार्थियों को उद्योग जगत का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए तथा पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार विभाग समय-समय पर आस-पास के उद्योगों/ऊर्जा उत्पादन केंद्रों का दौरा आयोजित करता है। प्रमाण पत्र और डिग्री मॉड्यूल के विद्यार्थियों के लिए वोकेशनल प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है।

यूजी परियोजना और पीजी परियोजना/शोध प्रबंध के रूप में उच्च गुणवत्ता पूर्ण कई परियोजनाएँ पूरी की जा चुकी हैं। पूरे विश्व में देखी जाने वाली आर्थिक मंदी के बावजूद आलोच्य अवधि के दौरान विभाग से उत्तीर्ण 20% छात्रों को देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में नियोजन प्राप्त हुआ है। कुछ विद्यार्थी भारत के अन्य संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए भी चयनित हुए हैं। इस अवधि के दौरान, विभिन्न शैक्षिक एवं अन्य विकासात्मक परिप्रेक्ष्य में यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने बहुमुखी प्रगति की है तथा और बेहतर किए जाने का प्रयास जारी है।

विभाग का विजन और मिशन

विजन: पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे देश के योग्य युवाओं को सही राह दिखाकर उनकी योग्यता में निखार लाते हुए वैश्विक मानकों और मांग को ध्यान में रखकर उपयुक्त मानव संसाधन विकसित करने के लिए शिक्षा और शोध के माध्यम से यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में एक मुकाम हासिल करना।

मिशन: शिक्षण ज्ञान और अभ्यास के माध्यम से सभी को समान महत्व देते हुए यांत्रिक अभियांत्रिकी में संतुलित शिक्षा देने के उद्देश्य से उचित परिवेश का निर्माण।

शोध का श्रेष्ठ केंद्र निर्माण करना जो विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल भविष्य और आजीवन अनुभव के लिए प्रेरणा का स्रोत हो।

देश में, विशेषकर पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन का सृजन करना जो तकनीकी रूप से सक्षम हो।

4.7.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ:

बी.टेक. कार्यक्रम के अलावा विभाग दो पी. जी. कार्यक्रम (I) कंप्यूटर आधारित उत्पादन व स्वचालन (सीआईएमए) में एम.टेक और (II) उष्ण द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक. चला रहा है। पारंपरिक शिक्षण प्रविधियों के अतिरिक्त चयनित विषयों में विभाग अपने संगोष्ठी कक्ष में दृश्य-श्रव्य ई-लर्निंग सी.डी. के माध्यम से कक्षाएं भी आयोजित करता है। पाठ्यक्रम के विषयों अथवा पाठ्यक्रम के क्रेडिट वितरण व्यवस्था को सरल और कारगर बनाने के लिए कई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। विद्यार्थियों के लिए नवीन और ज्ञान के उभरते क्षेत्रों से संबंधित विषय वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सभी माइयूल्स के पाठ्यक्रम समीक्षा का कार्य पूरा कर उसे लागू भी कर दिया गया है। नया पाठ्यक्रम शैक्षणिक परिषद से अनुमोदित है और शैक्षणिक सत्र 2010-11 से लागू किया गया है।

प्रमाण-पत्र और डिग्री माँड्यूल के पाठ्यक्रम में व्यवसायिक प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। प्रमाणपत्र माँड्यूल के विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव अर्जित करने के लिए देश के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों अथवा मरम्मत एवं रख-रखाव केंद्रों में भेजा जाता है ताकि वे अपने विषयों से संबंधित सिद्धांतों पर आवश्यक अनुभव अर्जित कर सकें। प्रमाण-पत्र माँड्यूल के विद्यार्थियों के लिए जॉब-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक अंग है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी, संकाय सदस्य और तकनीकी स्टाफ के निर्देशन में उपकरणों के मरम्मत और रखरखाव का काम करते हैं।

डिग्री माँड्यूल के विद्यार्थियों ने अपने पाठ्यक्रम के एक आवश्यक भाग के रूप में विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी / गैर सरकारी संगठनों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आलोच्य अवधि के दौरान आधार, डिप्लोमा और डिग्री माँड्यूल के विद्यार्थियों को आस-पास के ऑटोमोबाइल मरम्मत केंद्रों, शीतलन भंडार और आर ए सी प्लांटों और जल विद्युत प्लांटों में व्यावहारिक अनुभव अर्जन हेतु ले जाया गया। डिग्री कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की वास्तविकता का परिचय प्राप्त करने के लिए उनके लिए अखिल भारतीय उद्योग भ्रमण का भी आयोजन किया गया।

नेरिस्ट के संकाय, स्टाफ तथा विद्यार्थियों का संयुक्त मंच नेरिस्ट यांत्रिक संस्था (एमएएन) ने विभाग से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक मामलों के हल के लिए एक मंच प्रदान किया। इस संस्था ने नेरिस्ट के छात्रों, विशेषकर यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए व्याख्यान शृंखला, नकली साक्षात्कार, तकनीकी प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया। नेरिस्ट के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद संबंधी आयोजनों यथा: आरएसीएएफ, सृष्टि आदि में विभाग के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। भारत के अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

4.7.3. प्रयोगशाला और प्रयोगशाला विकास

यांत्रिक अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों के लिए आंतरिक दहन मशीन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। आई सी इंजन प्रयोगशाला में 2 स्ट्रॉक और 4 स्ट्रॉक वाले पेट्रोल और डीजल इंजन, 5 गेस एनालाइजर और धूम्र मीटर आदि उपलब्ध हैं। डॉ. पी लिंगफा के निर्देशन में एक पृथक बायोडीजल प्रयोगशाला स्थापित व विकसित की गई है। इस बायोडीजल प्रयोगशाला में यांत्रित तेल निष्कासन, डेकार्टिकेटर, बेबी बाथ बोइलर और ऑयल फिल्टरिंग यूनिट सहित इंटीग्रेटेड बायोडीजल रिएक्टर सिस्टम उपलब्ध है। अन्य प्रयोगशाला उपकरण यथा चुंबकीय तेल घोलक, 1 लीटर क्षमता वाला बायो-डीजल रिएक्टर, गैस क्रोमोटोग्राफ (जीसी), बम कैलोरीमीटर, सेंट्रीफ्यूज, विस्कोमिटर, फ्लास व फायर पोइंट एपाराटास, क्लाउड, पोर पोइंट एपाराटास तथा सिटावीस विस्कोमिटर आदि उपलब्ध हैं। इन अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग यूजी/पीजी/पीएच.डी छात्र अपने शोध एवं विकास कार्यों के लिए करते हैं।

एक दृश्य-श्रव्य प्रयोगशाला (संगोष्ठी कक्ष) निर्माणाधीन है तथा इसके लिए विभिन्न उपकरणों हेतु प्राथमिकता के आधार पर मांग पत्र दाखिल किया गया है। वर्तमान श्री एन तेयी संगोष्ठी कक्ष के प्रभारी हैं। वर्तमान संगोष्ठी कक्ष में एल सी डी प्रजेक्टर, पी-IV कंप्यूटर उपलब्ध है। नए पी ए सिस्टम की खरीद का कार्य प्रक्रियाधीन है। चूंकि आजकल अभियांत्रिकी विश्लेषण का सीएफडी तकनीक एक महत्वपूर्ण तकनीक है, अतः कंप्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स प्रयोगशाला विकसित किया गया है। इस प्रयोगशाला का उपयोग यूजी/पीजी/पीएच.डी छात्र अपने कार्यों में करते हैं। इस कंप्यूटर और सीएफडी प्रयोगशाला में कई पी-IV कंप्यूटर, सहायक उपकरण, प्रिंटर और सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं।

श्री एस महतो की पहल में सी ए डी डी प्रयोगशाला का विकास कार्य चल रहा है। इस वर्ष, सी ए डी डी / सी ए एम प्रयोगशाला को उन्नत करने के लिए एक प्रो-ई और दूसरा एएनएसवाईएस दो सॉफ्टवेयर खरीदे गए। फ्लूइड पावर कंट्रोल प्रयोगशाला के प्रभारी के रूप में डॉ. एन चंद्रशेखरन ने यातायत प्रकाश व्यवस्था, लिफ्ट नियंत्रण, जल स्तर नियंत्रण, रेखीय व चक्रीय प्रवर्तक के प्रदर्शन के लिए पी एल सी सिस्टम खरीद की पहल की। इसे सफलतापूर्वक स्थापित किया गया और इसमें एम.टेक विद्यार्थी अभ्यास करते हैं।

4.7.11 बाहरी एजेंसियों के साथ संकाय सदस्यों/विभाग की बातचीत

संकाय सदस्य विभिन्न संस्थानों के संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त शोध कार्य कर रहे हैं, जिनमें से प्रमुख संस्थान हैं: आईआईटी दिल्ली (पी लिंगफा), जादबपुर विश्वविद्यालय (ए गिरि), आईआईटी गुवाहाटी (एम चन्द्रशेखरन, एस महतो, एस सिंह, एम दाबी), जादबपुर विश्वविद्यालय (के के

मण्डल), बंगाल अभियांत्रिकी व विज्ञान विश्वविद्यालय (एस सामंत), आईआईटी बीएचयू (एस एस गौतम)।

4.7.3 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

एन. तेई तथा ए. तागू ने नेरिस्ट में 8-17 सितम्बर, 2014 तक शिक्षा शास्त्र पर एक जाग्रती कार्यक्रम का आयोजन किया था।

लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

प्रोफेसर पी. लिग्फा, डा. एस.एस. गौतम, मो. स.एम. खान, श्री एन. यादाह, डा. एस. सामन्ता डा. एस. महतो ने नेरिस्ट में विद्युत अभियांत्रिकी, विभाग द्वारा 4-8 नवम्बर, 2015 को आयोजित टिक्कूप संकाय विकास कार्यक्रम विद्युत मशीनों के वर्तमान आयाम तथा इनका उद्योग जगत में प्रयोग में भाग लिया था।

प्रोफेसर पी. लिग्फा ने नेरिस्ट में अभातषिप- इण्डेक्ट के सहयोग से 22-23 अगस्त, 2015 तथ 31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित ई- जरनल उपभोक्ता प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया था।

डा. एस.के. तमांग ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला में 21-24 दिसम्बर, 2015 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रायोगिक डिजाइन- एक उन्नत औजार में भाग लिया था।

श्री डी. माझी ने नेरिस्ट में अभातषिप- निक्क्युप के सौजन्य से कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम वेब पेज डिजाइन में भाग लिया था।

डा. एस. सामन्ता तथा डा. एस.एस. गौतम ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, आसाम द्वारा 23-27 फरवरी, 2015 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम जैव- चिकित्सा उपयोग हेतु लघु प्रतिपादन में भाग लिया था।

डा. एस. सामन्ता तथा डा. एस.एस. गौतम ने नेरिस्ट द्वारा 17-21 फरवरी, 2015 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्ष्म अन्वेषी, शुक्ष्म नियंत्रक तथा इनक उपयोग में भाग लिया था।

4.7.4 विभाग में अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य

शिक्षा के लिए यांत्रिकी अभियांत्रिकी में अनुसंधान एव प्रशिक्षण। प्रद्यान अनुसंधानकर्ता- यू.एस. दीक्षित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी। सह- अनुसंधानकर्ता- नेरिस्ट से, अभातषिप प्रायोजित परियोजना, रू. 25.00 लाख, सम्पूर्ण।

250 लीटर के बायो- डीजल सयंत्र का विकास एवं प्रदर्शन। विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजना, पर कार्य पूर्ण किया गया, धनराशि - 50 लाख।

4.7.5 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

एम.टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम व पंजीकरण संख्या	परियोजना	परामर्शदाता
1.	रीचीन टी तशुमखापा एम.टी./13/सी आई एम ए/01	सामान्य अशान्त जोड़ तनाव का स्थायित्व विश्लेषण	डा. एस.एस. गौतम

2.	चाऊ डब्लु मेनपॉंग एम.टी./13/सी आई एम ए/02	स्ट्रॉनियम विशमथ टाइटेनेट- सह- बोरोसिलिकेट चीनी मिट्टी आच्छादित पदार्थ का प्रतिपादन एवं यांत्रिक विशिष्टताओं का अध्ययन	डा. एस.एस. गौतम
3.	तोबिनगबरपुर एम.टी./13/सी आई एम ए/03	निर्माण योजना प्रबन्धन: स्थल सर्वेक्षण के खतरों का विश्लेषण	डा. एम.पी. थेड्युस
4.	जिस एम.टी./13/सी आई एम ए/04	इन्कोनल- 825 अंतरिक्ष मिश्रद्व्यातु का डा. एम. जोर्ज प्रतिमान एवं प्रायोगिक अध्ययन	डा. एम. चन्द्रशेखरन
5.	प्रियकार पी. डेका एम.टी./13/सी आई एम ए/05	इफोकसी आद्यारित उच्च मिश्रद्व्यातु का प्रतिपादन एवं इसकी विशिष्टतायें	डा. एस.एस. गौतम
6.	स्वीटी महन्ता एम.टी./13/सी आई एम ए/06	बसाल्ट- इफोकसी मिश्रद्व्यातु का प्रशसकरण एवं इसकी विशिष्टतायें	डा. एस.एस. गौतम
7.	देबज्योति बरुआ एम.टी./13/सी आई एम ए/07	मशीनीकरण के सरलीकरण हेतु क्लाउड कम्प्युटरीकरण	डा. एम. चन्द्रशेखरन
8.	मालिन तामुक एम.टी./13/सी आई एम ए/08	हाइड्रोआक्सीपेट बायोसिरोमिक का विश्लेषण एवं यांत्रिक विशिष्टतायें	डा. एस.एस. गौतम
9.	अभिजी बोरा एम.टी./13/टी एफ ई/02	एकल बूंद इंजन के वाष्पीकरण पर सतह दबाव का प्रभाव	डा. आशिस गिरी
10.	संतोष कुमार दास एम.टी./13/टी एफ ई/03	मसुआ फेरा से प्राप्त जैव डीजल से चालित एक सिलेंडर के इंजन की कार्यदक्षता व उत्सर्जन का अध्ययन	डा. प्रदीप लिग्फा
11.	सिदार्थ दास एम.टी./13/टी एफ ई/04	नैनों- तरल के उपयोग से उष्मा स्थानान्तर दक्षता में संवर्द्धन	डा. आशिस गिरी
12.	जुरी सोनोवाल एम.टी./13/टी एफ ई/05	फीन का उष्मा विश्लेषण	डा. बिपलाव दास
13.	देव्यान दासगुप्ता एम.टी./13/टी एफ ई/06	अस्थिर एवं स्थिर फीन ऊँचाई के प्राकृतिक संवहन का कम्प्यूटर आद्यारित अध्ययन	डा. आशिस गिरी
14.	मैबाम रोमियो एम.टी./13/टी एफ ई/07	अस्थिर एवं स्थिर पिन फीन का क्लिए बदलाव एवं इलेक्ट्रानिक शितलन	डा. आशिस गिरी
15.	ओजिंग टाटक एम.टी./13/टी एफ ई/08	डीजल इंजन के लिए जटरीफ मेथिल इस्टर के साथ विविद् एल्कोहल पदार्थों का उपयोग	डा. प्रदीप लिग्फा
16.	नबम हिनापापू एम.टी./13/टी एफ ई/10	नाहर तथा अपशिष्ट तेल मेथिल इस्टर द्वारा चालित इंजन की कार्यदक्षता एवं उत्सर्जन का अध्ययन	डा. प्रदीप लिग्फा

बी.टेक. परियोजनायें

क्र.सं	छात्रों के नाम	रोल क्रमांक	परियोजना	परामर्शदाता
1.	मानिक चौदरी इमरान अहमद	डीई/13/एमई/12 डीई/13/एमई/15	उष्मा नलिका का अध्ययन	डा. आशिस गिरी
2.	हेज ताबिन लामलुनलाला कृष्ण देबवर्मा	डीई/13/एमई/13 डीई/13/एमई/22 डीई/13/एमई/25	अपशिष्ट ऊर्जा के उपयोगार्थ उपकरण प्रतिपादन	डा. प्रदीप लिग्फा
3.	सुलभ सिंह हेग तामा	डीई/13/एमई/19 डीई/13/एमई/21	कलिए बदलाव पदार्थों से इलेक्ट्रानिक उपकरणों का शितलीकरण	डा. आशिस गिरी
4.	सूर्य गोरंग जितेन्द्र भण्डरी लाहवांग शेरपा	डीई/13/एमई/11 डीई/13/एमई/17 डीई/13/एमई/103	200 लीटर क्षमता के जैव गैस सयंत्र का अध्ययन	श्री मरयम दाबी
5.	एस.संतोष कुमार सिंह सपम एन. सिंह सुहम माइकल	डीई/13/एमई/14 डीई/13/एमई/26 डीई/13/एमई/09	प्राकृतिक वातानुकुलन के लिए पृथ्वी उष्मा विस्थाक	डा. बिपलाव दास
6.	देबतानी दास प्रकासत भौमिक नितिश कुमार झा	डीई/13/एमई/04 डीई/13/एमई/05 डीई/13/एमई/20	उच्च मिश्रित मशीनीकरण के लिए प्रतिमान एवं सरलीकरण	डा. एम. चन्द्रशेखरन
7.	सुरीन देब अरनब शर्मा अविवेक बाल	डीई/13/एमई/01 डीई/13/एमई/02 डीई/13/एमई/07	एल्युमीनियम टाइटेनियम का प्रायोगिक अध्ययन	डा. एस. सामन्ता
8.	राज किशोर ठाकुर श्रीजा कुमारी जावेद तोपेदार	डीई/13/एमई/06 डीई/13/एमई/08 डीई/13/एमई/10	मेग्नोशियम सिलिकान कार्बन के उपयोग से डीडिएम तार का मशीनीकरण	डा. एस. सामन्ता
9.	एन. तनवीर अली गायती बाई बनलाल फेला	डीई/13/एमई/51 डीई/13/एमई/52 डीई/13/एमई/106	फिनाइट के लिए चित्र- उपयोगता- सम्पर्क का निस्पादन: जावा द्वारा विश्लेषण	डा. एम.पी. थैडयुस
10.	योगेन्द्र पुरूकास्था सोल्वर हिचू वान्थ	डीई/13/एमई/03 डीई/13/एमई/24	तीन- दिशा अनन्त अवयव विश्लेषण का विकास	डा. एम.पी. थैडयुस
11.	दिवश ज्योति गोगोई प्रनेन्दु के.एस. शर्मा सौरभ दासगुप्ता	डीई/13/एमई/16 डीई/13/एमई/18 डीई/13/एमई/23	स्वचालित वाहन का प्रतिपादन	श्री नबम तेई

4.7.6 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पीएच.डी. उपाधि

- श्री एन. यादाह ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी से दिसम्बर, 2015 में पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की थी।

- श्री एस. महन्तो ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी से मार्च, 2016 में पीएच.डी उपाधि प्राप्त की थी।

4.7.7 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

विभाग के संकाय सदस्य प्रोफेसर पी. लिग्फा को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, डा. आशि गिरी का जादवपुर विश्वविद्यालय, डा. एम. चन्द्रशेखरन, डा. एस. महतो, डा. एस. सिंह, श्री एम दाबी व श्री एन. जादाह का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, डा. के. के. मण्डल का जादवपुर विश्वविद्यालय, तथा एस. सामन्ता का बंगाल अभियांत्रिकी महाविश्वविद्यालय, रा.प्रौ.सं. अरुणचल प्रदेश व डा. एस.एस. गौतम का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, से संयुक्त अनुसंधान हेतु सम्पर्क है।

4.7.8 विभाग के संकाय सदस्यों का संस्थान प्रशासन में योगदान

डा आशिष गिरी	- संयुक्त अभातषिप- निक्वुप परियोजना, 7 करोड़
प्रोफेसर एम. मुरलीद्वर	- सदस्य, प्रबन्धन मण्डल, शैक्षिक परिषद, भवन व कार्य समिति, अध्यक्ष एम बी ए, संयोजक- टिक्यूप
डा. पी. लिग्फा	- विभागाध्यक्ष, सम्पर्क अद्विकरी (आ.जा./अ.ज.जा) अध्यक्ष, ई वी सी..
डा. एम. चन्द्रशेखरन	- अध्यक्ष, यातायात
डा. एस. सामन्ता	- सलाहकार, नियोजन व प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सदस्य- नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा
डा ए. गिरी	- संयोजक, निक्वुप, सदस्य, राज्य शितलन श्रंखला विकास, अ.्र.
डा. एस.एस. गौतम	- सलाहकार, खेलकूद प्रतियोगिता- 2015 मुख्य छात्रावास
श्री वाई.टी. कामदीर	- यातायात अधिकारी

4.7.8 अन्य सूचनायें

साफ्टवेयर खरीदे गये

क) आन्सीस (वी-15): 5 उपभोक्ता

ख) क्रेयो पेरामेट्रीक (प्रि- इन्जीनियरिंग) – 50 उपभोक्ता

प्रयोगशालाओं का नवीनीकरण किया जा रहा है। श्री तपन चक्रवर्ती कार्यशाला, संयोजक, तथा श्री डी. माझी प्रयोगशाला संयोजक का कार्य निष्पादन कर रहे हैं।

4.7.9 आलेखों का प्रकाशन

पुस्तकों में अध्याय

एन. यादाह, एस बेग, सी.पी. पाल तथा एल.एम. कुकरेजा (2015), नियंत्रित निष्क्रिय गैस वातावरण में फाइबर लेजर जोड़ : एक प्रायोगिक एवं संख्यात्मक विवेचना। पुस्तक - लेजर बेस्ड मेन्युफेक्चरिंग, स्पीगर प्रकाशन, पृष्ठ 399-419, 9वाँ संस्करण, 2015 डी ओ आई 10.1007/978-81-322-2352-8-20.

अन्तराष्ट्रीय जरनलों में प्रकाशित आलेख

पी. लिग्फा तथा बी. दास (2015), प्रज्वलन इंजन के ईंधन विकल्प के रूप में करनाजा तेल एवं इसका ऊर्जा विश्लेषण। जरनल ऑफ अरबन एण्ड इन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग, अंक 9(2), 2015, पृष्ठ- 97-101, आई एस एस एन 1982- 3932.

ए. गिरी, दीपिका भुंयान तथा बी. दास (2015), समानान्तरण प्लेट चैनल शितलन-सह-मिश्रित उष्मा प्रवाह का अध्ययन। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ थर्मल सर्विसेज, अंक- 98, पृष्ठ 165-178.

ए. गिरी, के.के. पाठक तथा बी. दास (2015), नयी अवशोषण प्रक्रिया के दौरान मिश्रित संवहगी उष्मा तथा लम्बवत अ- उष्मित पंख ऐरे का संगणात्मक अध्ययन। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ ग्रेट एण्ड मांस ट्रांसफर, अंक-91, पृष्ठ 264-281.

एस. सामन्ता, एम. मुरलीद्वर, थिगुंजम जक्शन सिंह तथा एस. सरकार (2015), उच्च संकरीत बम्बू, तथा जूट मिश्रणों की यांत्रिक विशिष्टताओं का अध्ययन। मेटेरियल्स टूडे, एल्सवेयर, संख्या- 2, पृष्ठ 1398-1405.

थिगुंजम जक्शन सिंह तथा शान्तनु सामन्ता (2015), केवलर फाइबर तथा इसके अवयवों की विशिष्टतायें- एक विवेचना। मेटेरियल्स टूडे, एल्सवेयर, संख्या- 2, पृष्ठ 1381-1387.

प्रियांकर प्रीतम डेका तथा शान्तनु सामन्ता (2015), चावल के छिलकों तथा जूट आचछादित मिश्रण की यांत्रिक विशिष्टतायें एवं उनका उपयोग। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ केमिकल, मोलिक्यूलर, न्यूक्लीयर, मेटेरियल्स एण्ड मेटेरिलल इंजीनियरिंग, अंक-9, संख्या-12.

सी.डब्लु मरपुंग, ए. तामुक, एस.एस. गौतम, सी.आर.गौतम, ए.के. सिंह तथा ए. मधोशिया (2015), बोरो सिलिकेट ग्लास चीनी मिट्टी का संश्लेषण एवं अचालकता विशिष्टतायें। जरनल ऑफ सिरोमिक साइन्स एण्ड टेक्नोलोजी, संख्या-6, अंक-4, (स्वीकृत)

एन. यादाह, एस. बेग, सी.पी. पाल तथा एल.एम. कुकरेजा (2015), स्टेनलेस स्टील के जोड़ने की प्रक्रिया में स्वतः सुरक्षित वातावरण का योगदान। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ एडवांसड मेन्युफेक्चरिंग, टेक्नोलोजी (मुद्रण की प्रक्रिया में)

नदीम हसन एस. मुजाही खान, फैल सामिम (2015), संकचन योग्य बहाव के लिए फ्लक्स आद्यारित योजना। कम्प्यूटर एण्ड फ्लूइडस, संख्या- 119, पृष्ठ 58-86.

संतोष कुमार तथा एम. मुरलीद्वर, (2016), प्रतिपादन के दौरान झटका लगने वाले स्थान पर कार्य करने मजदूरों के शरीर पर दर्द का विश्लेषण। एडवान्सेज इन प्रोडक्शन इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट 2016 (स्वीकृत)

कुमार संतोष, कुमार मनोज तथा एम. मुरलीद्वर, (2015), प्रतिपादन झटकों वाले स्थान के कामगारों की शारीरिक पीड़ा तथा उसके खतरो का विश्लेषण: एक अध्ययन। ग्लोबल जरनल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग, संख्या- 15(3), पृष्ठ 1-8.

एस.के. तमांग तथा एम. चन्द्रशेखरन, (2015), एल्युमीनियम- सिल्का मिश्रद्व्यातु के मशीनीकरण में सतह खुरदरेपन का न्युनीकरण एवं औजार सरलीकरण-सह- परम्परागत साँफ्ट तकनीकी का उपयोग। एडवान्सेज इन प्रोडक्शन इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट, संख्या- 10(2), पृष्ठ 59-72.

एम. चन्द्रशेखरन, शिव शर्मा तथा आर. त्रिमिलाई (2015), पी सी डी औजार के उपयोग से जी एफ आर पी मिश्रदयातुओ का कार्य स्थल पर प्रयोगों हेतु अध्ययन। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ फ्रन्टीयर्स

टेक्नोलोजी, अंक-2, संख्या-2, पृष्ठ 10-17

एम. चन्द्रशेखरन तथा एस.के. तमांग (2015), एम एम सी मशीनों के प्रभावी उपयोग हेतु एन-पेशो समाकलित सरलीकरण प्रविद्यि -1 जनरल इन्सटीट्यूशन ऑफ इन्जीनियर्स : श्रेणी-सी. (मुद्रण की प्रक्रिया में)

देबज्योति बोरा तथा एम. चन्द्रशेखरन, (2015), क्लाइड आद्यारित मशीन सरलीकरण प्रणाली का विकास। मेन्युफेक्चरिंग टेक्नोलोजी टूडे, 2015, पृष्ठ 9-15

बिपलाव दास तथा ए. गिरी (2015), लम्बवत जनरेटर की उपस्थिति में समानान्तर पंख अरे मेंमिश्रीत उष्मा स्थानांतरण। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ हीट एण्ड मास ट्रांसफर, संख्या- 82 पृष्ठ 26-41.

डी. माझी (2015), निरन्तर ग्रामीण आजीविका- एक विचार। रिसेन्ट ट्रेन्ड इल पोस्ट हारवेस्ट टेक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेंट। प्रकाशक- कुमारी आलोक, मंगलम प्रकाशन, नयी दिल्ली 126-140, आई एस बी एन : 978-93-82983-53-8.

सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

पी. लिग्फा (2015), बहु- सिलेण्डर डीजल इन्जिन को बायो डीजल द्वारा संचालित करने पर इन्जिन की कार्यदक्षता तथा उत्सर्जन का अध्ययन। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन- यांत्रिक अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम, विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, विलीपुरम, तमिलनाडू, 15-16 अक्टूबर, 2015.

स्वीटी महन्ता तथा सान्तनु सामन्ता (2015), चावल के छिलके से आच्छादित मिश्रण की यांत्रिक विशिष्टताओं का अध्ययन। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन- यांत्रिक अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम, कोचीन विज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 16-17 दिसम्बर, 2015, पृष्ठ 293-298.

एस.के. राना, एस.एस. गौतम तथा एस. वर्मा (2015), त्रिकोण जल- स्थानिकी बियरिंग- सह- बहुकोणिय चिकनाईकारक 6- अक्षिय बियरिंग की कार्यदक्षता। डब्लू सी ई सी एस, स.रा.अ., पृष्ठ 366-371.

एस.के. राना, एस.एस. गौतम तथा एस. वर्मा (2015), त्रिकोणिय जल- स्थानिकी बियरिंग का शूक्ष्म- अक्षिय चिकनाईकारक सहित कार्यदक्षता का विश्लेषण। आई सी एम ई, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, 2015.

एस.के. राना, एस.एस. गौतम तथा एस. वर्मा (2016), निरन्तर विचरण बाल्व संचालित त्रिकोणिय जल- स्थानिकी- सह- बहु अक्षिय चिकनाईकारक जकड़ता तथा स्थिरांक का विश्लेषण। आई सी आई ए एम ई, फरवरी, 2016, स्वीकृत।

सोहिनी चौधरी, एन. यादह, एम. चन्द्रशेखरन, जी. रिकू, पी. कालिता तथा एम. मुरलीधर (2015), लेजर आद्यारित उन्नत प्रतिपादन प्रक्रिया में अनन्त उष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण। राष्ट्रीय लेजर सम्मेलन, आर आर सी ए टी, इन्दौर, 2-5 दिसम्बर, 2015

के. प्रान्जल, एन. यादह, जी. रिकू, सोहिनी चौधरी, एम.एम. खान तथा एम. मुरलीधर (2015), लेजर एण्ड सकरित जोड़ प्रक्रिया का विश्लेषण। राष्ट्रीय लेजर सम्मेलन, आर आर सी ए टी, इन्दौर, 2-5 दिसम्बर, 2015

एम. मुरलीधर तथा जी.एल. दत्ता (2015), लोह ढलाई कारखाने में ऊर्जा खपत तथा ऊर्जा संरक्षण का अध्ययन। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन ढलाई धातु तथा तकनीकी, चानगीसा, चीन, 25-28 अक्टूबर, 2015. पृष्ठ 139-142.

जीस जार्ज तथा एम. चन्द्रशेखरन (2015), इनकोनल 825 के तार में सतह खुरदरेपन एम ए के सरलीकरण के लिए उत्तम मशीन। 3वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिपादन अभियंत्रण, 18-19 जुलाई, 2015 अगतरत्ला, त्रिपुरा।

एस. के. तमांग, एम. नटराजन, एम. चन्द्रशेखरन तथा आर. त्रिमलाई (2015), शूक्ष्म ई डी एम प्रक्रिया में छेद की गुणवत्ता के लिए लागची बहु-उद्देश्य प्रतिमान। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन अति शूक्ष्म माइक्रो तथा नैनो प्रतिमान। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई, 10-12 दिसम्बर, 2015

एम. चन्द्रशेखरन तथा जीस जार्ज (2015), इनकोनल 825 वायुयान मिश्र द्यातुओं की सतहके प्रतिमान के विश्लेषण हेतु सक्षम विद्युि। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन अति शूक्ष्म माइक्रो था नैनो प्रतिमान। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई, 10-12 दिसम्बर, 2015

एस. के. तमांग, एम. नटराजन, एम. चन्द्रशेखरन तथा आर. त्रिमलाई (2015), शूक्ष्म ई डी एम प्रक्रिया में छेद की गुणवत्ता के लिए लागची बहु-उद्देश्य प्रतिमान। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन अति शूक्ष्म माइक्रो था नैनो प्रतिमान। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई, 10-12 दिसम्बर, 2015.

एम. चन्द्रशेखरन तथा जीस जार्ज (2015), इनकोनल 825 वायुयान मिश्र द्यातुओं की सतह के प्रतिमान के विश्लेषण हेतु सक्षम विद्युि। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन अति शूक्ष्म माइक्रो तथा नैनो प्रतिमान। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई, 10-12 दिसम्बर, 2015.

एस. कुमार तथा एम. मुरलीधर (2015), प्रतिपादन उद्योगों में काम करने वाले कामगारों शारीरिक दर्द एवं उनके प्रभाव। प्रकाशन हेतु भेजा गया।

रिचिन ताशी, एस.एस. गौतम तथा एस. सामन्ता (2015), चिकनाई युक्त पदार्थ के संचरण की स्थिति में बियरिंग जोड़ पर बल एवं बियरिंग के स्थायित्व का विश्लेषण। राष्ट्रीय सम्मेलन याँत्रिक अभियाँत्रिकी के प्रायौगिक उपयोग का सरलीकरण। चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, 23-24 मार्च, 2015, पृष्ठ 1-6

एस. के. राना, एस.एस. गौतम तथा सुरेश वर्मा (2015), त्रिकोण उच्च संचरण बियरिंग का शूक्ष्म-अक्षिय चिकनाईकारक के विविद्य अनुपात के साथ कार्यदक्षता का आकलन। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन याँत्रिक अभियाँत्रिकी के प्रायौगिक तकनीकी का सरलीकरण तथा वर्तमान आयाम। चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, 23-24 मार्च, 2015, पृष्ठ 84-92.

एस. सामन्ता तथा टी.जे. सिंह (2015), केवलर रेशा तथा इसके मिश्र द्यातुओं की विशिष्टतायें। 4वाँ अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन द्यातुक्रम एव विशिष्टतायें, हैदराबाद, 14-15 मार्च, 2015.

एस. सामन्ता, एम. मुरलीधर, टी.जे. सिंह तथा एस. दास (2015), उच्च संकरित बम्बू व जूट के मिश्रित उत्पादों की याँत्रिक विशिष्टतायें। 4वाँ अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन द्यातुक्रम एव विशिष्टतायें, हैदराबाद, 14-15 मार्च, 2015.

एस. महतो (2016), ठोस लचीलापन रोबोट प्रक्रिया में भारवहन गतिकी पर प्रणाली अवयवों का प्रभाव। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन कृत्रिम-जीवन एवं रोबोट, 29-31 जनवरी, 2016 ओकोनिवा दीक्षान्त केन्द्र, गिनोवान, जापान।

4.7.10 संकाय सदस्यों को प्राप्त सम्मान

प्रोफेसर पी. लिग्फा को इस्ट किमिंग सामाजिक उत्थान तथा संस्कृति संगठन के 37वें स्थापना दिवस पर 23-25 अक्टूबर, 2015 को आयोजित कार्यक्रम में प्रेरक व्यक्तित्व का पुरस्कार प्रदान किया गया था।

डा. एस. सामन्ता ने विश्व विज्ञान अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अकादमी द्वारा 17-18 दिसम्बर, 2015 को बैंकॉक थाईलैंड में आयोजित 17वे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन धातु विज्ञान एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी के एक सत्र की अध्यक्षता की थी।

4.7.11 विद्यार्थियों की उपलब्धियां

कई उपाधि विद्यार्थियों ने गेट 2016 में अच्छे अंक प्राप्त किए और आई आई टी, एन आई टी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में उनका दाखिला हुआ। वर्ष 2016 में छह विद्यार्थियों को विभिन्न संगठनों में नियुक्ति मिली। छात्र अपने परियोजना कार्य के एक भाग के रूप में बायो-गैस प्लांट, सोलर हीटर जैसे प्रोटो टाइप मॉडल्स के डिजाइन और विकास में लगे रहे। छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप प्रशिक्षण में अपने परियोजना कार्यों को करने और अनुभव अर्जित करने के लिए आई आई टी जैसे कई उच्च शिक्षण संस्थानों में भेजा गया। एम टेक और पीएचडी के विद्यार्थियों ने एफएमएस प्रणाली के प्रयोगशाला अभ्यास के लिए आईआईटी गुवाहाटी का दौरा किया। विद्यार्थियों ने एक परियोजना के तहत कम्प्रेसड वायु से चलने वाले आईसी इंजन का डिजाइन और उत्पादन किया।

परिसर साक्षात्कारों में छात्रों का चयन

1. श्री सौरभ पाल, डीई/14/एमई/21 ऑयल इण्डिया लिमिटेड, दुलियाजान तथा डीटाजेन इन्जीनियरिंग, संयुक्त राज्य अमेरिका।
2. श्री हिरया कुमार दत्ता, डीई/14/एमई/19 ऑयल इण्डिया लिमिटेड, दुलियाजान।
3. श्री रतनदीप दत्ता, डीई/14/एमई/01 टेक महेन्द्रा

4.7.12 नेरिस्ट यांत्रिक महासभा

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के सभी संकाय सदस्य, छात्र तथा कर्मचारी नेरिस्ट यांत्रिक महासभा के सदस्य हैं। यह संगठन यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित कर रहा है।

4.7.13 अन्य प्रासंगिक सूचना

परिशिष्ट क : प्रयोगशालाओं और उपकरणों की सूची

क्र.सं.	प्रयोगशाला का नाम	प्रमुख उपकरण
1	गैस डायनेमिक्स	विंड ट्यूनेल, एयर फ्लो रिग, स्मोक ट्यूनेल, नोजल टेस्टिंग एपरटस, कंप्रेसर, थ्री कॉम्पोनेन्ट बैलेंस, डाटा एक्वुइजीशन सिस्टम
2	एचएमटी और थर्मल इंजीनियरिंग	मॉल्टी-पॉर्पस एयर डॉक्ट, फ्लूइडीजेट बेड एपरटस कंडक्टिविटी एपरटस, कन्वेक्शन एंड रेडिएशन एपरटस, कंप्यूटर लिंकड बोइलिंग एपरटस
3	सी.एफ.डी.	पी सी एंड रिलेटेड सॉफ्टवेयर (अंडर डेवलपमेंट)
4	फ्लूइड पावर एंड ऑटोमेशन	सेन्ट्रीफ्यूगल एंड रेसिप्रोकेटिंग पॉम्पस, पेल्टों व्हील, मेट सेंट्रिक हाइट एपरटस, हाइड्रोलिक ट्रेनर, सिम्युलेटर्स, फ्रांसिस एंड कपलान तर्बिनेस
5	आई.सी.इंजन्स	टु स्ट्रोकस एंड फोर स्ट्रोकस पेट्रोल एंड डीजल इंजीनेस, 5-गैस एनालाइजर, स्मोक मीटर
6	बायोडीजल	इंटीग्रेटेड बायोडीजल रिएक्टर सिस्टम (कंसिस्टस ऑफ मैकेनिकल आयल एक्सपेलर, डेकोरटिकेटर, बेबी बाथ बायलर एंड आयल फिल्टरिंग यूनिट), मैग्नेटिक आयल स्टिरर, 1-लीटर कैपेसिटी बायोडीजल रिएक्टर, गैस क्रोमॅटोग्राफ(जीसी), बम कैलोरीमीटर, सेंट्रीफ्यूज, फ्लैश एंड फायर पॉइंट एपरटस, क्लाउड, पौर पॉइंट एपरटस, सेतविस विस्कोमीटर
7	आर एंड एसी	कंप्यूटर लिंकड आर एंड एसी यूनिट, वेपर कम्प्रेसन यूनिट, गैस चार्जर, आइस मेकर, रेफ्रीजिरेटर.
8	डायनेमिक्स एंड कायनेमेटिक्स	यूनिवर्सल वाइब्रेशन टेस्टिंग ऑपरेटर्स, सीएएम एनाल्यसिस मशीन, रेसिप्रोकेटिंग एंड रोटेटिंग मास्स बैलेंसिंग यूनिट्स, गायरोस्कोप, गवर्नर एपरटस, फंक्शन जनरेटर, डिजिटल ऑसिलोस्कोप, एकाॅस्टिक इंसुलेशन टेस्ट एपरटस विथ एम्पलीफायर
9	स्ट्रेंथ ऑफ मेटेरिएल	यूटीएम, तोर्सिओन टेस्टिंग यूनिट, इम्पैक्ट टेस्टिंग यूनिट, फेटीग टेस्टिंग यूनिट, हार्डनेस टेस्टर, लेंस पोलर स्कोप विथ एनालाइजर, पोलर स्कोप एंड अंडर एसेसोरीज
10	ट्रिबोलॉजी	हर्टजिआन, कांटेक्ट एपरटस, एयर बिअरिंग एपरटस, मल्टी-पर्पस फ्रिक्शन एंड वियर टेस्टर
11	सीएडीडी	पीसी एंड रिलेटिव सॉफ्टवेयर
12	सीआईएम एंड रोबोटिक्स (टूल रूम)	ड्रुएट सीएनसी-कम मिलिंग एम/सी. मैक्स टर्न सीएनसी प्रोडक्शन, सीएनसी मशीन विथ एक्सटर्नल टर्निंग कार्बाइड टूल होल्डर, मैक्स मिल सीएनसी प्रोडक्शन मिलिंग शीन विथ टूलींग एंड होल्डर एडाप्टर्स
13	कंप्यूटर लेब	पीसी एनालायसिस सॉफ्टवेयर
14	मेट्रोलाजी एंड मेटेरिएल साइंस	मीजरिंग इंस्ट्रूमेंट, माइक्रोस्कोप, पिट फर्नेस, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, पॉलिशिंग मशीन

4.8 रसायन विज्ञान विभाग

4.8.1 रसायन विज्ञान विभाग का संक्षिप्त परिचय

यह विभाग संस्थान द्वारा संचालित अभियांत्रिकी के तीनों कार्यक्रमों प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री तथा वानिकी में डिग्री स्तर के छात्रों को रसायन विज्ञान का अध्यापन कार्य कर रहा है। विभाग में वर्ष 2009-10 से जैविक रसायन में विशेषज्ञता के साथ एम. एससी. (रसायन) विज्ञान का शुभारंभ किया गया। रसायन विज्ञान में एमएससी के नए बैच, यथा: एमएससी (प्रथम वर्ष) के सातवें बैच की दाखिला प्रक्रिया जुलाई 2015 में की गई, जिसके लिए विभाग द्वारा लिखित परीक्षा ली गई। 85 आवेदन प्राप्त किए गए जिनमें से 82 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र प्रेषित किए गए। कुल 67 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे जिनमें से 10 अभ्यर्थियों का चयन किया गया और 11 अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इस प्रक्रिया से गुजरने के बाद वर्ष 2015-16 सत्र के लिए एमएससी रसायन विज्ञान के प्रथम वर्ष में कुल 10 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। इसके अतिरिक्त पीएचडी के लिए भी लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार आयोजित किया गया था। कुल 6 आवेदकों में से केवल 6 विद्यारहती को परीक्षा एवं साक्षात्कार के लीर आमंत्रित किया गया तथा उसे दाखिले के लिए उपयुक्त पाया गया। एक पीएचडी शोध छात्र आवश्यक पाठ्यक्रमों में सफलता प्राप्त करते हुए प्रोफेसर एच एस यादव के मार्गदर्शन में अपना शोध कार्य जारी रखे हुए है।

पीएचडी व एम.एससी. में दाखिला के लिए समिति

1. प्रोफेसर एन देब, विभागाध्यक्ष	अध्यक्ष
2. प्रोफेसर एच.एस. यादव	सदस्य
3. प्रोफेसर पी के त्रिपाठी	सदस्य
4. प्रोफेसर एम एफ हुसैन	सदस्य
5. डॉ. ए के गुप्ता	सदस्य
6. डॉ. जगन्नाथ भूयॉ	सदस्य
7. डॉ. (श्रीमती) मीरा यादव	सदस्य
8. डॉ. (श्रीमती)शशी लता भारती	सदस्य

संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. प्रोफेसर एम हुसैन विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्य होने के नाते, निदेशक नेरिस्ट द्वारा गठित कई समितियों में वे अध्यक्ष/ सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।
2. प्रोफेसर एच एस यादव ने निदेशक नेरिस्ट द्वारा गठित कई समितियों में अध्यक्ष/ सदस्य के रूप में अपना योगदान देने के अलावा वे संकायाध्यक्ष (प्रशासन) भी रह चुके हैं।
3. प्रोफेसर पी के त्रिपाठी अगस्त 2014 से संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) का कार्यभार संभाल रहे हैं, वे के वी नेरिस्ट के विद्यालय प्रबंधन समिति में नामित अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं तथा निदेशक नेरिस्ट द्वारा गठित कई समितियों में वे अध्यक्ष/सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।
4. प्रोफेसर एम एफ हुसैन संकायाध्यक्ष (प्रशासन) का कार्यभार संभाल रहे हैं।
5. प्रोफेसर के डी राम संस्थान के केंद्रीय शोध सुविधा (सी आर एफ) के प्रभारी के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।

विभागीय प्रशासनिक कार्यों में भी विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. प्रोफेसर एन देब स्नातकोत्तर अध्ययन परिषद (बी पी जी एस) में निदेशक के नामित प्रतिनिधि थे।
2. डॉ. ए के गुप्ता पी जी प्रयोगशाला-II के प्रभारी थे।
3. डॉ. के टी कमाल रसायन प्रयोगशाला-I के प्रभारी थे।
4. श्री एन जी सिंह पी जी प्रयोगशाला-III सहित उपकरण, कम्प्युटर और इन्टरनेट सुविधा प्रयोगशाला के प्रभारी थे।

4.8.2 शैक्षणिक गतिविधियां

विभाग में सैधान्तिक और प्रायोगिक कक्षा के नियमित सुचारू संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। सभी पाठ्यक्रम यथासमय समाप्त हो गए। सभी जांच और प्रायोगिक कक्षाएँ समाप्त पर पूरी कर ली गईं। सत्रांत परीक्षा, परिपूरक परीक्षा, पूरक परीक्षा, प्रश्नोत्तरी तथा षष्ठमकालिन पाठ्यक्रम आदि सभी परीक्षाओं के परिणाम समय पर तैयार किए गए और परीक्षा नियंत्रक को प्रस्तुत किए गए। एन बी ए से संबन्धित आवश्यक पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ अंकों का निर्धारण किया गया और संबन्धित विभागों को समय पर प्रस्तुत की गई। समय समय पर विभाग के वर्तमान पाठ्यक्रम में संशोधन अथवा नए पाठ्यक्रम निर्माण के लिए विभाग में अध्ययन परिषद का गठन किया गया है। इसे वर्ष 2010 में पुनर्गठित किया गया था और अभी यह परिषद के सदस्यों के पुनर्गठन के लिए प्रक्रियाधीन है। विभाग में शैक्षणिक मामलों से संबन्धित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डी पी जी एस, डी सी जैसी कई अन्य समितियां हैं।

4.8.3 प्रयोगशाला और प्रयोगशाला विकास

प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित उपकरण अच्छी अवस्था में हैं:

- i) डिजिटल कंडक्टिविटी मीटर्स
- ii) पोलारिमीटर्स
- iii) डिजिटल पी एच मीटर्स
- iv) डिफरेंशिएल स्केनिंग केलोरिमीटर (डीएससी)
- v) एफटी-आईआर
- vi) रोटरी इवैपोरेटर
- vii) मेल्टिंग प्वाइंट एपाराटास, आदि

निम्नलिखित उपकरण हाल ही में प्राप्त किए गए और प्रयोगशाला में स्थापित किए गए:

- i) डिजिटल मेग्नेटिक स्टाइरर विथ हॉट प्लेट
- ii) क्वार्ट्स बि-डिस्टिल्लेशन
- iii) वेरिएवल वल्यूम माइक्रोपाइपेट और
- iv) एनालाइटिकल बेल्स

कुछ संकाय सदस्य एमएस सी प्रायोगिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशाला पुस्तिका तैयार कर रहे हैं।

4.8.3 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

निम्नलिखित परियोजनाओं का प्रदर्शन एम.एस.सी. अन्तिम वर्ष के छात्रों द्वारा समिति के सदस्यों व बाह्य विशेषज्ञ डा. ए. अट्टा के समक्ष दिनांक 7.5.2015 को किया गया था।

क्र.सं.	छात्र का नाम व पंजीकरण संख्या	परियोजना	परामर्शदाता
1.	अजय बारगोहाई एम.एस/13/सीएच/01	कुछ कार्बनिक पदार्थों की शुद्धता की जांच हेतु आर आर स्पेक्ट्रम प्रविद्ये का उपयोग	प्रोफेसर एम. हुसैन
2.	हेमी बारगोहाई एम.एस/13/सीएच/03	लाल गुलाब की पखुड़ियों से एन्थोसाइनिन का पृथ्वीकरण एवं इसका उपयोग	डा.(श्रीमती) के.टी. कमाल
3.	बेदान्त बोरहोई एम.एस/13/सीएच/06	5(4 एच) आक्सोलोन्स के सबूलेषण के उपयोग से 5(4 एच) इमीडीजीलोन्स का संश्लेषण	प्रोफेसर पी.के. त्रिपाठी
4.	कुद शर्मा एम.एस/13/सीएच/07	एल्फा-आक्सो केटीन इथिटो एक्टलस से आइसोमेट्रीक आक्सो एक्जोल्स का आदर्श संश्लेषण	डा. ए.के. गुप्ता

4.8.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन -नहीं-

4.8.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

प्रोफेसर एच.एस. यादव ने विश्व कृषि वानिकी केन्द्र, कुन्मेग, चीन द्वारा 1-4 मार्च, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम पर्वत विशिष्टतायें में भाग में लिया था।

डा. जे भुयॉन ने रसायन विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय गुवाहाटी आसाम द्वारा 6 नवम्बर, 2015 को आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम रसायन विज्ञान के वर्तमान आयाम में भाग में लिया था।

डा. जे भुयॉन, डा. के.टी. कमाल तथा श्री एन.जी. सिंह ने नेरिस्ट में 11-20 नवम्बर, 2015 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान, कोलकता के सौजन्य से आयोजित शिक्षक प्रोत्साहन कार्यक्रम में भाग में लिया था।

डा. जे भुयॉन, डा मीरा यादव, डा. एस.एल. भारती तथा डा. एन.जी. सिंह ने नेरिस्ट में अभातशिप- इन्डेस्ट द्वारा 22-23 अगस्त, तथा 31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित ई-जरनल उपबोक्ता जागृति कार्यक्रम में भाग में लिया था।

डा. एस.एल. भारती ने नेरिस्ट में 11-20 2015 दिसम्बर, को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग में लिया था।

4.8.7 नयीं उपाधियाँ/ व्यवसायिक सदस्यता

डा. मीरा यादव ने अमेरिकी रसायन समिति की सदस्यता प्राप्त की थी। (सदस्यता संख्या 3100796).

4.8.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान

प्रोफेसर एन. देब ने अन्तराष्ट्रीय जरनल 'जरनल ऑफ थर्मल एनेलेशिस एण्ड केलोरीमीट्री (स्प्रीगर) के आलेख की विवेचना की थी।

4.8.9 बाह्य निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनायें

परियोजना- मेटेलो- आइसोप्रोफेरीन ; एक जैव सूचना उत्प्रेरक का उत्तम प्रकाश संश्लेषण उपचार पदार्थ। वित्त निकाय - सर्व, विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार नयी दिल्ली। प्रद्यान अनुसंधानकर्ता - डा. जगन्नाथ भुयान। संख्या वाई एस एस/2015/000394 दिनांक 5.11.2015 धनराशि - 24,88,000/- वर्ष के दौरान प्राप्त वित्त- रू. 14,42,666/-

बि.प्रौ.व- महिला वैज्ञानिक परियोजना; प्रद्यान अनुसंधानकर्ता- मीरा यादव। परियोजना- मूसा पेरोडिसिका रस से मैग्नीशियम पर आँक्साइड। वित्त निकाय- विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार नयी दिल्ली। अक्टूबर, 2013, धनराशि - रू. 20,60,000/-

4.8.10 आलेखों का प्रकाशन

भुयान जगन्नाथ (2016), लोह (III)- हाइड्रो- आक्सी पोरकिन के लि नयूक्लोकिक चक्र का खुलना. डेल्टोन ट्रांस, 2016, 45, 2694-2699.

भुयान जगन्नाथ (2015), मेटेलो आइसोप्रोफेरीन ; संश्लेषण एवं उपयोग। डैटालन ट्राजेक्शन्स, 2015,44,15742-15756.

त्रिपाठी के.एम., सोनकर ए.के., भाटी ए., भुयान जे, सिंह ए.,सरकार एस. तथा सोनकर एस.के. (2016), द्युलनशील व प्रकाशित पिली कार्बन लघु- छड़ का चयनित डी.एन.ए. पहचान के लिए वृहद स्तर पर संश्लेषण। न्यू जे.चेम, 2016, 40,1571-1579.

यादव एम. तथा यादव एच.एस.(2015), अपशिष्ट जल रेग, मृदा, कोयला तथा कागज के लिए लिग्निटाइट इन्जाइम का उपयोग। इनरोब चैम लेट 13, 309-318.

यादव एम यादव एच.एस. तथा राय एन (2016), लुफा एजीपिटिया का फल रस से प्राप्त लिगिन परक्साइड की विशिष्टतायें। अमेरिकन जरनल ऑफ प्लान्ट साइन्, 7, 649-656.

पी. के. चौरसिया, शशी एल. भारती, मनीष शर्मा, एस.के. सिंह, आर.एस.एस. यादव तथा सुधा यादव (2016), फंगी का वैज्ञानिक महत्व एवं वर्तमान उपयोग : एक विवेचना करन्ट ओरगेनिक केमेस्ट्री, 9,1916-1934.

शशिलता भारती, पंकज कुमार चौरसिया तथा सुधा यादव (2016), प्रोफाइन तथा 1-6 डायमिनोआँक्सील का मैग्नीशियम (III) से आदर्श रसयन। एशियन जरनल ऑफ आर्गेनिक केमेस्ट्री, 2016,61,232-238.

विजय सिंह, प्रवीण बोरा तथ हरदेव सिंह यादव (2016), 1,2- डाइयेसिटीलन के उपयोग से 15 सदस्य माइक्रोसाइक्लिक श्रेणी के आक्सोएण्डीम (4) मिश्रण रसायन। जरनल ऑफ साइन्स, 6,1,1-5.

विजय सिंह, प्रवीण बोरा तथा हरदेव सिंह यादव (2015), ओ- फेमिल इडेनिमाइन –सह- 1,2- डाइएथिल बेजियंट द्वारा आक्सोएण्डीम (4) मिश्रणों व ट्रेट्राजा माइक्रोसाइक्लिक अरक। डरफारमा चेमिका, अंक-7,12,205-209.

ए. के. यादव व हरदेव सिंह यादव (2015), 1,1- आक्सील डोमिजोयट तथा एरोमेटिक एमिन से प्राप्त आक्सीवन्डेयम (4) ा संश्लेषण एवं अध्ययन। यूरो चैम बुल, 4(7), 356-359.

अशोक कुमार यादव, हरदेव सिंह यादव तथा देवेन्दु प्रताप (2015), आक्सोवेन्डेयम (4) अरक मिश्रणों तथा नाइट्रोजन प्रदावा का रासायनिक अध्ययन। जरनल ऑफ साइन्स, 5(11), 1086-1090.

खालिदा तसलिम तथा राजू छेत्री (2016), प्राकृतिक रंग तथा विविद्य माध्यमों में इसका उन पर प्रयोग। जरनल ऑफ एजुकेशन एण्ड एप्लाइड साइन्स, रिसर्च, संख्या- 3, अंक-2, फरवरी-मार्च, 2016, पृष्ठ 23-29.

खालिदा तसलिम तथा राजू खटोड़िया (2016), केडीयम वेरीजिटीयम में प्राकृतिक रंग का प्रतिमान। जरनल ऑफ एजुकेशन एण्ड एप्लाइड साइन्स, रिसर्च,, अंक-3, संख्या- 2, फरवरी-मार्च, 2016, पृष्ठ 28-32.

खालिदा तसलिम तथा हेगे मारीया (2016), सलगम जड़ से प्राप्त प्राकृतिक रंग तथा उन व द्यागों पर विविद्य तापमान पर इसका उपयोग। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड साइन्स, रिसर्च, अंक-3, संख्या- 1, जनवरी-मार्च, 2016, पृष्ठ 52-62.

अखिलेश कुमार गुप्ता (2016), आक्सोकेटिन- एस, एस- एक्टेस के प्रयोग से बेन्जीयों-सी-क्युनो जोनियम का संश्लेषण। इन्ड जे. चैम, 54 बी, (8),

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

यादव एम., यादव एच. एस., तथा राय एन. (2016), पर्वतों की उत्तम देखभाल व भविष्य के पर्यावरण का संरक्षण : लुफा एक्टयूला पल रस से मैग्नीन पर आक्सइड। विश्व कृषि वानिकी केन्द्र, कुमिन, चीन में आयोजित सम्मेलन, 1-4 मार्च, 2016.

(ग) पुस्तक में अध्याय

यादव एम., सिंह एस.के., यादव एस तथा यादव के.डी.एस.(2015), लिग्नोलाइटीक इन्जाइम के उपयोग से जैव-ईदयन उत्पादन। पुस्तक एनर्जी साइन्स एण्ड टेक्नोलोजी : सम्पादक- प्रोफेसर यू.सी. शर्मा, शिव कुमार तथा राम प्रशाद, अंक- 3, स्टेडियम प्रेस, एल.एल.सी. संयुक्त राज्य अमरिका, पृष्ठ 475-494.

4.8.11 कोई अन्य सूचना

-नहीं-

4.9 भौतिक विज्ञान विभाग

4.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भौतिक विज्ञान विभाग में दो प्रोफेसर, तीन एसोसियट प्रोफेसर, तथा चार सहायक प्रोफेसर अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। विभाग के संकाय सदस्य अध्यापन कार्य के अलावा अनुसंधान कार्य में संलग्न हैं तथा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्रों का प्रकाशन कर रहे हैं। भौतिक विज्ञान के संकाय सदस्यों को भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे एक्स किरण संचरण, रेशा भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी, नाभिकीय भौतिकी, द्रव स्फटिक, ठोस आयनिकी, गणितीय भौतिकी, अर्ध चालक भौतिकी, अति चालकता, एवं लेजर रमन स्पेक्ट्रम आदि में विशेषज्ञता प्राप्त है। साथ ही विभाग के कुछ संकाय सदस्यों ने संभाव्य वित्तपोषण के लिए अन्य वैज्ञानिकों द्वारा दी गई परियोजनाओं की डीएसटी, सीएसआईआर के समीक्षक के रूप में भी कार्य किया है।

द्रव स्फटिक और ठोस आयोनिकी के क्षेत्र के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और तृतीय विश्व विज्ञान अकादमी (टीडबल्यूएस) इटली द्वारा वित्तपोषित कुल ग्यारह प्रायोजित शोध परियोजनाओं का कार्य सम्पूर्ण कर लिया गया है। एक स्थानीय लघु परियोजना पर भी कार्य पूरा किया गया। वर्तमान में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित एक शोध परियोजना पर कार्य चल रहा है, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एफआईएसटी के तहत एक परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

विदेश के वैज्ञानिकों के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य के लिए विभाग के संकाय सदस्यों को विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के दो बोयज कास्ट फेलोशिप आई एन एस ए, नई दिल्ली -आर एस एल एवं आई एन एस ए-जे एस पी एस के तीन द्विपक्षीय विनिमय फेलोशिप प्रदान किए गए।

विभाग में कार्य करने वाले कुल 10 शोध छात्रों को पीएचडी डिग्री (द्रव स्फटिक में चार, ठोस आयोनिकी में चार, सोलर सेल में एक और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी में एक) प्रदान की गई। इनमें से तीन पीएच.डी. डिग्रीयाँ नेहू, शिलॉंग से और एक तेजपुर विश्वविद्यालय से प्रदान की गई। पाँच पीएचडी डिग्री नेरिस्ट द्वारा प्रदान किए गए। वर्तमान विभाग में और बारह शोध छात्र पीएचडी के लिए शोध कार्य कर रहे हैं।

4.9.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) यह विभाग छात्रों को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प है। विभाग संस्थान के विविध कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के लिए आठ पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य अभियांत्रिकी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखाओं के लिए कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

माँड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल-टी-पी- क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम
प्रमाण पत्र	पी एच 1101	4-0-2-5	भौतिकी-I
प्रमाण पत्र	पी एच 1201	4-0-2-5	भौतिकी-II
डिप्लोमा	पी एच 3101	4-0-2-5	भौतिकी-III
डिप्लोमा	पी एच 3201	3-0-2-4	सीएस, ईसी एवं ईई के लिए भौतिकी
डिप्लोमा	पी एच 3202	3-0-2-4	ईई, सीई एवं एमई के लिए भौतिकी
डिग्री	पी एच 3203	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी(अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखा)
डिग्री	पी एच 4301	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी(ब्रिज पाठ्यक्रम)
डिग्री	पी एच 5101	3-0-2-4	आधुनिक भौतिकी

(ख) विभाग ने जुलाई, 2009 से एम.एससी. (भौतिकी) का अध्यापन कार्य आरम्भ कर दिया है। पीजी स्तर के पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

माँड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल.टी.पी. क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम
एमएससी	पी एच 7101	3-1-0-4	क्लासिकल मेकानिक्स
एमएससी	पी एच 7102	3-1-0-4	गणितीय भौतिकी
एमएससी	पी एच 7103	3-1-0-4	संगणनीय भौतिकी एवं प्रोग्रामिंग
एमएससी	पी एच 7104	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स- I

एमएससी	पी एच 7151	0-0-6-3	सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (जी भौतिकी में विशेषज्ञता)
एमएससी	पी एच 7152	0-0-6-3	कंप्यूटर प्रयोगशाला(प्रचालन प्रणाली और प्रोग्रामिंग संबंधी अभ्यास)
एमएससी	पी एच 7201	3-1-0-4	इलेक्ट्रोडिनामिक्स
एमएससी	पी एच 7202	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिकी
एमएससी	पी एच 7203	3-1-0-4	एटोमिक मोलेक्युलर व लेजर भौतिकी
एमएससी	पी एच 7204	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स-II
एमएससी	पी एच 7251	0-0-9-5	ओपटिक्स व सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (ओपटिक्स संबन्धित व अन्य जो सामान्य भौतिकी में शामिल नहीं, में विशेषज्ञता)
एमएससी	पी एच 7252	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला (इलेक्ट्रॉनिकी के थियरी पत्र में विशेषज्ञता)
एमएससी	पी एच 8101	3-1-0-4	एटोमिक व मोलेक्युलर भौतिकी
एमएससी	पी एच 8102	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिकी
एमएससी	पी एच 8103	3-1-0-4	न्यूक्लियर भौतिकी
एमएससी	पी एच 810*	3-1-0-4	विशेष पत्र-I
एमएससी	पी एच 8151	6-6-0-3	ओपटिक्स एवं न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला
एमएससी	पी एच 8152	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला
एमएससी	पी एच 8201	3-1-2-5	समूह थियरी एवं अनुप्रयोग
एमएससी	पी एच 820*	3-1-0-4	विशेष पत्र-II
एमएससी	पी एच 825*	0-0-6-3	विशेष पत्र प्रयोगशाला
एमएससी	पी एच 80**	3-0-0-3	वैकल्पिक
एमएससी	पी एच 8299	0-0-16-8	परियोजना

4.9.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

(क) अध्यापन प्रयोगशाला

विभाग सभी पाठ्यक्रमों की प्रैक्टिकल कक्षाएँ दो प्रयोगशालाओं में चलाता है:

भौतिकी प्रयोगशाला 1: निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की प्रैक्टिकल कक्षाएँ इस प्रयोगशाला में ली जाती हैं:

प्रमाण पत्र माँड्यूल (प्रौद्योगिकी/अनुप्रयुक्त विज्ञान): पी एच 1101 तथा पी एच 1201

डिप्लोमा माँड्यूल : पी एच 3101

डिग्री माँड्यूल (अनुप्रयुक्त विज्ञान) : पी एच 3203

डिप्लोमा माँड्यूल में में कुछ नये प्रयोगों का समावेश किया गया है।

भौतिकी प्रयोगशाला 2: इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की प्रैक्टिकल कक्षाएँ ली जाती हैं:

डिप्लोमा माँड्यूल (प्रौद्योगिकी) : पी एच 3201

डिप्लोमा माँड्यूल (प्रौद्योगिकी) : पी एच 3202

डिग्री माँड्यूल (प्रौद्योगिकी) : पी एच 4301 और पी एच 5101

भौतिकी प्रयोगशाला 3: इस प्रयोगशाला में सामान्य भौतिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की प्रैक्टिकल कक्षाएँ ली जा रही हैं (जुलाई-दिसंबर-09)।

भौतिकी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पाँच और प्रयोगशालाएँ हैं। ये हैं: इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला, सॉलिड स्टेट भौतिकी प्रयोगशाला, न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला, ओप्टिक्स प्रयोगशाला और कंप्यूटर प्रयोगशाला।

(ख) कम्प्यूटर सुविधा : भौतिक विज्ञान विभाग में प्रिन्टर (लेजर जेट और डट मेट्रिक्स) सहित पांच कम्प्यूटर, एक स्केनर और एक सीडी राइटर उपलब्ध हैं। इन्टरनेट सुविधा के लिए एक कम्प्यूटर को लेन के माध्यम से जोड़ा गया है।

(ग) अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

(i) द्रव स्फटिक अनुसंधान प्रयोगशाला: डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1993 को पहली शोध परियोजना संस्वीकृत होने पर डॉ. पी आर अलपति ने नेरिस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए एक स्वतंत्र भवन में जनवरी, 1995 में द्रव स्फटिक कार्यों के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला का सुभारंभ किया और कुछ वर्षों में द्रव स्फटिक मेटेरियल्स के संश्लेषण, द्रव स्फटिकता के लिए उनका विशेषीकरण तथा भौतिक सम्पत्तियों के परिमाणन की सुविधाएं जुटाई गईं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधायें उपलब्ध हैं -

- गर्म अवस्था धूवीकरण शूक्ष्मदर्शी
- सघनता मापी उपकरण
- अल्ट्रासोनिक वेलोसिटी मापन यंत्र
- प्रतिबादा विस्लेषक उपकरण (एच पी 4192 ए)
- द्रव स्फटिक में एक्सआरडी के उपयोग से एक्स-रे डिफ्रैक्सन अध्ययन के लिए उपकरण (तापन)
- द्रव स्फटिक सामग्री विश्लेषण की सुविधा

(ii) ठोस आयनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए नेरिस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए एक भवन में डॉ. एस ए हाशमी द्वारा वर्ष 1995 में बेटरी सेंसर्स एवं सुपरकेपसीटर्स के लिए एक ठोस आयनिक शोध प्रयोगशाला स्थापित किया गया। पिछले वर्षों में इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं:

- मध्यम आवर्ती (40-100 हर्ज) एलसीआर है टेस्टर (हिओकी, जापान)
- लो फ्रिक्वेंसी (1 मिली हर्ज - 100 किलो हर्ज) कम्प्यूटर नियंत्रित प्रतिबाधा विश्लेषक (हिओकी, जापान)
- साइक्लिक वोल्टामेट्री आदि के लिए कम्प्यूटर नियंत्रित विश्लेषण कार्य प्रणाली (साइकोपेल, यू.के.)
- आयन उत्पादन की स्थानीय प्रविधि, इलेक्ट्रान संचरण पॉलीमर एवं विशिष्टता आकलन प्रणाली
- एक्स वाई टी रेकॉर्डर (ग्राफीटेक, जापान)

(iii) ठोस इलेक्ट्रॉनिक साम एवं उपकरण प्रयोगशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए डॉ. एच एम उपाध्याय द्वारा वर्ष 1999 एक प्रयोगशाला स्थापित की गई। इस प्रयोगशाला में उपलब्ध कुछ प्रयोगात्मक फेब्रिकेशन/मापन सुविधा निम्नवत हैं:

- वेकॉम कोटिंग यूनिट (हिंद हाई-वेक, बैंगलोर, इंडिया-मडेल 12ए 4डी) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर
- सोर्स-मीजर यूनिट (केइथली इंड्रूमेंट्स, यूएसए-मडेल 236) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर.
- केमिकल बाथ डिपोजिशन / इलेक्ट्रोडिपोजिशन सेट अप फॉर द प्रिपरेशन ऑफ सेमीकंडक्टिंग थिन फिल्म्स एंड कंडक्टिंग पोलिमर्स.
- सोलर सेल परफॉरमेंस मीजरमेंट सेट अप विथ द डब्ल्यू-हेलोजन लैंप विथ वेरियिंग इन्टेन्सिटी.
- सूर्यमापी, प्रकाश प्रबलता मापन यंत्र

(iv) सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना डॉ. अरविंद पांडे तथा डॉ. संजय के द्वारा एमएचआरडी से वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए की गई थी। इनमें स्थापित मुख्य उपकरण हैं:

- केइथली इलेक्ट्रमीटर
- वेइंग बेलेंस
- हायड्रलिक प्रेस
- रोटरी वेकॉम पम्प
- बल मिलिंग मशीन
- माइक्रोप्रसेसर बेस्ड फर्नेस

(v) उच्च ताप भट्टी सुविधा

स्थानीय लघु परियोजना के माध्यम से एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सौजन्य से डा. अरविन्द पांडे ने सिरेमिक/कम्पोजीट मिश्रण के निर्माण के लिए उच्च तापमान भट्टी की स्थापना की थी। स्थानीय रूप से निर्मित इस भट्टी का तापमान 1200° सेल्सियस तक बढ़ाया जा सकता है। 1200° सेल्सियस तक बढ़ाए जा सकने वाले एक आयातीत माइक्रोप्रोसेसर पर आधारित भट्टी अभी चालू है। 1000° सेल्सियस क्षमता सम्पन्न एक और भट्टी प्रचालन अवस्था में है।

(vi) लेजर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी प्रयोगशाला: डॉ. टी एच जी देवी की देखरेख में यह स्थापित किया जा रहा है।

4-9.4. पीएच. डी. उपाधि में मार्गदर्शन

जनवरी, 2016 में प्रोफेसर पी. आर. एलापाति श्री केशम नेनयों. सिंह को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई थी, जिसका शीर्षक चाँदी लद्यु कण द्रव स्फटिक की विद्युत विशिष्टताओं का अद्ययन था।

4.9.5 एम.एससी. परियोजनायें

प्रोफेसर पी. आर. एलापाति के मार्गदर्शन में कुमारी नानी मुनिया परियोजना एक द्रव स्फटिक की विद्युत अचाकता व द्रव स्फटिक की विद्युत विशिष्टताओं का अध्ययन पूरा किया था।

डा. कुनाल बोरा के मार्गदर्शन में परियोजना एक्स तथा के बैंड उपयोग के लिए संरचनात्मक संकेत ग्राही का उत्तम स्वरूप कार्य सम्पन्न किया गया था।

डा. अकबरी जहान के मार्गदर्शन में परियोजना फ्रेक्टल संरचना में इसका उपयोग पर कार्य सम्पन्न किया गया था।

डा एस धीरेन मैखेई के मार्गदर्शन में परियोजना जेड आर 02 पाउडर एक्स आर डी आकड़ा विश्लेषण एवं संरचना पर कार्य सम्पन्न किया गया था।

4.9.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

प्रोफेसर पी. आर. एलापाति ने देहरादून प्रौद्योगिकी संस्थान विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा 21-23 दिसम्बर, 2015 को आयोजित 22वाँ द्रव स्फटिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की थी। आपने बॉस्टन, संयुक्त राज्य अमरिका द्वारा 21-24 जून, 2015 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन शतलक द्यातु तथा अति लघु भौतिकी में आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की थी।

डा. टाडों कारलो, ने नवोतल चैन्नई द्वारा 29 फरवरी से 4 मार्च, 2016 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम गुसन 09 : सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कार्यशाला में भाग लिया था।

डा. थ. गोमती देवी, डा. कुनाल बोरा, डा. अकबरी जहान, डा एस धीरेन मैखेई ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकता के सहयोग से नेरिस्ट में 11-20 नवम्बर, 2015 को आयोजित शिक्षक प्रोत्साहन कार्यक्रम में भाग लिया था।

डा. कुनाल बोरा, डा. अकबरी जहान, डा एस धीरेन मैखेई ने नेरिस्ट में अभातशिप-इण्डेस्ट के सहयोग से 22 अगस्त तथा 01 अक्टूबर, 2015 को आयोजित 4वें इण्डेस्ट ई-जनरल उपभोक्ता कार्यशाला में भाग लिया था।

डा. कुनाल बोरा, डा. अकबरी जहान, से टिक्यूप के सहयोग से 17-21 के फरवरी, 2015 को नेरिस्ट में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम शूक्ष्म अन्वेषी, शूक्ष्म नियंत्रक तथा इनका उपयोग में भाग लिया था।

डा एस धीरेन मैखेई ने मणिपुर ने विश्वविद्यालय, 1-30 दिसम्बर, 2015 को विश्वविद्यालय, अनुदान आयोग द्वारा आयोजित प्रोत्साहन कार्यक्रम तथा 21-22 दिसम्बर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन सापेक्षता के 100 वर्ष में भाग लिया था।

4.9.7 संकाय सदस्यों को व्यवसायिक सदस्यता/ सम्मान

प्रोफेसर पी.आर. एलापाति (1) उत्तर-पूर्वी भौतिकी अकादमी के उपाध्यक्ष, (2) अमेरिकी रसायन समिति के सदस्य तथा (3) अन्तराष्ट्रीय द्रव स्फटिक के सदस्य है।

डा एस धीरेन मैखेई भारतीय भौतिकी समिति के जीवन पर्यन्त सदस्य, तथा भारतीय सामाग्री अनुसंधान समिति के जीवन पर्यन्त सदस्य है।

डा. टाडो कारलो पेन अद्युशासी समिति के सदस्य है।

डा. थ. गोमती देवी को बेजिंग, चीन में 28 फरवरी से 1 मार्च, 2016 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा यात्रा सहायता प्रदान की गई थी।

4.9.9 आलेखों का प्रकाशन

क) जरनलों में प्रकाशित आलेख

केसमैनो सिंह, एन. मनोरंजन सिंह, एच बसन्त कुमार शर्मा तथा पी.आर.एलापाति (2015), चाँदी लद्यु कण द्रव स्फटिक की विद्युत अचलकता विशिष्टतायें। जरनल ऑफ एडवांस इन फिजिक्स, 8(3), 2176.

के.एन. सिंह, बिनोद गौगोई, एन.एम. सिंह, एच.बी. शर्मा तथा पी.आर.एलापाति (2015), हाइड्रो आक्सी बेंजिल डिहाईएक्सेलाइन तथा हेप्टोलोकसी बेन्जी डिहाईएक्सेलाइन की कम आवृत्ति पर अचलकता विशिष्टताओं का अद्ययन। इण्डियन जरनल ऑफ फिजिक्स, ऑनलाइन, नवम्बर, 2015.

के. एन. सिंह, बिनोद गौगोई, एन.एम. सिंह, सगिनी दुबे, एल.आर. सिंह एच.बी. शर्मा तथा पी.आर.एलापाति (2016), द्वि- द्युव पर- एन (4-एन. एलकालोसी बेजिडाइलिन) -4- एलकालिलाइन का चांदी शूक्ष्म कण मिश्रण का द्वि- द्युव सम्बन्ध्य एवं अचलकता विशिष्टतायें। लिक्वूड क्रिस्टल, 625, 106-116, आई एस एस एन 1542-1406.

सगिनी दुबे, ए.मिश्रा, के.एन. सिंह, आर.धर तथा पी.आर.एलापाति (2016), विविद्य परत युक्त उच्च द्युवीकृत द्रव की विद्युत अचलकता विशिष्टतायें। लिक्वूड क्रिस्टल, 43, 2016, आई एस एस एन 0267-8292.

के.एन. सिंह, बिनोद गौगोई, सगिनी दुबे, एन.एम. सिंह, एच.बी. शर्मा तथा पी.आर.एलापाति (2016), (4-एन. हेप्टोलोकसी बेन्जीडीलिन) -4-एन- बुटील एलाइन की विद्युत अचलकता का विविद्य कारको सहित अध्ययन। मोल क्टीस्ट लिक्वूड क्रिस्टल, 626, 130-140, आई एस एस एन 1542-1406.

फूकन ए., बोरा के. भट्टाचार्जी एन.एस. (2016), ढाचागत सुद्यारो युक्त छड़ संकेतग्राही का लघु स्वरूप। प्रोग्रेस इन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रिसर्च, अंक- 64, 11-20.

थ. गोमती देवी (2015), एरोमेटिक रसायन तथा आइसो-ट्रोपिक ढोलक द्युवीकरण का अध्ययन। प्रायौगिक एवं सैद्धान्तिक। जे- रमन स्पेक्ट्रोकोपी, 46, 1291-1302.

थ. गोमती देवी (2015), द्युव अणुओं में कंपन का अध्ययन : प्रायौगिक एवं सैद्धान्तिक। मेटेरियल्स टूडे, 2, 899-903

एस धीरेन मैखेई (2015), जीडी2 ओ3 : डी वाई3 लघु कणों का विश्लेषण तथा प्रकाश चमकदार सफेद रोशनी के लिए इनका प्रयोग। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ लुमिन, 5(4), 380-383.

एस धीरेन मैखेई (2015), आई एन2 ओ2 : ट्यू2 फास्कर की चमक का संवर्दयन। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ लुमिन, 5(4), 388-392.

एस धीरेन मैखेई (2016), डी वाई3 रोपित जीडी2 ओ3 फास्कर का सफेद रोशनी हेतु संश्लेषण एवं इसकी विशिष्टतायें। इण्डियन जरनल ऑफ फिजिक्स, 90 (3), 365-371.

एस धीरेन मैखेई (2016), आई एन2 ओ2 : ट्यू2 कणों में नीली- हरी रोशनी प्रतिपादन में ट्यू2 का योगदान। मेटर करेक्ट, 114 197-203.

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

थ. गोमती देवी (2015), एब- इन्नीटो विद्युत् से सेरीटोन में कंपन का अध्ययन। 2-15 दिसम्बर, 2015 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, आसाम।

थ. गोमती देवी (2015), अन्तम बिन्दु कंपन विद्युत् से सीमांकन निम्नीकरण। एन सी ई टी एम एम एस, 17-19 दिसम्बर, 2015, कोलकता।

थ. गोमती देवी (2015), थाइरोड हारमोन के कंपन का अध्ययन। एस एस ए, 8 फरवरी- 1 मार्च, 2016 बीजिंग, चीन।

याना बागपी, अरविन्द पाण्डे, प्रीतम आर. सौलंकी (2015), पानी से लैड के निस्कासन हेतु एल-साइटिन, शून्य आवर्ती लघु कणों का प्रभावशाली उपयोग। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन लघु संरचना पदार्थ तथा लघु मिश्रण। हिन्दुस्तान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश, भारत।

याना बागपी, अरविन्द पाण्डे, प्रीतम आर. सौलंकी (2015), जलिय मिश्रण से लैड के निस्कासन हेतु शून्य आवर्ती प्रभावशाली लघु कणों का उपयोग। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन सामाग्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिल्ली, महाविद्यालय, 1-4 मार्च, 2016

4.9.10 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

डा. एस धीरेन मैखेई ने 3 फरवरी, 2016 को नेरिस्ट सभागार में भामा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों से नियोजन की सम्भावनाओं पर वार्ता की थी।

4.9.11 संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ

- प्रोफेसर पी. आर. एलापाति अमेरिकी रसायन समिति के सदस्य हैं। आप भारतीय द्रव स्फटिक समिति के सदस्य हैं।
- भारतीय विज्ञान काँग्रेस महासभा के भी सदस्य हैं।
- प्रोफेसर पी. आर. एलापाति नेरिस्ट पुस्तकालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष भी हैं।

4.9.12 कोई अन्य सूचना

- नही -

4.9.13 विभागाध्यक्ष एवं अन्य संकाय सदस्यों का नाम, अर्हताएँ और विशेषज्ञता के क्षेत्र

क्र. सं	नाम व पदनाम	अर्हता एवं विश्वविद्यालय	विशेषज्ञता
1.	डॉ. पी आर अलपति प्रोफेसर	पीएच.डी (1988) नागार्जुन	कंडेंस मेटर फिजीक्स (लिक्वुइड क्रिस्टल्स)
2.	डॉ. मनन सेनगुप्ता (विभागाध्यक्ष) एसोसियट प्रोफेसर	पीएच.डी (1986) कोलकाता विश्वविद्यालय	थियोरिटिकल फिजीक्स
3.	डॉ. तादो कार्लो एसोसियट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष	पीएच.डी (1997) दिल्ली विश्वविद्यालय	मेथमेटिकल फिजीक्स

4.	डॉ. अरविंद पांडे एसोसियट प्रोफेसर	पीएच.डी (2000) राजस्थान विश्वविद्यालय	कंडेंसड मेटर सुपरकंडक्टिविटी, सोलिड स्टेट आयोनिक्स
5	डॉ. टीएच गोमती देवी एसोसियट प्रोफेसर	पीएच.डी (2005) नेहू, शिलंग	कंडेंसड मेटर फिजीक्स (लेजर फिजीक्स)
6.	डॉ. कमल सहरिया सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी, 2009 गौहाटी विश्वविद्यालय	थियोरिटिकल प्लाजमा फिजीक्स
7.	डॉ. कुणाल बोरा सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी, 2014 तेजपुर विश्वविद्यालय	ईलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोवेव, ईलेक्ट्रॉनिक्स, एंटीना
8.	डॉ. एस धीरेन मीतेई सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी, 2014 मणिपुर विश्वविद्यालय	कंडेंसड मेटर फिजीक्स
9.	डॉ. अकबरी जहान सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी, 2014 गौहाटी विश्वविद्यालय	थियोरिटिकल फिजीक्स, हाई एनर्जी फिजीक्स, फेनोमेनोलॉजी

4.10 गणित विभाग

4.10.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

गणित विभाग की स्थापना एक पूर्ण विभाग के रूप में वर्ष 1993 में हुई। वर्ष 1996 में संस्थान की स्थापना से ही यह विभाग भौतिक विज्ञान समूह के एक भाग के रूप में चल रहा था। विभाग में शुद्ध एवं प्रायोगिक गणित समन्वित विस्तृत क्षेत्र में विशेषज्ञता सम्पन्न उच्च अर्हता प्राप्त संकाय सदस्य हैं। ऐसा सुंदर तालमेल देश के बहुत कम विश्वविद्यालयों में दिखने को मिलता है। अध्यापन कार्य के अलावा सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शोध कार्यों में भी लगे हैं। साथ ही कुछ संकाय सदस्य रक्षा विज्ञान जर्नल, गणीतीय समीक्षा के समीक्षक के रूप में कार्य करते हुए कई विश्वविद्यालयों के पीएचडी शोध पत्रों की समीक्षा कर चुके हैं। विभाग एनबीएचएम, आणविक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का सदस्य है जो नियमित नई नई पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराता है। विभाग ने एमएससी (गणित) और पीएचडी कार्यक्रमों की शुरुवात की है। एमएससी के पाँच बैच उत्तीर्ण हो चुके हैं। वर्तमान विभाग में पाँच प्रोफेसर, दो सम्बद्ध प्रोफेसर तथा पाँच सहायक प्रोफेसर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

4.10.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया था। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की अनुमति हेतु उप-कुलसचिव (शिक्षा) को भेजा गया था।

4.10.3 प्रयोगशाला विकास

स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रयोगशाला अनुदेशों का निस्पादन किया गया था। कम्प्यूटरीकरण प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी।

4.10.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम पंजीकरण संख्या	परियोजना	परामर्शदाता
1.	सलम निरूपम देवी एमएस/14/एमए/03	एक य दो अस्थिरांक सहित उच्च ज्यामितिय समीकरण	डा. एल.के. अरोड़ा
2.	प्लाटून गावो एमएस/14/एमए/02	कुछ भिन्नात्मक समीकरण का अध्ययन	डा जयन्ता बोरा
3.	मो. इमरान एमएस/14/एमए/01	कमी युक्त छल्ला एवं माँडल का सर्वेक्षण	डा. के.एच. सिंह .

4.10.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

विभाग ने टिक्यूप के सहयोग से नेरिस्ट में 21-22 नवम्बर, 2015 को प्रशिक्षण कार्यक्रम गणित अध्यापन प्रविधि का आयोजन किया था, तथा 27-28 फरवरी, 2016 को राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री जयन्ता बोरा, डा. के.एच. सिंह तथा डा. पी. देबनाथ थे।

4.10.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

डा. बी. के. सिंह ने 26-28 जनवरी, 2016 को कोला लामपुर मलेशिया में आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन गणित विज्ञान एवं सांख्यिकी में भाग लिया था।

डा एम.एम. दीक्षित ने इलूर अन्तराष्ट्रीय गणित संस्थान, सैट पिटरबर्ग, रूस 18-23 जून, 2015 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन बेवलेट एवं उपयोग में भाग लिया था।

डा एम.एम. दीक्षित तथा एम. हुसैन ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा 10-12 जुलाई, 2015 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन गणित के वर्तमान आयाम में भाग लिया था।

डा एम.एम. दीक्षित, डा. के.एच. सिंह तथा एम. हुसैन ने राजीव गाँधी विश्वविद्यालय द्वारा 6-7 नवम्बर, 2015 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम गणित के वर्तमान आयाम में भाग लिया था।

डा. एम. हुसैन ने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा 16-19 दिसम्बर, 2015 को आयोजित 60 वें गणित काँग्रेस में भाग लिया था।

4.10.7 नयी उपाधियाँ/ व्यवसायिक सदस्यता

प्रोफेसर एल.के. अरोड़ा भारतीय विज्ञान काँग्रेस महासभा के भी सदस्य हैं।

डा. जे. बोरा भारतीय गणित समिति के सदस्य हैं।

डा. पी. देबनाथ त्रिपुरा गणित समिति के सदस्य हैं।

4.10.8 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य

गोलाकार ढाचे पर तरंग अद्विभार के प्रभाव का विश्लेषण। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की परियोजना, 3 वर्ष- दिसम्बर, 2015 से दिसम्बर, 2018. प्रद्यान अनुसंधानकर्ता- डा. एम. हुसैन।

4.10.9 आलेखों का प्रकाशन

(क) पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

डब्लू डब्लू चानू तथा बी.के. सिंह (2015), किसी प्रकार की प्रतिक्रिया के अभाव में जनसंख्या आकलन के लिए उन्नत घातांक अनुपात - सह - द्वि घातांक अनुपात अनुमान। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ एप्लीकेशन्स एण्ड प्रोबेलिटी, अंक- 4, संख्या- 1, पृष्ठ 103-111.

बी.के. सिंह, डब्लू डब्लू चानू तथा मनोज कुमार (2015), दोहरे नमूना योजना की जनसंख्या आकलन हेतु घातांक अनुपात- सह- द्वि घातांक अनुपात अनुमान। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ इस्टटिक्स एप्लीकेशन्स एण्ड प्रोबेलिटी, अंक- 4, संख्या- 1, पृष्ठ 37-51.

संजीव चौदयरी तथा बी.के. सिंह (2015), द्वि-नमूना सर्वेक्षण द्वारा जनसंख्या अनुमान हेतु द्वि- अनुपात- सह उत्पाद अनुमान विद्युत का प्रयोग। जरनल ऑफ स्टेटिक्ल थ्योरी एण्ड एप्लीकेशन्स। अंक- 14, संख्या- 2, पृष्ठ 214-221.

यातर टाटो तथा बी.के. सिंह (2015), किसी प्रतिक्रिया के अभाव में द्वि-नमूना सर्वेक्षण योजना के माध्यम से घातांक श्रंखला अनुपात- सह- श्रंखला उत्पाद की सामान्य श्रेणी। ग्लोबल जरनल ऑफ फ्रटीयर रिसर्च मेथेमेटिक्स एण्ड डिसिजन साइन्स, अंक- 15, संख्या- 7, पृष्ठ 22-35. ऑन लाइन आई एस एस एन : 2249-4626.

यातर टाटो तथा बी.के. सिंह (2015), किसी प्रतिक्रिया के अभाव में द्वि-नमूना सर्वेक्षण योजना के माध्यम से उत्पाद अनुमान की एक विशिष्ट श्रेणी। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ इस्टटिक्स इकोनोमिक्स, अंक- 19, संख्या- 2, आई एस एस एन : 0975-556 एक्स.

पी. देबनाथ (2015), संस्थागत फ्यूजी सामान्य रेखीय अंतरिक्ष में लेकूरेरी अंतराल का आदर्श परिणाम। जरनल ऑफ इन्टेलिजेंट एण्ड फ्यूजी सिस्टमस, 28(3), 1299-1306.

डी. इसी, पी. के. दास तथा पी. देबनाथ (2016), ग्राफ सहित मिट्रिक अंतरिक्ष पर जुड़बा सह-संयोग तथा जुड़बा सामान्य स्थिर बिन्दु सिद्धान्त। फिक्सड पोइन्ट थ्योरी एण्ड एप्लीकेशन्स, स्प्रिंगर, 37.

पी. देबनाथ (2016), संस्थागत फ्यूजी सामान्य रेखीय अंतरिक्ष श्रंखलाबद्ध सांख्यिकी प्रतिरूपण। एनल्स ऑफ फ्यूजी मेथेमेटिक्स एण्ड इन्फोरमेटिक्स, ऑन लाइन प्रकाशन।

4.10.10 कोई अन्य सूचना

-नहीं-

4.11 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

4.11.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

समकालीन विश्व में हमारे दृष्टिकोण को परिलक्षित करने में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी एक मुख्य कारक साबित हो रहा है। भविष्य के तकनीकीविद् के जीवन में मानव भावना के लचीलेपन को बनाये रखने के लिए मानविकी की शिक्षा का विशिष्ट महत्व है। नेरिस्ट का मानविकी व समाज विज्ञान विभाग इस संकल्पना को चरितार्थ करने के लिए मानव विचार तत्व तथा चेतना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बद्ध करने का कार्य

कर रहा है। वानिकी के साथ मानविकी व समाज विज्ञान विभाग भी पहले नेरिस्ट के प्रायोगिक विज्ञान समूह में शामिल था। वर्ष 1993 से यह पूर्ण विभाग बना जिसके अंतर्गत अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान और प्रबंधन आदि कार्यक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग ने उच्च कोटि अध्यापन कार्य, एवं संकाय सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए ख्याति प्राप्त की है। संस्थान द्वारा वर्ष 2006 में विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम आरम्भ करने के पश्चात विभाग ने "प्रतिभा को निखारने और स्वप्नों को पंख देने" के अपने विजन पर कार्य करते हुये अपने लक्ष्यों को साकार करने का कार्य किया है। यह विभाग नियमित पाठ्यक्रम अध्यापन के अतिरिक्त पूर्वोक्त के मध्यम एवं लघु उद्योगों को परामर्शी सेवायें प्रदान करने में सक्षम है। विभाग ने इस उद्देश्य को सामने रखते हुए उच्च अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए कई अल्पावधि मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन और व्याख्यान शृंखलाओं का सफल आयोजन किया है। विभाग ने बाह्य निकायों यथा: आईसीएसएसआर, आईसीएआर, मेक् आर्थर फाउन्डेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एआईसीटीई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का सफल संचालन किया है। इसके अतिरिक्त विभाग के संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन एवं संगठन व्यवहार में अध्यापन एवं शोध छात्रों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

एक विकासशील व्यक्ति को सामाजिक - सांस्कृतिक एवं मानव मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। विभाग के अनुभवी एवं युवा संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं वानिकी विशेषज्ञ छात्रों एवं तकनीकीविदों में व्यक्तित्व विकास करते हुये इन सभी सामाजिक गुणों का समावेश किया जाए ताकि सामाजिक तकनीकी दूरी को कम किया जा सके तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज के बीच एक सुदृढ़ संबंध विकसित हो सके।

4.11.2 शैक्षणिक गतिविधियां

प्रयोगशाला विकास

संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला:

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग (एचएसएस) में हाल ही में एमएचआरडी एमओडीआरओबी योजना के तहत भाषा एवं संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला विकसित किया गया है जिसका नेतृत्व प्रोफेसर बी डी नायक (पीआई) और श्री रनेन्द्र प्रसाद (को पीआई) कर रहे हैं। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एलसीडी टीवी, एलसीडी प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें 45 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग में प्रोफेसर बी डी नायक (पीआई) और श्री राजू बरठाकुर (को पीआई) के नेतृत्व में एआईसीटीई एमओडीआरओबी के तहत एक संगीष्ठी हॉल का भी निर्माण किया गया है। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एलसीडी टीवी, एलसीडी प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें 56 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

4.11.3 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

प्रोफेसर बी.डी. नायक ने याँत्रिक अभियाँत्रिकी विभाग नेरिस्ट द्वारा 25-29 अगस्त, 2014 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण विकास के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी में भाग लिया था।

4.11.4 नयी उपाधियाँ/ व्यवसायिक सदस्यता

प्रोफेसर बी.डी. नायक निम्नलिखित निकायों के जीवन पर्यन्त सदस्य हैं-
 अखिल ओड़ीसा अर्द्यशास्त्री महासभा
 भारतीय कृषि श्रम दक्षता समिति
 भारतीय तकनिकी शिक्षा समिति
 भारतीय उत्तर-पूर्वी सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
 अरुणाचल प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद

4.11.5 आलेखों का प्रकाशन

डा. बी. डी. नायक (2014), ग्रामीण विकास का वित्त समावेश में स्वयं साहयता समूहों का योगदान का अध्ययन : आसाम के लखीमपुर जिला पर एक अध्ययन। यह आलेख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर द्वारा 13-15 नवम्बर, 2014 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन संसाधन वित्त के अग्रणी में प्रस्तुत किया गया था।

4.11.6 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

प्रोफेसर बी. डी. नायक का अरुणाचल प्रदेश राज्य सहकारी संघ तथा नाबार्ड ईटानगर से निरन्तर सम्पर्क रहा है।

4.11.7 अन्य सूचनायें

(क) डा. बी.डी. नायक के मार्गदर्शन में निम्नलिखित पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान की गई थी-

- श्रीमती मिनोमय भट्टचार्य, फरवरी, 2015

आसाम की हीरा जनजाति की सामाजिक-आर्थिक स्थिति : कामरूप जिला पर एक अध्ययन।

- श्री विजय कुमार नायक, मार्च, 2015

आसाम में भारत में निर्मित विदेशी मदिरा बाजार एवं इसका भविष्य।

- श्री सरत हजारिका, फरवरी, 2015

आसाम के सामाजिक-आर्थिक उत्थान में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना का प्रभाव : ऊपरी असम के उत्तरी जिलों का सर्वेक्षण।

संकाय सदस्यों द्वारा प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन

प्रोफेसर बी.डी. नायक : प्रभारी, विभागिय सभागार

डा. पी.आर. परीदा : विभागध्यक्ष एवं परीक्षा नियंत्रक

श्री रानेन्दु प्रशाद : प्रभारी, कम्प्यूटर प्रयोगशाला तथा संचार कौशल प्रयोगशाला

डा. श्यामली सिंहा : अध्यक्ष, नेरिस्ट के.जी विद्यालय
 श्री राजू बरठाकुर : प्रभारी, इन्टरफेस, नेरिस्ट न्यूज लेटर
 सदस्य, पुस्तकालय सलाहकार समिति
 सलाहकार, प्रशिक्षण एवं नियोजन

4.12 प्रबंधन अध्ययन केन्द्र

4.12.1. केन्द्र का संक्षिप्त परिचय

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना 4 नवम्बर, 2009 को एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में प्रबन्धन कार्यक्रमों के संचालन के लिये की गई थी। संस्थान द्वारा वर्ष 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के पश्चात, जुलाई, 2006 में मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के तहत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिग्री आरम्भ करने के सपने को साकार करते हुए संस्थान ने अरुणाचल प्रदेश में सर्वप्रथम एम.बी.ए. कार्यक्रम आरम्भ करने वाले संस्थान का गौरव प्राप्त किया। प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य भावी प्रबन्धकों एवं क्षेत्र के नीति निर्धारकों को विश्वस्तर की प्रभावशाली प्रबन्धन की शिक्षा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान करना है। सीएमएस का लक्ष्य स्थानीय प्राथमिकताओं को साथ में रखते हुए वैश्विक दृष्टि और स्थानीय मूल्यों के साथ वैश्विकता का तालमेल बिठाना है। प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र एक स्वतन्त्र केन्द्र होने के कारण क्षेत्र के भावी प्रबन्धकों को प्रबन्धन के अनेक आयामों जैसे मानव संसाधन प्रबन्धन, वाणिज्य प्रबन्धन, प्रणाली प्रबन्धन, वित्त प्रबन्धन तथा उद्यमिता विकास की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहा है।

नियमित एम बी.ए. कार्यक्रम के अलावा विभाग की अन्य गतिविधियां निम्नवत हैं:

- प्रबन्धन में पीएच .डी .
- शासकीय अधिकारियों व प्रबन्धकों के लिये प्रबंधन विकास कार्यक्रम
- विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिये व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- औद्योगिक ईकाइयों के लिये उन्हीं के स्थान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- प्रोत्साहन कार्यशाला
- प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में परामर्शी सेवा

अध्ययन केन्द्र में बौद्धिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिये नेरिस्ट प्रबन्धन फोरम (मॉफॉन) का गठन किया गया है, जिसके सदस्य केन्द्र के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक गण हैं। मॉफॉन का कार्य विशिष्ट व्याखानों, समूह विवेचनाओं व प्रबन्ध विकास गतिविधियों का आयोजन करना है।

वर्ष 2015-16 के दौरान केन्द्र में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित कुछ प्रसिद्ध वक्ता हैं:

- डॉ. के सोटेचांद, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, आरजीयू, दोड़मुख
- श्री ए चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, आरजीयू, दोड़मुख
- श्री एस के शर्मा, सम्बद्ध प्रोफेसर, डी एन कालेज, इटानगर

सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के साथ प्रबन्धकों के सृजन का उद्देश्य सफल होता दिख रहा है और अब तक केन्द्र से उत्तीर्ण कुल 5 बैचों के विद्यार्थियों को उद्योग जगत ने सहर्ष स्वीकार किया है।

4.12.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

अध्यापन कार्य के विषय

डा. एम.एम. माल

एम बी- 7186, 8151, 8110, 8111, 8109, 7207 तथा एम बी 8210

डा. एस. चौधरी

एम बी- 6004, 7103, 7101, 7105, 8102, 8103, 8201, 8231 तथा एम बी 8235

4.12.3 प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन

डा. एम.एम. माल - विभागध्यक्ष

डा. एस. चौधरी - सलाहकार, नियोजन एवं प्रशिक्षण

सदस्य, शैक्षिक समिति

सदस्य, केन्द्रीय पुस्तकालय सलाहकार समिति

प्रोफेसर आर.एम. पन्त

- सदस्य, मुख्य समूह, राष्ट्रीय जीवन निर्वाह मिशन अरुणाचल प्रदेश
- नियमित निदेशक के छुट्टी पर होने पर समय-समय पर संस्थान के निदेशक
- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, गुवाहाटी के निदेशक पद पर पदस्थापित
- आप तेजपुर विश्वविद्यालय में 6 नम्बर, 2015 को बाह्य परीक्षक थे।
- आप ब्रह्मपुत्र बोर्ड द्वारा आयोजित सहायक अद्वितीय अभियन्ता के सलाहकार में 19 नम्बर, 2015 को चयन समिति के सदस्य थे।
- आपने मणिपुर विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, तथा जयाती बिद्यापीठ, जयपुर में पीएच.डी. शोध्य ग्रन्थों का मूल्यांकन किया था।

4.12.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम, रोल क्रमांक	परियोजना
1.	कु.दीपशिखा शर्मा, बरुआ एम बी ए/13/01	अरुणाचल प्रदेश के निजी बैंकों की असफलता के निवारण हेतु उपाय
2.	श्री राकेश कुमार महतो एम बी ए/13/02	अरुणाचल प्रदेश के राजदयानी क्षेत्र के निदेशकों की शेयर बाजार के बारे में
3.	श्री जपोर सिंह लान्डोह माओपलांग एम बी ए/13/03	अरुणाचल प्रदेश में किवी का उत्पादन, एवं पूरे भारत वर्ष में इसका विवरण सह-खपत।
4.	श्री दीपलोती राय एम बी ए/13/05	दवा उद्योग की वितरण श्रंखसा निचले आसाम की कमनियां
5.	श्री रूबू दुउ एम बी ए/13/07	अरुणाचल प्रदेश में ऑन लाइन खरीद के प्रति ग्राहकों की संतुष्टी
6.	कु. रोहिता सिंह एम बी ए/13/08	कर्मचारियों के नियोजन की निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको की तुलना

7.	श्री सरंग कुमार नाथ एम बी ए/13/09	आमम के स्थानिय ग्रामीण बैंकों की ारय प्रणाली
8.	श्री डोन गावो एम बी ए/13/10	अरुणाचल टाइम्स में स्थान विक्रम नीति
9.	श्री जबन चन्द्र सिंह एम बी ए/13/12	अरुणाचल प्रदेश के व्यक्तियों में लाभ वितरण के लिए उद्योग सामाजिक दायित्व का योगदान
10.	कु. चांदनी दवी एम बी ए/13/13	कर्मचारी पर संगठनात्मक दबाव:: निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको का तुलनात्मक अध्ययन
11.	कु. दीपा सरकार एम बी ए/13/14	नेरिस्ट में छात्रों के मूल्यांकन हतु प्रौद्योगिकी का उपयोग
12.	कु हेज ओन् एम बी ए/13/15	निशान मोटर्स नाहारलागुन की विक्रम नीति; एक अध्ययन
13.	श्री हुनवांग नोकबी एम बी ए/13/19	व्यवसायिक चरित्र हेतु सूचनायें, आदेर तथा लेखा परीक्षण दायित्व

छात्रों का ग्रीष्म कालिन परीक्षण जून से 15 जुलाई, 2015

विभाग के 19 छात्रों को सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, बैंकों व संगठनों में प्रशिक्षण हेतु भेजा गया था।

4.12.5 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य

- एशिया के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ ग्राम की सफलता : भावलांग गांव का अध्ययन।
- स्वायत्त जिला परिषद की विकास योजनाओं का अध्ययन।
- पंचायती राज्य के तहत सस्थानो का गठजोड एवं वित : उत्तरी सिक्किम के लाचेन व लाचुंग गांव का अध्ययन।

4.12.6 आलेखों का प्रकाशन

पुस्तक

प्रोफेसर आर. एम. पन्त तथा डा. एम.के. श्रीवास्तव, डवलपमेंट प्रोस्पेक्टीव इन नोर्थ इस्ट इण्डिया : ए होलास्टीक ओवर व्यू, आकांशा प्रकाशन, नयी दिल्ली, आई एस बी एन 978-81-8370-461-8.

(क) पुस्तकों में अध्याय

प्रोफेसर आर.एम. पन्त (2015), ईश्वर के बगीचे भावलांग में, ओपिनियन पोस्ट, नवम्बर, 1-15 2015, नयी दिल्ली।

प्रोफेसर आर.एम. पन्त, आशा नान्डींग तथा एस. चौधरी (2015), अरुणाचल प्रदेश की विकास गतिविधियों का निजीकरण एवं एकट ईस्ट नीति की सफलता। पुस्तक- लुक इस्ट पोलिसी- प्रोस्पेक्टीव फरोम साउथ इस्ट एशियन आर्टिटेक्चर। सम्पादक- ए. भट्टाचार्य, प्रकाशक- एकसील इण्डिया प्रकाशन, नयी दिल्ली।

आशा नान्डींग तथा एस. चौधरी; अरुणाचल प्रदेश में महिला उदयमी : आशा की एक किरण। पुस्तक- डवलपमेंट प्रोस्पेक्टीव इन नोर्थ इस्ट इण्डिया : ए होलास्टीक ओवर व्यू, सम्पादक- डा. आर.एम.

पन्त तथा डा. एम.के. श्रीवास्तव। प्रकाशक- आकांशा प्रकाशन, नयी दिल्ली, आई एस बी एन 978-81-8370-461-8.

एस. चौधरी तथा संदीप दत्ता (2016), सार्वजनिक- निजी क्षेत्र का तकनीकी श्रमशक्ति के समावेश स संवर्द्धन: अरुणाचल प्रदेश के लिए एक अध्ययन। पुस्तक- डवलपमेंट प्रोस्पेक्टिव इन नोर्थ इस्ट इण्डिया : ए होलास्टीक ओवर व्यू, प्रकाशक- आकांशा प्रकाशन, नयी दिल्ली। सम्पादक- डा. आर.एम. पन्त तथा डा. एम.के. श्रीवास्तव। आई एस बी एन 978-81-8370-461-8.

शिवब्रत चौधरी, राजीव मोहन पन्त, सैबाल चटर्जी, आशा नान्डींग; जैव पर्यटन हेतु जीरो के महत्व को रेखांकित करना। पुस्तक- बायो प्रोस्पेक्टिव ऑफ इन्जीनियर्स बायो रिसोर्सेज ऑफ नोर्थ इस्ट इण्डिया। स्प्रिंगर- सिंगापुर, डी ओ आई 10-1007/ 978-981-10-0620-0-21

आदित्य बोरबरा, मधुलिका गौगोई बोरबरा, शिवब्रत चौधरी, माझुली में पर्यावरण पर्यटन की सम्भावनायें। पुस्तक- बायो प्रोस्पेक्टिव ऑफ इन्जीनियर्स बायो रिसोर्सेज ऑफ नोर्थ इस्ट इण्डिया। डी ओ आई 10-1007/ 978-981-10-0620 स्प्रिंगर- सिंगापुर।

(ख) जरनलों में प्रकाशित आलेख

आदिकान्ता परीदा, शिवब्रत चौधरी, सैबाल चटर्जी, देबाशिस चटर्जी (2016), तकनीकी संस्थाओं की ऊर्जा दक्षता हेतु नियम आदयारित ऊर्जा वितरण व्यवस्था : एक अध्ययन। एनर्जी एण्ड विल्डिंग, एक्सवेयर, अंक- 126, 15 अगस्त, 2016, पृष्ठ 508-516.र

आदिकान्ता परीदा, शिवब्रत चौधरी, सैबाल चटर्जी, देबाशिस चटर्जी (2016), ऊर्जा मांग प्रबन्ध्य हेतु मूल्य प्रभावी नवीनीकरणीय ऊर्जा एवं उत्पादन उद्योग। कोजेन्ट इन्जीनियरिंग, अंक- 3 संख्या- 1, 2016

आदित्य बोरबरा, मधुलिका गौगोई बोरबरा, शिवब्रत चौधरी, माझुली में पर्यावरण पर्यटन की सम्भावनायें। पुस्तक- बायो प्रोस्पेक्टिव ऑफ इन्जीनियर्स बायो रिसोर्सेज ऑफ नोर्थ इस्ट इण्डिया। डी ओ आई 10-1007/ 978-981-10-0620 स्प्रिंगर- सिंगापुर।

मनमोहन माल (2015), खुली खदानों में उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारक : एक विवेचना। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ एडवॉन्सड ओपरेशन मैनेजमेंट, इन्डरसाइन्स पब्लिसर्स, (मुद्रण की प्रक्रिया में)

मनमोहन माल (2015), कार्य स्थल पर व्यवधान कोन करता है- भारतीय प्रतिपादन उद्योग के कुछ तथ्य। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ प्रोडक्टीवटी एण्ड क्वालिटी मैनेजमेंट (मुद्रण की प्रक्रिया में)

मनमोहन माल (2015), जीवन बीमा एवं विकास का तालमेल- भारत के विशिष्ट सदर्थ में। आस्ट्रेलियन जरनल ऑफ बिजनेस एण्ड मैनेजमेंट रिसर्च (स्वीकृत)

मनमोहन माल (2015), आसाम के कच्छर जिला में मतस्य पालन किसानों की कठिनाईयाँ। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ इन्जीनियरिंग, टेक्नोलोजी, मैनेजमेंट एण्ड एप्लाइड साइन्स, अंक-3 संख्या-3 पृष्ठ 27-33

मनमोहन माल (2015), उद्यमता विकास के स्तम्भ: आसाम के कच्छर जिला के मतस्य किसानों पर एक एक अध्ययन। जरनल-ग्लोबल ऑफ इकोनोमिक्स, मैनेजमेंट एण्ड बिजनेस रिसर्च, अंक-3 संख्या-2 पृष्ठ 49-56.

विजय लक्ष्मी शर्मा तथा रहमान जेड (2016), आभूषणों का डिजाइन: ग्राहकों के संवर्द्धन का भारत में एक साध्यन। ग्लोबल बिजनेस रिब्यू, सेज पब्लीकेशन, प्रकाशन अद्यिभार प्रदान किया गया।

शर्मा बी., यू.आई इस्लाम तथा रहमान जेड (2016), मंगलदीप- भारत में पनपता हुआ प्रचलन। साउथ इण्डियन जरनल ऑफ मैनेजमेंट, अंक-5 संख्या-1 आई एस बी एन 2277-9779 सेज पब्लीकेशन।

शर्मा बी., रहमान जेड (2015), वहनियता, सामाजिक दायित्व तथा मूल्य निस्पादन : एक अध्ययन। सोसल एण्ड विहरेवियल साइन्स, 189, 314-319, एक्सवेयर प्रकाशन।

(ग) सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित आलेख

आशा नान्डींग तथा एस. चौधरी (2016), ग्रामीण योजनाओं का प्रसार एवं उत्तर पूर्वी राज्यों का विकास। यह आलेख विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से आयोजित राष्ट्रीय संगोशठी में मुख्य सम्बोद्धन के रूप में प्रस्तुत किया गया था। तेजपुर विश्वविद्यालय, 4-5 मार्च, 2016.

आशा नान्डींग तथा एस. चौधरी (2016), आसाम नये आयम। यह आलेख पूर्वोत्तर के उत्थान हेतु आयोजित कार्यक्रम मे मुख्य अभिभाषण के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

आर.एम. पन्त (2015), पूर्वोत्तर राज्यों के विकास में तकनिकी शिक्षण संस्थानों की भूमिका। यह आलेख सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नागालैंड शासन द्वारा 15 मई, 2015, को आयोजित ई-मेगा सम्मीट में प्रस्तुत किया गया था।

आर.एम. पन्त (2015), कामगार नियोजन स्थायित्व। यह आलेख विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा पीएच.डी छात्रों के समीक्षा कार्यक्रम मे 18 अगस्त, 2015 को प्रस्तुत किया गया था।

आर.एम. पन्त (2015), वहनिय विकास। यह आलेख राष्ट्रीय ग्रामीण विकास पंचायती राज संस्थान, गुवाहटी में 5 अक्टूबर, 2015 को हिमालय पर्यावरण विकास संस्थान, कोशी कटारमल, अलमोड़ा द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे प्रस्तुत किया गया था।

आर. एम. पन्त (2015), वाणिज्य एवं विज्ञान। यह आलेख विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा 26-27 फरवरी, 2015 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अभिभाषण के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

4.12.7 अन्य सूचनार्यें

- दो छात्रों को डा. मनमोहन माल के मार्गदर्शन में पीएच.डी. उपाध्यियाँ प्रदान की गई थी।
- विभाग में पांच छात्र अब भी पीएच.डी. कर रहे हैं।
- डा. मनमोहन माल ने तीन पीएच.डी.शोध्य ग्रन्थों का मूल्यांकन किया था, जोक मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम, बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, बाराणसी तथा तेजपुर विश्वविद्यालय से थी।
- डा. विजय लक्ष्मी शर्मा ने लघु व मध्यम उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार से पीएच.डी अनुसंधान पुरस्कार, 2016 में प्राप्त किया था। आप सिरडकुल, हरिद्वार, उत्तराखंड में लघु उद्योग स्थापना परियोजना पर भी कार्य कर रही हैं।
- विभाग के संकाय सदस्यों ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय तथा डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय से प्राप्त पीएच.डी प्रस्तावों का मूल्यांकन किया था।

अनुभाग-5

केंद्रीय सुविधाएँ, सेवाएँ और गतिविधियाँ

5.1 केंद्रीय पुस्तकालय

1. कर्मचारी संरचना

क) पुस्तकाध्यक्ष	-	01
ख) सह पुस्तकाध्यक्ष	-	02
ग) सार्टर	-	01
घ) अनुसचिवीय	-	01
ङ) जेरक्स ऑपरेटर	-	02
च) सहायक	-	01
छ) चपरासी	-	03
		12

2. पुस्तकें व पत्रिकाएं

31.3.16 तक पुस्तकें = 63265

31.03.2016 तक जर्नल्स - भारतीय-95 (अनुबंध-1)

3. ई-संसाधन / पत्रिकाएं

(क) इंडेस्ट कंसर्सियम के कोर सदस्य होने के नाते नेरिस्ट के संकाय सदस्य तथा विद्यार्थी निम्नलिखित ई-रिसोर्स प्राप्त कर सकते हैं:

01. ए सी एम डिजिटल पुस्तकालय 1139 शीर्षक
02. ए एस सी ई ऑनलाइन पत्रिकाएँ 35 शीर्षक
03. ए एस एम ई ऑनलाइन पत्रिकाएं 28 शीर्षक
04. प्रकृति

क) नेरिस्ट पुस्तकालय ने ई-रिसोर्स, आईईएल/आईईईई ऑनलाइन, साइंस डायरेक्ट, स्प्रिंगर एंड जीएसटीओआर वेबसाइट सब्सक्राइब किया है

- i) आई ई एल / आई ई ई ई- 464 शीर्षक
- ii) साइंस डायरेक्ट- 579 शीर्षक
- iii) स्प्रिंगर- 1400 शीर्षक
- iv) जीएसटीओआर

4. पुस्तक बैंक: उपर्युक्त के अतिरिक्त केंद्रीय पुस्तकालय में एक पुस्तक बैंक की स्थापना की गई है। आरंभ में इसका वित्तपोषण एनईसी द्वारा किया गया था। बाद में इसे उन्नत करने और पाठ्यक्रम के अनुसार नई

पुस्तकों के संकलन के लिए नेरिस्ट द्वारा आवश्यक फंड उपलब्ध किया गया। विद्यार्थियों को एक सत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों के लिए एक सेट पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं।

माँड्यूल वार उपलब्ध पुस्तकों की संख्या निम्नवत है :

1. प्रमाण पत्र मड्यूल	: 10522 - 154 शीर्षक
2. डिप्लोमा मड्यूल	: 12142 - 208 शीर्षक
3. डिग्री मड्यूल	: 12324 - 270 शीर्षक
4. डिग्री वानिकी	: 2650 - 100 शीर्षक

कुल : 37638 शीर्षक

5. विभागीय पुस्तकालय : सभी 11 विभागों में विभागीय पुस्तकालय बनाई गई हैं। विभागों को लिए पुस्तकों की खरीद पुस्तकालय द्वारा ही की जाती है। विभागवार खरीदी गई पुस्तकों की संख्या निम्नवत है:

i) भौतिकी	= 29	ii) रसायन	= 86	iii) गणित	= 632
iv) मानविकी	= 252	v) कृषि अभियांत्रिकी	= 275	vi) सिविल	= 111
vii) विद्युत	= 118	viii) ईलेक्ट्रिकी	= 434	ix) कंप्यूटर अभियांत्रिकी	= 234
x) यान्त्रिकी	= 190	xi) वानिकी	= 71		

6. पुस्तकालय स्वचालन: ओपीएस व व्यवहार, ऑनलाइन सार्वजनिक उपयोग उपलब्ध है।

7. भारतीय मानक : पुस्तकालय में बीआईएस द्वारा प्रकाशित भारतीय मानकों का सम्पूर्ण सेट सीडी रॉम में उपलब्ध है।

8. वर्तमान जागरूकता सेवा: पुस्तकालय की ओर से नवीन अतिरिक्त सूची, सावधिक सेवाओं के विषय, पेपर क्लिपिंग आदि संस्थान के विभिन्न विभागों को उपलब्ध कराया जाता है।

9. ए-वी सामग्री: विभिन्न विभागों के लिए 139 डीवीडी "वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम" खरीदे गए।

10. संस्थागत सदस्य : 1. इंडियन लिक्विड क्रिस्टल सोसाइटी, बंगलुरु, 2. काजीरंगा वाइल्ड लाइफ सोसाइटी, असम, 3. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली

1. पुस्तकालय समय	: सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक (सोम-शुक्र), शनिवार 9.00-5.00 तक
2. सदस्यता	: सभी अधिकारी/ कर्मचारी, विद्यार्थी

संस्थान के प्रत्येक सदस्य को जारी किए जाने वाले कार्डों की संख्या निम्नवत है:

क) संकाय सदस्य	प्रत्येक सदस्य को 15 कार्ड
ख) तकनीकी स्टाफ	प्रत्येक सदस्य को 5 कार्ड
ग) अधिकारी	प्रत्येक सदस्य को 3 कार्ड

विद्यार्थी

क. प्रमाण पत्र	: प्रत्येक को 3 कार्ड
ख. डिप्लोमा	: प्रत्येक को 4 कार्ड
ग. उपाधि	: प्रत्येक को 5 कार्ड
घ. एम. टेक.	: प्रत्येक को 6 कार्ड
ड. एम बी ए	: प्रत्येक को 6 कार्ड

11. औसत परिचालन जारी/ वापसी

सत्र के प्रारम्भ के (6 दिनों) में प्रत्येक दिन 400-600 पुस्तकें और एक माह के पश्चात प्रत्येक दिन 400-600 पुस्तकों का नवीकरण। जारी/वापसी का कुल औसत 60-100 पुस्तकें प्रत्येक दिन

12. समाचार पत्र

7 प्रति दिन

पुस्तकालय सलाहकार समिति सदस्य

क्र सं	नाम	विभाग	सदस्य
1	प्रोफेसर पी आर एलापाति	भौतिकी	अध्यक्ष
2	डॉ. एस. एल. भारती	रसायन विज्ञान	सदस्य
3	डॉ. एस. सहरिया	भौतिकी	सदस्य
4	डॉ. पी. देबनाथ	गणित	सदस्य
5	डॉ. अवधेश कुमार	वानिकी	सदस्य
6	डॉ.एस. के. भगत	विद्युत अभि.	सदस्य
7	श्री मनीष कुमार	इले. व सं अभि.	सदस्य
8	श्री एम एम सिंह	कं विज्ञान व अभि.	सदस्य
9	डॉ. पी. के. पाँडे	कृषि अभि.	सदस्य
10	श्री राजू बरठाकुर	मान. व स. विज्ञान	सदस्य
11	डॉ. एस एम खान	यांत्रिक अभि.	सदस्य
12	श्री ए के गुप्ता	पुस्तकाध्यक्ष	सदस्य सचिव

इंडेस्ट समिति सदस्य

क्र सं	नाम	विभाग	सदस्य
1	प्रोफेसर पी आर एलापाति	भौतिकी	अध्यक्ष
2	डॉ. एस. एल. भारती	रसायन विज्ञान	सदस्य
3	डॉ. शैबाल चटर्जी	विद्युत अभि.	सदस्य
4	डॉ. पी. के. पाँडे	कृषि अभि.	सदस्य
5	श्री राजू बरठाकुर	मान. व स. विज्ञान	सदस्य
6	श्री अमर तागु	कं विज्ञान व अभि.	सदस्य
7	श्री एस मजूमदार	इले. व सं अभि.	सदस्य
9	डॉ. एम. चन्द्रशेखरन	यांत्रिक अभि.	सदस्य
10	डॉ. पी. देबनाथ	गणित	सदस्य
11	श्री एम. एम. माल	सी एम एस	सदस्य
12	डॉ. अकबरी जहान	भौतिकी	सदस्य
13	श्री ए के गुप्त	पुस्तकाध्यक्ष	सदस्य
14	डॉ. सुरेश कुमार सिंह	वानिकी	सदस्य सचिव

5.2 प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष

5.2.1 परिचय

प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष की स्थापना वर्ष 1991 में की गई थी। यह कक्ष छात्रों को उनके कौशल एवं ज्ञान के अनुसार, परिसर साक्षात्कारों के माध्यम से नियोजन प्राप्त करने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। छात्रों के नियोजन का निरन्तर प्रयास करते हुये संस्थान के पूर्व-अन्तिम एवं अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें उनको साक्षात्कारों में भाग लेने एवं रोजगार चयन प्रक्रिया का पूरा ज्ञान प्राप्त करने में आसानी हो और वे उद्यमान एवं उच्च श्रेणी के संगठनों के रोजगार प्राप्त कर सकें।

5.2.2 गतिविधियों का विवरण

प्रशिक्षण

इस अनुभाग ने आई, सीएस, ईई, ईसीई, और एमई के पूर्व-अन्तिम वर्ष बी.टेक. के विद्यार्थियों के लिए 2 जून से 1 जुलाई 2015 तक, 30 दिनों का तथा सिविल अभियांत्रिकी एवं एमबीए के विद्यार्थियों के लिए 2 जून से 16 जुलाई तक 45 दिनों का औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जो उनके पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है। वर्ष 2015 के दौरान संस्थान के छात्र ग्रीशम कालीन प्रशिक्षण के लिए आईआईटी गुवाहाटी, एनएचपीसी, आईओसी (कोलकाता, डिगबोई, गुवाहाटी), ओएनजीसी, एनटीपीसी, बीएसएनएल, सीएफएमटीटीआई, एनईएसएसी, एमईईसीएल, डीआरडीओ, एनआरएफएमटीटीआई, एचआईएसएएआर, नेरिम, नेरीवालाम, आईसीएआर (शिलांग) पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, राज्य लोक निर्माण विभाग, और ऊर्जा विभाग में गए।

नियोजन

अनुभाग ने संस्थान के बी.टेक., बी.एससी., एम.एससी. (वानिकी) एवं एम बी ए. के छात्रों के लिए परिसर साक्षात्कारों का आयोजन संस्थान में तथा संस्थान के बाहर किया था। साक्षात्कार के लिए आने वाले संगठनों के अधिकारियों को नेरिस्ट में सभी प्रकार की सुविधायें प्रदान की गईं। छात्रों के लिए तेजपुर विश्वविद्यालय, एसआईटी सिलीगुड़ी, और असम अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गुवाहाटी में भी पल केम्पस साक्षात्कारों की भी व्यवस्था की गई। हमारे संस्थान में साक्षात्कारों का आयोजन करने वाले संगठनों में भारतीय सेना, आईबीएम, विप्रो, टेक महिंद्रा, एल एंड टी इन्फोटेक, फेस, जालोनी, एक्सिस बैंक, आदि शामिल थे।

उल्लेखनीय बातें

हमारे विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया की कठिनाइयों को देखते हुए बी.टेक. अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए मैसर्स. को-क्यूबस, बैंगलुरु से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 26-27 सितम्बर, 2 अक्टूबर व 9 दिसम्बर, 2015 को किया गया था। संस्थान में ऑन लाईन परीक्षण सुविधाओं का अभाव है, इस प्रकार के परीक्षण में छात्र अपने लेपटॉप का प्रयोग करते हैं।

5.3 प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवार्य (एस आर आई सी)

5.3.1 परिचय

प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष की स्थापना नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल की दिनांक 25.8.2001 को आयोजित 51 वी सभा के अनुमोदन के अनुसार की गई थी। इस अनुभाग की स्थापना का उद्देश्य संस्थान में प्रायोजित अनुसंधान सलाहकार सेवाओं का सुचारु ढंग से संचालन करना है। इस समय कक्ष के प्रभारी एक प्रोफेसर हैं, उनकी सहायता के लिए एक सहायक तथा चपरासी भी इस कक्ष में सम्बद्ध हैं। वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी आदि सभी विभागों की परियोजनाओं से संबन्धित वित्त मामलों की देखरेख वित्त अनुभाग करता है।

5.3.2 वर्तमान गतिविधियाँ

इस समय नेरिस्ट के विभिन्न विभागों द्वारा 32 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक परियोजना एक मुख्य अनुसंधानकर्ता की देखरेख में चल रही है और प्रायोजकों के निर्देशानुसार उनमें अन्य कार्मिक शामिल किए गए हैं।

5.4 निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम कक्ष

5.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

- क. योग्य एवं कुशल छात्रों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एवं अन्य निकायों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों की सूचना प्रदान करना।
- ख. संकाय सदस्यों को सरकार/प्रायोजन एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी उपलब्ध कराना ताकि संकाय सदस्य पुस्तक लेखन/सामग्री की तैयारी के लिए अनुदान प्राप्त कर सकें।
- ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना एवं आवेदन प्रपत्र संकाय सदस्यों को प्रदान करना।
- घ. संकाय सदस्यों को उद्योग जगत द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रायोजन के लिए प्रोत्साहित करना।

5.4.2 गतिविधियों का विवरण

- क. इस अवधि के दौरान संस्थान के अनेक संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों/कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- ख. नेरिस्ट के विभिन्न विभागों ने भी इस अवधि के दौरान कई लघु अवधि कार्यक्रमों का आयोजन किया।

5.5 केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट

केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट के विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी श्रेष्ठता प्रदर्शित की। हमारे विद्यार्थी न केवल शैक्षिक क्षेत्र में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी काफी अच्छे हैं, इस बात का प्रमाण निम्नलिखित उपलब्धियों में देखा जा सकता है:

1. विद्यालय के दसवीं का परीक्षा परिणाम 100% रहा

विद्यालय के दसवीं कक्षा में वर्ष 2016 के दौरान कुल 48 विद्यार्थी थे और उत्तीर्ण प्रतिशत शत प्रतिशत रहा। उल्लेखनीय है कि दो छात्रों ने 10 सीजीपीए , ए-1 ग्रेड प्राप्त किया।

2. विद्यालय के बारहवीं का परीक्षा परिणाम अच्छा रहा, जिसमें एक छात्र मा. आसुतोष नें 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए आई आई टी में प्रवेश प्राप्त किया तथा छात्रा दीपिका बाबू नें चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया।

3. अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में भी हमारे विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की चार छात्राओं नें भारत स्काउट व गार्ड का राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त किया।

4. श्रीमती मधुलिका मधु को महामहीम राष्ट्रपति नें राष्ट्रीय पुरस्कार सें सम्मानित किया था।

5.6 नेरिस्ट बाल विद्यालय

5.6.1 परिचय

नेरिस्ट बाल विद्यालय की स्थापनावर्ष 1992 में किया गया था। इसका उद्देश्य नेरिस्ट कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के बच्चों को समूह गतिविधियों एवं विद्यालय पूर्व की शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय स्वयं वित्त-पोषित है और न लाभ, न हानि आधार पर चलता है। वर्तमान इस विद्यालय में तीन कक्षाएँ हैं : प्ले क्लास, एलकेजी और यूकेजी।

कक्षा	विद्यार्थी संख्या	प्रवेश के लिए न्यूनतम उम्र
प्ले	16	2.5 वर्ष
एल के जी	45	3 वर्ष
यू के जी	45	4 वर्ष

विद्यालय का ढांचा

श्रीमती मिनाक्षी रोड़ा,	प्राचार्य सह अध्यापिका
श्रीमती मिन्टू सरकार	सहायक अध्यापिका
श्रीमती ज्योती देउमाली	सहायक अध्यापिका
श्रीमती आदम बागे	सहायक अध्यापिका
श्रीमती रूपा खरघरिया	सहायक अध्यापिका
कुमारी मामोनी क्षेत्री	सहायक अध्यापिका
श्रीमती राधे जेलियाँग	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती गीता मिली	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती रेणू स्वर्गयारी	गैट शिक्षण कर्मचारी

5.6.2 विद्यालय में आयोजित गतिविधियों का व्यौरा

शिशुओं के समग्र विकास के उद्देश्य से अकादमिक सत्र (अप्रैल 2015-मार्च 2016) के दौरान शिशु स्तरीय शिक्षण के अलावा विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित की गईं। बचपन से ही देशभक्ति का जज्बा जगाने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय त्यौहारों का भी पालन किया गया। बच्चों के बालमन में प्रतियोगिता की स्वस्थ भावना पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जो निम्नवत हैं :

- चित्रकला प्रतियोगिता
- सुलेख प्रतियोगिता
- फ्रैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता
- कविता आवृत्ति प्रतियोगिता
- कहानी बोलने की प्रतियोगिता

विद्यालय में 14 नवंबर, 2015 बाल दिवस के दिन वार्षिक समारोह मनाया गया। बच्चों के शारीरिक विकास के लिए 26 जनवरी, 2016 को खेलों का आयोजन किया गया। मनोरंजन के लिए स्कूलम पिकनिक का भी आयोजन किया गया। शिक्षक अभिभावक मुक्त बातचीत के लिए शिक्षक-अभिभावक बैठकों का भी आयोजन किया गया।

5.6.3 उल्लेखनीय बातें

विद्यालय के लिए स्थान, भवन आदि बुनियादी सुविधाएं नेरिस्ट प्राधिकारी द्वारा मुहैया कराई गई हैं और इसका देखरेख भी नेरिस्ट प्रबंधन ही करता है। विद्यालय में आवश्यक सभी शिक्षण सहायक सामग्री, शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए इंडोर-आउटडोर खेल तथा अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एक बड़े खेल का मैदान, सभी उचित सुविधाओं से युक्त शिशु उद्यान आदि शामिल हैं। क्लास रूम शिक्षण के लिए गुड़िया, तिपहिया साइकिल, स्लाइड, चार्ट, दृश्य-श्रव्य व्यवस्था, कंप्यूटर, इंडोर खेल आदि की अच्छी सुविधा है।

5.6.4 समिति सदस्यों के सूची

विद्यालय एक प्रबन्धन समिति की देख-रेख में कार्य करता है, जिसके अध्यक्ष का नॉमाकन संस्थान के निदेशक महोदय करते हैं। इस समिति में एनएफए, एनटीएसयू के सदस्य भी शामिल हैं तथा इसके सदस्य सचिव प्राचार्य सह अध्यापिका हैं ।

समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं -

डॉ. ए. भद्रा	अध्यक्षा
डॉ. दीपिका देवी	एन एफ ए प्रतिनिधि
श्री टी. देबनाथ	एन ई ए प्रतिनिधि
श्री नबम हरी	एन ई ए प्रतिनिधि
श्रीमती मिनाक्षी रोड़ा,	प्राचार्या, केजी स्कूल

5.7 परिवहन अनुभाग

5.7.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान के विविध परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से वर्ष 1987 में परिवहन अनुभाग (टीपीटी) स्थापित किया गया। इस अनुभाग में वर्तमान 03 बड़ी गाड़ियाँ और 10 छोटी गाड़ियाँ अच्छी स्थिति में हैं। यह अनुभाग संस्थान की सभी परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करता है, यथा: उच्च अधिकारियों, विद्यार्थियों (कक्षा में जाने के लिए) के लिए परिवहन सेवा, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के चिकित्सा सेवा के लिए, सुरक्षा पहरा आदि। अनुभाग समय पर परिवहन उपलब्ध कराने, इसकी पीओएल आवश्यकताएँ, सभी गाड़ियों का रख रखाव आदि का काम देखता है।

5.7.2 उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएँ

सामान्यतः परिवहन अनुभाग अपने अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों के लिए नेरिस्ट परिसर के अंदर और परिसर के बाहर यातायात सुविधा उपलब्ध कराता है। नियमित यातायात सेवाओं का विवरण निम्नवत है:

- I. निदेशक, कुलसचिव और संकायाध्यक्षों के आवागमन के लिए परिवहन की व्यवस्था
- II. नेरिस्ट के अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों तथा परिवार के सदस्यों के लिए चौबीस घंटे एंबुलेंस सेवा
- III. शारीरिक रूप से असमर्थ विद्यार्थियों को कक्षा में आने जाने की व्यवस्था
- IV. नेरिस्ट के विद्यार्थियों को डिग्री ब्लॉक में कक्षा में भाग लेने के लिए नई यातायात सुविधा (सुबह 7:45 से शाम 5:05 तक)
- V. नेरिस्ट के अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों की सुविधा के लिए छूट दर के साथ परिवहन सेवा
- VI. कर्मचारियों के बच्चों के लिए केवी, केजी और वीकेवी विद्यालय आने जाने के लिए टाइप। भवन और मुख्य केम्पस से परिवहन सेवा
- VII. रात्रि सुरक्षा पहरा

इन सेवाओं के अलावा आवश्यकतानुसार परिवहन अनुभाग निम्नलिखित सेवाएँ भी उपलब्ध कराता है:

- विभिन्न संगोष्ठी/सम्मेलनों/अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/परिसर साक्षात्कार आदि के लिए विशेषज्ञों/प्रतिभागियों के आने जाने की सुविधा।
- विद्यार्थियों के अध्ययन यात्रा, क्षेत्र दौरा, औद्योगिक भ्रमण, विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किए जाने वाले तकनीकी उत्सवों/कार्यशालों के लिए यातायात की व्यवस्था
- एनसीसी, एनएसएस और दीक्षांत समारोह आदि कार्यक्रमों के दौरान परिवहन की व्यवस्था

5.7.3 वर्ष 2015-16 की गतिविधियां

- परिवहन अनुभाग एक सेवोन्मुखी अनुभाग होने के नाते वर्ष के दौरान यातायात से संबन्धित सभी आवश्यकताओं को पूरा किया गया। इसके अलावा टीपीटी अनुभाग ने कर्मचारियों/विद्यार्थियों द्वारा भुगतान किए गए किराए के जरिए पर्याप्त राजस्व भी अर्जित किया।
- विभिन्न कार्यों के लिए गाड़ियों का आबंटन, गाड़ियों के इन्स्योरेंस का नवीनीकरण, समय समय पर किए जाने वाले अनुरक्षण कार्य वर्ष भर सुचारु रूप से किए गए।
- नियमित सेवाओं के अतिरिक्त, संस्थान के विद्यार्थियों को छात्रावास से डिग्री ब्लॉक में आने जाने के लिए नई बस सेवा (सुबह 7:45 से शाम 5:00 बजे तक) आरंभ की गई। इस सेवा के कारण परिसर में शैक्षिक वातावरण में प्रगति देखी गई।
- अनुभाग में इस समय 14 वाहन हैं, जबकि 10 चालक हैं। अनुभाग के सुगम संचालन हेतु दो चालकों की आवश्यकता है।

5.8 नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई

5.8.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

यह स्वास्थ्य इकाई संस्थान के सभी अधिकारी/ कर्मचारियों, उनके आश्रित सदस्यों के साथ साथ आस पास के अन्य लोगों को भी निशुल्क इलाज करती है। प्राधिकृत अधिकारियों/कर्मचारियों को निशुल्क औषधि वर्ष भर प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य इकाई में तीन चिकित्सा अधिकारी, एक फार्मासिस्ट, नर्स, ए एन एम, प्रयोगशाला सहायक एवं कार्यालय कर्मचारी अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

5.8.2 वर्ष 2015-16 की गतिविधियां

उक्त अवधि के दौरान ओपीडी में लगभग 3500 विद्यार्थियों और 25000 रोगियों (स्टाफ और उनके आश्रित सदस्य सहित) को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। 140 रोगियों को बेहतर चिकित्सा के लिए नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई से पास के अन्य अस्पतालों के लिए रेफर किया गया।

यह स्वास्थ्य इकाई संस्थान के सभी अधिकारी/ कर्मचारियों, उनके आश्रित सदस्यों के साथ साथ आस पास के अन्य लोगों को भी निशुल्क इलाज करती है। प्राधिकृत अधिकारियों/कर्मचारियों को निशुल्क औषधि वर्ष भर प्रदान की जाती है।

यह इकाई नेरिस्ट, एन एस एस और एड्स नियंत्रण विभाग, नाहरलगन के लिए रक्त दान शिविर का आयोजन करती है। यह इकाई भारत सरकार के निदेशानुसार यथासमय पल्स इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम में भी भाग लेती है। डीओटी काउंटर बखूबी अपना काम करता है।

5.8.3 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

डॉ. शुसमिता पी. तागु तथा डॉ. पोपी कामदीर टोक ने आई.एम.ए., अरुणाचल प्रदेश द्वारा फरवरी 2016 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम मलेरिया उलमूलन में भाग लिया था।

5.9 उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास केन्द्र

5.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल ने दिनांक 11 अगस्त, 2007 को आयोजित 62वीं सभा में संस्थान में उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास केन्द्र की स्थापना का अनुमोदन किया था। यह केन्द्र पूर्वोत्तर क्षेत्र की ग्रामीण प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुरूप बहु-विषयक एवं बहु-उद्देश्यीय है तथा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिये अगस्त, 2007 से कार्य कर रहा है। यह नेरिस्ट का एक स्वतंत्र केंद्र है जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- अरुणाचल प्रदेश एवं पूर्वोत्तर के अन्य पड़ोसी राज्यों की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियों का संवर्धन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उत्थान में सहयोग करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी एवं वैज्ञानिक कौशल को आधार प्रदान करना जिससे तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण सामान्य जनता को प्रदान करने में सहयोग किया जा सके।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में उपयुक्त प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना तथा परियोजनाओं का अध्ययन करके तकनीकी हतांतरण करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगो द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अपनाये जाने सम्बन्धी लघु चलचित्रों का निर्माण।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के परम्परागत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ज्ञान का संवर्धन, लिपिबद्धता एवं विस्तार करना।

- उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास में नियमित अथवा राज्य/केन्द्र सरकार, सयुक्त राष्ट्र, सार्क द्वारा प्रायोजित सदस्यों को आपसी सहयोग व यु.एन.डी.पी., यु.एन.ई.पी., युनेस्को, डब्लू.एच.ओ., एन.ई.सी. ए.डी.सी. आदि के सहयोग से प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, उपाधि एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संचालन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास सम्बन्धी लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के आपदा प्रबन्धन को दूर संवेदी तकनीक के माध्यम से सुनिश्चित करना।
- अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिये राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगठनों से वित्त अनुदान, सामग्री, उपकरण या तकनीकी ज्ञान पुस्तके व आलेख प्राप्त करना।
- भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधनों का विकास करना।

5.9.2 केन्द्र की समिति के सदस्यगण

डा. एस. के. श्रीवास्तव	केन्द्र अध्यक्ष
डा. पी. आर. गजुरेल	सह प्रोफेसर (वानिकी)
डा. पी. आनन्द कुमार	सहायक प्रोफेसर (कृषि अभियांत्रिकी), छुट्टी पर
श्रीमती बी. एल. शर्मा	सहायक प्रोफेसर (सीएमएस), छुट्टी पर
श्रीमती मुडो पुमिंग	सहायक प्रोफेसर (सिविल अभियांत्रिकी)

अनुभाग - 6

मानव संसाधन

I. शिक्षण (संकाय)

दिनांक 31.03.2016 को विभागवार संकाय सदस्यों की संख्या निम्नवत है:

1.	वानिकी	11
2.	कृषि अभियांत्रिकी	14
3.	सिविल अभियांत्रिकी	16
4.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	09
5.	विद्युत अभियांत्रिकी	16
6.	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	13
7.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	17
8.	भौतिक विज्ञान	09
9.	रसायन विज्ञान	12
10.	गणित	12
11.	मानविकी व समाज विज्ञान	05
12.	प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र	04
	कुल (I)	137

II. गैर शिक्षण (अधिकारी एवं कर्मचारी)

दिनांक 31-3-2016 को संस्थान के अधिकारियों एवं तकनीकी, अनुसचिवीय, और समूह ग वर्ग के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित थी।

(i) अधिकारी

क	समूह क	13
ख	समूह ख	08
	कुल	21

(ii) तकनीकी/ पेशेवर स्टाफ (गैर शिक्षण)

क	समूह क	-
ख	समूह ख	15
ग	समूह ग	71
	कुल	86

(iii) अनुसचिवीय स्टाफ

क	समूह ख	12
ख	समूह ग	68
	कुल	80

(iv) गैर अनुसचिवीय स्टाफ - समूह ग

क	लेब एटेंडेंट/हेल्पर/पंप एटेंडेंट	38
ख	सुरक्षा गार्ड	09
ग	माली, मजदूर व सफाई कर्मी	27
घ	चपरासी	35
ङ	रसोईया व रसोईया सहायक	69
कुल		178

कुल (II) = 350

सर्व कुल (I+II) = 487

अनुभाग - 7
परिसर जीवन एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

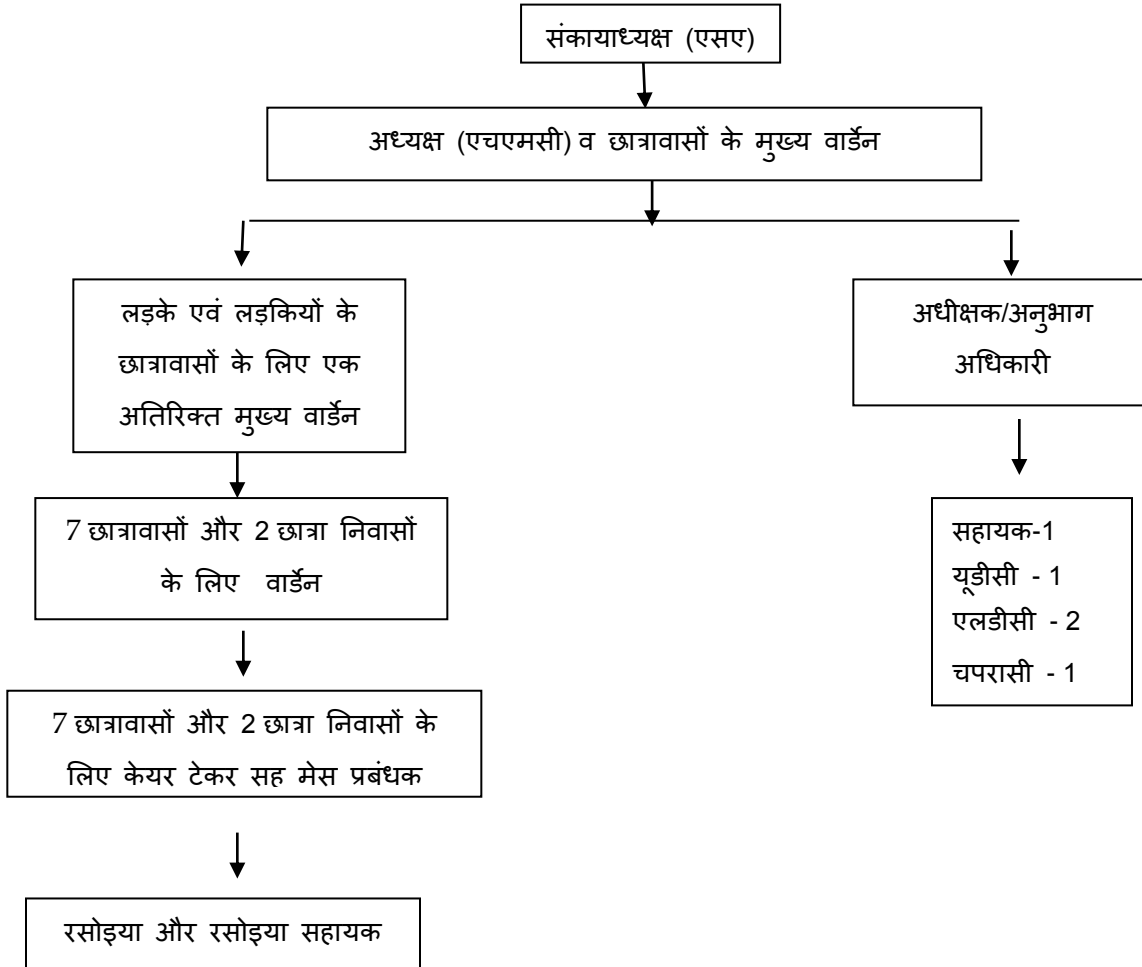
7.1 छात्रावास प्रबन्धन परिषद (एच एम सी)

7.1.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट एक आवासीय तकनीकी संस्थान है जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2005 में मानित विश्वविद्यालय घोषित किया। सभी विद्यार्थियों (महिला व पुरुष) को परिसर के अंदर स्थित छात्रावासों में रहना अनिवार्य है। यह सुविधा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है और साथ ही शिक्षकों और सहपाठियों से नियमित बातचीत के माध्यम से विद्यार्थियों को कारपोरेट लिविंग में प्रशिक्षित भी करता है।

छात्रावास प्रबंधन परिषद 7 छात्रावासों और 2 छात्रा निवासों के सु प्रबंधन, खान पान सुविधा आदि के लिए एक प्रशासनिक निकाय है।

एचएमसी कार्यालय का संस्थागत ढांचा



प्रतिवेदन

वर्ष 2015-2016 के दौरान छात्रावास प्रबन्धन परिषद के अध्यक्ष तथा हॉस्टल के मुख्य वार्डन के दायित्व में डॉ. एस. एस. गौतम, एसोसिएट प्रोफेसर जुलाई, 2016 रहे। अगस्त, 2016 से प्रबन्धन परिषद के अध्यक्ष तथा हॉस्टल के मुख्य वार्डन डॉ. संदीप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

छात्रावासों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

धात्रावास	संरक्षक	देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक
ए	डॉ. केएच हेरा चंद्र सिंह	श्री ई एन वी नायर
बी	डॉ. एम. हसन	श्री दोरजी संगमु
सी	श्री ए. के. चौधरी	श्री पी सी दास व बी पातिर
डी	श्री एस. तमांग	श्री पी बरमन
ई	श्री ए के गौतम व डॉ. के. बोरा	श्री ए गौगोई
एफ	श्री अखिलेस शर्मा	श्री ई एन वी नायर
जी	डॉ. (श्रीमती) विद्या लक्ष्मी देवी	श्रीमती मौसुमी रॉय चौधुरी
एच	श्री एम माल	श्री टी मैथ्यु
सुवनसिरी	डॉ. (श्रीमती) अजंता कलिता	श्रीमती एन सियुम

उल्लेखनीय बातें

पिछले वर्षों की तरह, नए विद्यार्थियों के प्रवेश तिथि से अगले तीन सप्ताह तक नए विद्यार्थियों के मन में आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से रात को आठ बजे से 12 बजे तक छात्रावासों का दौरा करने के लिए छात्रावास स्तर पर एन्टी रेगिंग स्क्वाड गठित किए गए। इस स्क्वाड में छात्रावासों के वार्डन सहित संकाय सदस्यों को शामिल किया गया। यूजीसी के दिशा-निर्देशानुसार संस्थान में एन्टी रेगिंग समिति भी गठित की गई।

गणतन्त्र दिवस और स्वाधीनता दिवस का आयोजन प्रत्येक छात्रावासों में किया गया जहां संबंधित वार्डन/मुख्य वार्डन/संकायाध्यक्ष(एसए) ने छात्रावासों के सामने तिरंगा फहराया।

छात्रावासों में रहने वाले छात्रों ने अलग से प्रत्येक छात्रावास ब्लॉक में ब्लॉक दिवस का आयोजन भी किया और इस समारोह में निदेशक/संकायाध्यक्ष गण/ कुलसचिव/मुख्य वार्डन/छात्रावास वार्डन आदि आमंत्रित किए गए। पुरुष छात्रावास परिसर में भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम काउंटर स्थापित किया गया। लेखन सामग्री सह शीतल पेय की दो दुकानें और एक नाई की दुकान भी संस्थान द्वारा खोले गए।

7.2 राष्ट्रीय केडेट कोर

7.2.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान में राष्ट्रीय केडेट कोर की दो शाखायें हैं, जिसमें एस डी (छात्र) को वित्त सहायता नेरिस्ट द्वारा प्रदान की जाती है, एवं एस डबल्यू (छात्रा) के लिए गठित शाखा का वित्त पोषण राष्ट्रीय केडेट कोर, तेजपुर द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 में संस्थान में केडेटों की संख्या निम्न लिखित है।

पंजीकृत छात्र	एस डी (छात्र)	एस डब्ल्यू (छात्रा)
प्रथम वर्ष	73	10
द्वितीय वर्ष	39	08
तृतीय वर्ष	86	19
विशेष अवधि	19	08
कुल संख्या	217	45

जन शक्ति की स्थिति

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
एएनओ /सीटीओ	01	02	--
सहायक कर्मचारी	02	04	02

संसाधनों की उपलब्धता

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
कार्यालय	01	01	शून्य
भंडार कक्ष (बड़ा)	01	02	01

बजट प्रावधान

वर्ष 2015-16 के दौरान कुल ₹1,44,413.00 (एक लाख चॉलिस हजार चार सौ तेरह रुपए) जिसमें स्वतन्त्रता दिवस परेड (₹19,098/-), गणतन्त्र दिवस परेड (₹15,000/-), परिसर में व्यय (₹ 30,966/-), धुलाई और केडेटों को दिया जाने वाला अल्पाहार व्यय (₹ 1,10,315) शामिल है।

7.2.2 गतिविधियों का विवरण

(i) कुल परेडों का आयोजन - 37

(ii) समारोह ड्रिल में भागीदारी

स्वतंत्रता दिवस - 48 छात्र, 24 छात्रा

गणतंत्र दिवस - 54 छात्र, 24 छात्रा

(iii) राष्ट्रीय केडेट कोर कैम्प

एन. आई. सी कैम्प, ए वी सी महाविद्यालय, मईलाअदूतरई, तमिलनाडू

अवधि : 14-10-2015 से 25-10-2015

सी ए टी सी कैम्प, राजीव गाँधी राजकीय पॉलेटेक्निक, ईटानगर

अवधि : 03-09-2015 से 12-09-2015

(iv) ई. डी. ग्रेड

निम्नलिखित केडेटों को ई. डी. पाठ्यक्रम के लिए चुना गया था।

पाठ्यक्रम	एस डी (छात्र)	एस डब्लू (छात्रा)	कुल संख्या
ई डी - 2288	25 केडेट	04 केडेट	29
ई डी - 4288	27 केडेट	07 केडेट	34
ई डी - 6288	15 केडेट	01 केडेट	16
कुल संख्या	67 केडेट	12 केडेट	79

7.2.3 उल्लेखनीय बातें

बी प्रमाणपत्र परीक्षा में सफल छात्रों की संख्या : 32 (27 एसडी + 5 एसडबल्यू)

सी प्रमाणपत्र परीक्षा में सफल छात्रों की संख्या : 00

बी प्रमाणपत्र परीक्षा में सामिल होने वाले छात्रों की संख्या : 06(03 एसडी + 03 एसडबल्यू)

सी प्रमाणपत्र परीक्षा में सामिल होने वाले छात्रों की संख्या : 16(12 एसडी + 04 एसडबल्यू)

7.2.4 समिति सदस्यों की सूची, अगर हो तो : नहीं

7.2.5 अन्य कोई प्रासंगिक सूचना/आकडा : नहीं

7.3 राष्ट्रीय सेवा योजना

7.3.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

राष्ट्रीय सेवा योजना कक्ष का प्रबन्धन कार्य संयोजक द्वारा कार्यक्रम अधिकारियों एवं समूह लीडरों के सहयोग से किया जा रहा है। वर्ष के दौरान 1016 छात्रों ने राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीकरण करवाया था। इस कक्ष से एक समूह - "ग" तथा एक समूह - "घ" कर्मचारी सम्बद्ध है।

1. पंजीकृत छात्रों की संख्या : 971
2. महिला : 221
3. पुरुष : 750
4. पंजीकृत छात्र (ए पी एस टी) : 163
5. पंजीकृत छात्रा (ए पी एस टी) : 40
6. एन एस एस कार्यक्रम संयोजक : डॉ. ए. दिनामनी सिंह
7. वर्ष 2015-16 के दौरान वृक्षारोपण : 210

7.3.2 गतिविधियों का विवरण

वर्ष 2015-16 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का शुभारम्भ एक परिचय कार्यक्रम से किया गया जिसका आयोजन 15-8-2015 को किया गया था। इस कार्यक्रम में आचार्य पी. के. दास ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला था। इसके अलावा दृश्य-श्रव्य उपकरणों के उपयोग से छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं कर्तव्यों का बोध कराने के साथ साथ इसके छात्रों से की जाने वाली अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर डा. बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एनएसएस के उद्देश्यों के बारे में अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. ए. दिनामनी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना की नेरिस्ट इकाई द्वारा 24-9-2015 को एन एस एस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अन्य कार्यक्रमों के अलावा वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। । इस आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयं सेवक उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना, नेरिस्ट इकाई की संयोजक ने योजना के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया के बदलते परिदृश्य में एन एस एस के कार्यों में भी व्यापकता अपेक्षित है।

नियमित गतिविधियों का आयोजन दिनांक 15-8-2015, 22-8-2015, 02-10-2015 तथा 23-01-2016 को नेरिस्ट मुख्य परिसर एवं डिग्री ब्लॉक में किया गया था जिसमें लगभग 500 छात्रों ने भाग लिया। डिग्री ब्लॉक में 250 वृक्ष लगाए गये तथा परिसर की सफाई की गई।

नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा नाहरलगन जेनेरल हॉस्पिटल और मेडिकल हेल्थ यूनिट, नेरिस्ट के सहयोग से 27-2-2015 और 28-2-2015 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान करने वालों में कुल 250 एन एस एस स्वयं सेवक और कार्यक्रम अधिकारी शामिल थे। रक्त दान शिविर के पश्चात चिकित्सकों, तकनीसियनों और अन्य मेडिकल स्टाफ के लिए नेरिस्ट के अतिथि गृह में भोजन की व्यवस्था की गई।

7.3.3 विशेष शिविर प्रतिवेदन

नेरिस्ट के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा निरजुली गाँव-II में 27-02-2015 से 28-02-2015 तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कार्यक्रम अधिकारियों के अलावा लगभग 250 एन एस एस स्वयंसेवकों, गाँव के युवकों और गाँव के गाँव बूढ़ा ने भाग लिया। एक सामुदायिक भोजन की भी व्यवस्था की गई। इसके पश्चात गाँव वासियों के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने बातचीत की।

एन एस एस समिति सूची

1. श्रीमती एम. काथिंग	कार्यक्रम अधिकारी
2. डा. ए. कुमार	कार्यक्रम अधिकारी
3. डॉ. (श्रीमती) ए कालिता	कार्यक्रम अधिकारी
4. डॉ. के. हिराचंद्रा सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
5. डॉ. एस. धिरेन मैथेई	कार्यक्रम अधिकारी
6. डॉ. अकबरी जहान	कार्यक्रम अधिकारी
7. श्री आर. के. मर्गांग	कार्यक्रम अधिकारी
8. डॉ. जे. भुयॉन	कार्यक्रम अधिकारी
9. श्रीमती पियाली दास	कार्यक्रम अधिकारी
10. श्री गोविन्द पागीगं	कार्यक्रम अधिकारी
11. श्री अरुण कुमार चौधरी	कार्यक्रम अधिकारी
12. श्री एम एडीसन सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
13. श्री अखिलेस शर्मा	कार्यक्रम अधिकारी
14. मो. मुजादीन खान	कार्यक्रम अधिकारी
15. श्री पी. देवचन्द्र सिंह	कार्यक्रम अधिकारी

7.4 सम्पदा कार्यालय

7.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

सम्पदा कार्यालय की स्थापना संस्थान की परिसम्पत्तियों विशेष रूप से भूमि संरक्षण, भूमिपर अवैध कब्जों एवं बाह्य निकायों जैसे उपायुक्त पापुमपारे, उपायुक्त राजधानी क्षेत्र, भूमि एवं राजस्व अधिकारियों, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, अतिरिक्त सहायक आयुक्त नाहरलगन आदि से सम्पर्क रखने के लिए की गई है। परिसर की देखभाल करना, परिसर के आवासों का आबंटन आदि का कार्य भी सम्पदा कार्यालय के दायित्वों में शामिल है।

सम्पदा अधिकारी के अतिरिक्त इस कार्यालय के अन्य कर्मचारियों का ब्यौरा निम्नवत है:

1. सहायक सम्पदा अधिकारी - 01
2. लिपिक - 01
3. चपरासी - 01
4. अस्थाई कर्मचारी - 01
5. दैनिक कर्मचारी - 01

सम्पदा कार्यालय एक महत्वपूर्ण अनुभाग है जो सीमित स्थायी कर्मचारियों के साथ अपने नियमित कार्यों को बखूबी निभा रहा है। सहायक कर्मचारियों की कमी के बावजूद संपदा अधिकारी अपने बड़ी ही निष्ठा एवं लगन के साथ अपने दायित्वों का समुचित पालन कर रहे हैं।

संस्थान में आवासों की संख्या

क्र.सं.	आवास श्रेणी	संख्या	प्रारूप
1	I	132	द्वितलीय
2	II	124	द्वितलीय
3	III	122	एकतलिय व द्वितलीय
4	IV	98	एकतलिय व द्वितलीय
5	V	20	एकतलिय व द्वितलीय
6	बी टी ए	09	एकतलिय
7	VI	01	निदेशक आवास

7.5 शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष

7.5.1 अनुभाग का परिचय

संस्थान में शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष की स्थापना प्रारम्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रायोजन में दृश्य-श्रव्य उपकरणों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सहयोग से अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान इस प्रकोष्ठ में दृश्य-श्रव्य सहित सभी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक संगोष्ठी कक्ष तथा एक परिषद कक्ष है। इन कक्षों का उपयोग संकाय सदस्यों और विभिन्न संस्थानों और उद्योगों के पेशेवर लोगों के विशेष व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के आयोजन के लिए किया जाता है। इसके अलावा यह कक्ष संस्थान को इन्टरनेट सेवा उपलब्ध कराने का कार्य भी देखा रहा है। यह कक्ष वेबसाइट और संस्थान की ई-मेल प्रणाली की देखरेख करता है। इस कक्ष के कार्यों में शामिल गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

7.5.2 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा:

1. बी एस एन एल ओ एफ सी के माध्यम से संस्थान को 1 जी बी पी एस एन के एन लिंक
2. संस्थान के सभी विभागों, कार्यालयों, स्कूलों में लेन कनेक्टिविटी
3. छात्रावासों व आवासीय क्षेत्रों में वाई-फाई लेन कनेक्टिविटी
4. संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा स्टाफ को वेब मेल सेवा
5. संस्थान वैब सर्वर अनुरक्षण
6. उच्च शक्ति सर्वरों के माध्यम से हाईपर-वी, वरचुएल प्लेटफार्म, डी एन एस, रेडीस आदि सेवायें

7.5.3 नेटवर्क उपकरण

क्र.सं.	उपकरण	संख्या	उद्देश्य
1.	यू टी एम/फायरबाल साइबररोम- 2500 आई एन जी	01	उपक्षोक्ता आद्यारित इन्टरनेट से
2.	कोर स्वीच, सिस्को- 6509	01	सभी इन्टरनेट उपकरण कोर स्वीच से सम्बन्धित
3.	वरण स्वीच, सिस्को- 4503	01	उपाद्यि भवन स्थानिय इन्टरनेट विस्तार
4.	एसस स्वीच	68	सभी विभागो व कार्यालयों मे इन्टरनेट
5.	तार रहित नियंत्रक (अंकुश: जेड डी 3000)	2	नियम, नीति एवं अम्य प्रतिबन्ध्य
6.	एसस बिन्द (अंकुश जेड एफ 7782)	30	तार रहित इन्टरनेट व्यवस्था
7.	सन स्वीच ब्रोकेड	1	सर्वर -सह- भण्डारण सेवा
8.	डेल पावर वाल्ट आर 430 रेक सर्वर	6	स्वचालन एवं इन्टरनेट सुविद्यायें
9.	आई बी एम प्रणाली रेक सर्वर	3	माइक्रोसाफ्ट एस सी सी एम प्रणाली
10.	आई बी एम व एच सी एल टावर सर्वर	3	पब्लिक डी एन एस तथा मेन सर्वर

7.5.4 वर्ष के दौरान गतिधियाँ

- आवास परिसर मे वाई-फाई स्थानिय इन्टरनेट का नियंत्रक जेड डी 1000 कोजेड डी 3000 से बदला गया व परिसर में 30 एसस बिन्दु स्थापित किये गये थे।
- केन्द्रीय इन्टरनेट नियंत्रक हेतु सर्किय डायरेक्टरी सर्वर की स्थापना की गई।
- स्थानिय इन्टरनेट में केवल अद्यिकृत उपभोक्ताओं तक इन्टरनेट सेवा को सीमित करने हेतु प्रणाली की स्थापना।
- वाई-फाई में अद्यिकृत उपभोक्ताओं को सुबिद्या हेतु राइस सर्वर की स्थापना की गई थी।
- माइक्रोसाफ्ट संचालन प्रणाली व माइक्रोसाफ्ट आफिस, 300 उपभोक्ता की स्थापना।
- माइक्रोसाफ्ट हाइपर - वी प्रणाली की स्थापना।
- नयी संस्थाइन वेबसाइट, जिसमें सामाग्री प्रबन्ध्य सुविद्या मौजूद है।
- रेल टेल से 100 एम वी पी एस लिंक लेने की प्रक्रिया जो एन के एन लिंक के संवर्द्यन हेतु संचालित की जायेंगी।
- शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष में 6 कि वो ए के दो यू पी एस प्रणालियों की स्थापना।

7.6 व्यायामशाला

7.6.1 परिचय

शिक्षा के अतिरिक्त अन्य छात्र गतिविधियों का संचालन व्यायामशाला द्वारा किया जा रहा है। जिसमें स्थानिय संस्थानों भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान व राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ संयुक्त खेल प्रतियोगिताओं व अन्य गतिविधियों का संचालन किया जाता है। नेरिस्ट खेल क्लब, साइनर्जी व सोनाबास द्वारा खेल, व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। संकायाध्यक्ष (छात्र मामले) इस सभी गतिविधियों के सुचारु संचालन हेतु सक्रिय सहयोग प्रदान करते हैं।

वर्ष 2015-16 के दौरान व्यायामशाला ने अन्तर छात्रावास फुटबाल, वॉलीबाल, बास्केटबाल, केरम, बैडमिंटन, तथा क्रिकेट व टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था। जनवरी, 2015 में खेल प्रतियोगिताओं जैसे जेनल थ्रो, क्रास कंटरी दौड़, स्पोट पूट, ट्रिपल जंप, लॉग जंप, हेमर थ्रो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इस दौरान सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र व पुरस्कार प्रदान किये गये थे। सितम्बर, 2015 में सोनाबायोसिस- 201 का आयोजन किया था, जिसमें सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं को सम्पन्न किया गया था

श्री प्रीतम तथा रोनक बासू, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित इलोकुशन प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिसे प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था। इसमें प्रमाण-पत्र तथा पुरस्कार गणतंत्र दिवस, 2016 को प्रदान किया गया था।

7.7 तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता संवर्द्धन कार्यक्रम (टिक्क्यूप)

7.7.1 परिचय

नेरिस्ट को टिक्क्यूप-II का आवंटन सन् 2011 में किया गया था। टिक्क्यूप-II का स्वचालन भारत में तकनीकी शिक्षा में सुदयार के लिए 11वें पंचवर्षिय कार्यक्रम के साथ किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का वित्त पोषण विश्व बैंक के माध्यम से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश में तकनीकी शिक्षा तार्किक, उद्योगों की मांग के अनुरूप तथा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे त्वरीत बदलावों के अनुरूप बनाना है।

7.7.2 टिक्क्यूप परियोजना के उद्देश्य

- संस्थानों को उच्च स्तर के अभियन्ताओं के प्रतिपादन में सहयोग
- विशेष उद्देश्य के लिए श्रेष्ठ केन्द्रों का गठन
- संकाय सदस्यों को प्रभावशाली अध्यापन हेतु प्रशिक्षण
- संस्थागत प्रबन्धन को प्रभावी करना।

यह कार्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यत प्राप्त केन्द्रीय व राज्य स के लगभग 200 तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में आरम्भ में किया गया था। कुछ निजी संस्थानों, जिन्हें राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण समझा जाता है, को भी इस कार्यक्रम का लाभ प्रदान किया गया है, परियोजना का प्रथम संचालन 2010-14 तक किया गया, तथा पुनः इसे 31 मार्च, 2017 तक बढ़ा दिया गया था। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए वित्त साहयता प्रदान की गई थी।

- शिक्षण में सुदयार, प्रशिक्षण सुविद्याओं का सर्जन,
- अनुसंद्यान एवं विकास गतिविद्यियों का संचालन,
- संकाय व कर्मचारी प्रशिक्षण
- उद्योग जगत से सम्पर्क
- संस्थान प्रबन्द्यन में सुदयार
- औद्योगिक नवाचार का संचालन,
- गरीब छात्रों को शैक्षिक साहयता

टिक्यूप कार्यक्रम के तहत संस्थान के रू. 10 करोड़ क वित्त मार्च, 2016 तक आवंटित हुआ था। इसमें से संस्थान के 7.33 करोड़ रू. प्राप्त हुए थे। 31 मार्च, 2016 तक संस्थान में 5.35 करोड़ रूपये खर्च भी किये थे, जिनका विवरण निम्नलिखित है-

- शिक्षण प्रशिक्षण एवं सुविद्याओं का सृजन- 733,00,000/-
- उपकरणों की खरीद - 311,39,904/-
- शिक्षण साहयता स्नातकोत्तर कार्यक्रम संवर्द्यन) - 123,26,42/-
- संकाय एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण -110,61,177/-
- उद्योग जगत से सम्पर्क - 18,43,43/-
- संस्थगत प्रबन्द्य संवर्द्यन - 250,000/-
- संस्थान सुदयारो पर - 29,44,452/-
- कमजोर छात्रों को शिक्षा साहयता - 1,98,500/-
- संचालन कीमत - 3239465/-

कुल धनराशि - 61324253/-

7.7.3 टिक्युप निधि से सम्पन्न मुख्य उपकरण खरीद व कार्य

- संस्थान के लिए ऑन लाइन एल्सवेय जरनल-4316460/-
- कृषि अभियांत्रिकी विभाग के लिए डिजिटल मैटेलिक पीडियम-696000/-
- कृषि अभियांत्रिकी विभाग के लिए इरडूस संवर्द्यन-391960/-
- विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के उपकरण-2370675/-
- सम्पूर्ण संस्थान हेतु मैटलेब 3986811/-

संस्थान ने अपने स्नातक व स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को एम बी ए मान्यता हेतु प्रयास तेज कर दिये हैं। यह संस्थान टिक्युप के सौजन्य से गेट रहित एम.टेक छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। यहां कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन किा जा रहा है। टिक्युप से प्राप्त सहयोग से संस्थान के संकाय सदस्यों, अद्यिकारियों व कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किा जा रहा है।

अनुभाग - 8
वित्त एवं लेखा

यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक केन्द्रीय योजना है, तथा पूरी तरह से इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से किया जा रहा है।

वर्ष 2015-16 के आरम्भ में संस्थान के पास लेखा शेष धनराशि 1384.40 लाख उपलब्ध थी। वर्ष के दौरान संस्थान को 13273.44 लाख रुपये की सहायता अनुदान और 297.48 आई आर जी के रूप में प्राप्त हुई। इसमें वर्ष 2014-15 के अंत में संस्वीकृत तथा वर्ष 2015-16 में प्राप्त 0.00 लाख की राशि भी शामिल है। दिनांक 31-3-2016 को संस्थान के पास अव्ययित राशि 3818.34 लाख शेष थी जिसका उपयोग वर्ष 2016-17 के दौरान किया जाएगा। संस्थान को प्राप्त निधि एवं व्यय विवरण निम्नलिखित है:

लाख में

लेखा का विस्तृत विवरण	शीर्ष			कुल (2+3+4)
	योजनागत (पूँजी)	योजनागत (सामान्य)	गैर- योजनागत	
1	2	3	4	5
पिछला शेष	606.69	240.60	537.11	1384.40
वर्ष 2015-16 के दौरान प्राप्त निधि	6909.22	800.00	465564.22	13273.44
आई आर जी 2015-16	00	00	297.48	329.41
2015-16 के दौरान व्यय	5203.38	592.36	5341.24	11136.98
31.3.2016 को अव्ययित शेष	2312.53	448.24	1057.57	3818.34

संस्थान के वर्ष 2015-16 की लेखा संबंधी विस्तृत सूचना तथा संस्थान के लेखाओं पर लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन परिशिष्ट - 12 में प्रस्तुत किया जा रहा है।

परिशिष्ट - 1

नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31.03.2016

1.	महामहिम राज्यपाल, राजभवन, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	-	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (टी ई एल), मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली-110 001	-	सदस्य
3.	संयुक्त सचिव व एफ ए, आई.एफ.डी., मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली - 110 001	-	सदस्य
4.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), आसाम सरकार, दिसपुर, आसाम - 788 006	-	सदस्य
5.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मेघालय सरकार शिलॉंग, मेघालय - 793 001	-	सदस्य
6.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मिजोरम सरकार आईजोल, मिजोरम - 796 001	-	सदस्य
7.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), नागालैण्ड सरकार कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001	-	सदस्य
8.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), सिक्किम सरकार गंगटोक, सिक्किम - 737 103	-	सदस्य
9.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), त्रिपुरा सरकार अगरतला, त्रिपुरा - 799 001	-	सदस्य
10.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), अरुणाचल प्रदेश सरकार ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111	-	सदस्य
11.	माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मणिपुर सरकार इम्फाल, मणिपुर - 795 001	-	सदस्य

- | | | | |
|-----|--|---|-------------|
| 12. | एअर मार्शल (से.नि.) प्रणब कुमार बरबोरा, अध्यक्ष, नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल,
सी-1201, सेलेब्रेटी होम, पालम विहार, गुड़गाँव-122 017 | - | सदस्य |
| 13. | डा. नीरज शर्मा, अध्यक्ष (टी डी टी),
विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली - 110 016 | - | सदस्य |
| 14. | डॉ. अविनाश एस पंत, उपाध्यक्ष (10.4.2015 से 09.4.2018)
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, 7 वा, तल,
चन्द्रलोक भवन, जनपथ, नयी दिल्ली - 110 001 | - | सदस्य |
| 16. | श्री तारा नाचुंग (10.4.2015 से 8.3.2018)
पी सेक्टर, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश - 790 104 | - | सदस्य |
| 17. | प्रोफेसर पी के दास, निदेशक, नेरिस्ट | - | सदस्य |
| 18. | डा. आर. पी. भट्टाचार्या, कुलसचिव, नेरिस्ट | - | असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - II

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2016

1.	एअर मार्शल (से.नि.) प्रणब कुमार बरबोरा, सी-1201, सेलेब्रेटी होम, पालम विहार, गुड़गाँव-122 017	-	अध्यक्ष
2.	श्रीमान संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार, आई.एफ.डी., मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली - 110 001	-	सदस्य
3.	श्रीमान संयुक्त सचिव (टी ई एल), मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली-110 001	-	सदस्य
4.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, मिजोरम सरकार आईजोल, मिजोरम - 796 001	-	सदस्य
5.	श्रीमान सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, सिक्किम सरकार गंगटोक, सिक्किम - 737 103	-	सदस्य
6.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, मेघालय सरकार शिलॉंग, मेघालय - 793 001	-	सदस्य
7.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, नागालैण्ड सरकार कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001	-	सदस्य
8.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, मणिपुर सरकार इम्फाल, मणिपुर - 795 001	-	सदस्य
9.	श्रीमान सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, त्रिपुरा सरकार अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001	-	सदस्य

10.	प्रोफेसर टी. मिबांग कुलपति, राजीव गाँधी विश्व विद्यालय रोनो हिल्स, दोईमुख - 791 112	-	सदस्य
11.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, असम सरकार गुवहाटी, आसाम - 781 005	-	सदस्य
12.	श्रीमान सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, अरुणाचल प्रदेश सरकार ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111	-	सदस्य
13.	डॉ. एल जय प्रकाश सिंह, संबद्ध प्रोफेसर इलेक्ट्रॉनिकी व संचार अभियांत्रिकी विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग- 793022, मेघालय	-	सदस्य
14.	प्रोफेसर गौतम बरूआ निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवहाटी, आसाम - 781 001	-	सदस्य
15.	प्रोफेसर पी के त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक), नेरिस्ट	-	सदस्य
16.	प्रोफेसर मो अनवर हुसैन, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास), नेरिस्ट	-	सदस्य
17.	प्रोफेसर बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले), नेरिस्ट	-	सदस्य
19.	प्रोफेसर एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
20.	श्री डी. के. श्यामल, एसोसियट प्रोफेसर कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
21.	श्री त्रिपुरारी सरन, सहायक प्रोफेसर इले. व संचार अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
22.	प्रोफेसर पी के दास, निदेशक, नेरिस्ट	-	सदस्य
23.	डा. आर. पी. भट्टाचार्जी, कुलसचिव, नेरिस्ट	-	असदस्य सचिव

परिशिष्ट - III

नेरिस्ट वित्त समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2016

- | | |
|---|-------------------|
| 1. एअर मार्शल (से.नि.) प्रणब कुमार बरबोरा,
अध्यक्ष, नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल | अध्यक्ष |
| 2. अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के सचिव | सदस्य |
| 3. कुलपति, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश | सदस्य |
| 4. आयुक्त (शिक्षा विभाग), अरुणाचल प्रदेश सरकार | सदस्य |
| 5. अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार, मा.स.वि.म., नई दिल्ली | सदस्य |
| 6. संयुक्त सचिव (टी ई एल) मा.स.वि.म., नयी दिल्ली | सदस्य |
| 7. प्रोफेसर पी के दास, निदेशक, नेरिस्ट | सदस्य |
| 8. डा. आर. पी. भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट | सदस्य |
| 9. उप कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट | पदेन, असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - IV

शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण 31-3-2016

1. आचार्य पी. के. दास, निदेशक, नेरिस्ट	अध्यक्ष
2. आचार्य पी. के. त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	-सदस्य
3. आचार्य मो. अनवर हुसैन, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास)	-सदस्य
4. आचार्य बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	-सदस्य
5. आचार्य एम. एफ. हुसैन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	-सदस्य
6. आचार्य एन.एस. रघुवंशी, कृषि विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर	-सदस्य
7. आचार्य एस.सी.डेका, खाद्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, तेजपुर विश्वविद्यालय	-सदस्य
8. आचार्य डी. एन. दास, संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	सदस्य
9. आचार्य डी. दास, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय असम	-सदस्य
10. आचार्य टोमो रिबा, संकायाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	सदस्य
11. आचार्य अंजन दत्त, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी	- सदस्य
12. इंजि. टालो पोटोम	सदस्य
13. आचार्य जे. चौबे, गणित विभाग	- सदस्य
14. आचार्य एस. के. सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
15. आचार्य मुबारक हुसैन, रसायन विज्ञान विभाग	- सदस्य
16. आचार्य एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग	- सदस्य
17. आचार्य एम. मुरलीधरण, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
18. आचार्य एस. के. पांडे, गणित विभाग	- सदस्य
19..आचार्य (श्रीमती) पी रेशी, वानिकी विभाग	- सदस्य
20. आचार्य पी. आर. अलापति, भौतिकी विभाग	- सदस्य
21. आचार्य पी. पी. दबराल, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
22. आचार्य एल. के. अरोरा, गणित विभाग	- सदस्य
23. आचार्य के डी राम, रसायन विभाग	- सदस्य
24.आचार्य के. एन. देवांगन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
25. आचार्य शैबाल चटर्जी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
26. आचार्य बी. डी. नायक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	- सदस्य
27. आचार्य सी. एल. शर्मा, वानिकी विभाग	- सदस्य
28. आचार्य ए. एस. राय, गणित विभाग	- सदस्य
29. आचार्य एन देव, रसायन विभाग	- सदस्य
30. विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी	- सदस्य
31. विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी	- सदस्य
32. विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	- सदस्य

33. विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी	- सदस्य
34. विभागाध्यक्ष, ईलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना अभियांत्रिकी	- सदस्य
35. विभागाध्यक्ष, मेकनिकल अभियांत्रिकी	- सदस्य
36. विभागाध्यक्ष, भौतिकी	- सदस्य
37. विभागाध्यक्ष, रसायन	- सदस्य
38. विभागाध्यक्ष, गणित	- सदस्य
39. विभागाध्यक्ष, वानिकी	-सदस्य
40. विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं समाज विद्यापीठ	-सदस्य
41. केंद्र अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन केंद्र	-सदस्य
42. केंद्र अध्यक्ष, सी.ए.टी.ए.आर.डी	-सदस्य
43. डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
44. श्री डी. के. श्यामल, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
45. डॉ. आर. के. मेहरा, सह आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
46. डॉ. एम. पी. थेड्युस, सहायक आचार्य, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
47. श्री टी. वी. पी. सिंह, सहायक आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
48. श्री के. लेगोह, सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
49. परीक्षा नियंत्रक	-सदस्य
50. डॉ. आर पी भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट	-असदस्य सचिव

परिशिष्ट - V

भवन एवं निर्माण कार्य समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2016

1. प्रोफेसर पी के दास, निदेशक, नेरिस्ट	- अध्यक्ष
2. सचिव (शिक्षा), अरुणाचल प्रदेश	- सदस्य
3. मुख्य अभियन्ता (पश्चिमी क्षेत्र) अ.प्र. सा.नि.वि, अ. प्र.	- सदस्य
4. प्रोफेसर मो ए हुसैन, (योजना एवं विकास)	- सदस्य
5. श्री एस के साहू, विभागाध्यक्ष (सिविल अभियांत्रिकी)	- सदस्य
6. वरिष्ठ शिल्पकार, अ.प्र.सा.नि.वि. अरुणाचल प्रदेश, ईटानगर	- सदस्य
7. डा. एस.के. भगत, विद्युत अभियांत्रिकी, नेरिस्ट	- सदस्य
8. डा. सरसिंग गाओ, विभागाध्यक्ष विद्युत अभियांत्रिकी, नेरिस्ट	- सदस्य
9. श्री एम.के. कामदीर, उप-कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट	- सदस्य
10. डा. आर.पी.भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट	- सदस्य
11. अधिशासी अभियन्ता (सिविल), नेरिस्ट	- असदस्य सचिव

परिशिष्ट - VI
संस्थान प्रशासन की सूची, दिनांक 31-3-2016

निदेशक	आचार्य एच. एस. यादव
संकायाध्यक्ष गण	
प्रशासन	आचार्य एम एफ हुसैन
शैक्षिक	आचार्य पी के त्रिपाठी
विद्यार्थी मामले	आचार्य बिनय सिंह
योजना एवं विकास	आचार्य मो अनवर हुसैन
समूह ए अधिकारी	
कुलसचिव	डा. आर. पी. भट्टाचार्य
उप कुलसचिव (वित्त व स्थापना)	श्री एम के कामदीर
सहायक कुलसचिव	
शैक्षिक	श्री के. के. राजेश
परीक्षा	श्री गौतम कुमार राँय
भण्डार एव क्रय	श्री टोको शांमा
छात्रावास प्रबन्ध्यन परिषद	श्री अनिमेश बासू
चिकित्सा अधिकारीगण	डा. पोपी कमदीर टोक
	डा. सुसमिता पी. तागू
पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री असीम कुमार गुप्ता
	श्री वेद प्रकाश गुप्ता
सहायक कार्यशाला अधीक्षक	श्री हर्षेन्द्र मिश्रा
नेटवर्क प्रशासक	श्री डेवन रसिदुल आलम
अधिसाशी अभियन्ता	श्री चार्ली वेली
समूह बी अधिकारी	
खेल अधिकारी	श्री बी. एस. राजा
सुरक्षा अधिकारी	श्री टोको शांमा (प्रभारी)
अनुभाग अधिकारी	
स्थापना	श्री दोजी कामदुक
भण्डार एव क्रय	श्री रबिन्दर देव
वित्त	श्री पी. गोस्वामी
छात्रावास प्रबन्ध्यन परिषद	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
परीक्षा	श्री एस. चटर्जी
शैक्षिक	श्री शिबदास भट्टाचार्य
	श्री राद्ये तादू

सतर्कता अधिकारी
संपदा अधिकारी
सम्पर्क अधिकारी (एस.सी. एवं एस.टी.)
हिन्दी अधिकारी

प्रोफेसर पी पी डबराल
श्री के के राजेश
डॉ. पी लिंगफा
श्री रतन सिंह

विभागाध्यक्ष

वानिकी
कृषि अभियांत्रिकी
सिविल अभियांत्रिकी
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
विद्युत अभियांत्रिकी
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
यांत्रिक अभियांत्रिकी
भौतिक विज्ञान
रसायन विज्ञान
गणित
मानविकी व समाज विज्ञान
प्रबंधन अध्ययन केंद्र

डॉ. (श्रीमती) एम बी शर्मा
प्रोफेसर के एन देवांगन
श्री एस के साहू
डॉ. (श्रीमती) एन मारचांग
डॉ. सरसिंग गाओ
डा. दिनामनी सिंह
डॉ. पी लिंगफा
डॉ. टी. कारलो
प्रोफेसर निधुबन देब
प्रोफेसर एस के पांडे
डॉ. पी पारिडा
डॉ. एम माली

केंद्राध्यक्ष (सी ए टी आर डी)

अध्यक्ष गण

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा
छात्रावास प्रबन्ध समिति
व्यायामशाला
दूरभाष
यातायात
पुस्तकालय
आवास आवंटन समिति

डॉ. एस के श्रीवास्तव

डॉ. डी झाझड़िया
डॉ. एस.एस. गौतम
श्री अश्विनी कुमार पेत्रा
डा. एस. मजुमदार
डॉ. एम चन्द्रशेखरन
प्रोफेसर एस के सिंह
डा. सी.एल. शर्मा

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रभारी

शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष प्रभारी

डॉ. ए बंदोपाध्याय

श्री अमर तागु

संयोजक

औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष
राष्ट्रीय सेवा योजना
नियंत्रण शिक्षा कार्यक्रम
केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा
केन्द्रीय उन्नत कम्प्यूटर सुविधा

डा. अरविन्द पाँण्डे
डा. ए. दिनामनी सिंह
डा. अरविन्द पाँण्डे
डॉ. जगन्नाथ भुयॉन
डा. अमर तागू
डा. पी परीदा
डॉ. के के राजेश
श्री अनुभव पाल

परीक्षा नियंत्रक

सचिव, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति

राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिकारी

परिशिष्ट - VII

पुस्तकालय समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2016

प्रोफेसर पी. आर. एलापाति	-	अध्यक्ष
डा. एस.के. साहू	-	सदस्य
डॉ. श्रीमती एस.एल. भारती	-	सदस्य
डा. के. सहरिया	-	सदस्य
डा. एस.के. भगत	-	सदस्य
श्री एस.एम. खान	-	सदस्य
डा. पी. देवनाथ	-	सदस्य
श्री राजू बरठाकुर	-	सदस्य
श्री एस. चौदरी	-	सदस्य
डॉ. पी.के. पाँण्डे	-	सदस्य
डा. अबद्येश कुमार	-	सदस्य
डा. मनीष कुमार	-	सदस्य
श्री मरजीत सिंह	-	सदस्य
श्री ए के गुप्ता	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - VIII

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2016

डॉ. दीपक झजरिया	-	अध्यक्ष
डॉ. आर के मेहता	-	सदस्य
डॉ. (श्रीमती) के टी कमल	-	सदस्य
डॉ. अजय भारती	-	सदस्य
डॉ. पी आर गुजरेल	-	सदस्य
डॉ. के के राजेश, सहायक कुलसचिव (शिक्षा)	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - IX

छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्य, दिनांक 31-3-2016

आचार्य बिनय सिंह	-	संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)
डॉ. एस. एस. गौतम	-	अध्यक्ष सह मुख्य संरक्षक
डॉ. केएच हेरा चंद्र सिंह संरक्षक,	-	छात्रावास- ए
डॉ. एम. हसन,	-	छात्रावास- बी
श्री ए. के. चौधरी,	-	छात्रावास- सी
श्री एस. तमांग,	-	छात्रावास- डी
श्री ए के गौतम व डॉ. के. बोरा,	-	छात्रावास- ई
श्री अखिलेस शर्मा,	-	छात्रावास- एफ
डॉ. (श्रीमती) विद्या लक्ष्मी देवी,	-	छात्रावास- जी
श्री एम माल,	-	छात्रावास- एच
डॉ. (श्रीमती) अजंता कलिता,	-	सुबानसिरी छात्रावास

परिशिष्ट - X

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा

1. प्रवेश सूचना :

संस्थान में प्रवेश के लिए सूचना 16.12.2014 को निम्नलिखित समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी -

- | | |
|--|--------------|
| 1. अरुणाचल टाइम्स, ईटानगर | - 17.12.2014 |
| 2. आसाम ट्रिब्यून, गुवाहाटी | - 17.12.2014 |
| 3. हिन्दुस्तान टाइम्स के सभी संस्करण (एजुकेशन होराइजन) | - 22.12.2014 |
| 4. अरुणाचल फ्रन्ट | - 17.12.2014 |
| 5. शिलाँग टाइम्स | - 17.12.2014 |
| 6. सिक्किम एक्सप्रेस | - 17.12.2014 |
| 7. नागालैण्ड पोस्ट | - 17.12.2014 |
| 8. त्रिपुरा टाइम्स | - 17.12.2014 |
| 9. मिजोरम पोस्ट | - 17.12.2014 |
| 10. संघाई एक्सप्रेस, इम्फाल | - 17.12.2014 |

प्रवेश परीक्षा तिथि : एन ई ई - II व III - 25-4-2014

एन ई ई - I - 26-4-2014

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2015 में भाग लेने वाले छात्रों का राज्य-वार विवरण

राज्य का नाम	मॉड्यूल						कुल	
	एन ई ई -I		एन ई ई -II		एन ई ई -III			
	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल
अरुणाचल	3591	3181	2150	1902	350	287	6091	5370
असम	1021	839	529	791	193	172	2166	1802
मणिपुर	443	373	626	523	31	27	1100	923
मेघालय	202	180	287	246	106	86	595	512
मिजोरम	28	20	89	73	13	13	130	106
नागालैंड	279	221	377	301	48	35	704	557
सिक्किम	36	28	63	58	14	13	113	99
त्रिपुरा	716	632	189	156	79	69	984	857
अखिल भारत	337	261	230	176	57	44	624	481
पी डी	28	05	22	06	09	04	59	15
कुल	6681	5740	4985	4232	900	750	12.566	10.722

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III, 2015 में केंद्र वार आवेदन कर्ताओं का विवरण

राज्य का नाम	कृषि अभि.	सिविल अभि.	कम्प्युटर अभि.	इले. संचार अभि.	विद्युत अभि.	याँत्रिक अभि.	कुल
अरुणाचल	01	206	13	05	29	36	290
असम	07	77	28	24	19	18	173
मणिपुर	01	06	04	09	02	05	27
मेघालय	01	29	23	10	11	12	86
मिजोरम	00	04	04	01	04	00	13
नागालैंड	01	09	03	03	17	02	35
सिक्किम	00	06	04	01	00	02	13
त्रिपुरा	01	18	03	22	10	15	69
अखिल भारत	00	15	11	05	05	08	44
कुल	12	370	93	80	97	98	750

प्राप्त आवेदन पत्रों का श्रेणी अनुसार विवरण, एन ई ई -I

राज्य का नाम	श्रेणी				
	सामान्य	अ.ज.जा.	अ.जा.	पिछड़ा वर्ग	कुल संख्या
अरुणाचल प्रदेश	237	3354	0	0	3591
असम	397	198	80	346	1020
मणिपुर	124	171	21	127	443
मेघालय	40	162	0	0	202
मिजोरम	9	19	0	0	28
नागालैंड	26	253	0	0	279
सिक्किम	6	12	2	16	37
त्रिपुरा	431	166	119	0	36
अखिल भारत	169	20	29	119	15
पी डी	-	-	-	-	37
कुल	1439	4355	251	608	6681

प्राप्त आवेदन पत्रों का श्रेणी अनुसार विवरण, एनईई -II

राज्य का नाम व वर्ग	श्रेणी				
	सामान्य	अ.ज.जा.	अ.जा.	पिछड़ा वर्ग	कुल संख्या
अरुणाचल प्रदेश	110	2040	0	0	2150
असम	404	179	34	335	952
मणिपुर	166	301	19	140	626
मेघालय	33	253	0	1	287
मिजोरम	4	84	0	1	89
नागालैंड	21	356	0	0	377
सिक्किम	12	31	0	20	63
त्रिपुरा	107	55	27	0	189
अखिल भारत	96	15	31	88	230
पी डी	-	-	-	-	22
कुल	953	3314	111	585	4985

प्राप्त आवेदन पत्रों का श्रेणी अनुसार विवरण, एनईई -III

राज्य का नाम व वर्ग	श्रेणी				
	सामान्य	अ.ज.जा.	अ.जा.	पिछड़ा वर्ग	कुल संख्या
अरुणाचल प्रदेश	27	323	0	0	350
असम	67	39	9	78	193
मणिपुर	10	10	1	10	31
मेघालय	2	104	0	0	106
मिजोरम	3	10	0	0	13
नागालैंड	2	44	1	1	48
सिक्किम	2	7	0	5	14
त्रिपुरा	38	22	19	0	79
अखिल भारत	30	0	10	17	57
पी डी	-	-	-	-	9
कुल	180	559	41	111	900

परीक्षा परीणाम की घोषणा, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा, 2015

परीक्षा परीणाम का अनुमोदन, नेरिस्ट वेब साईट तथा सूचना पट्ट पर परिणाम 01-5-2015 को कर दिया गया था।

चयनित छात्रो का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2015

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई - I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
स्थाई निवासी	14	05	02	5+2*=7	28
अन्यत्र सक्षम	06	02	01	02	11
अरुणाचल प्रदेश	20	08	03	07	38
असम	20	08	03	07	38
मणिपुर	20	08	03	06	37
मेघालय	20	08	03	06	37
मिजोरम	16	08	02	05	31
नागालैंड	20	08	03	07	38
सिक्किम	12	07	03	05	27
त्रिपुरा	20	08	03	07	38
अखिल भारत	20	08	03	06	37
कुल	176	79	29	65	360

प्रतिक्षा सूची छात्रो का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2015

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई - I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
स्थाई निवासी	14	06	02	5+2*=7	29
अन्यत्र सक्षम	06	02	01	02	11
अरुणाचल प्रदेश	20+20	8+8	3+3	6+6	74
असम	20	08	03	06	37
मणिपुर	20	08	03	05	36
मेघालय	20	08	03	04	35
मिजोरम	02	08	02	03	15
नागालैंड	20	08	02	05	35
सिक्किम	08	04	03	02	17
त्रिपुरा	20	08	03	05	36
अखिल भारत	20	08	03	06	37
कुल	190	84	31	58	362

प्रवेश सलाह तिथियाँ

1	06.07.2015	चयनित सूची एनईई - I (प्रमाण पत्र) (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
2	87.07.2015	प्रतीक्षा सूची एनईई - I (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
3	08.07.2015	चयनित व प्रतीक्षा सूची एनईई - I (अरुणाचल प्रदेश राज्य कोटे के विद्यार्थियों के लिए)
4	09.07.2015	चयनित सूची एनईई - II एवं III (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
5	10.07.2015	प्रतीक्षा सूची एनईई - II एवं III (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
6	11.07.2016	चयनित व प्रतीक्षा सूची एनईई - II एवं III (अरुणाचल प्रदेश राज्य कोटे के विद्यार्थियों के लिए)

प्रवेश प्राप्त छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2015

राज्य	कार्यक्रम											
	एन ई ई - I (200 स्थान)			एन ई ई-II(प्रौद्योगिकी) (80 स्थान)			एन ई ई-III(वानिकी) (30 स्थान)			एन ई ई -III (72 स्थान)		
	चयनित	प्रतीक्षा सूची से	कुल	चयनित	प्रतीक्षा सूची से	कुल	चयनित	प्रतीक्षा सूची से	कुल	चयनित	प्रतीक्षा सूची से	कुल
स्थाई निवासी	6	2	8	-	1	1	-	-	-	5	2	7
अन्यत्र सक्षम	4	1	5	1	1	2	-	-	1	2	-	2
अरुणाचल प्रदेश	11	20	31	4	4	8	2	3	5	4	6	10
असम	12	8	20	1	1	2	2	-	2	6	-	6
मणिपुर	18	2	20	6	2	8	-	-	-	5	-	5
मेघालय	11	9	20	3	1	4	1	2	3	3	-	3
मिजोरम	12	-	12	5	1	6	-	1	1	2	-	2
नागालैंड	13	3	16	5	-	5	1	1	2	7	-	7
सिक्किम	6	5	11	4	1	5	3	-	3	2	-	5
त्रिपुरा	8	7	15	3	-	3	1	1	2	6	-	8
अखिल भारत	14	4	18	2	4	6	-	-	-	5	1	6
चलायमान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	115	61	176	34	16	50	11	8	19	47	9	56

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -I, 2015

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	1	-	4	4	4	4	4	4	4	4	3	36
सिविल अभि.	1	3	4	4	4	4	4	4	4	4	4	40
इले. संचार अभि.	1	-	-	4	4	4	2	1	-	2	4	22
विद्युत अभि.	2	2	4	4	4	4	4	4	4	4	4	40
यॉंत्रिक अभि.	-	3	4	4	4	4	4	4	3	4	4	38
कुल	5	8	16	20	20	20	18	17	15	18	19	176

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -II, 2015

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	-	-	1	-	1	-	1	1	1	-	-	05
सिविल अभि.	1	-	1	1	1	1	1	1	1	1	1	10
कम्प्यूटर	1	-	1	-	3	1	1	-	-	-	3	10
इले. संचार अभि.	-	-	1	-	1	1	1	1	1	1	-	07
विद्युत अभि.	-	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	10
यॉंत्रिक अभि.	-	1	-	1	1	-	1	1	1	1	1	08
वानिकी	1	-	3	2	3	-	3	3	2	3	2	19
कुल	03	02	08	05	08	07	09	07	08	06	06	69

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -III, 2015

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सिविल अभि.	1	1	1	1	1	1	1	2	1	1	1	12
कम्प्यूटर	1	3	1	1	1	1	1	2	-	1	1	13
इले. संचार अभि.	-	1	1	2	2	1	1	1	1	1	1	12
विद्युत अभि.	-	1	2	1	1	1	-	1	-	2	2	11
यॉंत्रिक अभि.	-	1	1	1	1	-	1	1	-	1	1	08
कुल	02	7	06	06	06	04	04	07	02	06	06	56

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एनईई) 2015 एक झलक

स्थिति	एनईई -I	एनईई -II	एनईई -III	कुल
प्राप्त आवेदनों की संख्या	6681	4985	900	12566
परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों की संख्या	5740	4232	750	10,722
चयनित विद्यार्थियों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	176	79	65	320
चयनित विद्यार्थियों की संख्या (वानिकी)	-	29	-	29
प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	190	84	57	331
प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों की संख्या (वानिकी)	-	31	-	31

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एनईई) 2015 एक तुलनात्मक विवरण

क्र.सं	विवरण	2014	2015	अभ्युक्तियाँ
01.	आवेदकों की संख्या	12654	12566	88 कम
02.	परीक्षा में बैठे	10677	10,722	45 अधिक
03.	प्रवेश सलाह के माध्यम से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी	एनईई -I 172 एनईई-II 70 एनईई -III 56 कुल 298	एनईई -I 176 एनईई -II 69 एनईई -III 56 कुल 301	03 अधिक
04.	पहली पसंद शाखा (सिविल अभियांत्रिकी)	66	62	04 अधिक
05.	कम पसंद शाखा (कम्प्यूटर विज्ञान व अभि.)	18	23	05 अधिक
06.	चयनित सूची में से प्रवेश लेने वाले छात्र	200	207	07 अधिक
07.	प्रतीक्षा सूची में से प्रवेश लेने वाले छात्र	98	94	04 कम

परीक्षा में ऑन लाईन neonline.ac.in पंजीकरण प्रक्रिया अपनाई गयी थी, तथा ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग किया गया था, जिससे परीक्षा परीणाम यथासमय घोषित करने में सुविधा हुई। प्रवेश परीक्षा में शुल्क प्राप्त करने के कार्य के लिए एक्सिस बैंक के चालान के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों की शाखाओं की सेवा ली गई थी। डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रवेश परीक्षा संबंधी सभी सूचना जन साधारण को नेरिस्ट वैबसाइट के माध्यम से प्रदान की गई थी।

इस प्रकार प्रवेश परीक्षा - 2015 सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

परिशिष्ट - XI
संकाय सदस्यों की सूची, दिनांक 31.03.2016

संकाय सदस्यों का नाम	कार्यभार ग्रहण तिथि	विशेषज्ञता
1. अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग (वानिकी)		
प्रोफेसर		
डा. विनय सिंह, पीएच.डी.	31.03.09	बागवानी
डा. सी. एल. शर्मा, पीएच.डी.	02.08.13	काष्ठ विज्ञान
डा. (श्रीमती) एम. शर्मा, पीएच.डी.	11.02.16	काष्ठ विज्ञान
डा. (श्रीमती) के श्रीवास्तव, पीएच.डी.	11.02.16	शूक्ष्म जीवी विज्ञान तथा पौध विज्ञान
ऐसोसियट प्रोफेसर		
डा. (श्रीमती) मेरी पी.पी. पीएच.डी.	31.03.12	मछली शूक्ष्म जीव विज्ञान
डा. पी.आर. गुजरेल, पीएच.डी.	30.12.14	पौध विज्ञान विशेषज्ञता
डा. अवधेश कुमार, पीएच.डी.	30.12.14	वन्यप्राणी जीव विज्ञान
डा. के. सुरेश कुमार सिंह पीएच.डी.	30.12.14	सामाजिक शूक्ष्म जीवी वातावरण
सहायक प्रोफेसर		
डा. एल.बी. सिंघा, पीएच.डी.	23.06.06	बोटानी टेक्सोनोमी
डा. ओ.पी. त्रिपाठी, पीएच.डी.	26.06.06	वन पारिस्थितिकी
श्री गोविन्द पांगिंग, एम.एससी.	23.06.06	वानिकी अर्थशास्त्र एवं प्रबन्धन
2. कृषि अभियांत्रिकी विभाग		
प्रोफेसर		
डा. . के.एन. देवांगन, पीएच.डी.	09.12.12	फार्म मशीनरी व पावर
पी.पी. डबराल, पीएच.डी.	02.07.14	मृदा जल अभियांत्रिकी
श्री एस. के. श्रीवास्तव, पीएच.डी.	12.02.16	मृदा जल संरक्ष
ऐसोसियट प्रोफेसर		
श्री डी. के. श्यामल, एम.टेक	31.12.01	फसल उपरान्त प्रक्रिया एवं खाद्य अभि.
डा. दीपक झाजरिया, एम टेक	05.06.14	जल संसाधन अभियांत्रिकी
डा. अदिति भद्र, पीएच.डी.	05.01.15	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी
डा. अर्णव बन्दोपाध्याय, पीएच.डी.	05.01.15	थर्मल एंड स्पेटियल ट्रेड्स
सहायक प्रोफेसर		
श्री उकील सिंह, एम.टेक.	04.07.06	कृषि यंत्र एवं शक्ति
श्री पंकज कुमार पाण्डे, एम.ई.	17.07.06	सींचाई व जल प्रबंधन
डा. पी.के. प्रणव, पीएच.डी.	18.07.06	कृषि यंत्र एवं शक्ति
श्री थानेश्वर पटेल, एम.टेक.	24.07.06	कृषि यंत्र एवं शक्ति

डा. पी. आनन्द कुमार, पीएच.डी.	28.08.06
श्री अरुण कुमार चौधुरी. एम.टेक	13.01.15
श्री अनुभव पाल, एम.टेक	09.04.15

उपज पूर्व अभियांत्रिकी
खाद्य प्रेषण अभियांत्रिकी

**सिविल अभियांत्रिकी विभाग
प्रोफेसर**

डा. एस.के. सिंह, पीएच.डी.	26.4.97
---------------------------	---------

भू-प्रौद्योगिकी

ऐसोसियट प्रोफेसर

डा. आर.के. प्रसाद, पीएच.डी. (विभागाध्यक्ष)	10.12.09
डा. एस. वैश्य, पीएच.डी.	31.03.12
डा. एस. मिश्रा, पीएच.डी.	31.03.12
श्री एस.के. साहू, एम.टेक.	31.03.12
श्री एच.पी. सिंह, पीएच.डी.	31.03.12
डा. अजय भारती, पीएच.डी.	30.12.14

जल संसाधन अभियांत्रिकी
भू-प्रौद्योगिकी
शहर योजना
द्रव शक्ति, जल संसाधन अभियांत्रिकी
मृदा यांत्रिकी एवं नींव अभियांत्रिकी
पर्यावरण अभियांत्रिकी

सहायक प्रोफेसर

कुमारी वाई बिद्यालक्ष्मी देवी, एम.टेक.	20.06.06
कुमारी मुडो पुमिंग, एम.टेक.	26.06.06
श्रीमती दीपिका देवी, पीएच.डी	18.07.06
श्री मोनोवार हुसेन, पीएच.डी	21.12.09
कुमारी यामेन तामुत, एम.टेक.	09.12.09
श्री एन. जी. सोरूम, एम.टेक.	09.12.09
श्री के. जेम्स सिंह, एम.ई.	28.01.10
डॉ. अजंता कलिता, पीएच.डी	09.02.10
श्री दिब्येंदु पाल, एम.टेक.	09.02.10

पर्यावरण विज्ञान अभियांत्रिकी
सामाजिक यांत्रिकी एवं नींव अभियांत्रिकी
मृदा यांत्रिक एवं नींव अभियांत्रिकी
यातायात अभियांत्रिकी
यातायात अभियांत्रिकी
दूषित जल प्रबन्धन तथा बाढ़ नियंत्रण
मृदा यांत्रिकी एवं नींव अभियांत्रिकी
यातायात प्रणाली अभियांत्रिकी

4. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

ऐसोसियट प्रोफेसर

डा.(श्रीमती) टी. थूथिंग, पीएच.डी.	31.03.12
डॉ. (श्रीमती) निंगिला मारचांग, पीएच.डी.	04.06.14
श्री कपांग लिगो, एम.टेक.	12.02.16
श्रीमती मारग्रेट काथिंग, एम.टेक.	11.02.12

छवि प्रसंस्करण
आंकड़ा प्रबन्धन प्रणाली
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

सहायक प्रोफेसर

श्री सत्यज्योति बोरा, एम.टेक.	18.06.01
श्री अश्विनी कुमार पात्र, बी.टेक	31.07.06
श्री मार्जित सिंह, एम.टेक	02.01.07
श्री मन्जुल सैकिया, एम.टेक	11.07.07
श्री अमर तागू, एम.ई.	11.12.09

छवि प्रसंस्करण
--
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

5. विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

प्रोफेसर

डा. एस. चटर्जी, पीएच.डी.	10.12.12	उच्च विभव अभियांत्रिकी
डा. ओ. पी. राय, पीएच.डी.	11.02.16	विद्युत प्रतिचालन
डा. सरसिंग गाओ, पीएच.डी.	11.02.16	वैकल्पिक जल विद्युत प्रणाली

ऐसोसियट प्रोफेसर

डा. आर.के. मेहता, पीएच.डी.	10.12.09	नियंत्रण अभियांत्रिकी
डा. एस.के. भगत, पीएच.डी.	31.03.12	नियंत्रण अभियांत्रिकी
डॉ. अरविन्द कुमार सिंह, पीएच.डी.	01.08.14	शक्ति प्रणाली
श्री रड़क ब्लांग, एम.टेक.	11.02.16	नियंत्रण अभियांत्रिकी
श्री टी वी प्रकाश सिंह एम.ई.	12.02.16	नियंत्रण व इन्सट्रुमेंटेशन

सहायक प्रोफेसर

श्री डेबेन सिंह, एम.टेक.	20.06.06	इलेक्ट्रानिकी डिजाइन अभियांत्रिकी
श्री आदिकानन्द परीदा, एम.ई.,	17.07.06	औद्योगिक प्रणाली एवं उपकरण
श्री अनु कुमार दास, एम.टेक.	12.01.07	शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी
श्री एन.एल. मैतेई, एम.टेक.	24.12.09	ऊर्जा प्रौद्योगिकी
कुमारी सोमिला हसूनो, एम.टेक.	15.01.10	विद्युत शक्ति प्रणाली
श्री अखिलेश शर्मा , एम.टेक	23.06.14	शक्ति इलेक्ट्रानिकी उपकरण
सुश्री पियाली दास , एम.टेक	01.09.14	प्रकाश अभियांत्रिकी
श्री पी देवचंद्र सिंह , एम.टेक	23.01.15	शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी

6.इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी

प्रोफेसर

डा. अनवर हुसैन, पीएच.डी	31.03.09	शूक्ष्म तरंग अभि., फाइबर ओपटिक्स
-------------------------	----------	----------------------------------

सहायक प्रोफेसर

श्री त्रिपुरारी शरण, एम.टेक.	02.03.09	-
श्री एम मिश्रा, एम.टेक.	24.07.06	-
श्री ए. दिनामनी सिंह, एम .टेक	20.06.06	-
डा. जोयात्री बोरा, एम.टेक.	22.06.06	इलेक्ट्रानिकी डिजाइन प्रौद्योगिकी
श्री अशोक कुमार राय, एम..टेक.	03.07.06	-
श्री एस मजुमदार, एम.टेक.	14.07.06	उपकरण एवं नियंत्रण अभियांत्रिकी
श्री प्रणव कुमार दत्ता, एम.टेक.	24.07.06	इलेक्ट्रानिकी डिजाइन प्रौद्योगिकी
श्री मनीष कुमार, एम.टेक.	09.03.07	-
श्री रुशनी कीमा माँगांग, एम.ई.	23.02.10	अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रानिकी
श्री आखो जॉन रिचा, एम टेक	17.06.14	

श्री अनिल कुमार गौतम	15.07.14
श्री एम एडिसन सिंह	21.01.15

7. यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

प्रोफेसर

डा. एम. मुरलीधर, पीएच.डी.	31.03.09	नींव अभियांत्रिकी
श्री प्रदीप लिग्फा, एम.टेक.	11.02.16	ऊर्जा अध्ययन
श्री एम. चन्द्रशेखरन, एम.टेक.	11.02.16	निर्माण अभियांत्रिकी एवं प्रणाली

एसोसियट प्रोफेसर

डा. आशिष गिरी, पीएच.डी.	22.12.09	-
श्री एस. महतो. एम.टेक.	31.03.09	कम्प्यूटर आधारित डिजाइन
श्री सुतनु सामन्ता, पीएच.डी.	05.06.14	उत्पादन अभियांत्रिकी
डा. सत्यम शिवम गौतम, पीएच.डी.	30.12.14	यांत्रिक

सहायक प्रोफेसर

डा. एम.पी. थेयड्यूस, पीएच.डी.	19.09.94	औद्योगिक अभियांत्रिकी
श्री काजल कुमार मण्डल, एम.टेक.	10.07.01	उत्पादन प्रौद्योगिकी
श्री संदीप सिंह, एम.टेक.	09.07.01	त्रिकोणीय प्रौद्योगिकी
श्री नरेन्द्र कुमार, राणा, एम.ई.	05.07.06	औद्योगिक धातु व धातुकर्म
श्री मार्याम डाबी, एम.टेक.	06.07.06	
श्री नाबाम तेई, एम.टेक.	11.01.10	
श्री एस के तामांग, एम.टेक	30.12.14	
मो एस मोजाहिद खान, एम.टेक	19.01.15	
श्री यदइया निर्सानमेतला, एम.टेक	05.02.15	

8. भौतिक विज्ञान विभाग

प्रोफेसर

डा. पी. आर. अलापाति, पीएच.डी	31.03.09	कंडेन्स मेटर (लिक्विड क्रिस्टल)
------------------------------	----------	---------------------------------

एसोसियट प्रोफेसर

डा. एम. सेनगुप्ता, पीएच.डी (विभागाध्यक्ष)	02.08.07	सैद्धांतिक नाभिकीय भौतिकी
डा. टाडो कारलो, पीएच.डी	31.03.09	क्वांटम भौतिकी का गणितीय आधार
डा. अरविन्द पाँडे, पीएच.डी	18.08.13	अतिचालकता
डा. (श्रीमती) गोमती देवी, पीएच.डी	22.01.15	भौतिकी

सहायक प्रोफेसर

डा. कमल शहरिया, पीएच.डी	22.12.09	प्लाज्मा में समानान्तर विद्युत क्षेत्र
डॉ. एस धीरेन मेतेई	29.12.14	
डॉ. (सुश्री) अकबरी जहाँ, पीएच.डी	09.01.15	
डॉ. कुणाल बोरा, पीएच.डी	13.01.15	

9. रसायन विज्ञान विभाग

प्रोफेसर

डा. मुबारक हुसैन, पीएच.डी	26.04.97	संश्लेषित कार्बनिक रसायन
डा. एच. एस. यादव, पीएच.डी	01.09.01	कार्बनिक रसायन
डा. पी. के. त्रिपाठी, पीएच.डी	31.03.09	कार्बनिक रसायन
डा. एम. एफ. हुसैन, पीएच.डी	31.03.09	भौतिक रसायन
डा. के. डी. राम, पीएच.डी	31.03.09	भौतिक रसायन
डा. निधुबन देब, पीएच.डी	30.05.14	भौतिक रसायन

ऐसोसियट प्रोफेसर

डा. ए. के. गुप्ता, पीएच.डी	31.03.09	कार्बनिक रसायन
डा. (श्रीमती) के. टी. कमाल, पीएच.डी	31.03.09	कार्बनिक रसायन

सहायक प्रोफेसर

श्री एन. घनश्याम सिंह, एम.एससी.	23.12.09	भौतिक रसायन
डॉ. (सुश्री) एस एल भारती, पीएच डी	06.01.15	
डॉ. (सुश्री) मीरा यादव, पीएच डी	06.01.15	
डॉ. जगन्नाथ भूयाँ, पीएच डी	13.01.15	

10. गणित विभाग

प्रोफेसर

डा. जे चौबे, पीएच.डी	18.10.93	अंक सिद्धान्त
डा. पी. के. दास, पीएच.डी	26.04.97	ग्राफ सिद्धान्त समाकलन
डा. एस.के. पाण्डे, पीएच.डी	31.03.09	कन्टीनम यांत्रिकी एवं उप-तल संचरण
डा. एल. के. अरोड़ा, पीएच.डी	31.03.09	विशेष प्रक्रियायें
डा. ए. एस. राय, पीएच.डी	01.04.14	गैस गतिकी, शॉक तरंग

ऐसोसियट प्रोफेसर

डा. वी. के. सिंह, पीएच.डी	19.06.13	नमूना तकनीक
डॉ. एच के निगम, पीएच.डी	01.08.14	

सहायक प्रोफेसर

डा. एम.एम. दीक्षित, पीएच डी	25.07.06	निरन्तर सह-परिकल्पित तरंग स्था.
श्री जयन्त बोरा, एम.एससी.	07.07.06	शुद्ध गणित
डॉ. हेराचन्द्र सिंह, पीएच डी	18.06.14	
डा. प्रदीप देबनाथ , पीएच डी	07.01.15	
डॉ. मोहम्मद हसन, पीएच डी	08.01.15	

11. मानविकी व समाज विज्ञान विज्ञान

प्रोफेसर

डा. बेणुधर नायक, पीएच.डी. 02.08.13 कृषि, ग्रामीण विकास परियोजना प्रबन्धन

एसोसियट प्रोफेसर

डा. पी. आर. परीदा, पीएच.डी. 11.01.01 संगठनात्मक व्यवहार एवं प्रभावी प्रबन्धन

डा. श्यामली सिन्हा, पीएच.डी. 31.03.12 व्यवहार विज्ञान एवं संगठनात्मक व्यवहार

श्री रनेन्द्र प्रसाद, एम.फिल. 31.03.12 अंग्रेजी साहित्य व साहित्यिक सिद्धान्त

सहायक प्रोफेसर

श्री राजू बरठाकर, एम.ए. 06.07.06 अमेरिकी साहित्य

12. प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र

प्रोफेसर

डा. आर.एम. पन्त, पीएच.डी. 02.08.07 श्रमिक अर्थशास्त्र, एचआरएम, व्य. नीति

सहायक प्रोफेसर

श्री एस. चौधुरी, एम.बी.ए. 18.08.06 व्यवसाय प्रशासन

सुश्री बिजयलक्ष्मीशर्मा, एम.बी.ए. 08.12.06 व्यवसाय प्रशासन

डॉ. मनमोहन मल्ल, पीएच डी 15.01.15 भण्डारण श्रेणीबधता
